missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by ipca | Foundation

कक्षा-8

सामाजिक विज्ञान

QUESTION BANK

RECORDED VIDEOS | LIVE CLASSES | PDF NOTES | e-BOOKS | QUIZ | TEST SERIES

GET IT ON Google Play DOWNLOAD MISSION GYAN MOBILE APP

विषय-सूची

क्र.सं.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
हमारे अतीत–3 (इतिहास)		
1.	कैसे कब और कहाँ	1-3
2.	व्यापार से साम्राज्य तक– कंपनी की सत्ता स्थापित होती है	4-10
3.	ग्रामीण क्षेत्र पर शासन चलाना	11-16
4.	आदिवासी, दीकु और एक स्वर्ण युग की कल्पना	17-22
5.	हाशियाकरण की समझ	23-27
6.	देशी जनता को सभ्य बनाना, राष्ट्र को शिक्षित करना	28-33
7.	महिलाएँ, जाति एवं सुधार	34-39
8.	राष्ट्रीय आंदोलन का संघटन : 1870 के दशक से 1947 तक	40-48
संसाधन एवं विकास (भूगोल)		
1.	संसाधन	49-53
2.	भूमि, मृदा, जल, प्राकृतिक वनस्पति और वन्य जीवन संसाधन	54-58
3.	कृषि	59-65
4.	उद्योग	66-70
5.	मानव संसाधन	71-75
सामाजिक और राजनीतिक जीवन – 3 (राजनीति विज्ञान)		
1.	भारतीय संविधान	76-80
2.	धर्मनिरपेक्षता की समझ	81-84
3.	संसद तथा कानूनों का निर्माण	85-90
4.	न्यायपालिका	91-95
5.	हाशियाकरण की समझ	96-101
6.	हाशियाकरण से निपटना	102-107
7.	जनसुविधाएँ	108-112
8.	कानून और सामाजिक न्याय	113-119

हमारे अतीत–3
(इतिहास)

1 कैसे कब और कहाँ

तारीखें और ऐतिहासिक सवाल

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. प्रथम गवर्नर जनरल थे– *(RBSE – 2024)*
(अ) लॉर्ड विलियम बैंटिक
(ब) वारेन हेस्टिंग्स
(स) लॉर्ड डलहौजी
(द) लॉर्ड कैनिंग **(ब)**

2. औपनिवेशिक/शाही भारतीय नौसेना ने बगावत की– *(RBSE – 2025)*
(अ) 1942 में (ब) 1946 में
(स) 1947 में (द) 1948 में **(ब)**

रिक्तस्थान –

1. वॉरेन हेस्टिंग्स 1773 में पहले .... बने।
उत्तर : गवर्नर–जनरल

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. ब्रिटिश भारत के इतिहास में किनका सिलसिला प्रमुख था?
उत्तर : गवर्नर–जनरलों और वायसरॉयों का।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. तारीखों का महत्त्व किस बात पर निर्भर करता है?
उत्तर :
- तारीखें अपने आप महत्त्वपूर्ण नहीं होतीं।
- हम जिन घटनाओं को महत्त्वपूर्ण मानते हैं, वे तारीखों को महत्त्व देती हैं।
- अध्ययन का विषय तारीखों के चयन को प्रभावित करता है।
- विषय बदलने पर महत्त्वपूर्ण तारीखें भी बदलती हैं।
- इसलिए तारीखों का महत्त्व इतिहास लेखन की दृष्टि पर निर्भर है।

2. गवर्नर–जनरल आधारित इतिहास की सीमा क्या थी?
उत्तर :
- यह इतिहास अधिकारियों के जीवन पर केंद्रित था।
- भारतीय समाज के समूहों की गतिविधियाँ कम दिखाई देती थीं।
- भारतीयों की भूमिका को महत्व नहीं मिलता था।
- इसमें सत्ता के बाहर का जीवन कम समझ आता था।

3. नए इतिहास लेखन में किन मुद्दों पर ध्यान दिया जाता है?
उत्तर :
- लोग रोज़ी–रोटी कैसे चलाते थे।
- वे क्या पैदा करते और क्या खाते थे।
- शहर और बाजार कैसे बने।
- नए विचार कैसे पनपे।
- संस्कृति और समाज में कैसे बदलाव आए।

जेम्स मिल और काल–विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. जेम्स मिल कौन थे?
(अ) फ्रांस के चित्रकार
(ब) स्कॉटलैंड के अर्थशास्त्री और राजनीतिक दार्शनिक
(स) भारतीय सुधारक
(द) ब्रिटिश सैनिक **(ब)**

2. जेम्स मिल ने 1817 में कौन–सी पुस्तक लिखी?
(अ) भारत का भूगोल (ब) ए हिस्ट्री ऑफ़ ब्रिटिश इंडिया
(स) आधुनिक भारत (द) भारतीय समाज **(ब)**

3. बहुत सारे इतिहासकार ब्रिटिश शासन के युग को क्या कहते हैं?
(अ) वैदिक युग (ब) औपनिवेशिक युग
(स) स्वर्ण युग (द) गणतांत्रिक युग **(ब)**

रिक्तस्थान –

1. जेम्स मिल ने भारत के इतिहास को हिंदू, मुस्लिम और .... काल खंडों में बाँटा।
उत्तर : ब्रिटिश

सत्य/असत्य प्रश्न –

1. जेम्स मिल ने भारतीय इतिहास को हिंदू, मुस्लिम और ब्रिटिश काल में बाँटा था।
उत्तर : सत्य

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. जेम्स मिल ने भारतीय इतिहास को कितने काल खंडों में बाँटा?
उत्तर : तीन काल खंडों में।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

2. **निम्न को सुमेलित कीजिए–**

कॉलम - A	**कॉलम - B**
1. जेम्स मिल	A. स्कॉटलैंड के विचारक
2. 1817	B. पुस्तक लिखने का वर्ष
3. ए हिस्ट्री ऑफ़ ब्रिटिश इंडिया	C. तीन खंडों की पुस्तक
4. औपनिवेशिक युग	D. ब्रिटिश शासन का युग

उत्तर : 1-A, 2-B, 3-C, 4-D

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. **जेम्स मिल के काल–विभाजन में क्या समस्या थी?**

उत्तर :
- उन्होंने इतिहास को शासकों के धर्म के आधार पर बाँटा।
- किसी युग में कई धर्म साथ–साथ चलते थे।
- सभी लोगों का जीवन केवल शासक के धर्म से तय नहीं होता।
- यह विभाजन समाज की विविधता को कम दिखाता है।
- इससे अन्य समुदायों के जीवन का महत्त्व कम हो जाता है।

2. **बहुत सारे इतिहासकार ब्रिटिश काल को औपनिवेशिक युग क्यों कहते हैं?**

उत्तर :
- इस समय भारत पर ब्रिटिश दबदबा था।
- राजनीतिक नियंत्रण अंग्रेजों के हाथ में था।
- अर्थव्यवस्था पर अंग्रेजों का नियंत्रण बढ़ा।
- समाज और संस्कृति में बदलाव आए।
- इसलिए इस युग को औपनिवेशिक युग कहा जाता है।

औपनिवेशिक क्या होता है?

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. **जब एक देश पर दूसरे देश के दबदबे से राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक बदलाव आते हैं, तो इस प्रक्रिया को .... कहा जाता है।** *(RBSE – 2026)*

(अ) औपनिवेशीकरण
(ब) औद्योगिकीकरण
(स) व्यावसायीकरण
(द) वैश्वीकरण **(अ)**

2. **ब्रिटिश शासन से किन क्षेत्रों में बदलाव आए?**

(अ) केवल खेलों में
(ब) राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में
(स) केवल मौसम में
(द) केवल भाषा में **(ब)**

रिक्तस्थान –

1. जब एक देश पर दूसरे देश का दबदबा होता है तो उसे . ... कहा जाता है।

उत्तर : औपनिवेशीकरण

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. **औपनिवेशीकरण से क्या आशय है?**

उत्तर :
- जब एक देश दूसरे देश पर दबदबा स्थापित करता है।
- इससे राजनीतिक बदलाव आते हैं।
- अर्थव्यवस्था पर नियंत्रण बढ़ता है।
- समाज और संस्कृति भी प्रभावित होते हैं।
- इस पूरी प्रक्रिया को औपनिवेशीकरण कहा जाता है।

2. **अंग्रेज़ों की आर्थिक नीतियों के मुख्य उद्देश्य क्या थे?**

उत्तर :
- अपने खर्चों को पूरा करना।
- राजस्व वसूल करना।
- जरूरत की चीज़ें सस्ते में खरीदना।
- निर्यात के लिए फसलों की खेती कराना।
- भारतीय अर्थव्यवस्था पर नियंत्रण रखना।

3. **ब्रिटिश शासन से सांस्कृतिक जीवन में क्या बदलाव आए?**

उत्तर :
- मूल्य–मान्यताओं में बदलाव आया।
- पसंद–नापसंद बदली।
- रीति–रिवाज प्रभावित हुए।
- तौर–तरीकों में परिवर्तन आया।
- भारतीय समाज पर औपनिवेशिक प्रभाव बढ़ा।

प्रशासनिक अभिलेख और सरकारी रिकॉर्ड

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. **इतिहासकारों ने अंग्रेजी शासन द्वारा तैयार रिकॉर्ड का प्रयोग किया–** *(RBSE – 2023)*

(अ) वाद–विवाद हेतु
(ब) इतिहास के अध्ययन हेतु
(स) टिप्पणी हेतु
(द) प्रतिवेदन तैयार करने हेतु **(ब)**

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. **सरकारी रिकॉर्ड इतिहासकारों के लिए क्यों महत्त्वपूर्ण हैं?**

उत्तर : वे ब्रिटिश प्रशासन की नीतियों और निर्णयों की जानकारी देते हैं।

2. **खुशनवीसी क्या है?**

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

उत्तर : सुंदर ढंग से लिखने की कला।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. अंग्रेज़ों ने दस्तावेज़ों को सुरक्षित रखने के लिए क्या व्यवस्थाएँ कीं?

उत्तर :
- शासकीय संस्थानों में रिकॉर्ड रूम बनाए।
- तहसील और कलेक्टरेट में अभिलेख रखे गए।
- कमिश्नर दफ्तर और सचिवालय में दस्तावेज़ सुरक्षित रखे गए।
- कचहरी में भी रिकॉर्ड रूम बनाए गए।
- अभिलेखागार और संग्रहालय जैसी संस्थाएँ बनाई गईं।

2. छपाई तकनीक के फैलने से प्रशासनिक रिकॉर्ड पर क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर :
- दस्तावेज़ों की अनेक प्रतियाँ बनने लगीं।
- सरकारी कार्रवाइयों का रिकॉर्ड बढ़ा।
- जानकारी को सुरक्षित रखना आसान हुआ।
- विभागीय कार्यों का लिखित प्रमाण उपलब्ध हुआ।
- प्रशासनिक व्यवस्था अधिक लिखित रूप में दिखाई देने लगी।

सर्वेक्षण का बढ़ता महत्त्व

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. औपनिवेशिक शासन में सर्वेक्षण का महत्त्व क्यों बढ़ा?

उत्तर :
- अंग्रेज़ देश को सही ढंग से जानना चाहते थे।
- वे मानते थे कि ज्ञान के आधार पर शासन बेहतर होता है।
- नक्शे और सर्वेक्षण प्रशासन में सहायक थे।
- स्थानीय संसाधनों की जानकारी मिलती थी।
- शासन को नियंत्रित और व्यवस्थित करने में मदद मिलती थी।

2. जनगणना से प्रशासन को क्या जानकारी मिलती थी?

उत्तर :
- प्रांतों में रहने वाले लोगों की संख्या।
- लोगों की जाति।
- उनके इलाके की जानकारी।
- उनके व्यवसाय की जानकारी।

3. औपनिवेशिक शासन में किन–किन प्रकार के सर्वेक्षण किए गए?

उत्तर :
- राजस्व सर्वेक्षण।
- वानस्पतिक सर्वेक्षण।
- प्राणि वैज्ञानिक सर्वेक्षण।
- पुरातात्वीय सर्वेक्षण।
- मानवशास्त्रीय और वन सर्वेक्षण।

सरकारी रिकॉर्ड्स की सीमाएँ और अन्य स्रोत

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. सरकारी रिकॉर्ड्स की सीमाएँ लिखिए।

उत्तर :
- ये सरकारी अफसरों की सोच बताते हैं।
- आम लोगों की भावनाएँ पूरी तरह नहीं बताते।
- लोगों की कार्रवाइयों के कारण हमेशा स्पष्ट नहीं होते।
- ये वही चीज़ें बचाते हैं जिन्हें अधिकारी महत्त्वपूर्ण मानते थे।
- समाज के सभी वर्गों की आवाज़ इनमें नहीं मिलती।

2. अखबार इतिहासकारों के लिए क्यों महत्त्वपूर्ण हैं?

उत्तर :
- वे आंदोलनों की खबर देते हैं।
- जनता की समस्याओं को सामने लाते हैं।
- अलग–अलग मुद्दों पर बहस दिखाते हैं।
- सरकारी रिपोर्टों से अलग दृष्टिकोण देते हैं।
- समाज की तत्कालीन स्थिति समझने में मदद करते हैं।

2 व्यापार से साम्राज्य तक – कंपनी की सत्ता स्थापित होती है

पूर्व में ईस्ट इंडिया कंपनी का आना

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. ईस्ट इंडिया कंपनी ने इंग्लैंड की महारानी एलिज़ाबेथ प्रथम से चार्टर कब प्राप्त किया?
(अ) 1498 (ब) 1600
(स) 1651 (द) 1707 **(ब)**

2. 1498 में भारत तक पहुँचने के समुद्री मार्ग का पता किसने लगाया था?
(अ) वास्को द गामा (ब) रॉबर्ट क्लाइव
(स) वॉरेन हेस्टिंग्स (द) लॉर्ड डलहौज़ी **(अ)**

3. यूरोप के बाज़ारों में भारत की किस वस्तु की ज़बरदस्त माँग थी?
(अ) लोहे के औज़ार
(ब) बारीक सूती कपड़े
(स) लकड़ी के खिलौने
(द) पत्थर की मूर्तियाँ **(ब)**

4. बंगाल में पहली इंग्लिश फैक्टरी कहाँ शुरू हुई थी?
(अ) कालीकाता
(ब) मद्रास
(स) हुगली नदी के किनारे
(द) बम्बई **(स)**

5. कालीकाता बाद में किस नाम से प्रसिद्ध हुआ?
(अ) दिल्ली (ब) कलकत्ता
(स) पूना (द) बनारस **(ब)**

रिक्तस्थान –

1. ईस्ट इंडिया कंपनी को सन् .... में चार्टर प्राप्त हुआ।
उत्तर : 1600

2. वास्को द गामा ने भारत तक पहुँचने के समुद्री मार्ग का पता .... में लगाया।
उत्तर : 1498

3. व्यापारियों को उस समय .... कहा जाता था।
उत्तर : फैक्टर

4. .... एक शाही आदेश होता है।
उत्तर : फ़रमान

5. कंपनी ने तीन गाँवों की ज़मींदारी मुग़ल अफ़सरों को रिश्वत देकर .... में खरीदी।
उत्तर : 1698

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. वाणिज्यिक उद्यम किसे कहते हैं?
उत्तर : ऐसा व्यापार जिसमें सस्ती कीमत पर चीज़ें खरीदकर अधिक कीमत पर बेची जाती हैं। इसका मुख्य उद्देश्य व्यापार से मुनाफ़ा कमाना होता है।

2. ईस्ट इंडिया कंपनी को चार्टर से क्या अधिकार मिला?
उत्तर : कंपनी को पूरब से व्यापार करने का एकाधिकार मिला। इंग्लैंड की कोई दूसरी कंपनी उससे होड़ नहीं कर सकती थी।

3. फैक्टरी में कौन–कौन सी चीज़ें होती थीं?
उत्तर : वेयरहाउस होता था।
निर्यात की वस्तुएँ जमा की जाती थीं।
कंपनी के अफ़सरों के दफ़्तर होते थे।

4. यूरोपीय कंपनियों के बीच प्रतिस्पर्धा क्यों बढ़ी?
उत्तर : सभी कंपनियाँ भारत से लगभग समान चीज़ें खरीदना चाहती थीं।
सूती कपड़े, रेशम और मसालों की भारी माँग थी।

5. कंपनी और स्थानीय शासकों के बीच टकराव क्यों बढ़े?
उत्तर : कंपनी अपनी बस्तियों को किलेबंद कर रही थी।
वह व्यापार में अधिक रियायतें चाहती थी।

6. निम्न को सुमेलित कीजिए–
सही जोड़े मिलाइए।

स्तंभ - I	स्तंभ - II
1. चार्टर	a. शाही आदेश
2. फ़रमान	b. व्यापार का इजाज़तनामा
3. फैक्टर	c. कंपनी के व्यापारी
4. कालीकाता	d. बाद में कलकत्ता

उत्तर : 1-B, 2-A, 3-C, 4-D

7. निम्न को सुमेलित कीजिए–
सही जोड़े मिलाइए।

स्तंभ - I	स्तंभ - II
1. वास्को द गामा	a. 1498
2. पहली इंग्लिश फैक्टरी	b. हुगली नदी के किनारे
3. ईस्ट इंडिया कंपनी का चार्टर	c. 1600
4. केप ऑफ़ गुड होप	d. समुद्री मार्ग से जुड़ा स्थान

उत्तर : 1-A, 2-B, 3-C, 4-D

सत्य/असत्य प्रश्न –

1. ईस्ट इंडिया कंपनी को पूरब से व्यापार करने का एकाधिकार मिला था।

उत्तर : सत्य

2. पुर्तगाली, डच और फ्रांसीसी व्यापारी भारत में व्यापार के लिए नहीं आए थे।

उत्तर : असत्य

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. यूरोपीय व्यापारिक कंपनियाँ भारत की ओर क्यों आकर्षित हुईं?

उत्तर :
- भारत में बने बारीक सूती कपड़ों की यूरोप में भारी माँग थी।
- रेशम की भी बहुत माँग थी।
- काली मिर्च, लौंग, इलायची और दालचीनी जैसे मसाले यूरोप में लोकप्रिय थे।
- कंपनियाँ सस्ती वस्तुएँ खरीदकर यूरोप में महँगी बेचकर मुनाफ़ा कमाना चाहती थीं।
- इसी कारण पुर्तगाली, डच, फ्रांसीसी और अंग्रेज़ भारत की ओर आकर्षित हुए।

2. ईस्ट इंडिया कंपनी को मिले चार्टर का क्या महत्त्व था?

उत्तर :
- चार्टर से कंपनी को पूरब से व्यापार करने का अधिकार मिला।
- इंग्लैंड की कोई दूसरी व्यापारिक कंपनी उससे प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकती थी।
- कंपनी समुद्र पार जाकर नए इलाकों में व्यापार कर सकती थी।
- इससे कंपनी को व्यापार में सुरक्षा और बढ़त मिली।
- कंपनी मुनाफ़ा कमाने के लिए स्वतंत्र रूप से व्यापार कर सकी।

3. यूरोपीय कंपनियों की प्रतिस्पर्धा से क्या परिणाम निकले?

उत्तर :
- सभी कंपनियाँ भारत की समान वस्तुएँ खरीदना चाहती थीं।
- भारतीय बाज़ारों में वस्तुओं की कीमतें बढ़ने लगीं।
- कंपनियों का मुनाफ़ा घटने लगा।
- कंपनियाँ प्रतिस्पर्धियों को खत्म करना चाहती थीं।
- इसी कारण व्यापारिक कंपनियों के बीच लड़ाइयाँ शुरू हुईं।

4. बंगाल में ईस्ट इंडिया कंपनी का व्यापार कैसे फैला?

उत्तर :
- 1651 में हुगली नदी के किनारे पहली इंग्लिश फैक्टरी शुरू हुई।
- फैक्टरी में माल जमा करने के लिए वेयरहाउस था।
- कंपनी ने व्यापारियों को फैक्टरी के आसपास बसने के लिए प्रेरित किया।
- 1696 तक कंपनी ने बस्ती के चारों ओर किला बनाना शुरू किया।
- बाद में कंपनी ने तीन गाँवों की ज़मींदारी भी खरीद ली।

5. औरंगज़ेब के फ़रमान से विवाद क्यों पैदा हुआ?

उत्तर :
- फ़रमान से केवल कंपनी को शुल्क–मुक्त व्यापार का अधिकार मिला था।
- कंपनी के निजी अफ़सरों को यह छूट नहीं थी।
- फिर भी कंपनी के अफ़सरों ने शुल्क देने से इनकार किया।
- इससे बंगाल में राजस्व वसूली कम हो गई।
- इसी कारण बंगाल के नवाबों ने कंपनी का विरोध किया।

कंपनी का फैलता शासन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. प्लासी का युद्ध किस वर्ष हुआ था?

(अ) 1757 (ब) 1764
(स) 1765 (द) 1799 **(अ)**

2. प्लासी के युद्ध में सिराजुद्दौला की हार का बड़ा कारण कौन था?

(अ) मीर कासिम (ब) मीर जाफ़र
(स) वॉरेन हेस्टिंग्स (द) लॉर्ड हेस्टिंग्स **(ब)**

3. बक्सर की लड़ाई किस वर्ष हुई थी?

(अ) 1756 (ब) 1757
(स) 1764 (द) 1801 **(स)**

4. टीपू सुल्तान को किस नाम से जाना जाता था?

(अ) शेर–ए–पंजाब (ब) शेर–ए–मैसूर
(स) शेर–ए–बंगाल (द) शेर–ए–अवध **(ब)**

5. विलय नीति किस गवर्नर–जनरल ने अपनाई?

(अ) वॉरेन हेस्टिंग्स (ब) लॉर्ड हेस्टिंग्स
(स) रिचर्ड वेलेज़्ली (द) लॉर्ड डलहौज़ी **(द)**

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

रिक्तस्थान –

1. 1756 में अली वर्दी खान की मृत्यु के बाद .... बंगाल के नवाब बने।

उत्तर : सिराजुद्दौला

2. 1765 में मुग़ल सम्राट ने कंपनी को बंगाल प्रांत का .... नियुक्त किया।

उत्तर : दीवान

3. टीपू सुल्तान की मृत्यु .... में श्रीरंगपट्टणम् की रक्षा करते हुए हुई।

उत्तर : 1799

4. लॉर्ड डलहौज़ी ने .... नीति लागू की।

उत्तर : विलय

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. कठपुतली नवाब से क्या आशय है?

उत्तर : ऐसा नवाब जो कंपनी के इशारों पर चले। कंपनी उसे अपनी सुविधाओं के लिए उपयोग करना चाहती थी।

2. प्लासी की जंग क्यों महत्त्वपूर्ण थी?

उत्तर : यह भारत में कंपनी की पहली बड़ी जीत थी। इससे बंगाल में कंपनी की शक्ति बढ़ी।

3. प्लासी का युद्ध किन–किन के मध्य हुआ? *(RBSE – 2023)*

उत्तर : प्लासी का युद्ध बंगाल के नवाब सिराजुद्दौला और ईस्ट इंडिया कंपनी के बीच हुआ। इस युद्ध में कंपनी की ओर से रॉबर्ट क्लाइव ने नेतृत्व किया।

4. दीवानी मिलने से कंपनी को क्या मिला?

उत्तर : बंगाल के राजस्व संसाधनों पर नियंत्रण मिला। कंपनी को भारत से ही खर्च चलाने का साधन मिला।

5. रेज़िडेंट कौन होते थे?

उत्तर : वे कंपनी के राजनीतिक या व्यावसायिक प्रतिनिधि थे। वे भारतीय राज्यों में कंपनी के हितों की रक्षा करते थे।

6. विलय नीति का मुख्य तर्क क्या था?

उत्तर : यदि किसी शासक की मृत्यु पुरुष वारिस के बिना होती थी, तो उसकी रियासत कंपनी में मिला ली जाती थी।

7. निम्न को सुमेलित कीजिए–
सही जोड़े मिलाइए।

स्तंभ - I	स्तंभ - II
1. प्लासी का युद्ध	a. 1757
2. बक्सर की लड़ाई	b. 1764
3. दीवानी	c. भूराजस्व वसूल करने का अधिकार
4. टीपू सुल्तान	d. शेर–ए–मैसूर

उत्तर : 1-A, 2-B, 3-C, 4-D

7. निम्न को सुमेलित कीजिए–
सही जोड़े मिलाइए।

स्तंभ - I	स्तंभ - II
1. रानी चेन्नम्मा	a. कित्तूर में अंग्रेज़–विरोधी आंदोलन
2. लॉर्ड डलहौज़ी	b. विलय नीति
3. महाराजा रणजीत सिंह	c. पंजाब
4. रिचर्ड वेलेज़्ली	d. सहायक संधि का दबाव

उत्तर : 1-A, 2-B, 3-C, 4-D

सत्य/असत्य प्रश्न –

1. प्लासी के युद्ध के बाद मीर जाफ़र को नवाब बनाया गया।

उत्तर : सत्य

2. सहायक संधि मानने वाली रियासतें अपनी स्वतंत्र सेना रख सकती थीं।

उत्तर : असत्य

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. बंगाल के नवाबों और ईस्ट इंडिया कंपनी के बीच विवाद के कारण लिखिए।

उत्तर :
- बंगाल के नवाब कंपनी को अधिक रियायतें नहीं देना चाहते थे।
- नवाबों ने कंपनी से नज़राने माँगे।
- कंपनी को सिक्के ढालने का अधिकार नहीं दिया गया।
- नवाबों ने कंपनी की किलेबंदी रोकने का प्रयास किया।
- कंपनी टैक्स चुकाने को तैयार नहीं थी।
- कंपनी के कारण बंगाल सरकार की राजस्व वसूली कम हो रही थी।

2. प्लासी के युद्ध के कारण और परिणाम लिखिए।

उत्तर :
- कंपनी सिराजुद्दौला की जगह कठपुतली नवाब बैठाना चाहती थी।
- सिराजुद्दौला ने कंपनी को किलेबंदी रोकने और राजस्व चुकाने का आदेश दिया।
- दोनों पक्षों के विवाद बढ़ने से 1757 में प्लासी का युद्ध हुआ।
- मीर जाफ़र की गद्दारी के कारण सिराजुद्दौला हार गया।
- युद्ध के बाद मीर जाफ़र नवाब बना और बंगाल में कंपनी की शक्ति बढ़ गई।

3. प्लासी के युद्ध पर टिप्पणी लिखिए। *(RBSE – 2025)*

उत्तर :
- प्लासी का युद्ध 1757 में सिराजुद्दौला और ईस्ट इंडिया कंपनी के बीच हुआ।

- रॉबर्ट क्लाइव ने कंपनी की सेना का नेतृत्व किया।
- सिराजुद्दौला की हार का बड़ा कारण मीर जाफ़र की गद्दारी थी, क्योंकि उसने युद्ध में हिस्सा नहीं लिया।
- इस युद्ध के बाद सिराजुद्दौला को मार दिया गया और मीर जाफ़र को नवाब बनाया गया।
- प्लासी का युद्ध भारत में कंपनी की पहली बड़ी जीत माना जाता है।

4. प्लासी के युद्ध में कंपनी को सफलता कैसे मिली?

उत्तर :
- कंपनी सिराजुद्दौला को हटाकर कठपुतली नवाब चाहती थी।
- रॉबर्ट क्लाइव ने मीर जाफ़र से गुप्त समझौता किया।
- मीर जाफ़र को नवाब बनाने का वादा किया गया।
- युद्ध में मीर जाफ़र की टुकड़ियों ने हिस्सा नहीं लिया।
- इसके कारण सिराजुद्दौला की हार हुई।
- प्लासी के बाद मीर जाफ़र नवाब बना।

5. मीर जाफ़र की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :
- मीर जाफ़र सिराजुद्दौला की सेना का सेनापति था।
- रॉबर्ट क्लाइव ने उसे अपने पक्ष में मिला लिया था।
- क्लाइव ने उसे नवाब बनाने का वादा किया था।
- प्लासी के युद्ध में मीर जाफ़र की सेना ने भाग नहीं लिया।
- उसकी इस भूमिका से सिराजुद्दौला हार गया और मीर जाफ़र नवाब बना।

6. दीवानी मिलने से ईस्ट इंडिया कंपनी को क्या लाभ हुआ?

उत्तर :
- कंपनी को बंगाल के विशाल राजस्व संसाधनों पर नियंत्रण मिला।
- अब उसे ब्रिटेन से सोना–चाँदी लाने की आवश्यकता नहीं रही।
- भारत की आमदनी से कंपनी अपने खर्च चला सकती थी।
- कंपनी सूती और रेशमी कपड़ा खरीद सकती थी।
- कंपनी अपनी फौजों को संभाल सकती थी।
- कलकत्ते में किलों और दफ़्तरों के निर्माण का खर्च उठा सकती थी।

7. 1765 में कंपनी को बंगाल प्रांत की दीवानी मिलने से क्या फायदा हुआ? *(RBSE – 2026)*

उत्तर :
- कंपनी को बंगाल के विशाल राजस्व संसाधनों पर नियंत्रण मिल गया।
- अब कंपनी को भारत में सामान खरीदने के लिए ब्रिटेन से सोना–चाँदी लाने की जरूरत नहीं रही।
- भारत से होने वाली आमदनी से ही कंपनी अपने खर्च चलाने लगी।
- इसी आमदनी से कंपनी सूती–रेशमी कपड़ा खरीदती, सेना सँभालती और किले–दफ़्तर बनवाती थी।

8. कंपनी ने अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए क्या उपाय किए? *(RBSE – 2025)*

उत्तर :
- कंपनी ने बंगाल के नवाबों से अधिक व्यापारिक रियायतें और सुविधाएँ पाने की कोशिश की।
- बक्सर की लड़ाई के बाद नवाब को हर महीने पाँच लाख रुपये कंपनी को देने पड़े।
- कंपनी अपने सैनिक खर्चों, व्यापारिक ज़रूरतों और अन्य खर्चों के लिए अधिक पैसा चाहती थी।
- कंपनी और ज्यादा इलाके तथा और ज्यादा कमाई चाहती थी।
- 1765 में बंगाल की दीवानी मिलने के बाद कंपनी को बंगाल के राजस्व संसाधनों पर नियंत्रण मिल गया।

9. कंपनी के अधिकारी नबॉब क्यों कहलाए?

उत्तर :
- कंपनी के अधिकारी भारत में बहुत धन कमाने लगे थे।
- वे नवाबों जैसी ऐशो–आराम की जिंदगी जीते थे।
- प्लासी के बाद उन्हें निजी तोहफे, जमीन और धन मिला।
- ब्रिटेन लौटकर वे आलीशान जीवन बिताते थे।
- इसलिए उन्हें भारतीय शब्द "नवाब" के अंग्रेजी रूप "नबॉब" कहा गया।

10. रेजिडेंट की भूमिका लिखिए।

उत्तर :
- रेजिडेंट कंपनी का राजनीतिक या व्यावसायिक प्रतिनिधि होता था।
- उसका काम कंपनी के हितों की रक्षा करना था।
- वह भारतीय रियासतों के अंदरूनी मामलों में दखल देता था।
- वह राजा और पदों की नियुक्ति पर प्रभाव डालता था।
- रेजिडेंट भारतीय शासकों को कंपनी के अनुसार काम करने के लिए दबाव में रखता था।

11. सहायक संधि व्यवस्था की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर :
- सहायक संधि मानने वाली रियासत को अपनी स्वतंत्र सेना रखने का अधिकार नहीं रहता था।
- उसे कंपनी की ओर से सुरक्षा मिलती थी।
- "सहायक सेना" के रखरखाव के लिए उसे कंपनी को पैसा देना पड़ता था।
- रकम अदा करने में चूक होने पर जुर्माने के रूप में कंपनी उसका इलाका अपने कब्ज़े में ले सकती थी।
- इस व्यवस्था से भारतीय रियासतों पर कंपनी का नियंत्रण बढ़ गया।

12. कंपनी ने भारतीय रियासतों पर नियंत्रण बढ़ाने के लिए कौन–कौन से उपाय अपनाए?

उत्तर :
- कंपनी ने सीधे सैनिक हमले से पहले राजनीतिक और कूटनीतिक साधन अपनाए।
- रियासतों में रेज़िडेंट तैनात किए गए।
- भारतीय राज्यों के अंदरूनी मामलों में दखल दिया गया।
- सहायक संधि थोपकर रियासतों को निर्भर बनाया गया।
- सर्वोच्चता की नीति द्वारा कंपनी ने खुद को भारतीय राज्यों से ऊपर माना।
- विलय नीति से कई रियासतों को कंपनी में मिला लिया गया।

13. टीपू सुल्तान को "शेर–ए–मैसूर" क्यों कहा गया?

उत्तर :
- टीपू सुल्तान मैसूर के वीर और साहसी शासक थे।
- एक कथा के अनुसार वे जंगल में शिकार खेलने गए थे।
- वहाँ एक शेर ने उन पर हमला किया।
- हथियार सही समय पर साथ न देने पर भी उन्होंने शेर का सामना किया।
- अंत में उन्होंने शेर को मार गिराया, इसलिए वे "शेर–ए–मैसूर" कहलाए।

14. कंपनी और मैसूर के संघर्ष के कारण लिखिए।

उत्तर :
- हैदर अली और टीपू सुल्तान के समय मैसूर शक्तिशाली हो गया था।
- मालाबार तट का व्यापार मैसूर के नियंत्रण में था।
- टीपू सुल्तान ने चंदन, काली मिर्च और इलायची का निर्यात रोक दिया।
- उन्होंने स्थानीय व्यापारियों को कंपनी से व्यापार करने से रोका।
- टीपू ने फ्रांसीसियों से संबंध बनाए और सेना का आधुनिकीकरण किया।

15. मराठों से कंपनी के युद्धों का परिणाम लिखिए।

उत्तर :
- पहला अंग्रेज़–मराठा युद्ध सालबाई संधि से समाप्त हुआ और कोई पक्ष नहीं जीता।
- दूसरे युद्ध के बाद उड़ीसा, आगरा और दिल्ली जैसे क्षेत्र कंपनी के कब्जे में आए।
- तीसरे युद्ध में मराठों की शक्ति समाप्त हो गई।
- पेशवा को पुणे से हटाकर बिठूर में पेंशन पर भेज दिया गया।
- विंध्य के दक्षिण के बड़े भूभाग पर कंपनी का नियंत्रण हो गया।

16. सर्वोच्चता की नीति क्या थी?

उत्तर :
- यह नीति लॉर्ड हेस्टिंग्स के समय शुरू हुई।
- कंपनी ने दावा किया कि उसकी सत्ता भारतीय राज्यों से ऊपर है।
- कंपनी अपने हितों की रक्षा के लिए रियासतों में दखल दे सकती थी।
- जरूरत पड़ने पर कंपनी रियासतों का अधिग्रहण कर सकती थी।
- यह कंपनी की आक्रामक क्षेत्रीय विस्तार नीति थी।

17. विलय नीति का वर्णन कीजिए।

उत्तर :
- विलय नीति लॉर्ड डलहौज़ी ने लागू की।
- इसके अनुसार बिना पुरुष वारिस वाली रियासत कंपनी में मिला ली जाती थी।
- इस नीति से सतारा, संबलपुर, उदयपुर, नागपुर और झाँसी कंपनी के अधीन आ गए।
- 1856 में कंपनी ने अवध को भी अपने नियंत्रण में ले लिया।
- अवध पर कब्जे के लिए कंपनी ने "कुशासन" का तर्क दिया।

18. डलहौज़ी की नीतियाँ किस प्रकार भारतीय राजाओं के असन्तोष का कारण बनीं? *(RBSE – 2026)*

उत्तर :
- लॉर्ड डलहौज़ी ने विलय नीति अपनाई।
- इस नीति के अनुसार, जिस शासक का कोई पुरुष वारिस नहीं होता था, उसकी रियासत कंपनी में मिला ली जाती थी।
- इस नीति से सतारा, संबलपुर, उदयपुर, नागपुर और झाँसी जैसी रियासतें अंग्रेज़ों के हाथ चली गईं।
- 1856 में कंपनी ने अवध को "कुशासन" का तर्क देकर अपने नियंत्रण में ले लिया।
- अपने प्रिय नवाब को गद्दी से हटाए जाने पर अवध के लोगों में गुस्सा भड़क उठा और वे 1857 के महान विद्रोह में शामिल हो गए।

नए शासन की स्थापना

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. वॉरेन हेस्टिंग्स का गवर्नर–जनरल काल कौन–सा था?

(अ) 1761–1782 (ब) 1773–1785
(स) 1798–1805 (द) 1813–1823 **(ब)**

2. ब्रिटिश इलाके किस प्रशासकीय इकाई में बँटे हुए थे?

(अ) रियासत (ब) प्रेज़िडेंसी
(स) साम्राज्य (द) मंडल **(ब)**

3. 1772 से हर ज़िले में कितनी अदालतों की व्यवस्था की गई?

(अ) एक (ब) दो

(स) तीन (द) चार **(ब)**

4. 1773 के रेग्युलेटिंग ऐक्ट के तहत किसकी स्थापना की गई?

(अ) सर्वोच्च न्यायालय

(ब) सहायक सेना

(स) विलय नीति

(द) रेज़िडेंट व्यवस्था **(अ)**

5. अंग्रेज़ अपनी भारतीय सेना को क्या कहते थे?

(अ) नबॉब आर्मी (ब) सिपॉय आर्मी

(स) कलेक्टर आर्मी (द) प्रेज़िडेंसी आर्मी **(ब)**

रिक्तस्थान –

1. हर ज़िले में दो अदालतें थीं– फ़ौजदारी अदालत और .... अदालत।

उत्तर : दीवानी

2. दीवानी अदालतों के मुखिया यूरोपीय ज़िला .... होते थे।

उत्तर : कलेक्टर

3. कलेक्टर का कार्यालय .... कहलाता था।

उत्तर : कलेक्टरेट

4. भारतीय शब्द 'सिपाही' से अंग्रेज़ी शब्द .... बना।

उत्तर : सिपॉय

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. प्रथम गवर्नर–जनरल कौन थे? *(RBSE – 2024)*

उत्तर : वॉरेन हेस्टिंग्स भारत के प्रथम गवर्नर–जनरल थे। उनके समय में कंपनी ने कई प्रशासनिक और न्यायिक सुधार किए।

2. काज़ी कौन होता था?

उत्तर : काज़ी एक न्यायाधीश होता था। वह फ़ौजदारी अदालत से जुड़ा था।

3. मुफ़्ती कौन होता था?

उत्तर : मुफ़्ती मुस्लिम समुदाय का न्यायविद होता था। वह कानूनों की व्याख्या करता था।

4. कलेक्टर का मुख्य काम क्या था?

उत्तर : लगान और कर इकट्ठा करना। ज़िले में कानून–व्यवस्था बनाए रखना।

5. धर्मशास्त्र क्या हैं?

उत्तर : संस्कृत की ऐसी कृतियाँ जिनमें सामाजिक तौर–तरीकों और आचरण के सिद्धांतों की व्याख्या होती है।

6. मस्केट क्या था?

उत्तर : पैदल सिपाहियों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली भारी बंदूक।

7. निम्न को सुमेलित कीजिए– सही जोड़े मिलाइए।

स्तंभ - I	स्तंभ - II
1. वॉरेन हेस्टिंग्स	a. भारत का पहला गवर्नर–जनरल
2. कलेक्टर	b. लगान और कर वसूल करना
3. काज़ी	c. न्यायाधीश
4. सिपाही	d. सिपॉय

उत्तर : 1-A, 2-B, 3-C, 4-D

7. निम्न को सुमेलित कीजिए– सही जोड़े मिलाइए।

स्तंभ - I	स्तंभ - II
1. प्रेज़िडेंसी	a. प्रशासकीय इकाई
2. रेग्युलेटिंग ऐक्ट	b. 1773
3. सदर निज़ामत अदालत	c. अपीलीय अदालत
4. कलेक्टरेट	d. सत्ता और संरक्षण का नया केंद्र

उत्तर : 1-A, 2-B, 3-C, 4-D

8. निम्न को सुमेलित कीजिए–

स्तंभ - I	स्तंभ - II
1. मस्केट	a. पैदल सैनिकों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली बन्दूक
2. मैचलॉक	b. बन्दूक जिसमें बारूद को चिंगारी दी जाती थी
3. मुफ़्ती	c. मुस्लिम समुदाय का न्यायविद्, जो कानूनों की व्याख्या करता था
4. महाभियोग	d. किसी व्यक्ति के खिलाफ दुराचरण का आरोप लगाकर चलाया गया मुकदमा

उत्तर : 1-A, 2-B, 3-C, 4-D

सत्य/असत्य प्रश्न –

1. 1772 से हर ज़िले में फ़ौजदारी और दीवानी अदालतों की व्यवस्था की गई।

उत्तर : सत्य

2. 1820 के दशक के बाद कंपनी की सेना में घुड़सवार टुकड़ियों की ज़रूरत बढ़ती गई।

उत्तर : असत्य

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. वॉरेन हेस्टिंग्स के समय प्रशासनिक व्यवस्था में क्या बदलाव हुए?

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

उत्तर : • कंपनी बंगाल, बम्बई और मद्रास में सत्ता हासिल कर चुकी थी।
- ब्रिटिश इलाके प्रेज़िडेंसी नामक प्रशासकीय इकाइयों में बँटे थे।
- तीन प्रमुख प्रेज़िडेंसी थीं – बंगाल, मद्रास और बम्बई।
- हर प्रेज़िडेंसी का शासन गवर्नर के पास था।
- सबसे ऊपर गवर्नर–जनरल होता था।
- वॉरेन हेस्टिंग्स ने विशेष रूप से न्याय व्यवस्था में सुधार किए।

2. वॉरेन हेस्टिंग्स के न्याय सुधार लिखिए।

उत्तर : • 1772 से नई न्याय व्यवस्था शुरू की गई।
- हर ज़िले में दीवानी अदालत और फ़ौजदारी अदालत की व्यवस्था की गई।
- दीवानी अदालतों के मुखिया यूरोपीय ज़िला कलेक्टर होते थे।
- मौलवी और हिंदू पंडित भारतीय कानूनों की व्याख्या करते थे।
- 1773 के रेग्युलेटिंग ऐक्ट के तहत सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना की गई।
- कलकत्ता में अपीलीय अदालत, सदर निज़ामत अदालत, भी स्थापित की गई।

3. 1772 की नई न्याय व्यवस्था की प्रमुख बातें लिखिए।

उत्तर : • हर ज़िले में दो अदालतों की व्यवस्था की गई।
- एक फ़ौजदारी अदालत थी।
- दूसरी दीवानी अदालत थी।
- दीवानी अदालतों के मुखिया यूरोपीय ज़िला कलेक्टर होते थे।
- मौलवी और हिंदू पंडित भारतीय कानूनों की व्याख्या करते थे।
- फ़ौजदारी अदालतें काज़ी और मुफ़्ती के अधीन थीं, पर कलेक्टर की निगरानी में काम करती थीं।

4. भारतीय कानूनों में समरूपता लाने के लिए क्या प्रयास किए गए?

उत्तर : • धर्मशास्त्र की अलग–अलग व्याख्याओं से कानूनों में भिन्नता आ रही थी।
- इस भिन्नता को कम करने के लिए 1775 में 11 पंडितों को कानूनों का संकलन तैयार करने का काम दिया गया।
- एन.बी. हालहेड ने इस संकलन का अंग्रेज़ी में अनुवाद किया।
- 1778 तक मुस्लिम कानूनों की संहिता भी तैयार कर ली गई।
- इससे यूरोपीय न्यायाधीशों को कानून समझने में सहायता मिली।

5. कलेक्टर की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : • कलेक्टर भारतीय ज़िले का सबसे बड़ा अधिकारी होता था।
- उसका मुख्य काम लगान और कर इकट्ठा करना था।
- वह न्यायाधीशों, पुलिस अधिकारियों और दारोगा की सहायता से काम करता था।
- वह ज़िले में कानून–व्यवस्था बनाए रखता था।
- उसका कार्यालय कलेक्टरेट कहलाता था।
- कलेक्टरेट सत्ता और संरक्षण का नया केंद्र बन गया था।

6. कंपनी की सेना की संरचना में क्या बदलाव आए?

उत्तर : • मुग़ल सेना मुख्य रूप से घुड़सवार और पैदल सेना थी, जिसमें सवारों का दबदबा रहता था।
- अवध और बनारस जैसी रियासतों में किसानों को भर्ती करके पेशेवर सैनिक प्रशिक्षण दिया जाने लगा; कंपनी ने भी यही तरीका अपनाया।
- अंग्रेज़ अपनी सेना को सिपॉय आर्मी कहते थे।
- 1820 के दशक से युद्ध तकनीक बदलने लगी।
- घुड़सवार टुकड़ियों की ज़रूरत कम हुई और पैदल टुकड़ी अधिक महत्त्वपूर्ण होने लगी।
- सिपाहियों को यूरोपीय ढंग का प्रशिक्षण, अभ्यास और अनुशासन सिखाया जाने लगा।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

3 ग्रामीण क्षेत्र पर शासन चलाना

कंपनी दीवान बन गई

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. **ईस्ट इंडिया कंपनी को बंगाल का दीवान कब बनाया गया?**
   (अ) 1793 (ब) 12 अगस्त 1765
   (स) 1859 (द) 1810 **(ब)**
2. **कंपनी दीवान बनने के बाद किस क्षेत्र की मुख्य शासक बन गई?**
   (अ) धार्मिक मामलों की
   (ब) सैन्य मामलों की
   (स) आर्थिक मामलों की
   (द) सामाजिक सुधारों की **(स)**
3. **1765 से पहले कंपनी सामान खरीदने के लिए ब्रिटेन से क्या आयात करती थी?**
   (अ) सोना और चाँदी (ब) नील और कपास
   (स) चाय और चीनी (द) धान और गेहूँ **(अ)**
4. **स्थायी बंदोबस्त किस वर्ष लागू किया गया?**
   (अ) 1770 (ब) 1793
   (स) 1822 (द) 1860 **(ब)**
5. **स्थायी बंदोबस्त के समय बंगाल का गवर्नर–जनरल कौन था?**
   (अ) टॉमस मुनरो
   (ब) एलेक्जेंडर रीड
   (स) चार्ल्स कॉर्नवालिस
   (द) होल्ट मैकेंजी **(स)**

रिक्तस्थान –

1. 12 अगस्त 1765 को मुग़ल बादशाह ने ईस्ट इंडिया कंपनी को बंगाल का .... तैनात किया।

उत्तर : दीवान

2. दीवान के रूप में कंपनी अपने नियंत्रण वाले भूभाग के .... मामलों की मुख्य शासक बन गई।

उत्तर : आर्थिक

3. कंपनी ज़्यादा से ज़्यादा .... हासिल करना चाहती थी।

उत्तर : राजस्व

4. 1770 के अकाल में बंगाल की लगभग .... आबादी समाप्त हो गई।

उत्तर : एक–तिहाई

5. स्थायी बंदोबस्त में राजाओं और तालुकदारों को .... के रूप में मान्यता दी गई।

उत्तर : ज़मींदारों

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. **ईस्ट इंडिया कंपनी को बंगाल का दीवान कब बनाया गया?**

उत्तर : 12 अगस्त 1765 को।

2. **दीवान बनने के बाद कंपनी को कौन–सा बड़ा काम करना था?**

उत्तर : कंपनी को शासन चलाने और आमदनी व्यवस्थित करने का रास्ता ढूँढ़ना था।

3. **बंगाल की अर्थव्यवस्था संकट में क्यों फँसने लगी?**

उत्तर : कारीगरों और किसानों पर कंपनी की कठोर आर्थिक नीतियों का दबाव बढ़ गया था।

4. **स्थायी बंदोबस्त में राजस्व की राशि कैसी तय की गई थी?**

उत्तर : राजस्व राशि स्थायी रूप से तय कर दी गई थी।

5. **किसानों को लगान चुकाने के लिए अकसर किससे कर्ज लेना पड़ता था?**

उत्तर : महाजन से।

6. **निम्न को सुमेलित कीजिए–**
   सही जोड़े मिलाइए।

स्तंभ - I	स्तंभ - II
1. कंपनी	a. बंगाल का अकाल
2. 1770	b. आर्थिक मामलों की शासक
3. स्थायी बंदोबस्त	c. 1793
4. कॉर्नवालिस	d. बंगाल का गवर्नर–जनरल

उत्तर : 1-b, 2-a, 3-c, 4-d

7. **निम्न को सुमेलित कीजिए–**
   सही जोड़े मिलाइए।

स्तंभ - I	स्तंभ - II
1. रैयत	a. कर्ज देने वाला
2. महाजन	b. किसान
3. ज़मींदार	c. लगान वसूलने वाला
4. दीवान	d. आर्थिक अधिकार

उत्तर : 1-A, 2-B, 3-C, 4-D

सत्य/असत्य प्रश्न –

1. दीवान बनने के बाद कंपनी को राजस्व व्यवस्था की कोई आवश्यकता नहीं रही।

उत्तर : असत्य

2. 1770 के अकाल में बंगाल की लगभग एक–तिहाई आबादी समाप्त हो गई।

उत्तर : सत्य

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. 1765 में कम्पनी को बंगाल प्रांत की दीवानी मिलने से क्या फायदा हुआ? *(RBSE – 2026)*

उत्तर :
- 12 अगस्त 1765 को मुग़ल बादशाह ने ईस्ट इंडिया कंपनी को बंगाल का दीवान बनाया।
- दीवान बनने के बाद कंपनी अपने नियंत्रण वाले क्षेत्र के आर्थिक मामलों की मुख्य शासक बन गई।
- अब कंपनी को अपनी ज़मीन का शासन चलाने और आमदनी व्यवस्थित करने का रास्ता ढूँढ़ना था।
- बंगाल में इकठ्ठा होने वाले पैसे से कंपनी निर्यात के लिए वस्तुएँ खरीद सकती थी।

2. कंपनी दीवान बनने के बाद क्या चाहती थी?

उत्तर :
- कंपनी अधिक से अधिक राजस्व हासिल करना चाहती थी।
- वह कम कीमत पर बढ़िया सूती और रेशमी कपड़ा खरीदना चाहती थी।
- कंपनी को शासन और व्यापार दोनों के खर्च पूरे करने थे।
- बंगाल में इकट्ठे पैसे से निर्यात के लिए सामान खरीदा जाने लगा।

3. कम्पनी ने अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए क्या उपाय किए? *(RBSE – 2025)*

उत्तर :
- कंपनी ने भारी–भरकम लगान वसूलने की कोशिश की।
- कंपनी अधिक से अधिक राजस्व प्राप्त करना चाहती थी।
- वह कम कीमत पर बढ़िया सूती और रेशमी कपड़ा खरीदना चाहती थी।
- बंगाल में इकठ्ठा होने वाले पैसे से कंपनी निर्यात के लिए वस्तुएँ खरीदने लगी।

4. बंगाल की अर्थव्यवस्था संकट में क्यों आई?

उत्तर :
- कंपनी अधिक से अधिक राजस्व लेना चाहती थी।
- कारीगरों को कम कीमत पर सामान बेचने के लिए मजबूर किया गया।
- कारीगर गाँव छोड़कर भागने लगे।
- किसान लगान नहीं चुका पा रहे थे।
- 1770 के अकाल ने संकट को और गंभीर बना दिया।

5. स्थायी बंदोबस्त के मुख्य पहलू लिखिए।

उत्तर :
- स्थायी बंदोबस्त 1793 में लागू किया गया।
- राजाओं और तालुकदारों को ज़मींदार माना गया।
- ज़मींदारों को किसानों से लगान वसूलने का अधिकार मिला।
- ज़मींदारों को कंपनी को निश्चित राजस्व देना था।
- राजस्व की राशि हमेशा के लिए तय कर दी गई थी।

6. स्थायी बंदोबस्त से क्या समस्याएँ पैदा हुईं?

उत्तर :
- राजस्व बहुत अधिक तय किया गया था।
- कई ज़मींदार राजस्व नहीं चुका सके।
- राजस्व न देने पर ज़मींदारियाँ छीन ली गईं।
- बहुत–सी ज़मींदारियाँ नीलाम कर दी गईं।
- ज़मींदारों ने ज़मीन सुधार में रुचि नहीं दिखाई।

7. 'स्थायी बंदोबस्त' प्रथा क्यों असफल रही? *(RBSE – 2023)*

उत्तर :
- कंपनी ने 1793 में स्थायी बंदोबस्त लागू किया।
- इसमें राजाओं और तालुकदारों को ज़मींदार के रूप में मान्यता दी गई।
- कंपनी ने राजस्व की राशि बहुत अधिक तय कर दी थी।
- ज़मींदार ज़मीन में सुधार के लिए खर्च नहीं कर रहे थे।
- जो ज़मींदार राजस्व नहीं चुका पाते थे, उनकी ज़मींदारी छीनकर नीलाम कर दी जाती थी।

8. किसानों पर स्थायी बंदोबस्त का क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर :
- किसानों को बहुत अधिक लगान देना पड़ता था।
- ज़मीन पर उनका अधिकार सुरक्षित नहीं था।
- लगान चुकाने के लिए उन्हें महाजन से कर्ज लेना पड़ता था।
- लगान न चुकाने पर वे पुश्तैनी ज़मीन से बेदखल हो सकते थे।
- यह व्यवस्था किसानों को दमनकारी लगती थी।

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

9. महालवारी व्यवस्था स्थायी बंदोबस्त से कैसे अलग थी?

उत्तर : • स्थायी बंदोबस्त में राजस्व स्थायी रूप से तय था।
- महालवारी में राजस्व समय–समय पर बदला जा सकता था।
- स्थायी बंदोबस्त में ज़मींदार राजस्व वसूलते थे।
- महालवारी में गाँव के मुखिया को राजस्व वसूली का ज़िम्मा दिया गया।
- महालवारी में गाँव या गाँवों के समूह को महाल माना गया।

10. रैयतवारी व्यवस्था की समस्याएँ लिखिए।

उत्तर : • राजस्व बहुत अधिक तय कर दिया गया था।
- किसान राजस्व चुका नहीं पा रहे थे।
- कई रैयत गाँव छोड़कर भाग गए।
- बहुत से क्षेत्र वीरान हो गए।
- यह व्यवस्था किसानों को संपन्न बनाने में सफल नहीं हुई।

यूरोप के लिए फ़सलें

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. अठारहवीं सदी के आखि़र तक कंपनी ने किन फ़सलों की खेती पर ज़ोर दिया?

(अ) अफ़ीम और नील
(ब) चाय और चावल
(स) गेहूँ और गन्ना
(द) कपास और पटसन **(अ)**

2. नील का पौधा मुख्य रूप से कहाँ उगता है?

(अ) रेगिस्तानी क्षेत्र
(ब) ऊष्णकटिबंधीय क्षेत्र
(स) हिमालयी क्षेत्र
(द) शीत क्षेत्र **(ब)**

3. यूरोपीय कपड़ा उत्पादक वोड का प्रयोग किस रंग के लिए करते थे?

(अ) लाल और पीला (ब) हरा और काला
(स) बैंगनी और नीला (द) सफेद और भूरा **(स)**

4. कपड़ा रँगने वाले नील को क्यों पसंद करते थे?

(अ) यह बहुत सस्ता था
(ब) इससे चमकदार नीला रंग मिलता था
(स) यह यूरोप में आसानी से मिलता था
(द) इससे कपड़ा मोटा हो जाता था **(ब)**

5. 1810 में ब्रिटेन द्वारा आयात किए गए नील में भारतीय नील का हिस्सा कितना था?

(अ) 30 प्रतिशत (ब) 50 प्रतिशत
(स) 75 प्रतिशत (द) 95 प्रतिशत **(द)**

रिक्तस्थान –

1. अंग्रेज़ ग्रामीण इलाकों से यूरोप की ज़रूरतों के अनुसार .... पैदा करवाना चाहते थे।

उत्तर : फ़सलें

2. बंगाल में अंग्रेज़ों ने .... की खेती को बढ़ावा दिया।

उत्तर : पटसन

3. असम में अंग्रेज़ों ने .... की खेती को बढ़ावा दिया।

उत्तर : चाय

4. वोड पौधा .... क्षेत्र में उगता था।

उत्तर : शीतोष्ण

5. 1783 से 1789 के बीच दुनिया का नील उत्पादन लगभग .... रह गया था।

उत्तर : आधा

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. नील से कौन–सा रंग प्राप्त होता था?

उत्तर : चमकदार नीला रंग।

2. भारत में नील की खेती बढ़ाने में किसकी दिलचस्पी बढ़ी?

उत्तर : ईस्ट इंडिया कंपनी की।

3. वोड क्या था?

उत्तर : वोड बैंगनी और नीला रंग बनाने वाला एक पौधा था।

4. नील की खेती के दो मुख्य तरीके कौन–से थे?

उत्तर : निज और रैयती।

5. बाग़ान किसे कहा गया है?

उत्तर : बाग़ान एक विशाल खेत था, जहाँ बाग़ान मालिक बहुत लोगों से काम करवाता था।

6. निम्न को सुमेलित कीजिए–

सही जोड़े मिलाइए।

स्तंभ - I	स्तंभ - II
1. बंगाल	A. चाय
2. असम	B. पटसन
3. संयुक्त प्रांत	C. गन्ना
4. पंजाब	D. गेहूँ

उत्तर : 1—B, 2—A, 3—C, 4—D

पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

सत्य/असत्य प्रश्न –

1. **वोड से मिलने वाला रंग नील की तुलना में अधिक चमकदार था।**

उत्तर : असत्य

2. **1810 तक ब्रिटेन द्वारा आयात किए गए नील में भारतीय नील का हिस्सा 95 प्रतिशत हो चुका था।**

उत्तर : सत्य

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. **यूरोप में भारतीय नील की माँग क्यों बढ़ी?**

उत्तर :
- नील से चमकदार नीला रंग मिलता था।
- वोड से मिलने वाला रंग फीका और बेजान होता था।
- यूरोपीय रंगरेज़ नील को अधिक पसंद करते थे।
- ब्रिटेन में औद्योगीकरण से कपड़ों की रंगाई की माँग बढ़ी।
- वेस्टइंडीज़ और अमेरिका से नील की आपूर्ति घट गई।

2. **विश्व बाजार में भारतीय नील की माँग क्यों थी?** *(RBSE – 2026)*

उत्तर :
- भारतीय नील से कपड़े को बहुत चमकदार नीला रंग मिलता था।
- यूरोप में मिलने वाले वोड पौधे से बना रंग फीका और बेजान होता था।
- ब्रिटेन में औद्योगीकरण के कारण कपास उत्पादन बढ़ा।
- कपड़ों की रंगाई की माँग बढ़ने से भारतीय नील की माँग बढ़ गई।

3. **वोड उत्पादक नील से क्यों परेशान थे?**

उत्तर :
- नील उनके व्यापार के लिए चुनौती बन रहा था।
- कपड़ा रँगने वाले नील को अधिक पसंद करते थे।
- नील से चमकदार नीला रंग मिलता था।
- वोड से मिलने वाला रंग फीका माना जाता था।
- इसलिए वोड उत्पादकों ने नील आयात पर रोक लगाने का दबाव डाला।

4. **भारत में नील की खेती बढ़ाने में कंपनी की रुचि क्यों बढ़ी?**

उत्तर :
- यूरोप में नील की माँग बढ़ रही थी।
- ब्रिटेन में कपास उत्पादन बढ़ रहा था।
- रंगाई के लिए नील की आवश्यकता अधिक हो गई थी।
- वेस्टइंडीज़ और अमेरिका से नील की आपूर्ति घट गई थी।
- भारत नील उत्पादन का बड़ा स्रोत बन सकता था।

5. **ईस्ट इंडिया कम्पनी भारतीय किसानों पर नील की खेती करने हेतु दबाव डालती थी, क्यों? कारण स्पष्ट करें।** *(RBSE – 2024)*

उत्तर :
- यूरोप में नील की माँग तेज़ी से बढ़ रही थी।
- नील से कपड़े को चमकदार नीला रंग मिलता था।
- ब्रिटेन में औद्योगीकरण के कारण कपड़ों की रंगाई की माँग बढ़ गई थी।
- भारी मुनाफ़े की उम्मीद में कंपनी और बाग़ान मालिक भारत में नील की खेती बढ़ाना चाहते थे।
- इसलिए किसानों पर नील की खेती करने के लिए दबाव डाला जाता था।

6. **अंग्रेज़ों ने भारत के अलग–अलग क्षेत्रों में कौन–कौन–सी फ़सलें बढ़ाईं?**

उत्तर :
- बंगाल में पटसन।
- असम में चाय।
- संयुक्त प्रांत में गन्ना।
- पंजाब में गेहूँ।
- महाराष्ट्र और पंजाब में कपास।
- मद्रास में चावल।

7. **निज खेती में बाग़ान मालिकों को किन समस्याओं का सामना करना पड़ा?**

उत्तर :
- नील के लिए उपजाऊ ज़मीन चाहिए थी।
- ऐसी ज़मीनों पर आबादी पहले से अधिक थी।
- बड़े भूखंड आसानी से नहीं मिलते थे।
- किसानों को हटाने से तनाव पैदा होता था।
- मज़दूरों, हलों और बैलों की व्यवस्था कठिन थी।

8. **निज और रैयती खेती में अंतर लिखिए।**

उत्तर :
- निज खेती बाग़ान मालिकों की अपनी ज़मीन पर होती थी।
- रैयती खेती किसानों की ज़मीन पर होती थी।
- निज खेती में मज़दूरों से काम करवाया जाता था।
- रैयती खेती में किसान से अनुबंध किया जाता था।
- रैयती खेती में किसान को अपनी कम से कम 25% ज़मीन पर नील उगानी पड़ती थी।

यूरोप के लिए फ़सलें

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. **बंगाल के हज़ारों रैयतों ने नील की खेती से इनकार कब किया?**

(अ) मार्च 1859 (ब) अगस्त 1765
(स) जनवरी 1793 (द) जून 1917 **(अ)**

पढ़ो जब चाहें, जहाँ चाहें!

2. **नील बाग़ान मालिकों के एजेंटों को क्या कहा जाता था?**
(अ) रैयत (ब) गुमाश्ता
(स) महाल (द) दीवान **(ब)**

3. **मजिस्ट्रेट ऐशले ईडन ने क्या नोटिस जारी किया?**
(अ) रैयतों को नील अनुबंध मानने के लिए मजबूर नहीं किया जाएगा।
(ब) सभी किसानों को नील उगाना होगा।
(स) बाग़ान मालिकों को नया कर देना होगा।
(द) गाँवों में लगान माफ कर दिया जाएगा। **(अ)**

4. **नील आयोग ने किसे दोषी पाया?**
(अ) किसानों को
(ब) मुखियाओं को
(स) बाग़ान मालिकों को
(द) कारीगरों को **(स)**

5. **1917 में चंपारण आंदोलन किसके खिलाफ शुरू हुआ?**
(अ) महाजनों के खिलाफ
(ब) नील बाग़ान मालिकों के खिलाफ
(स) वोड उत्पादकों के खिलाफ
(द) कलेक्टरों के खिलाफ **(ब)**

रिक्तस्थान –

1. मार्च 1859 में बंगाल के हज़ारों रैयतों ने .... की खेती से इनकार कर दिया।

उत्तर : नील

2. रैयतों ने कसम खाई कि वे नील की खेती के लिए .... नहीं लेंगे।

उत्तर : कर्ज़

3. बाग़ान मालिकों के लाठीधारी गुंडों को .... कहा गया।

उत्तर : लठियाल

4. नील उत्पादन व्यवस्था की जाँच के लिए .... बनाया गया।

उत्तर : नील आयोग

5. 1917 में महात्मा गांधी का चंपारण दौरा .... आंदोलन की शुरुआत था।

उत्तर : चंपारण

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. **नील विद्रोह कहाँ हुआ?**

उत्तर : बंगाल में।

2. **रैयतों ने नील की फैक्ट्रियों पर किन हथियारों से हमला किया?**

उत्तर : तलवार, भाले और तीर–कमान से।

3. **नील विद्रोह में औरतों ने कैसे भाग लिया?**

उत्तर : वे अपने बर्तन लेकर लड़ाई में कूद पड़ीं।

4. **कलकत्ता के पढ़े–लिखे लोगों ने क्या किया?**

उत्तर : उन्होंने रैयतों की दुर्दशा और नील व्यवस्था की ज़ोर–ज़बरदस्ती के बारे में लिखा।

5. **नील विद्रोह के बाद बाग़ान मालिकों ने किस क्षेत्र पर ध्यान दिया?**

उत्तर : बिहार पर।

6. **निम्न को सुमेलित कीजिए–**

स्तंभ - I	स्तंभ - II
1. गुमाश्ता	A. लाठीधारी गुंडे
2. लठियाल	B. बाग़ान मालिकों के एजेंट
3. नील आयोग	C. नील उत्पादन व्यवस्था की जाँच
4. ऐशले ईडन	D. रैयतों को मजबूर न करने का नोटिस

उत्तर : 1–B, 2–A, 3–C, 4–D

7. **निम्न को सुमेलित कीजिए–**

स्तंभ - I	स्तंभ - II
1. मार्च 1859	A. चंपारण आंदोलन
2. हाजी मुल्ला	B. नील खेती से इनकार
3. 1917	C. नील न उगाने की गवाही
4. कलकत्ता के पढ़े–लिखे लोग	D. रैयतों की दुर्दशा पर लेखन

उत्तर : 1–B, 2–C, 3–A, 4–D

सत्य/असत्य प्रश्न –

1. **नील आयोग ने कहा कि नील की खेती रैयतों के लिए फायदे का सौदा है।**

उत्तर : असत्य

2. **नील विद्रोह के बाद बंगाल के बाग़ानों में नील का उत्पादन धराशायी हो गया।**

उत्तर : सत्य

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. **रैयत नील की खेती से क्यों कतरा रहे थे?**

उत्तर :
- किसानों को नील की बहुत कम कीमत मिलती थी।
- कर्ज का सिलसिला कभी खत्म नहीं होता था।
- किसानों को अपने सबसे अच्छे खेतों में नील उगानी पड़ती थी।
- नील की जड़ें मिट्टी की ताकत खींच लेती थीं।
- नील की कटाई के बाद उस खेत में धान की खेती नहीं की जा सकती थी।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

2. नील विद्रोह के कारण लिखिए।

उत्तर :
- नील की खेती किसानों के लिए दमनकारी थी।
- किसानों को नील की बहुत कम कीमत मिलती थी।
- बाग़ान मालिक जबरन अनुबंध करवाते थे।
- गुमाश्ते और लठियाल किसानों पर दबाव डालते थे।
- किसानों को ज़मींदारों और मुखियाओं का समर्थन मिलने लगा।

3. नील विद्रोह में रैयतों ने किस प्रकार विरोध किया?

उत्तर :
- रैयतों ने नील की खेती से इनकार कर दिया।
- उन्होंने बाग़ान मालिकों को लगान देना बंद किया।
- नील फैक्ट्रियों पर हमला किया गया।
- गुमाश्ताओं की पिटाई की गई।
- बाग़ान मालिकों के लोगों का सामाजिक बहिष्कार किया गया।

4. नील विद्रोह में स्थानीय ज़मींदारों और मुखियाओं की क्या भूमिका रही?

उत्तर :
- कई मुखियाओं ने किसानों को संगठित किया।
- कुछ मुखिया नील अनुबंधों पर जबरन हस्ताक्षर कराए जाने से नाराज़ थे।
- कई ज़मींदारों ने किसानों को विद्रोह के लिए उकसाया।
- ज़मींदार बाग़ान मालिकों की बढ़ती ताकत से परेशान थे।
- उन्होंने रैयतों को संघर्ष में सहारा दिया।

5. नील विद्रोह पर सरकार ने क्या प्रतिक्रिया दी?

उत्तर :
- सरकार व्यापक विद्रोह के खतरे से डर गई।
- लेफ्टिनेंट गवर्नर ने नील क्षेत्रों का दौरा किया।
- ऐशले ईडन ने रैयतों को मजबूर न करने का नोटिस जारी किया।
- बाग़ान मालिकों की रक्षा के लिए सेना बुलानी पड़ी।
- नील उत्पादन व्यवस्था की जाँच के लिए नील आयोग बनाया गया।

6. नील विद्रोह के परिणाम लिखिए।

उत्तर :
- सरकार को बाग़ान मालिकों की रक्षा के लिए सेना बुलानी पड़ी।
- नील व्यवस्था की जाँच के लिए नील आयोग बनाया गया।
- आयोग ने बाग़ान मालिकों को दोषी पाया।
- आयोग ने कहा कि नील की खेती रैयतों के लिए लाभदायक नहीं है।
- विद्रोह के बाद बंगाल में नील उत्पादन धराशायी हो गया।

7. नील आयोग और विद्रोह के बाद क्या परिणाम हुए?

उत्तर :
- नील आयोग ने बाग़ान मालिकों को दोषी पाया।
- आयोग ने ज़ोर–ज़बरदस्ती के लिए बाग़ान मालिकों की आलोचना की।
- आयोग ने कहा कि नील की खेती रैयतों के लिए लाभकारी नहीं थी।
- आयोग ने कहा कि रैयत मौजूदा अनुबंध पूरा करें, लेकिन आगे चाहें तो नील की खेती बंद कर सकते हैं।
- विद्रोह के बाद बंगाल के बाग़ानों में नील उत्पादन धराशायी हो गया।

8. चंपारण आंदोलन नील किसानों की समस्या से कैसे जुड़ा था?

उत्तर :
- नील विद्रोह के बाद बाग़ान मालिक बिहार की ओर बढ़े।
- बिहार में नील किसानों की हालत खराब थी।
- बिहार के एक किसान ने गांधी जी को चंपारण आने का न्योता दिया।
- गांधी जी 1917 में चंपारण गए।
- यह दौरा नील बाग़ान मालिकों के खिलाफ चंपारण आंदोलन की शुरुआत बना।

4 आदिवासी, दीकु और एक स्वर्ण युग की कल्पना

जनजातीय समूह किस तरह जीते थे?

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. झूम खेती में मिट्टी को उपजाऊ बनाने के लिए किसका प्रयोग किया जाता था?
(अ) राख (ब) नमक
(स) चूना (द) रेत **(अ)**

2. उड़ीसा के जंगलों में रहने वाला कौन–सा समुदाय शिकार और संग्रह से जीवन चलाता था?
(अ) खोंड (ब) गद्दी
(स) बकरवाल (द) लबाड़िया **(अ)**

3. बैगा समुदाय अपने–आप को किस रूप में मानता था?
(अ) पहाड़ की संतान (ब) जंगल की संतान
(स) नदी की संतान (द) मैदान की संतान **(ब)**

4. कुल्लू के गद्दी समुदाय के लोग मुख्य रूप से क्या करते थे?
(अ) बुनाई (ब) गड़रियापन
(स) रेशम उत्पादन (द) खनन **(ब)**

रिक्तस्थान –

1. घास–फूस जलने पर पैदा हुई राख में .... होती थी।
उत्तर : पोटाश

2. साल और महुआ के बीजों का तेल .... पकाने में इस्तेमाल होता था।
उत्तर : खाना

3. असम में अंग्रेज़ों ने .... की खेती को बढ़ावा दिया।
उत्तर : चाय

4. वोड पौधा .... क्षेत्र में उगता था।
उत्तर : शीतोष्ण

5. 1783 से 1789 के बीच दुनिया का नील उत्पादन लगभग . ... रह गया था।

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. खोंड समुदाय भोजन के लिए जंगल से क्या प्राप्त करता था?
उत्तर : फल, जड़ें और अन्य वन उत्पाद।

2. आदिवासी स्थानीय बाजारों में क्या बेचते थे?
उत्तर : जंगलों से इकट्ठी की गई चीजें और वन उत्पाद।

3. वन गुज्जर किस प्रकार जीवन चलाते थे?
उत्तर : गाय–भैंस के झुंड पालकर और मौसम के अनुसार घूमकर।

4. 'बेवड़' शब्द का प्रयोग घुमंतू खेती के लिए किस राज्य में होता था? *(Model Paper – 2026)*
उत्तर : मध्य प्रदेश में।

5. "परती" शब्द से क्या तात्पर्य है? *(Model Paper – 2025)*
उत्तर : मिट्टी को दोबारा उपजाऊ बनाने के लिए कुछ समय बिना खेती छोड़ी गई जमीन।

> **Trick** "खेती बंद – मिट्टी उपजाऊ–कई वर्ष"

6. घुमंत कृषि का सही मिलान किससे होगा? *(Model Paper – 2023)*
उत्तर : 'काटो और जलाओ' अथवा झूम खेती से।

> **Trick** "काटो – जलाओ – खेती करो – जगह बदलो"

7. निम्न को सुमेलित कीजिए–
जनजाति / समुदाय का सही मिलान कीजिए।

स्तंभ - I	स्तंभ - II
1. खोंड	A. शिकार और वन उत्पादों का संग्रह
2. बैगा	B. मध्य भारत; खुद को जंगल की संतान मानते थे
3. वन गुज्जर	C. पंजाब के पहाड़ों में गाय–भैंस पालना
4. लबाड़िया	D. आंध्र प्रदेश; गाय–भैंस के झुंड पालना

उत्तर : 1-A, 2-B, 3-C, 4-D

सत्य/असत्य प्रश्न –

1. बैगा समुदाय मजदूरी करना सम्मान की बात मानता था।
उत्तर : असत्य

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. झूम खेती की प्रक्रिया को समझाइए।

उत्तर :
- झूम खेती छोटे–छोटे भूखंडों पर की जाती थी।
- पेड़ों के ऊपरी हिस्से और घास–फूस काटकर जलाए जाते थे।
- राख की पोटाश से मिट्टी उपजाऊ बनती थी।
- बीज खेत में बिखेर दिए जाते थे।
- फसल के बाद पुरानी जमीन परती छोड़कर लोग दूसरी जगह चले जाते थे।

2. शिकारी और संग्राहक आदिवासी जंगलों पर कैसे निर्भर थे?

उत्तर :
- वे पशुओं का शिकार करते थे।
- फल, जड़ें और वन उत्पाद इकट्ठा करते थे।
- इलाज के लिए जंगली जड़ी–बूटियों का प्रयोग करते थे।
- साल और महुआ के बीजों का तेल इस्तेमाल करते थे।
- वन उत्पाद स्थानीय बाजारों में बेचते थे।

3. आदिवासी व्यापारियों और महाजनों पर कैसे निर्भर हुए?

उत्तर :
- आवश्यक चीजों के लिए खरीद–फरोख्त करनी पड़ती थी।
- व्यापारी चीजें भारी कीमत पर बेचते थे।
- महाजन अधिक ब्याज पर कर्ज देते थे।
- आदिवासी कर्ज और गरीबी में फँसते गए।
- वे इन्हें अपनी मुसीबतों की जड़ मानने लगे।

4. पशुपालक आदिवासी समूहों का जीवन कैसा था?

उत्तर :
- वे जानवर पालकर जीवन चलाते थे।
- मौसम के अनुसार झुंड लेकर इधर–उधर जाते थे।
- घास खत्म होने पर दूसरे इलाके में चले जाते थे।
- वन गुज्जर गाय–भैंस पालते थे।
- गद्दी गड़रिये और बकरवाल बकरियाँ पालते थे।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. एक जगह खेती करने वाले आदिवासी समूहों की विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर :
- उन्नीसवीं सदी से पहले बहुत सारे जनजातीय कबीले एक जगह टिककर खेती करने लगे थे।
- वे बार–बार जगह बदलने के बजाय साल–दर–साल एक ही जगह खेती करते थे।
- वे हलों का इस्तेमाल करने लगे थे।
- धीरे–धीरे उन्हें जमीन पर अधिकार भी मिलने लगे थे।
- कई समुदायों में जमीन पूरे कबीले की संपत्ति मानी जाती थी।

> **Trick** – टिके, एक जगह खेती की, हल चलाया, अधिकार मिला और जमीन कबीले की मानी गई।

2. आदिवासी समुदाय आजीविका के लिए किस पर निर्भर थे? *(Model Paper – 2025)*

उत्तर :
- कुछ आदिवासी समुदाय झूम खेती करते थे।
- कुछ समूह शिकार और वन उत्पादों के संग्रह से जीवन चलाते थे।
- वे फल, जड़ें, महुआ, साल और जड़ी–बूटियाँ इकट्ठा करते थे।
- कुछ समुदाय गाय–भैंस, भेड़ और बकरियाँ पालते थे।
- कुछ जनजातीय समूह एक जगह टिककर खेती करने लगे थे।
- वन उत्पाद कम पड़ने पर कई आदिवासी मजदूरी, बोझ ढोने या सड़क निर्माण जैसे काम भी करते थे।

3. आदिवासी शब्द का अर्थ क्या है, ये कहाँ निवास करते हैं? *(Model Paper – 2023)*

उत्तर :
- आदिवासी वे जनजातीय समूह हैं जिनका जीवन जंगलों, जमीन और प्राकृतिक संसाधनों से गहराई से जुड़ा था।
- कई समुदाय अपने को उस क्षेत्र के मूल निवासियों का वंशज मानते थे।
- घुमंतू किसान मुख्य रूप से पूर्वोत्तर और मध्य भारत की पर्वतीय तथा जंगली पट्टियों में रहते थे।
- मुंडा छोटानागपुर में, खोंड उड़ीसा के जंगलों में और बैगा मध्य भारत में रहते थे।
- उनका जीवन झूम खेती, शिकार–संग्रह, पशुपालन, स्थायी खेती और वन उत्पादों पर आधारित था।

4. 19वीं सदी से पूर्व आदिवासी समूहों में प्रचलित आर्थिक गतिविधियाँ कौन–कौन सी थीं? *(Model Paper – 2023)*

उत्तर :
- कुछ आदिवासी झूम खेती करते थे।
- कई समूह शिकार और वन उत्पादों के संग्रह से जीवन चलाते थे।
- वे फल, जड़ें, महुआ, साल और जड़ी–बूटियाँ इकट्ठा करते थे।
- कुछ आदिवासी वन उत्पादों को स्थानीय बाजारों में बेचते या अदला–बदली करते थे।
- कुछ समुदाय गाय–भैंस, भेड़ और बकरियाँ पालते थे।

- कुछ जनजातीय समूह एक जगह टिककर स्थायी खेती करने लगे थे।
- जरूरत पड़ने पर कई आदिवासी मजदूरी, बोझ ढोने या सड़क निर्माण जैसे काम करते थे।

5. जनजातीय समूह किस तरह जीते थे?

उत्तर :
- कुछ जनजातीय समूह झूम खेती करते थे।
- कई आदिवासी शिकार और संग्रह से जीवन चलाते थे।
- वे फल, जड़ें, महुआ, साल और जड़ी–बूटियाँ इकट्ठा करते थे।
- कुछ समुदाय गाय–भैंस, भेड़ और बकरियाँ पालते थे।
- कुछ जनजातीय समूह एक जगह टिककर खेती करने लगे थे।
- कुछ आदिवासी वन उत्पाद बेचकर या मजदूरी करके भी जीवनयापन करते थे।

Trick
"5_J" – J_1 = जंगल J_2 = जानवर
J_3 = जमीन J_4 = जीविका
J_5 = मजदूरी

औपनिवेशिक शासन से आदिवासियों के जीवन पर क्या असर पड़े?

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. ब्रिटिश शासन में आदिवासी मुखियाओं की कौन–सी शक्ति छिन गई?
(अ) शासकीय शक्ति
(ब) खेती की शक्ति
(स) गीत गाने की शक्ति
(द) शिकार की शक्ति **(अ)**

2. अंग्रेज आदिवासियों को किस रूप में बसाना चाहते थे?
(अ) घुमंतू शिकारी (ब) स्थायी किसान
(स) व्यापारी (द) सैनिक **(ब)**

3. अंग्रेजों ने जंगलों को किसकी संपत्ति घोषित किया?
(अ) व्यापारियों की (ब) महाजनों की
(स) राज्य की (द) मुखियाओं की **(स)**

4. आरक्षित वनों में लोगों को किसकी अनुमति नहीं थी?
(अ) स्वतंत्र रूप से घूमने की
(ब) कर देने की
(स) नौकरी करने की
(द) खेती देखने की **(अ)**

5. हजारीबाग के आसपास रहने वाले संथाल क्या पालते थे?
(अ) रेशम के कीड़े (ब) भेड़ें
(स) बकरियाँ (द) हाथी **(अ)**

रिक्तस्थान –

1. ब्रिटिश शासन में आदिवासी मुखियाओं को अंग्रेजों को .... देना पड़ता था।

उत्तर : नजराना

2. आदिवासियों को असम के चाय बागानों और झारखंड की .... खदानों में भर्ती किया गया।

उत्तर : कोयला

7. निम्न को सुमेलित कीजिए–

स्तंभ - I	स्तंभ - II
1. संथाल	A. रेशम के कीड़े पालना
2. व्यापारी	B. वन उपज खरीदना
3. महाजन	C. नकद कर्ज देना
4. ठेकेदार	D. मजदूरों की भर्ती

उत्तर : 1-A, 2-B, 3-C, 4-D

सत्य/असत्य प्रश्न –

1. ब्रिटिश शासन में आदिवासी मुखियाओं की पुरानी ताकत बढ़ गई थी।

उत्तर : असत्य

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. अंग्रेजों को घुमंतू आदिवासी समूहों से परेशानी क्यों थी?

उत्तर : वे स्थायी रूप से नहीं रहते थे, इसलिए उन्हें नियंत्रित करना कठिन था।

2. ब्रिटिश भूमि नियमों में क्या तय किया गया?

उत्तर : जमीन मापकर प्रत्येक व्यक्ति का हिस्सा और लगान तय किया गया।

3. आरक्षित वन क्या थे?

उत्तर : सरकार के नियंत्रण वाले वे जंगल, जहाँ अंग्रेजों की जरूरतों के लिए इमारती लकड़ी पैदा होती थी।

4. वन कानूनों से झूम काश्तकारों पर क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर : वे स्वतंत्र रूप से झूम खेती नहीं कर सके और रोजगार के लिए दूसरे इलाकों में गए।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. औपनिवेशिक शासन में आदिवासी मुखियाओं की स्थिति में क्या परिवर्तन आया?

पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

उत्तर : • पहले मुखियाओं का महत्त्वपूर्ण स्थान और आर्थिक ताकत थी।
- वे अपने इलाके पर नियंत्रण रखते थे।
- ब्रिटिश शासन में उनकी शासकीय शक्तियाँ छिन गईं।
- उन्हें अंग्रेज अधिकारियों के नियम मानने पड़े।
- उन्हें अंग्रेजों को नजराना देना पड़ता था।

2. अंग्रेज घुमंतू काश्तकारों को स्थायी रूप से क्यों बसाना चाहते थे?

उत्तर : • घुमंतू समूहों को नियंत्रित करना कठिन था।
- स्थायी किसानों को नियंत्रित करना आसान था।
- सरकार को नियमित लगान मिल सकता था।
- अंग्रेज उन्हें एक जगह बसाकर खेती कराना चाहते थे।
- जमीन मापकर हिस्सा और लगान तय किया गया।

3. वन कानूनों ने आदिवासियों के जीवन को कैसे प्रभावित किया?

उत्तर : • जंगलों को राज्य की संपत्ति घोषित किया गया।
- कुछ जंगल आरक्षित वन बना दिए गए।
- झूम खेती, शिकार और फल इकट्ठा करने पर रोक लगी।
- आदिवासियों की आजीविका संकट में पड़ गई।
- उन्हें रोजगार के लिए दूसरे इलाकों में जाना पड़ा।

4. व्यापारियों और महाजनों से आदिवासियों को क्या समस्या हुई?

उत्तर : • व्यापारी वन उपज खरीदने जंगलों में आए।
- वे चीजें भारी कीमत पर बेचते थे।
- महाजन ऊँचे ब्याज पर कर्ज देते थे।
- आदिवासी कर्ज और गरीबी में फँस गए।
- वे इन्हें अपनी मुसीबतों की जड़ मानने लगे।

5. काम की तलाश में गए आदिवासियों की दशा कैसी थी?

उत्तर : • उन्हें चाय बागानों और कोयला खदानों में भर्ती किया गया।
- भर्ती ठेकेदारों द्वारा होती थी।
- उन्हें बहुत कम वेतन मिलता था।
- उन्हें घर लौटने नहीं दिया जाता था।
- उनकी दशा बहुत खराब थी।

6. औपनिवेशिक शासन से आदिवासी जीवन में क्या बदलाव आए?

उत्तर : • मुखियाओं की शासकीय शक्तियाँ कम हो गईं।
- उन्हें अंग्रेजी नियम मानने और नजराना देने पड़े।
- आदिवासियों को स्थायी खेती के लिए बसाया गया।
- जमीन मापकर हिस्से और लगान तय किए गए।
- वन नियंत्रण से उनकी आजीविका संकट में पड़ी।

7. आदिवासी मुखियाओं की ताकत में क्या बदलाव आए?

उत्तर : • पहले उनके पास आर्थिक शक्ति और क्षेत्र पर नियंत्रण था।
- वे जमीन और वन प्रबंधन के नियम बनाते थे।
- ब्रिटिश शासन में उनकी शासकीय शक्तियाँ छिन गईं।
- उन्हें ब्रिटिश अधिकारियों के नियम मानने पड़े।
- उन्हें नजराना देना और समुदाय को अनुशासन में रखना पड़ा।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. दीकुओं से आदिवासियों के गुस्से के क्या कारण थे?

उत्तर : • आदिवासी दीकुओं को बाहरी लोग मानते थे।
- व्यापारी आदिवासियों को भारी कीमत पर चीजें बेचते थे।
- महाजन उन्हें ऊँचे ब्याज पर कर्ज देते थे।
- जमींदार और महाजन उनकी जमीन छीनते जा रहे थे।
- मिशनरी उनकी परंपरागत संस्कृति की आलोचना करते थे।
- इसलिए आदिवासी दीकुओं को अपनी मुसीबतों की जड़ मानने लगे।

Trick **बा–मं–ब्या–ज–सा–मु**

"बाहरी दीकु महँगा सामान बेचते, ब्याज लेते, जमीन छीनते और संस्कृति पर चोट करते थे।"

2. व्यापार और बाजार ने आदिवासियों को कैसे प्रभावित किया?

उत्तर : • उन्नीसवीं शताब्दी में व्यापारी और महाजन जंगलों में आने लगे।
- वे वन उपज खरीदते थे, नकद कर्ज देते थे और आदिवासियों को मजदूरी पर रखते थे।
- आदिवासी व्यापारियों और महाजनों पर निर्भर हो गए।
- व्यापारी सामान भारी कीमत पर बेचते थे।
- महाजन बहुत अधिक ब्याज पर कर्ज देते थे।
- बाजार और वाणिज्य ने आदिवासियों को कर्ज और गरीबी में धकेल दिया।

बिरसा मुंडा और स्वर्ण युग की कल्पना

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. बिरसा ने मुंडाओं से किस आदत को छोड़ने का आह्वान किया?

(अ) खेती करना (ब) शराब पीना
(स) गाँव साफ रखना
(द) पेड़ लगाना **(ब)**

2. बिरसा की मृत्यु किस वर्ष हुई?

(अ) 1895 (ब) 1897
(स) 1900 (द) 1910 **(स)**

रिक्तस्थान –

1. सफेद झंडा ---------- राज का प्रतीक था।

उत्तर : बिरसा

1. निम्न को सुमेलित कीजिए–

स्तंभ - I	स्तंभ - II
1. बिरसा	A. मुंडा जनजाति
2. वैष्णव	B. विष्णु की पूजा करने वाले
3. सफेद झंडा	C. बिरसा राज का प्रतीक
4. दीकु	D. बाहरी लोग

उत्तर : 1-A, 2-B, 3-C, 4-D

2. निम्न को सुमेलित कीजिए–

स्तंभ - I	स्तंभ - II
1. 1895	A. बिरसा की गिरफ्तारी
2. 1897	B. जेल से वापसी
3. 1900	C. बिरसा की मृत्यु
4. सतयुग	D. स्वर्ण युग की कल्पना

उत्तर : 1-A, 2-B, 3-C, 4-D

सत्य/असत्य प्रश्न –

1. बिरसा ने मिशनरियों और जमींदारों का समर्थन किया था।

उत्तर : असत्य

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. बिरसा ने किन लोगों का विरोध किया?

उत्तर : मिशनरियों, जमींदारों, महाजनों, भूस्वामियों और अंग्रेजी सरकार का।

2. बिरसा ने समाज सुधार के लिए क्या कहा?

उत्तर : शराब छोड़ने, गाँव साफ रखने और जादू–टोने में विश्वास न करने को कहा।

3. बिरसा के अनुयायियों ने किन स्थानों पर हमले किए?

उत्तर : थानों, चर्चों तथा महाजनों और जमींदारों की संपत्तियों पर।

4. बिरसा आंदोलन क्यों महत्त्वपूर्ण था?

उत्तर : इससे आदिवासियों की जमीन की रक्षा के कानून बने और औपनिवेशिक शासन के विरोध की क्षमता प्रकट हुई।

5. बिरसा मुंडा का संबंध किस राज्य/क्षेत्र से था?

(Model Paper – 2024)

उत्तर : इससे आदिवासियों की जमीन की रक्षा के कानून बने और औपनिवेशिक शासन के विरोध की क्षमता प्रकट हुई।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. बिरसा मुंडा के बचपन की मुख्य बातें लिखिए।

उत्तर :
- बिरसा का जन्म 1870 के दशक के मध्य में गरीब मुंडा परिवार में हुआ।
- वे भेड़–बकरियाँ चराते और बाँसुरी बजाते थे।
- वे स्थानीय अखाड़ों में नाचते–गाते थे।
- उनकी परवरिश बोहोंडा के आसपास के जंगलों में हुई।
- गरीबी के कारण उनके पिता काम की तलाश में भटकते थे।

Trick "बिरसा चराते–बजाते, नाचते–गाते बड़े हुए।"

2. बिरसा के विचार किन बातों से प्रभावित हुए?

उत्तर :
- उन्होंने मुंडा विद्रोहों की कहानियाँ सुनीं।
- सरदारों को विद्रोह का आह्वान करते देखा।
- मिशनरी स्कूल में मिशनरियों के उपदेश सुने।
- वे वैष्णव धर्म प्रचारक के संपर्क में आए।
- उन्होंने शुद्धता और दया पर जोर दिया।

3. बिरसा का आंदोलन समाज सुधार आंदोलन कैसे था?

उत्तर :
- बिरसा ने आदिवासी समाज को सुधारने का प्रयास किया।
- मुंडाओं से शराब छोड़ने को कहा।
- गाँवों को साफ रखने पर जोर दिया।
- डायन और जादू–टोने में विश्वास न करने को कहा।
- इसलिए आंदोलन सामाजिक सुधार से जुड़ा था।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

4. बिरसा की स्वर्ण युग की कल्पना कैसी थी?

उत्तर :
- स्वर्ण युग में मुंडा लोग अच्छा जीवन जीते थे।
- वे अपनी जमीन पर खेती करते थे।
- तटबंध बनाते, झरनों को नियंत्रित और पेड़–बाग लगाते थे।
- वे ईमानदारी से जीवन जीते थे।
- बिरसा उन्हें फिर अपनी जमीन पर टिककर बसाना चाहते थे।

5. बिरसा आंदोलन का महत्त्व लिखिए।

उत्तर :
- सरकार को आदिवासियों की जमीन की रक्षा के कानून बनाने पड़े।
- दीकु जमीन पर आसानी से कब्जा नहीं कर सकते थे।
- आंदोलन ने आदिवासियों की अन्याय–विरोधी क्षमता दिखाई।
- उन्होंने औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध गुस्सा व्यक्त किया।
- आंदोलन अपने खास अंदाज, रस्मों और प्रतीकों से चला।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. बिरसा मुंडा के आंदोलन के कारण लिखिए।

उत्तर :
- दीकु यानी बाहरी लोग आदिवासियों की जमीन और जीवन में हस्तक्षेप कर रहे थे।
- अंग्रेजों की भूमि नीतियाँ मुंडाओं की परंपरागत भूमि व्यवस्था को नष्ट कर रही थीं।
- जमींदार और महाजन आदिवासियों की जमीन छीनते जा रहे थे।
- मिशनरी मुंडाओं की परंपरागत संस्कृति की आलोचना करते थे।
- बिरसा इन्हीं ताकतों को मुंडाओं की समस्याओं और कष्टों का स्रोत मानते थे।
- आंदोलन का उद्देश्य मिशनरियों, महाजनों, भूस्वामियों और सरकार को बाहर निकालकर बिरसा के नेतृत्व में मुंडा राज स्थापित करना था।

Trick

"बाहरी आए, जमीन गई,
संस्कृति पर चोट हुई,
इसलिए मुंडा राज की मांग हुई।"

2. बिरसा की कल्पना में स्वर्ण युग कैसा था?

उत्तर :
- बिरसा एक ऐसे स्वर्ण युग या सतयुग की बात करते थे जब मुंडा लोग अच्छा जीवन जीते थे।
- उस समय मुंडा लोग दीकुओं के उत्पीड़न से मुक्त थे।
- वे तटबंध बनाते थे और कुदरती झरनों को नियंत्रित करते थे।
- वे पेड़ और बाग लगाते थे।
- लोग ईमानदारी से जीवन जीते थे।
- वे अपने बिरादरों और रिश्तेदारों का खून नहीं बहाते थे।
- बिरसा चाहते थे कि मुंडा लोग फिर से अपनी जमीन पर खेती करें, एक जगह टिककर रहें और अपने खेतों में काम करें।

Trick

"तटबंध, झरना, पेड़ और बाग –
यही था बिरसा का स्वर्ण भाग।"

3. बिरसा आंदोलन के प्रमुख राजनीतिक उद्देश्य क्या थे?

उत्तर :
- बिरसा आंदोलन मिशनरियों, महाजनों, भूस्वामियों और सरकार को बाहर निकालना चाहता था।
- यह आंदोलन बिरसा के नेतृत्व में मुंडा राज स्थापित करना चाहता था।
- आंदोलन दीकुओं और यूरोपीय सत्ता के प्रतीकों का विरोध करता था।
- बिरसा के अनुयायियों ने थानों, चर्चों और महाजनों–जमींदारों की संपत्तियों को निशाना बनाया।
- सफेद झंडा बिरसा राज का प्रतीक था।

Download
MISSION GYAN
MOBILE APP
GET IT ON Google Play

पढ़े 100% FREE!
Live + Recorded Classes
Quiz, Worksheets
Class 1st to 12th
PDF Notes
Test Series

5 हाशियाकरण की समझ

आदिवासी और हाशियाकरण अथवा आदिवासी कौन लोग है?

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. आदिवासी शब्द का क्या अर्थ है ?

(अ) नगर निवासी (ब) मुल निवासी
(स) विदेशी निवासी (द) अस्थाई निवासी **(ब)**

2. भारत की कुल आबादी में आदिवासियों की जनसंख्या लगभग कितनी है?

(अ) 5 प्रतिशत (ब) 12 प्रतिशत
(स) 8 प्रतिशत (द) 18 प्रतिशत **(स)**

3. भारत में कितने से अधिक प्रकार के आदिवासी समूह पाए जाते हैं?

(अ) 200 (ब) 300
(स) 400 (द) 500 **(द)**

4. अकेले उड़ीसा में कितने से अधिक जनजातीय समूह रहते हैं?

(अ) 60 (ब) 30
(स) 40 (द) 50 **(अ)**

5. निम्नलिखित में से किस आदिवासी भाषा को बोलने वालाके की संख्या सबसे अधिक है?

(अ) हिंदी (ब) बांग्ला
(स) संथाली (द) संस्कृत **(स)**

रिक्तस्थान –

1. सरकारी दस्तावेजों में आदिवासियों के लिए..............शब्द का प्रयोग किया जाता है।

उत्तर : अनुसूचित जनजाति

2. आदिवासी समाज में ऊँच–नीच का भेद बहुत...............होता है।

उत्तर : कम

3. आदिवासियों मे...............भाषा बोलने वालों की संख्या सबसे अधिक है।

उत्तर : संथाली

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. हाशियाकरण से क्या आशय है?

उत्तर : किसी समुदाय का सामाजिक,आर्थिक और राजनीतिक अवसरों से अलग या वंचित हो जाना हाशियाकरण कहलाता है।

2. आदिवासियों को जनजाति के अतिरिक्त किस सरकारी नाम से जाना जाता है?

उत्तर : अनुसूचित जनजाति।

3. आदिवासी मुख्य रूप से किसके साथ जीवन बिताते आए हैं?

उत्तर : जंगलों,जमीन,नदियों और प्राकृतिक संसाधनों के साथ।

4. आदिवासी ग्राम–आत्माओं की पूजा कहाँ करते हैं?

उत्तर : गाँव की सीमा के भीतर निर्धारित पवित्र लता–कुंजों में।

5. दादू के परिवार के घर में कौन–सी भाषा बोली जाती थी?

उत्तर : संथाली भाषा।

6. निम्न को सुमेलित कीजिए–
उचित मिलान कीजिए

स्तंभ - अ	स्तंभ - ब
1. आदिवासी	A. सबसे अधिक बोली जाने वाली आदिवासी भाषा
2. अनुसूचित जनजाति	B. मूल निवासी
3. संथाली	C. सरकारी दस्तावेजों में प्रयुक्त नाम
4. पुरखों की उपासना	D. घर में की जाती है

उत्तर : 1-B, 2-C, 3-A,4-D

7. उचित मिलान कीजिए

स्तंभ - अ	स्तंभ - ब
1. भारत में आदिवासी आबादी	A. 500 से अधिक
2. भारत में आदिवासी समूह	B. 60 से अधिक
3. उड़ीसा में जनजातीय समूह	C. लगभग 8 प्रतिशत
4. ग्रांम–आत्माओं की पूजा	D. वित्र लता–कुंजो में

उत्तर : 1-C,2-A,3-B,4-D

पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

सत्य/असत्य प्रश्न –

1. **आदिवासी समाज में ऊँच–नीच का भेद बहुत अधिक होता है।**

उत्तर : असत्य

2. **आदिवासियों की भाषाओं ने बांग्ला जैसी मुख्यधारा की भाषाओं को प्रभावित किया है।**

उत्तर : सत्य

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. **विभिन्न समुदायो हाशिये पर क्यों चले जाते हैं?**

उत्तर :
- वे बहुसंख्यक समुदाय से अलग भाषा बोल सकते हैं।
- उनके रीति–रिवाज और धार्मिक विश्वास अलग हो सकते है
- गरीबी के कारण उन्हें सामाजिक रूप से कमतर माना जाता है।
- उनके पास जमीन, धन और शिक्षा के साधन होते है।
- वे राजनीतिक रूप से प्रभावशाली समुदायों के सामने शक्तिहीन महसूस करते हैं।

2. **हाशियाकरण को बहुआयामी प्रक्रिया क्यों कहा गया है?**

उत्तर :
- हाशियाकरण केवल गरीबी तक सीमित नहीं होता।
- यह सामाजिक भेदभाव से जुड़ा होता है।
- संसाधनों तक पहुँच न होने से आर्थिक कमजोरी आती है।
- राजनीतिक शक्ति की कमी से समुदाय अपने अधिकारों की आवाज नहीं उठा पाते।
- आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक समस्याएँ एक–दुसरे को प्रभावित करती हैं।

3. **आदिवासी कौन लोग हैं?**

उत्तर :
- आदिवासी शब्द का अर्थ मूल निवासी है।
- वे लंबे समय से जंगलों के साथ जीवन बिताते आए हैं।
- उनकी आजीविका जमीन, जंगल और प्राकृतिक संसाधनों पर आधारित रही है।
- भारत की लगभग 8 प्रतिशत आबादी आदिवासीयों की है।
- भारत में 500 से अधिक प्रकार के आदिवासी समूह हैं।

4. **आदिवासी समाज की प्रमुख विशेषताएँ बताइए।**

उत्तर :
- आदिवासी समाज में ऊँच–नीच का भेद बहुत कम होता है।
- उनके अपने रीति–रिवाज और धार्मिक मान्यताएँ होती है।
- वे प्रकृति, पुरखों और ग्राम–आत्माओं की उपासना करते हैं।
- उनकी अपनी प्राचीन भाषाएँ हैं।
- उनका जीवन जंगलों और प्राकृतिक संसाधनों से गहराई से जुड़ा है।

5. **दादू और उनके परिवार को हाशियाकरण का सामना कैसे करना पड़ा?**

उत्तर :
- वन विभाग और ठेकेदारों ने उनके जंगलों पर अधिकार कर लिया।
- खनन के लिए उनकी जमीन बेचने का दबाव डाला गया।
- बहुत से लोगों से बिना पूरी जानकारी के अँगूठे के निशान लगवाए गए।
- परिवार को गाँव और आजीविका छोड़नी पड़ी।
- शहर में बच्चों को भाषा, गरीबी और शिक्षा संबंधी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

आदिवासी और प्रचलित छवियाँ अथवाा आदिवासी और विकास

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. **प्रचलित छवियों में आदिवासियों को सामान्यतः किस रूप में प्रस्तुत किया जाता है?**

(अ) उद्योगपति के रूप में
(ब) वैज्ञानिक के रूप में
(स) रंग–बिरंगे कपड़ों में नाचते–गाते हुए
(द) सरकारी अधिकारी के रूप में **(स)**

2. **आदिवासियों को रोजगार के लिए बागानो, निर्माण स्थलो और उद्योगों की ओर मुख्यतः किस कारण धकेला गया?**

(अ) खेल प्रतियोगिताओं के कारण
(ब) आर्थिक बदलावों, वन नीतियों और राजनीतिक दबाव के कारण
(स) अधिक शिक्षा प्राप्त करने के कारण
(द) प्राकृतिक संसाधनों की कमी के कारण **(ब)**

3. **खनन और खनन परियोजनाओं के कारण विस्थापित लोगों में आदिवासियों की संख्या कितनी से अधिक रही है?**

(अ) 25 प्रतिशत (ब) 40 प्रतिशत
(स) 50 प्रतिशत (द) 75 प्रतिशत **(स)**

4. **आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, उड़ीसा और झारखंड मेकं विस्थापित लोगों में कितने प्रतिशत आदिवासी थे?**

(अ) 69 प्रतिशत (ब) 79 प्रतिशत
(स) 89 प्रतिशत (द) 59 प्रतिशत **(ब)**

5. **न्यामगिरी पहाड़ी किस आदिवासी समुदाय का क्षेत्र है?**

मिशन ज्ञान
पढ़ो जब चाहो, जहाँ चाहो, जैसे चाहो!

(अ) संथाल (ब) डोंगरिया कोड
(स) भील (द) गोंड **(ब)**

रिक्तस्थान –

1. आज अकेले असम में लगभग.............लाख आदिवासी हैं।

उत्तर : 70

2. उन्नीसवीं सदी के पलायनों के कारण लगभग .... लाख आदिवासियों की मृत्यु हुई।

उत्तर : 5

3. आदिवासी लगभग................प्रकार के पौधों का उपयोग करते हैं।

उत्तर : 10,000

4. ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग..............प्रतिशत आदिवासी गरीबी रेखा के नीचे जीवन बिताते हैं।

उत्तर : 45

5. शहरी क्षेत्रों में लगभग................. प्रतिशत आदिवासी गरीबी रेखा के नीचे जीवन बिताते हैं।

उत्तर : 35

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. आदिवासियों के बारे में प्रचलित एक गलत छवि लिखिए।

उत्तर : उन्हे सदा रंग–बिरंगे कपड़े पहनकर नाचते–गाते दिखाया जाता हैं

2. असम का चाय उद्योग किनके श्रम के आधार पर विकसित हुआ?

उत्तर : आदिवासियों के श्रम के आधार पर।

3. न्यामगिरी किस आदिवासी समुदाय का पवित्र पर्वत है?

उत्तर : डोंगरिया कोड समुदाय का।

4. जंगल आदिवासीयों के लिए क्यों महत्वपूर्ण हैं?

उत्तर : जंगल उनकी आजीविका, भोजन, संस्कृति और परंपराओं का प्रमुख आधार है।

5. जंगलों में रहने वाले आदिवासियों को कई बार क्या कहा जाता है?

उत्तर : घुसपैठिया।

निम्न को सुमेलित कीजिए–

6. उचित मिलान कीजिए

स्तम्भ - अ	**स्तंम्भ - ब**
1. मोम, लाख और शहद	A. 79 प्रतिशत
2. असम का चाय उद्योग	B. वन उत्पाद
3. चार राज्यों में विस्थापित आदिवासी	C. आदिवासी श्रम
4. न्यामगिरी पहाड़ी	D. ड़ोंगरिया श्रम

उत्तर : 1-B, 2-C, 3-A,4-D

सत्य/असत्य प्रश्न –

1. औपनिवेशिक शासन से पहले आदिवासियों का जंगलों पर कोई नियंत्रण नहीं था।

उत्तर : असत्य

2. जमीन और जंगलो से अलग होने पर आदिवासी अपनी आजीविका के साथ अपनी संस्कृति भी खो देते हैं।

उत्तर : सत्य

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. आदिवासियों की प्रचलित छवि किस प्रकार भेदभाव को जन्म देती है?

उत्तर :
- उन्हें केवल रंग–बिरंगे कपड़ों में नाचते–गाते दिखाया जाता है।
- उनकी वास्तविक समस्याओं और जीवन–संघर्षों की उपेक्षा होती है।
- उन्हें पुराने विचारों वाला और पिछड़ा मान लिया जाता है।
- यह धारणा बनाई जाती है कि वे बदलाव नहीं चाहते।
- ऐसी बनी–बनाई छवियाँ उनके साथ भेदभाव का आधार बन जाती हैं।

2. औपनिवेशिक शासन से पहले जंगलों में आदिवासियों की स्थिति कैसी थी?

उत्तर :
- आदिवासियों को वन क्षेत्रों का गहरा ज्ञान था।
- जंगलों में उनकी मजबूत उपस्थिति थी।
- वन संसाधनों पर उनका नियंत्रण था।

3. आदिवासियों के विस्थापन के प्रमुख कारण बताईए।

उत्तर :
- खनन और विशाल औद्योगिक परियोजनाएँ।
- बाँधों और जलाशयों का निर्माण।
- खेती और उद्योगों के लिए जंगलों की कटाई।
- वन्यजीव अभ्यारण्यों और राष्ट्रीयउद्यानों का निर्माण।
- ताकतवर गुटों द्वारा जनजातीय जमीन पर जबरन कब्जा।

4. विस्थापन का आदिवासी समुदायों पर क्या प्रभाव पड़ता है?

उत्तर :
- वे जमीन, जंगल और आजीविका से वंचित हो जाते हैं।
- काम की तलाश में शहरों की ओर पलायन करते हैं।
- उन्हें कम वेतन वाले अस्थायी काम करने पड़ते है।
- उनकी परंपराएँ, धार्मिक स्थल और रीति–रिवाज नष्ट होते हैं।
- वे गरीबी, कुपोषण और अशिक्षा के जाल में फँस जाते हैं।

5. **वन भुमि का अधिकार समाप्त होने पर आदिवासियों ज्ञान–संपदा कैसे प्रभावित होती है?**

उत्तर :
- औषधीय पौधों का पारंपरिक ज्ञान समाप्त होने लगता हैं।
- खाद्य पौधों की पहचान और उपयोग की जानकारी खो जाती है।
- कीटनाशक, गोंद, रेजिन और रंग बनाने का ज्ञान नष्ट होता हैं।
- वन आधारित रेशों और अन्य उत्पादों की जानकारी समाप्त होती हैं
- नई पीढ़ी तक पारंपरिक ज्ञान का हस्तांतरण रूक जाता हैं।

अल्पसंख्यक और हाशियाकरण

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. **अल्पसंख्यक शब्द सामान्यत: किन समुदायों के लिए प्रयुक्त होता है?**
   (अ) जो आर्थिक रूप से सबसे शक्तिशाली हों
   (ब) जो संख्या में शेष आबादी की तुलना में कम हों
   (स) जो केवल ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हों
   (द) जो एक ही भाषा बोलते हों **(ब)**
2. **जो संख्या में शेष आबादी की तुलना में कम हों**
   (अ) उन्हें बहुसंख्यक संस्कृति और भेदभाव के दबाव से बचाने के लिए
   (ब) उन्हें अन्य समुदायों से पूरी तरह अलग रखने के लिए
   (स) उन्हें सरकारी नौकरीयों से दूर रखने के लिए
   (द) उनकी संख्या कम करने के लिए **(अ)**
3. **वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में मुस्लिम आबादी कितने प्रतिशत थी?**
   (अ) 10.5 प्रतिशत (ब) 12.8 प्रतिशत
   (स) 14.2 प्रतिशत (द) 18.4 प्रतिशत **(स)**
4. **मुसलमानों की सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक स्थिति का अध्ययन करने वाली समिति के अध्यक्ष कौन थे?**
   (अ) गोविंद मारन (ब) न्यायमूर्ति राजिन्दर सच्चर
   (स) जादूराम (द) डॉ. भीमराव आंबेडकर **(ब)**
5. **सच्चर समिति से संबंधित आँकड़ों के अनुसार कितने प्रतिशत मुस्लिम बच्चे मदरसों में पढ़ते हैं?**
   (अ) 14 प्रतिशत (ब) 10 प्रतिशत
   (स) 8 प्रतिशत (द) 4 प्रतिशत **(द)**

रिक्तस्थान –

1. **भारतीय संविधान धार्मिक और .... अल्पसंख्यकों को सुरक्षा प्रदान करता हैं**

उत्तर : भाषायी

2. **वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार मुस्लिम आबादी भारत की कुल जनसंख्या का................ प्रतिशत थी।**

उत्तर : 14.2

3. **उच्च स्तरीय समिति की अध्यक्षता न्यायमुर्ति...............ने की।**

उत्तर : राजिन्दर सच्चर

4. **केवल.................. प्रतिशत मुस्लिम बच्चे मदरसों में पढ़ते हैं।**

उत्तर : 4

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. **अल्पसंख्यक समुदाय से क्या आशय है?**

उत्तर : ऐसा समुदाय जो संख्या की दृष्टि से शेष आबादी की तुलना में कम हो और सत्ता तथा संसाधनों तक उसकी पहुँच सीमित हो सकती हैं

2. **मौलिक अधिकारों हनन पर कोई नागरिक कहाँ जा सकता है?**

उत्तर : न्यायालय में।

3. **घेटोआइजेशन से क्या आशय है?**

उत्तर : भेदभाव या असुरक्षा के कारण किसी समुदाय का विशेष या अलग क्षेत्रों में सीमित होते जाना।

4. **मुस्लिम समुदाय की स्थिति का अध्ययन करने वाली समिति का नाम क्या था?**

उत्तर : सच्चर समिति

5. **मुस्लिम समुदाय की साक्षरता दर कितनी बताई गई है?**

उत्तर : 57 प्रतिशत

6. **उचित मिलान कीजिए**

स्तम्भ अ	स्तम्भ ब
1. सच्चर समिति का गठन	A. मौलिक अधिकारों की रक्षा
2. न्यायपालिका	B. 2005
3. राजिन्दर सच्चर	C. समिति के अध्यक्ष
4. संवैधानिक सुरक्षा	D. भेदभाव से संरक्षण

उत्तर : 1-B, 2-A, 3-C,4-D

सत्य/असत्य प्रश्न –

1. अल्पसंख्यक की अवधारणा केवल समुदाय की संख्या तक सीमित है।

उत्तर : असत्य

2. आँकड़ों के अनुसार अधिकांश मुस्लिम बच्चे केवल मदरसों में पढ़ते हैं।

उत्तर : असत्य

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. अल्पसंख्यक समुदायों के लिए संवैधानिक सुरक्षा क्यों आवश्यक है?

उत्तर :
- बहुसंख्यक संस्कृति समाज और सरकार की अभिव्यक्ति को प्रभावित कर सकती है।
- छोटे समुदाय सांस्कृतिक वर्चस्व के दबाव में आ सकते हैं।
- उन्हें भेदभाव और नुकसान की आशंका से बचाना आवश्यक है।
- तनावपूर्ण परिस्थितियों में वे जीवन और संपत्ति के प्रति असुरक्षित महसूस कर सकते हैं।
- संवैधानिक सुरक्षा समानता, न्याय और सांस्कृतिक विविधता की रक्षा करती है।

2. मुसलमानों को हाशियाई समुदाय मानने के पक्ष में तर्क दीजिए।

उत्तर :
- मुस्लिम समुदाय की साक्षरता दर केवल 57 प्रतिशत बताई गई है।
- मूलभूत सुविधाओं तक उनकी पहुँच कई समुदायों से कम है।
- उनकी जनसंख्या की तुलना में सरकारी सेवाओं में प्रतिनिधित्व बहुत कम है।
- 6 से 14 वर्ष के 25 प्रतिशत बच्चे कभी स्कूल नहीं गए या स्कूल छोड़ चुके हैं।
- सामाजिक पूर्वाग्रहों के कारण उन्हें भेदभाव और अलगाव का सामना करना पड़ता है।

3. सच्चर समिति की प्रमुख जानकारियाँ लिखिए।

उत्तर :
- समिति का गठन वर्ष 2005 में किया गया।
- इसकी अध्यक्षता न्यायमूर्ति राजिन्दर सच्चर ने की।
- इसने मुस्लिम समुदाय की सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक स्थिति का अध्ययन किया।
- मुसलमानों की स्थिति कई संकेतकों पर अन्य हाशियाई समुदायों के समान पाई गई।
- मुस्लिम बच्चों की स्कूली शिक्षा की अवधि अन्य समुदायों की तुलना में कम पाई गई।

4. बनी–बनाई छवियाँ मुसलमानों के सामाजिक हाशियाकरण को कैसे बढ़ाती हैं?

उत्तर :
- सभी मुसलमानों को बुर्का, लंबी दाढ़ी या फ़ेज़ टोपी जैसी निशानियों से पहचाना जाता है।
- उन्हें मुख्यधारा से अलग मान लिया जाता है।
- उनके प्रति पूर्वाग्रहपूर्ण व्यवहार किया जाता है।
- भेदभाव के कारण वे अपने पुराने निवास क्षेत्रों से हटने लगते हैं।
- पूर्वाग्रह कभी–कभी घृणा, अलगाव और हिंसा को जन्म देता है।

5. आर्थिक और सामाजिक हाशियाकरण के बीच क्या संबंध है?

उत्तर :
- सामाजिक भेदभाव शिक्षा के अवसरों को सीमित करता है।
- कम शिक्षा से रोजगार के बेहतर अवसर नहीं मिलते।
- आर्थिक कमजोरी के कारण मूलभूत सुविधाओं तक पहुँच घटती है।
- गरीबी समुदाय की सामाजिक स्थिति को और कमजोर करती है।
- इस प्रकार आर्थिक और सामाजिक हाशियाकरण एक–दूसरे को बढ़ाते हैं।

6 "देशी जनता" को सभ्य बनाना, राष्ट्र को शिक्षित करना

अंग्रेज़ शिक्षा को किस तरह देखते थे

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. विलियम जोन्स 1783 में किस शहर में आए थे?
(अ) मद्रास (ब) कलकत्ता
(स) बम्बई (द) बनारस **(ब)**

2. एशियाटिक सोसायटी ऑफ बंगाल का गठन किसने किया था?
(अ) मैकॉले और जेम्स मिल
(ब) गांधी और टैगोर
(स) जोन्स और उनके सहयोगियों ने
(द) चार्ल्स वुड ने **(स)**

3. कलकत्ता मदरसा किस वर्ष स्थापित किया गया था?
(अ) 1791 (ब) 1854
(स) 1835 (द) 1781 **(द)**

4. थॉमस मैकॉले किस शिक्षा के समर्थक थे?
(अ) अंग्रेज़ी और यूरोपीय शिक्षा
(ब) केवल संस्कृत शिक्षा
(स) केवल अरबी शिक्षा
(द) केवल स्थानीय पाठशाला शिक्षा **(ब)**

5. वुड का नीतिपत्र किस वर्ष जारी किया गया था?
(अ) 1818 (ब) 1854
(स) 1857 (द) 1901 **(द)**

रिक्तस्थान –

1. विलियम जोन्स कानून के माहिर होने के साथ–साथ एक .... भी थे।

उत्तर : भाषाविद

2. 1791 में बनारस में .... की स्थापना की गई।

उत्तर : हिंदू कॉलेज

3. जेम्स मिल प्राच्यवादियों के प्रमुख .... थे।

उत्तर : आलोचक

4. 1835 के शिक्षा अधिनियम के बाद उच्च शिक्षा का माध्यम . ... बनाया गया।

उत्तर : अंग्रेजी

5. वुड के नीतिपत्र में .... शिक्षा के व्यावहारिक लाभ बताए गए।

उत्तर : यूरोपीय

8. निम्न को सुमेलित कीजिए–

स्तंभ - I	स्तंभ - II
1. विलियम जोन्स	A. यूरोपीय शिक्षा का समर्थन
2. मैकॉले	B. भारतीय ग्रंथों का अध्ययन
3. चार्ल्स वुड	C. वुड का नीतिपत्र
4. कलकत्ता मदरसा	D. अरबी–फारसी और इस्लामिक कानून

उत्तर : 1-B, 2-A, 3-C, 4-D

9. निम्न को सुमेलित कीजिए–

स्तंभ - I	स्तंभ - II
1. 1781	A. अंग्रेजी शिक्षा अधिनियम
2. 1791	B. कलकत्ता मदरसा
3. 1835	C. बनारस हिंदू कॉलेज
4. 1854	D. वुड का नीतिपत्र

उत्तर : 1-B, 2-C, 3-A, 4-D

सत्य/असत्य प्रश्न –

1. जेम्स मिल प्राच्यवादियों के घोर आलोचक थे।

उत्तर : सत्य

2. मैकॉले अरबी और संस्कृत शिक्षा को बढ़ावा देना चाहते थे।

उत्तर : असत्य

3. 1854 के शिक्षा संबंधी डिस्पैच में उच्च शिक्षा का माध्यम अंग्रेज़ी बनाने पर जोर दिया गया था।

उत्तर : असत्य

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. प्राच्यवादी किसे कहा जाता था?

उत्तर : जो एशिया की भाषा और संस्कृति का गहन ज्ञान रखते थे।

2. विलियम जोन्स ने किन भाषाओं का अध्ययन किया था?

उत्तर : ग्रीक, लैटिन, फ्रैंच, अंग्रेज़ी, अरबी, फ़ारसी और संस्कृत।

3. हैनरी टॉमस कोलब्रुक किस कार्य में लगे थे?

उत्तर : भारतीय भाषाएँ सीखने और संस्कृत–फ़ारसी रचनाओं का अंग्रेज़ी में अनुवाद करने में।

4. मैकॉले भारत को कैसा देश मानते थे?

उत्तर : मैकॉले भारत को असभ्य देश मानते थे।

5. 1857 में किन तीन विश्वविद्यालयों की स्थापना की जा रही थी?

उत्तर : कलकत्ता, मद्रास और बम्बई विश्वविद्यालय।

6. 'वर्नाक्युलर' शब्द को परिभाषित कीजिए। (मॉडल पेपर-2025)

उत्तर : वर्नाक्युलर शब्द का प्रयोग सामान्यत: किसी मानक भाषा से अलग स्थानीय भाषा अथवा बोली के लिए किया जाता है। औपनिवेशिक भारत में अंग्रेज़ रोज़मर्रा में बोली जाने वाली स्थानीय भाषाओं और अंग्रेज़ी भाषा के बीच अंतर बताने के लिए इस शब्द का प्रयोग करते थे।

7. प्राच्यवादी शिक्षा के समर्थक विद्वानों के नाम बताइए। (मॉडल पेपर-2023)

उत्तर : विलियम जोन्स, हेनरी टॉमस कोलब्रुक और नैथेनियल हॉलहेड।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. विलियम जोन्स भारतीय ग्रंथों का अध्ययन क्यों करना चाहते थे?

उत्तर :
- वे भारतीय इतिहास, कानून और दर्शन को समझना चाहते थे।
- उनका मानना था कि भारतीय सभ्यता प्राचीन काल में वैभवशाली थी।
- वे हिंदुओं और मुसलमानों के असली कानूनों को समझना चाहते थे।
- प्राचीन ग्रंथों के अध्ययन से भारत के भविष्य के विकास का आधार बन सकता था।

2. प्राच्यवादियों की शिक्षा संबंधी सोच क्या थी?

उत्तर :
- वे भारतीय ज्ञान और प्राचीन ग्रंथों को महत्व देते थे।
- वे संस्कृत, फ़ारसी और अरबी शिक्षा को प्रोत्साहन देना चाहते थे।
- उनका मानना था कि भारतीयों को वही पढ़ाया जाए जिसे वे पहले से जानते और आदर देते हैं।
- वे भारतीय संस्कृति को समझकर शासन को मजबूत बनाना चाहते थे।

3. जेम्स मिल ने प्राच्यवादी शिक्षा का विरोध क्यों किया?

उत्तर :
- वे पूर्वी ज्ञान को अवैज्ञानिक और त्रुटिपूर्ण मानते थे।
- वे उपयोगी और व्यावहारिक शिक्षा के पक्षधर थे।
- वे भारतीयों को पश्चिमी विज्ञान और तकनीक पढ़ाना चाहते थे।
- उनके अनुसार शिक्षा जनता को खुश करने के लिए नहीं दी जानी चाहिए।

4. मैकॉले अंग्रेज़ी शिक्षा को क्यों आवश्यक मानते थे?

उत्तर :
- वे अंग्रेज़ी को श्रेष्ठ साहित्य और विज्ञान तक पहुँच का माध्यम मानते थे।
- वे भारतीयों की रुचि, मूल्य और संस्कृति बदलना चाहते थे।
- वे प्राच्यवादी ज्ञान पर सरकारी पैसा खर्च करना व्यर्थ मानते थे।
- 1835 के शिक्षा अधिनियम में अंग्रेज़ी को उच्च शिक्षा का माध्यम बनाया गया।

5. वुड के नीतिपत्र में यूरोपीय शिक्षा के क्या लाभ बताए गए?

उत्तर :
- इससे भारतीय व्यापार और वाणिज्य के लाभ समझ सकेंगे।
- इससे देश के संसाधनों के विकास का महत्व समझ आएगा।
- यूरोपीय जीवन शैली से ब्रिटिश वस्तुओं की माँग बढ़ेगी।
- इससे भारतीयों के नैतिक चरित्र के उत्थान की बात कही गई।
- कंपनी को भरोसेमंद कर्मचारी मिल सकेंगे।

6. जेम्स मिल और टॉमस मैकॉले यूरोपीय शिक्षा को अनिवार्य क्यों मानते थे?

उत्तर :
- वे पूर्वी ज्ञान को त्रुटिपूर्ण, अवैज्ञानिक और अनुपयोगी मानते थे।
- वे भारतीयों को पश्चिमी विज्ञान और तकनीकी उपलब्धियों का ज्ञान देना चाहते थे।
- मैकॉले का मानना था कि अंग्रेज़ी के माध्यम से भारतीय श्रेष्ठ यूरोपीय साहित्य, विज्ञान और दर्शन तक पहुँच सकेंगे।
- उनके अनुसार अंग्रेज़ी शिक्षा भारतीयों को "सभ्य" बनाने तथा उनकी रुचियों, मूल्यों और संस्कृति को बदलने का माध्यम थी।

शिक्षा ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

7. **1835 के अंग्रेज़ी शिक्षा अधिनियम की मुख्य बातें लिखिए।**

उत्तर :
- यह अधिनियम मैकॉले के मिनट्स के आधार पर पारित किया गया।
- अंग्रेज़ी को उच्च शिक्षा का माध्यम बनाया गया।
- कलकत्ता मदरसा और बनारस संस्कृत कॉलेज जैसे प्राच्यवादी संस्थानों को प्रोत्साहन न देने का निर्णय लिया गया।
- स्कूलों के लिए अंग्रेज़ी पाठ्यपुस्तकें छपने लगीं।
- यूरोपीय ज्ञान के प्रसार को बढ़ावा दिया गया।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. **वुड के नीतिपत्र से क्या समझते हैं?**

उत्तर :
- 1854 में ईस्ट इंडिया कंपनी के लंदन स्थित कोर्ट ऑफ़ डायरेक्टर्स ने भारतीय गवर्नर जनरल को शिक्षा के विषय में एक नोट भेजा।
- यह संदेश कंपनी के नियंत्रक मंडल के अध्यक्ष चार्ल्स वुड के नाम से जारी हुआ।
- इसे वुड का नीतिपत्र या वुड्स डिस्पैच कहा जाता है।
- इसमें भारत में लागू की जाने वाली शिक्षा नीति की रूपरेखा दी गई।
- इसमें प्राच्यवादी ज्ञान के स्थान पर यूरोपीय शिक्षा के व्यावहारिक, आर्थिक और प्रशासनिक लाभ बताए गए।

2. **1854 के वुड के नीतिपत्र के बाद अंग्रेज़ों ने क्या कदम उठाए?**

उत्तर :
- सरकारी शिक्षा विभागों का गठन किया गया।
- शिक्षा संबंधी मामलों पर सरकार का नियंत्रण बढ़ाया गया।
- विश्वविद्यालयी शिक्षा की व्यवस्था विकसित करने के लिए कदम उठाए गए।
- 1857 में कलकत्ता, मद्रास और बम्बई विश्वविद्यालयों की स्थापना की गई।
- स्कूली शिक्षा प्रणाली में पाठ्यपुस्तक, नियमित समय–सारणी, निरीक्षण और परीक्षा जैसी व्यवस्थाओं को बढ़ावा दिया गया।

3. **"विलियम जोन्स कानून के माहिर होने के साथ–साथ एक भाषाविद् भी थे।" कथन को स्पष्ट कीजिए।**

(मॉडल पेपर-2026)

उत्तर :
- विलियम जोन्स ने ऑक्सफर्ड में ग्रीक और लैटिन भाषाओं का अध्ययन किया था।
- वे फ्रैंच और अंग्रेज़ी भाषाएँ जानते थे।
- उन्होंने अपने एक मित्र से अरबी भाषा सीखी थी।
- वे फ़ारसी भाषा भी सीख चुके थे।
- कलकत्ता आने के बाद उन्होंने संस्कृत विद्वानों से संस्कृत भाषा, व्याकरण और संस्कृत काव्यों का अध्ययन किया।
- अनेक भाषाओं के ज्ञान और अध्ययन के कारण उन्हें भाषाविद् कहा गया।

स्थानीय पाठशालाओं का क्या हुआ?

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. **विलियम एडम ने किन क्षेत्रों की पाठशालाओं का सर्वेक्षण किया था?**

(अ) बंगाल और बिहार
(ब) पंजाब और दिल्ली
(स) गुजरात और महाराष्ट्र
(द) मद्रास और बम्बई **(अ)**

2. **पाठशालाओं में बच्चों की फीस किस आधार पर तय होती है?**

(अ) उम्र के आधार पर
(ब) जाति के आधार पर
(स) माता–पिता की आमदनी के आधार पर
(द) परीक्षा परिणाम के आधार पर **(ब)**

रिक्तस्थान –

1. विलियम एडम स्कॉटलैंड से आए एक .... प्रचारक थे।

उत्तर : ईसाई

2. 1854 के बाद कंपनी ने पाठशालाओं में नई दिनचर्या और नए .... लागू करने चाहे।

उत्तर : नियम

सत्य/असत्य प्रश्न –

1. **स्थानीय पाठशालाओं में फीस सभी बच्चों की समान होती थी।**

उत्तर : असत्य

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. **विलियम एडम को रिपोर्ट तैयार करने का काम किसने दिया था?**

उत्तर : ईस्ट इंडिया कंपनी ने।

मिशन ज्ञान
पढ़ें अब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

2. नई व्यवस्था में विद्यार्थियों से क्या अपेक्षा की गई?

उत्तर : नियमित शुल्क देना, नियमित आना, तय सीट पर बैठना और अनुशासन मानना।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. विलियम एडम की रिपोर्ट में स्थानीय पाठशालाओं के बारे में क्या जानकारी मिलती है?

उत्तर :
- बंगाल और बिहार में एक लाख से अधिक पाठशालाएँ थीं।
- ये छोटे केंद्र थे, जिनमें सामान्यतः 20 से अधिक विद्यार्थी नहीं होते थे।
- इन पाठशालाओं में कुल बीस लाख से अधिक बच्चे पढ़ते थे।
- इन्हें स्थानीय समुदाय, सम्पन्न लोग या गुरु चलाते थे।

2. स्थानीय पाठशालाओं की शिक्षा व्यवस्था लचीली क्यों कही गई?

उत्तर :
- निश्चित फीस नहीं थी।
- अलग इमारत, बेंच, कुर्सी और ब्लैकबोर्ड नहीं थे।
- नियमित समय–सारणी और वार्षिक परीक्षा नहीं थी।
- गुरु विद्यार्थियों की जरूरत के अनुसार पढ़ाते थे।
- कटाई के समय कक्षाएँ बंद हो जाती थीं।

3. 1854 के बाद कंपनी ने पाठशालाओं में क्या बदलाव किए?

उत्तर :
- पंडितों को सरकारी नौकरी पर रखा गया।
- हर पंडित को 4–5 स्कूलों की देखरेख दी गई।
- गुरुओं से नियमित रिपोर्ट माँगी गई।
- पाठ्यपुस्तकों पर आधारित पढ़ाई शुरू की गई।
- विद्यार्थियों की प्रगति मापने के लिए वार्षिक परीक्षा बनाई गई।

4. प्राथमिक शालाओं में प्रवेश लेने के बाद आगामी कक्षाओं के अध्ययन में बहुत–से बच्चे विद्यालय क्यों छोड़ देते हैं? कोई दो कारण लिखिए। (मॉडल पेपर-2024)

उत्तर :
- गरीबी के कारण बच्चों को परिवार की सहायता करने और विशेष रूप से फसल कटाई के समय खेतों में काम करने की आवश्यकता पड़ती है।
- नई शिक्षा व्यवस्था में कठोर समय–सारणी और नियमित उपस्थिति अनिवार्य होने से गरीब परिवारों के बच्चे पढ़ाई जारी नहीं रख पाते।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. कल्पना कीजिए कि आप 1850 के दशक में एक गरीब परिवार में पैदा हुए हैं। उस समय सरकार द्वारा संचालित पाठशालाओं पर कोई दो राय दीजिए।(मॉडल पेपर-2024)

उत्तर :
- सरकार द्वारा नियंत्रित पाठशालाओं में विद्यार्थियों के लिए नियमित रूप से विद्यालय आना, निर्धारित स्थान पर बैठना, नियमित शुल्क देना और अनुशासन के नियमों का पालन करना आवश्यक था।
- यह व्यवस्था गरीब परिवारों के बच्चों के लिए कठिन थी, क्योंकि फसल कटाई के समय उन्हें खेतों में काम करना पड़ता था और विद्यालय न आने पर उन्हें अनुशासनहीन समझा जाता था।
- इसलिए गरीब परिवार के बच्चे के रूप में कठोर समय–सारणी और अनिवार्य उपस्थिति की व्यवस्था सुविधाजनक नहीं होती।

राष्ट्रीय शिक्षा की कार्यसूची

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. अरविंदो घोष ने राष्ट्रीय शिक्षा पर अपना भाषण कब दिया था?

(अ) 15 जनवरी 1908
(ब) 2 फरवरी 1835
(स) 1854
(द) 1901 **(अ)**

2. अरविंदो घोष के अनुसार राष्ट्रीय शिक्षा का लक्ष्य क्या था?

(अ) केवल नौकरी दिलाना
(ब) छात्रों में राष्ट्रीयता का भाव जगाना
(स) केवल अंग्रेज़ी पढ़ाना
(द) केवल परीक्षा कराना **(ब)**

3. महात्मा गांधी के अनुसार औपनिवेशिक शिक्षा ने भारतीयों में क्या पैदा किया?

(अ) हीनता का बोध (ब) पूर्ण स्वतंत्रता
(स) ग्रामीण कौशल (द) प्राकृतिक सृजनशीलता **(अ)**

4. शांतिनिकेतन की स्थापना किसने की थी?

(अ) महात्मा गांधी (ब) विलियम एडम
(स) रवीन्द्रनाथ टैगोर (द) मैकॉले **(स)**

5. रवीन्द्रनाथ टैगोर ने शांतिनिकेतन की स्थापना किस वर्ष की?

(अ) 1835 (ब) 1857
(स) 1901 (द) 1818 **(स)**

रिक्तस्थान –

1. महात्मा गांधी का मानना था कि शिक्षा केवल भारतीय .... में दी जानी चाहिए।

उत्तर : भाषाओं

2. गांधीजी के अनुसार केवल पढ़ने और लिखने की क्षमता को .... कहा जाता है।

उत्तर : साक्षरता

3. टैगोर ने शांतिनिकेतन में कला, संगीत और .... पर भी जोर दिया।

उत्तर : नृत्य

4. अरविंदो घोष ने शिक्षा को .... भाषा में देने पर बल दिया।

उत्तर : मातृ

1. निम्न को सुमेलित कीजिए–

स्तंभ - I	स्तंभ - II
1. महात्मा गांधी	A. शांति निकेतन
2. रवीन्द्रनाथ टैगोर	B. अंग्रेजी शिक्षा के आलोचक
3. अरविंदो घोष	C. राष्ट्रीयता का भाव
4. साक्षरता का भाव	D. पढ़ने–लिखने की क्षमता

उत्तर : 1-B, 2-A, 3-C, 4-D

2. निम्न को सुमेलित कीजिए–

स्तंभ - I	स्तंभ - II
1. गांधीजी	A. मातृभाषा में शिक्षा
2. टैगोर	B. प्राकृतिक परिवेश में शिक्षा
3. अरविंदो	C. हस्तकला और रोजगार
4. शांतिनिकेतन	D. सृजनात्मक शिक्षा

उत्तर : 1-A, 2-B, 3-C, 4-D

सत्य/असत्य प्रश्न –

1. महात्मा गांधी मानते थे कि साक्षरता अपने आप में शिक्षा नहीं है।

उत्तर : सत्य

2. रवीन्द्रनाथ टैगोर बच्चों पर कठोर अनुशासन लगाने के पक्ष में थे।

उत्तर : असत्य

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. महात्मा गांधी किस प्रकार की शिक्षा चाहते थे?

उत्तर : ऐसी शिक्षा जो भारतीयों में प्रतिष्ठा और स्वाभिमान जगाए।

2. गांधीजी अंग्रेज़ी शिक्षा को क्या मानते थे?

उत्तर : वे मानते थे कि अंग्रेज़ी शिक्षा ने भारतीयों को गुलाम बना दिया।

3. गांधीजी बच्चों को क्या सिखाना चाहते थे?

उत्तर : उपयोगी हस्त–कौशल और हाथ से काम करना।

4. टैगोर ने शांतिनिकेतन कहाँ खोला?

उत्तर : कलकत्ता से 100 किलोमीटर दूर ग्रामीण परिवेश में।

5. टैगोर किस प्रकार के शिक्षक चाहते थे?

उत्तर : कल्पनाशील, बच्चों को समझने वाले और उत्सुकता जगाने वाले शिक्षक।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. अरविंदो घोष के अनुसार राष्ट्रीय शिक्षा कैसी होनी चाहिए?

उत्तर :
- शिक्षा छात्रों में राष्ट्रीयता का भाव जगाए।
- पूर्वजों के साहसिक कार्यों पर चिंतन कराया जाए।
- शिक्षा मातृभाषा में हो ताकि अधिक लोगों तक पहुँचे।
- आधुनिक वैज्ञानिक आविष्कारों का ज्ञान दिया जाए।
- छात्रों को हस्तकला सिखाई जाए ताकि वे रोजगार पा सकें।

2. गांधीजी अंग्रेज़ी शिक्षा के विरोधी क्यों थे?

उत्तर :
- अंग्रेज़ी शिक्षा ने भारतीयों में हीनता का बोध पैदा किया।
- भारतीय पश्चिमी सभ्यता को श्रेष्ठ मानने लगे।
- अपनी संस्कृति के प्रति गौरव भाव नष्ट हुआ।
- अंग्रेज़ी शिक्षित भारतीय अपनी जनता से कट गए।
- वे अपनी ही भूमि पर अजनबी बन गए।

3. गांधीजी के अनुसार वास्तविक शिक्षा क्या है?

उत्तर :
- शिक्षा देह, मस्तिष्क और भावना का विकास करे।
- केवल साक्षरता शिक्षा नहीं है।
- बच्चों को उपयोगी हस्तकौशल सिखाया जाना चाहिए।
- शिक्षा जीवन अनुभवों और व्यावहारिक ज्ञान से जुड़ी हो।
- हर कार्य को वैज्ञानिक ढंग से समझाया जाना चाहिए।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

4. टैगोर ने शांतिनिकेतन क्यों स्थापित किया?

उत्तर :
- वे बचपन में स्कूल के दमनकारी माहौल से चिढ़ते थे।
- वे बच्चों के लिए मुक्त और रचनाशील वातावरण चाहते थे।
- वे चाहते थे कि बच्चे अपने विचार और आकांक्षाएँ समझें।
- वे कठोर अनुशासन से मुक्त शिक्षा चाहते थे।
- प्राकृतिक परिवेश में बच्चों की सृजनात्मकता विकसित हो सकती थी।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. गांधीजी और टैगोर के शिक्षा संबंधी विचारों में समानताएँ और अंतर लिखिए।

उत्तर : समानताएँ :
- दोनों औपनिवेशिक शिक्षा व्यवस्था से संतुष्ट नहीं थे।
- दोनों ऐसी शिक्षा चाहते थे जो केवल पाठ्यपुस्तकों और कठोर अनुशासन तक सीमित न हो।
- दोनों शिक्षा को जीवन, अनुभव और भारतीय परिवेश से जोड़ना चाहते थे।
- दोनों बच्चों के व्यक्तित्व और क्षमताओं के विकास पर बल देते थे।

अंतरः
- गांधीजी भारतीय भाषाओं और उपयोगी हस्तकौशल पर विशेष बल देते थे।
- गांधीजी पश्चिमी सभ्यता तथा मशीनों और प्रौद्योगिकी की उपासना के कट्टर आलोचक थे।
- टैगोर प्राकृतिक परिवेश में मुक्त और सृजनात्मक शिक्षा चाहते थे।
- टैगोर कला, संगीत, नृत्य, विज्ञान और प्रौद्योगिकी को भी महत्त्व देते थे।
- टैगोर भारतीय परंपरा और आधुनिक पश्चिमी सभ्यता के श्रेष्ठ तत्वों का सम्मिश्रण चाहते थे।

2. गांधीजी बच्चों को हस्तकलाएँ क्यों सिखाना चाहते थे?

उत्तर :
- गांधीजी के अनुसार केवल पढ़ने–लिखने की क्षमता प्राप्त करना शिक्षा नहीं है।
- वे बच्चों को कोई उपयोगी हस्तकौशल सिखाकर रचनात्मक और उत्पादक बनाना चाहते थे।
- हस्तकला से देह, मस्तिष्क और भावना के श्रेष्ठ तत्वों का विकास होता है।
- इससे बच्चे हाथ से काम करना और विभिन्न चीज़ों के काम करने की प्रक्रिया समझते हैं।
- प्रत्येक हस्तकौशल को वैज्ञानिक ढंग से सीखने पर बच्चे उसके 'क्यों' और 'किसलिए' को समझते हैं।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

7 महिलाएँ, जाति एवं सुधार

परिवर्तन की दिशा में उठते कदम

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. उन्नीसवीं सदी में सामाजिक रीति–रिवाजों पर बहस आम लोगों तक पहुँचने का प्रमुख कारण क्या था?
(अ) नए धार्मिक स्थलों का निर्माण
(ब) छपाई और संचार के नए साधनों का विकास
(स) कृषि उत्पादन में वृद्धि
(द) विदेशी व्यापार का विस्तार **(ब)**

2. राजा राममोहन रॉय ने कलकत्ता में किस सुधारवादी संगठन की स्थापना की?
(अ) प्रार्थना समाज (ब) आर्य समाज
(स) ब्रह्मो सभा (द) वेद समाज **(स)**

3. सती प्रथा पर किस वर्ष पाबंदी लगाई गई?
(अ) 1829 (ब) 1856
(स) 1875 (द) 1929 **(अ)**

4. विधवा विवाह के पक्ष में प्राचीन ग्रंथों का हवाला देने वाले सुधारक कौन थे?
(अ) ज्योतिराव फुले
(अ) ईश्वरचंद्र विद्यासागर
(अ) स्वामी विवेकानंद
(अ) केशब चंद्र सेन **(ब)**

5. बाल विवाह निषेध अधिनियम कब पारित किया गया?
(अ) 1830 (ब) 1867
(स) 1873 (द) 1929 **(द)**

रिक्तस्थान –

1. राजा राममोहन रॉय द्वारा स्थापित ब्रह्मो सभा को बाद में .. .. के नाम से जाना गया।
उत्तर : ब्रह्मो समाज

2. मुमताज़ अली ने .... की आयतों का हवाला देकर महिलाओं की शिक्षा का समर्थन किया।
उत्तर : कुरान शरीफ़

3. ताराबाई शिंदे ने .... नामक पुस्तक में स्त्री और पुरुष के बीच सामाजिक भेदभाव की आलोचना की।
उत्तर : स्त्रीपुरुषतुलना

4. पंडिता रमाबाई ने .... में एक विधवागृह की स्थापना की।
उत्तर : पूना

5. बेगम रुकैया सख़ावत हुसैन ने कलकत्ता और .... में मुस्लिम लड़कियों के लिए स्कूल खोले।
उत्तर : पटना

6. सुधारकों को उनके कार्यों से सुमेलित कीजिए–

स्तंभ - I	स्तंभ - II
1. राजाराममोहन रॉय	A. स्त्रीपुरूषतुलना की रचना
2. ईश्वरचंद्र विद्यासागर	B. विधवा विवाह का समर्थन
3. ताराबाई शिंदे	C. सती प्रथा के विरूद्ध आंदोलन
4. पंडिता रमाबाई	D. विधवागृह की स्थापना

उत्तर : 1-C, 2-B, 3-A, 4-D

7. व्यक्तियों को उनके शैक्षणिक कार्यों से सुमेलित कीजिए–

स्तंभ - I	स्तंभ - II
1. ज्योतिराव फुले	A. अलीगढ़ में लड़कियों के लिए प्राथमिक विद्यालय
2. भोपाल की बेगम	B. महाराष्ट्र में लड़कियों के विद्यालय
3. बेगम रुकैया सख़ावत हुसैन	C. पंजाब में लड़कियों के विद्यालय
4. आर्य समार्ज	D. कलकत्ता और पटना मेंविद्यालय

उत्तर : 1-B, 2-A, 3-D, 4-C

सत्य/असत्य प्रश्न –

1. समाज सुधारकों को उनके प्रयासों में समाज के सभी लोगों का पूर्ण समर्थन प्राप्त था।
उत्तर : असत्य

2. प्रारंभिक बाल विवाह निषेध कानून के अनुसार 18 वर्ष से कम उम्र के लड़के और 16 वर्ष से कम उम्र की लड़की का विवाह नहीं किया जा सकता था।
उत्तर : सत्य

3. अंग्रेज़ों ने बंगाल पर कब्ज़ा करते ही विवाह, गोद लेने और संपत्ति–उत्तराधिकार के नए कानून बना दिए थे।
उत्तर : असत्य

4. समाज सुधारकों को सामाजिक तौर–तरीकों में सुधार करने के लिए प्राचीन ग्रंथों से दूर रहना पड़ता था।

उत्तर : असत्य

5. बाल विवाह निषेध अधिनियम 1829 में पारित किया गया था।

उत्तर : असत्य

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. राजा राममोहन रॉय जैसे व्यक्तियों को सुधारक क्यों कहा जाता था?

उत्तर : वे समाज में परिवर्तन लाकर अन्यायपूर्ण तौर–तरीकों को समाप्त करना चाहते थे।

2. सामाजिक कुरीतियों का विरोध करने के लिए सुधारक प्राचीन ग्रंथों का उपयोग कैसे करते थे?

उत्तर : वे प्राचीन ग्रंथों से अपनी बात के समर्थन में श्लोक या वाक्य खोजकर प्रस्तुत करते थे।

3. चोरी–छिपे स्वयं पढ़ना–लिखना सीखने वाली महिला कौन थीं?

उत्तर : राशसुंदरी देबी।

4. महिलाओं की शिक्षा के विषय में समाज में कौन–सा अंधविश्वास प्रचलित था?

उत्तर : लोग मानते थे कि पढ़ी–लिखी महिला जल्दी विधवा हो जाएगी।

5. राष्ट्रीय नेताओं ने स्वतंत्रता के बाद महिलाओं को कौन–सा प्रमुख राजनीतिक अधिकार देने का आश्वासन दिया?

उत्तर : पुरुषों के समान मतदान का अधिकार।

6. भारत के प्रसिद्ध चार समाज सुधारकों के नाम लिखिए, जिन्होंने महिलाओं की स्थिति में सुधार के प्रयास किए। (मॉडल पेपर-2025)

उत्तर :
1. राजा राममोहन रॉय
2. ईश्वरचंद्र विद्यासागर
3. पंडिता रमाबाई
4. ज्योतिराव फुले

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. उन्नीसवीं सदी में सामाजिक रीति–रिवाजों पर चर्चाओं का स्वरूप क्यों बदल गया?

उत्तर :
- किताबों, समाचारपत्रों, पत्रिकाओं और पर्चों की छपाई शुरू हुई।
- छपी सामग्री सस्ती और अधिक लोगों की पहुँच में थी।
- आम लोग अपनी भाषाओं में विचार व्यक्त करने लगे।
- सामाजिक और धार्मिक मुद्दों की चर्चाएँ जनता तक पहुँचीं।
- ये चर्चाएँ सामाजिक परिवर्तन के आंदोलनों से जुड़ीं।

2. राजा राममोहन रॉय ने सती प्रथा के विरुद्ध कैसे संघर्ष किया?

उत्तर :
- उन्होंने सती प्रथा के विरुद्ध मुहिम चलाई।
- प्राचीन ग्रंथों से बताया कि विधवाओं को जलाने की अनुमति नहीं है।
- पर्चों और लेखन से अपने विचार फैलाए।
- अंग्रेज़ अधिकारियों ने भी उनका समर्थन किया।
- 1829 में सती प्रथा पर पाबंदी लगी।

3. विधवा विवाह आंदोलन में ईश्वरचंद्र विद्यासागर की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :
- उन्होंने विधवा पुनर्विवाह का समर्थन किया।
- धार्मिक ग्रंथों से विधवा विवाह के प्रमाण दिए।
- अंग्रेज़ सरकार ने उनका सुझाव स्वीकार किया।
- 1856 में विधवा विवाह कानून पारित हुआ।
- रूढ़िवादी लोगों ने उनका विरोध किया।

4. लड़कियों की शिक्षा में कौन–कौन सी बाधाएँ थीं?

उत्तर :
- लोगों को डर था कि स्कूल उन्हें घरेलू कार्यों से दूर करेंगे।
- सार्वजनिक स्थानों से गुजरने पर लड़कियों के बिगड़ने का डर था।
- लड़कियों को घर से बाहर रखने की परंपरा थी।
- पढ़ी–लिखी महिला के विधवा होने का अंधविश्वास था।
- अधिकतर लड़कियों को घर पर पढ़ाया जाता था।

5. महिला संगठनों और लेखन ने बाल विवाह के विरुद्ध सुधारों को कैसे बल दिया?

उत्तर :
- महिला संगठनों ने बाल विवाह को चुनौती दी।
- महिलाओं के लेखन से सुधारों की आवाज़ मजबूत हुई।
- उन्होंने किताबें, पत्रिकाएँ, स्कूल और प्रशिक्षण केंद्र शुरू किए।
- सांसदों ने बाल विवाह पर पाबंदी के लिए संघर्ष किया।
- 1929 में बाल विवाह निषेध अधिनियम पारित हुआ।

6. स्वामी विवेकानंद नई विचारधारा और भविष्य की शक्ति के स्रोत कैसे बने? (मॉडल पेपर-2026)

उत्तर :
- उन्होंने वेदांत दर्शन का गौरव विश्व स्तर पर स्थापित किया।
- वे निर्धनता और जनसमूह की दुर्दशा से चिंतित थे।
- उन्होंने राष्ट्र की सेवा का आह्वान किया।
- युवाओं को समान आध्यात्मिक विरासत पर एकजुट किया।
- उनके विचारों ने राष्ट्रवाद, समाज सेवा और मानव एकता को दिशा दी।

7. महिला सशक्तीकरण की आवश्यकता के दो कारण लिखिए। (मॉडल पेपर-2024)

उत्तर : 1. महिलाओं में शिक्षा और स्वतंत्रता का अभाव था।

2. बाल विवाह, सती प्रथा और असमानता जैसी सामाजिक कुरीतियाँ थीं।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. निम्नलिखित समाज सुधारकों ने किन सामाजिक विचारों का समर्थन और प्रसार किया?

उत्तर : (क) राजा राममोहन रॉय

- सती प्रथा का विरोध किया।
- महिलाओं की स्वतंत्रता और समानता का समर्थन किया।
- पश्चिमी शिक्षा के प्रसार का समर्थन किया।
- महिलाओं को पढ़ने–लिखने की स्वतंत्रता दिए जाने के पक्षधर थे।
- जाति व्यवस्था की आलोचना की।
- ब्रह्मो सभा की स्थापना की।

(ख) स्वामी दयानंद सरस्वती

- 1875 में आर्य समाज की स्थापना की।
- आर्य समाज के माध्यम से हिंदू धर्म को सुधारने का प्रयास किया।
- विधवा पुनर्विवाह का समर्थन किया।
- आर्य समाज ने पंजाब में लड़कियों के लिए स्कूल खोले।
- महिलाओं की शिक्षा को प्रोत्साहित किया।

(ग) वीरेशलिंगम पंतुलु

- विधवा पुनर्विवाह का समर्थन किया।
- तेलुगू भाषी क्षेत्रों में विधवा विवाह के समर्थन में संगठन बनाया।
- विधवाओं की सामाजिक स्थिति सुधारने का प्रयास किया।

(घ) पंडिता रमाबाई

- महिलाओं के दमन और दुर्दशा की आलोचना की।
- ऊँची जाति की हिंदू महिलाओं की स्थिति पर पुस्तक लिखी।
- पूना में विधवागृह की स्थापना की।
- अत्याचार झेल रही महिलाओं को आश्रय दिया।
- महिलाओं को रोज़ी–रोटी चलाने योग्य कार्य सिखाए।

(ङ) मुमताज़ अली

- महिलाओं की शिक्षा के अधिकार का समर्थन किया।
- कुरान शरीफ़ की आयतों के आधार पर महिला शिक्षा को उचित ठहराया।
- मुस्लिम महिलाओं में शिक्षा के प्रसार पर बल दिया।

(च) ईश्वरचंद्र विद्यासागर

- विधवा पुनर्विवाह का समर्थन किया।
- प्राचीन ग्रंथों के आधार पर विधवा विवाह को उचित सिद्ध किया।
- उनके सुझाव पर 1856 में विधवा विवाह के पक्ष में कानून पारित हुआ।
- कलकत्ता में लड़कियों के लिए स्कूल खोले।
- महिलाओं की दशा सुधारने के लिए लड़कियों की शिक्षा को आवश्यक माना।

2. प्राचीन ग्रंथों के ज्ञान से सुधारकों को नए कानून बनवाने में किस प्रकार सहायता मिली?

उत्तर :
- सुधारकों ने प्राचीन ग्रंथों से अपने विचारों के समर्थन में प्रमाण खोजे।
- उन्होंने बताया कि अनेक प्रचलित कुप्रथाएँ प्रारंभिक धार्मिक परंपराओं के विरुद्ध थीं।
- राजा राममोहन रॉय ने सिद्ध किया कि प्राचीन ग्रंथों में विधवाओं को जलाने की अनुमति नहीं थी।
- ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने विधवा पुनर्विवाह के समर्थन में ग्रंथों का हवाला दिया।
- इससे सुधारकों की दलीलों को मज़बूती मिली।
- अंग्रेज़ सरकार सुधारकों के सुझावों को स्वीकार करने के लिए तैयार हुई।
- परिणामस्वरूप 1829 में सती प्रथा पर पाबंदी और 1856 में विधवा विवाह के पक्ष में कानून पारित हुआ।

जाति और समाज सुधार

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. जाति उन्मूलन के उद्देश्य से 1840 में बम्बई में किस संगठन का गठन किया गया?

(अ) सत्यशोधक समाज
(ब) परमहंस मंडली
(स) ब्रह्मो समाज
(द) रामकृष्ण मिशन **(ब)**

2. मध्य भारत में सतनामी आंदोलन की शुरुआत किसने की?

(अ) घासीदास
(ब) हरिदास ठाकुर
(स) श्री नारायण गुरु
(द) ज्योतिराव फुले **(अ)**

3. "मानवता की एक जाति, एक धर्म, एक ईश्वर" का विचार किसने दिया?

पढ़ो अब चाहे, जहाँ चाहो, जैसे चाहो।

(अ) पेरियार
(ब) बी. आर. अम्बेडकर
(स) श्री नारायण गुरु
(द) राममोहन रॉय **(स)**

4. सत्यशोधक समाज की स्थापना किसने की?
(अ) स्वामी दयानंद सरस्वती
(ब) ज्योतिराव फुले
(स) सैय्यद अहमद खाँ
(द) ईश्वरचंद्र विद्यासागर **(ब)**

5. बी. आर. अम्बेडकर ने मंदिर प्रवेश आंदोलन किस वर्ष प्रारंभ किया?
(अ) 1919 (ब) 1927
(स) 1929 (द) 1935 **(ब)**

रिक्तस्थान –

1. आदिवासी और निचली जातियों के बच्चों के लिए स्कूल खोलने का कार्य ———————— प्रचारकों ने किया।

उत्तर : ईसाई

2. अछूत माने जाने वाले महार समुदाय के अनेक लोगों को ———————— रेजीमेंट में नौकरी मिली।

उत्तर : महार

3. ज्योतिराव फुले ने 1873 में ———————— नामक पुस्तक लिखी।

उत्तर : गुलामगीरी

4. बी. आर. अम्बेडकर का जन्म ———————— समुदाय के परिवार में हुआ था।

उत्तर : महार

5. ई. वी. रामास्वामी नायकर ने ———————— आंदोलन शुरू किया।

उत्तर : स्वभिमान

6. निम्न को सुमेलित कीजिए–

स्तंभ - I	स्तंभ - II
1. घासीदास	A. मतुआ पंथ
2. हरिदास ठाकुर	B. मंदिर प्रवेश आंदोलन
3. श्री नारायण गुरू	C. सतनामी आंदोलन
4. बी.आर. अम्बेडकर	D. ऐझावा समुदाय में एकता

उत्तर : 1-C, 2-A, 3-D, 4-B

7. निम्न को सुमेलित कीजिए–

स्तंभ - I	स्तंभ - II
1. परमहंस मंडली	A. जातीय समानता का अभियान
2. सत्यशोधक समाज	B. जाति उन्मूलन
3. प्रार्थना समाज	C. सिख धर्म से जातीय भेदभाव हटाना
4. सिंह सभा	D. जातीय बंधन और बाल विवाह समाप्त करना

उत्तर : 1-B, 2-A, 3-D, 4-C

सत्य/असत्य प्रश्न –

1. अम्बेडकर ने 1927 से 1935 के बीच मंदिर प्रवेश के लिए तीन आंदोलन चलाए।

उत्तर : सत्य

2. पेरियार मनु द्वारा रचित संहिता, भगवद्गीता और रामायण के समर्थक थे।

उत्तर : असत्य

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. प्रार्थना समाज जाति के संबंध में किस विचार का समर्थक था?

उत्तर : सभी जातियों की आध्यात्मिक समानता का।

2. शहरों में जाने से निचली जातियों के लोगों को क्या लाभ मिला?

उत्तर : उन्हें गाँवों में सवर्ण ज़मींदारों के दमनकारी कब्ज़े और दैनिक अपमान से निकलने का अवसर मिला।

3. मदिगा समुदाय के लोग किन कार्यों में कुशल थे?

उत्तर : वे पशुओं के शवों को साफ़ करने, चमड़ा तैयार करने तथा चप्पल–जूतियाँ सीने में कुशल थे।

4. फुले के अनुसार भारत की धरती के वास्तविक वारिस कौन थे?

उत्तर : यहाँ के मूल निवासी और कथित निम्न जातियों के लोग।

5. पेरियार ने कांग्रेस क्यों छोड़ दी?

उत्तर : राष्ट्रवादियों की एक दावत में ऊँची और निम्न जातियों के लिए अलग–अलग बैठने की व्यवस्था देखकर उन्होंने कांग्रेस छोड़ दी।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. तथाकथित अछूत जातियों पर कौन–कौन से सामाजिक प्रतिबंध लगाए गए थे?

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

उत्तर :
- उन्हें मंदिरों में प्रवेश की अनुमति नहीं थी।
- वे सवर्ण जातियों के कुओं से पानी नहीं निकाल सकते थे।
- उन्हें घाटों और तालाबों पर नहाने की छूट नहीं थी।
- उन्हें निम्न दर्जे का मनुष्य समझा जाता था।
- शिक्षा और सार्वजनिक सुविधाओं में भेदभाव होता था।

2. जातीय समानता और न्याय के प्रमुख आंदोलनों का वर्णन कीजिए।

उत्तर :
- घासीदास ने सतनामी आंदोलन चलाया।
- हरिदास ठाकुर के मतुआ पंथ ने चांडाल काश्तकारों के बीच कार्य किया।
- ब्राह्मणवादी ग्रंथों पर प्रश्न उठाए गए।
- श्री नारायण गुरु ने एकता और स्वाभिमान जगाया।
- इन आंदोलनों ने सामाजिक समानता और न्याय की माँग की।

3. फुले और अन्य सुधारकों ने जातीय असमानता की आलोचना कैसे की?

उत्तर :
- फुले ने आर्य श्रेष्ठता के दावे को चुनौती दी।
- उन्होंने आर्यों को विदेशी बताया।
- ऊँची जातियों के भूमि और सत्ता पर अधिकार को अनुचित बताया।
- शूद्रों और अतिशूद्रों को संगठित होने का आह्वान किया।
- सत्यशोधक समाज ने जातीय समानता का अभियान चलाया।

4. अम्बेडकर और पेरियार ने जातीय भेदभाव के विरुद्ध कैसे संघर्ष किया?

उत्तर :
- अम्बेडकर ने 1927 में मंदिर प्रवेश आंदोलन चलाया।
- उन्होंने दलितों के मंदिर और जलाशयों के अधिकार की माँग की।
- उन्होंने जातीय पूर्वाग्रहों को उजागर किया।
- पेरियार ने स्वाभिमान आंदोलन चलाया।
- उन्होंने ब्राह्मणवादी प्रभुत्व और सामाजिक असमानता का विरोध किया।

5. ईसाई प्रचारकों की आलोचना क्यों हुई? क्या उनका समर्थन भी हुआ?

उत्तर :
- उन्होंने निचली जातियों और आदिवासी बच्चों के लिए स्कूल खोले।
- इससे जातीय व्यवस्था को चुनौती मिली।
- जातीय ऊँच–नीच बनाए रखने वालों ने उनका विरोध किया।
- निचली जातियों को शिक्षा का अवसर मिला।
- शिक्षा से पुराने जातीय बंधनों से निकलने के साधन मिले।

6. फुले ने 'गुलामगीरी' अमेरिकी दास–मुक्ति आंदोलन को क्यों समर्पित की?

उत्तर :
- अमेरिका में गुलामों की मुक्ति के लिए संघर्ष हुआ था।
- अमेरिकी गृह युद्ध से दास प्रथा समाप्त हुई।
- फुले ने निम्न जातियों और काले गुलामों की दुर्दशा को जोड़ा।
- दोनों शोषण, अपमान और असमानता झेल रहे थे।
- उन्होंने भारतीय जातीय शोषण की तुलना गुलामी से की।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. अंग्रेज़ी शासन के दौरान निम्न मानी जाने वाली जातियों के लिए कौन–कौन से नए अवसर पैदा हुए?

उत्तर : **शिक्षा के अवसर**
- ईसाई प्रचारकों ने निम्न जातियों और आदिवासी बच्चों के लिए स्कूल खोले।
- शिक्षा से उन्हें बदलती दुनिया में अपना रास्ता ढूँढ़ने के नए साधन मिले।

शहरी रोजगार
- कारखानों और नगरपालिकाओं में नई नौकरियाँ उपलब्ध हुई।
- सड़क, नाली और भवन निर्माण में मज़दूरों की आवश्यकता बढ़ी।

सेना में अवसर
- महार समुदाय के अनेक लोगों को महार रेजीमेंट में नौकरी मिली।

बागानों में रोजगार
- लोग असम, मॉरिशस, त्रिनिदाद और इंडोनेशिया के बागानों में काम करने गए।

आर्थिक लाभ
- प्रथम विश्व युद्ध में सेना के लिए जूतों की माँग बढ़ने से चमड़ा कामगारों और मोचियों को लाभ हुआ।

मिशन ज्ञान
पढ़ो जब चाहो, जहाँ चाहो, जैसे चाहो!

सामाजिक लाभ

- उन्हें गाँवों में सवर्ण ज़मींदारों के दमनकारी कब्ज़े और दैनिक अपमान से निकलने का अवसर मिला।

2. ज्योतिराव फुले और पेरियार ने किन सामाजिक विचारों का समर्थन और प्रसार किया?

उत्तर : ज्योतिराव फुले

- जाति व्यवस्था और ब्राह्मणों की आर्य श्रेष्ठता के दावे का विरोध किया।
- शूद्रों और अतिशूद्रों को संगठित होने का संदेश दिया।
- जातीय समानता के लिए सत्यशोधक समाज की स्थापना की।
- महाराष्ट्र में लड़कियों के लिए स्कूल खोले।
- महिलाओं, मज़दूरों और निम्न जातियों की दुर्दशा तथा शोषण का विरोध किया।
- उन्होंने भारतीय निम्न जातियों की स्थिति को अमेरिका के काले गुलामों की दुर्दशा से जोड़ा।

पेरियार

- जाति व्यवस्था और ब्राह्मणवादी प्रभुत्व का विरोध किया।
- अछूतों के स्वाभिमान के लिए स्वाभिमान आंदोलन चलाया।
- सामाजिक समानता और आत्मसम्मान पर बल दिया।
- धार्मिक ग्रंथों के सहारे जाति और पुरुष प्रभुत्व को उचित ठहराने की आलोचना की।
- महिलाओं पर पुरुषों के प्रभुत्व का विरोध किया।
- उनका मानना था कि अछूतों को अपने स्वाभिमान के लिए स्वयं संघर्ष करना होगा।

3. मंदिर प्रवेश आंदोलन के माध्यम से अम्बेडकर क्या हासिल करना चाहते थे?

उत्तर :
- दलितों को मंदिरों में प्रवेश का अधिकार दिलाना।
- दलितों को मंदिर के जलाशयों के पानी का उपयोग करने का अधिकार दिलाना।
- यह सिद्ध करना कि दलित भी अन्य लोगों की तरह मनुष्य हैं।
- जातीय भेदभाव की गहरी जकड़ को देश के सामने उजागर करना।
- दलितों में आत्मसम्मान और समानता की भावना विकसित करना।
- हिंदू समाज का पुनर्गठन समानता के आधार पर करना।
- जातिवाद को समाप्त करना।

4. ज्योतिराव फुले और रामास्वामी नायकर ने राष्ट्रीय आंदोलन की आलोचना क्यों की? क्या उनकी आलोचना से राष्ट्रीय संघर्ष को सहायता मिली?

उत्तर : ज्योतिराव फुले की आलोचना

- फुले ऊँची जाति के नेताओं के उपनिवेशवाद–विरोधी राष्ट्रवाद के आलोचक थे।
- ऊँची जाति के नेता सामाजिक ऊँच–नीच समाप्त किए बिना राष्ट्रीय एकता चाहते थे।
- फुले को आशंका थी कि ऐसी एकता के बाद भी ऊँच–नीच की पुरानी स्थिति बनी रहेगी।
- उनके अनुसार ऐसी एकता मुख्य रूप से प्रभुत्वशाली जातियों के हित में थी।
- उन्होंने "मैं यहाँ और तुम वहाँ" के माध्यम से इसी असमान स्थिति की ओर संकेत किया।

पेरियार की आलोचना

- कांग्रेस के कार्यक्रमों में भी जातीय भेदभाव दिखाई देता था।
- राष्ट्रवादियों की एक दावत में ऊँची और निम्न जातियों के लिए अलग–अलग बैठने की व्यवस्था थी।
- इससे निराश होकर उन्होंने कांग्रेस छोड़ दी।
- उन्होंने कहा कि अछूतों को अपने स्वाभिमान के लिए स्वयं संघर्ष करना होगा।

राष्ट्रीय संघर्ष में योगदान

- इन आलोचनाओं से उच्च जातीय राष्ट्रवादी नेताओं में आत्ममंथन और आत्मालोचना की प्रक्रिया शुरू हुई।
- सामाजिक ऊँच–नीच और जातीय भेदभाव पर विचार करने की आवश्यकता सामने आई।
- राष्ट्रीय एकता के साथ सामाजिक समानता के प्रश्न पर भी ध्यान गया।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें

8 राष्ट्रीय आंदोलन का संघटन : 1870 के दशक से 1947 तक

राष्ट्रवाद का उदय

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. भारतीयों से हथियार रखने का अधिकार किस कानून द्वारा छीन लिया गया था?
(अ) वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट
(ब) आर्म्स एक्ट
(स) रॉलट एक्ट
(द) गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट **(ब)**

2. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना के लिए 1885 में प्रतिनिधियों की सभा कहाँ हुई थी?
(अ) कलकत्ता (ब) मद्रास
(स) बम्बई (द) पूना **(स)**

3. इल्बर्ट विधेयक का मुख्य उद्देश्य क्या था?
(अ) भारतीयों को हथियार रखने का अधिकार देना
(ब) भारतीय न्यायाधीशों को यूरोपीय व्यक्तियों पर मुकदमा चलाने का अधिकार देना
(स) भारत में नमक कर समाप्त करना
(द) विधान परिषदों को समाप्त करना **(ब)**

4. बंगाल विभाजन के विरोध में उत्पन्न संघर्ष को किस नाम से जाना गया?
(अ) असहयोग आंदोलन
(ब) ख़िलाफ़त आंदोलन
(स) स्वदेशी आंदोलन
(द) भारत छोड़ो आंदोलन **(स)**

5. कांग्रेस और मुस्लिम लीग के बीच ऐतिहासिक लखनऊ समझौता कब हुआ?
(अ) 1905 (ब) 1907
(स) 1915 (द) 1916 **(द)**

रिक्तस्थान –

1. बाहरी हस्तक्षेप के बिना स्वतंत्र रूप से कदम उठाने की क्षमता को ––––––––––– कहते हैं।

उत्तर : सम्प्रभुता

2. वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट ––––––––––– में पारित किया गया था।

उत्तर : 1878

3. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना के समय देशभर से ––––––––––– प्रतिनिधि बम्बई में एकत्र हुए थे।

उत्तर : 72

4. बाल गंगाधर तिलक द्वारा संपादित मराठी अखबार का नाम ––––––––––– था।

उत्तर : केसरी

5. आंध्र के डेल्टा इलाकों में स्वदेशी आंदोलन को ––––––––––– आंदोलन कहा गया।

उत्तर : वंदेमातरम्

6. निम्न को सुमेलित कीजिए–

स्तंभ - I	स्तंभ - II
1. आर्म्स एक्ट	A. प्रेस की स्वतंत्रता पर नियंत्रण
2. वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट	B. भारतीयों से हथियार रखने का अधिकार छीना
3. इल्बर्ट विधेयक	C. भारतीय और अंग्रेज न्यायाधीशों में समानता
4. बंगाल विभाजन	D. स्वदेशी आंदोलन का उदय

उत्तर : 1-B, 2-A, 3-C, 4-D

7. निम्न को सुमेलित कीजिए–

स्तंभ - I	स्तंभ - II
1. दादाभाई नौरोजी	A. केसरी
2. बाल गंगाधर तिलक	B. पंजाब के राष्ट्रवादी नेता
3. लाला लाजपत राय	C. विभिन्न क्षेत्रों के भारतीयों को निकट लाने में भूमिका
4. ए.ओ. ह्यूम	D. ब्रिटिश शासन के आर्थिक परिणामों की आलोचना

उत्तर : 1-D, 2-A, 3-B, 4-C

सत्य/असत्य प्रश्न –

1. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस अपने प्रारंभिक वर्षों में केवल एक विशेष समुदाय के हित में बोलती थी।

उत्तर : असत्य

2. स्वदेशी आंदोलन ने स्वदेशी उद्यमों, राष्ट्रीय शिक्षा और भारतीय भाषाओं के उपयोग को बढ़ावा दिया।

उत्तर : सत्य

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

RECORDED VIDEOS | LIVE CLASSES | PDF NOTES | e-BOOKS | QUIZ | TEST SERIES

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. 'सार्वजनिक' शब्द का क्या अर्थ है?

उत्तर : सब लोगों का या सबके लिए।

2. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना किस वर्ष हुई?

उत्तर : 1885 में।

3. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना में किस सेवानिवृत्त ब्रिटिश अधिकारी ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई?

उत्तर : ए.ओ. ह्यूम ने।

4. 'मुस्लिम लीग की स्थापना कहाँ हुई थी?

उत्तर : ढाका में।

5. तिलक ने स्वराज से संबंधित कौन–सा प्रसिद्ध नारा दिया?

उत्तर : "स्वतंत्रता मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूँगा।"

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. 1870 और 1880 के दशकों में ब्रिटिश शासन के प्रति असंतोष क्यों बढ़ा?

उत्तर :
- आर्म्स एक्ट ने भारतीयों से हथियार रखने का अधिकार छीन लिया।
- वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट द्वारा सरकार की आलोचना को दबाया गया।
- आपत्तिजनक सामग्री छापने पर प्रेस की सम्पत्ति जब्त की जा सकती थी।
- अंग्रेज़ों के विरोध के कारण इल्बर्ट विधेयक वापस ले लिया गया।
- इन घटनाओं से ब्रिटिश शासन का भेदभावपूर्ण रवैया स्पष्ट हुआ।

2. प्रारंभिक कांग्रेस की प्रमुख राजनीतिक माँगें क्या थीं?

उत्तर :
- विधान परिषदों में भारतीयों की संख्या बढ़ाई जाए।
- विधान परिषदों को अधिक अधिकार दिए जाएँ।
- जिन प्रांतों में परिषदें नहीं थीं, वहाँ उनका गठन किया जाए।
- भारतीयों को शासन के ऊँचे पद दिए जाएँ।
- सिविल सेवा परीक्षा भारत और लंदन दोनों स्थानों पर आयोजित हो।

3. कांग्रेस ने कौन–कौन से आर्थिक मुद्दे उठाए?

उत्तर :
- लगान कम करने की माँग की।
- सैनिक खर्चों में कटौती की माँग की।
- सिंचाई के लिए अधिक अनुदान देने की माँग की।
- नमक कर का विरोध किया।
- अकाल, गरीबी और खाद्य पदार्थों की कमी के लिए ब्रिटिश नीतियों को ज़िम्मेदार बताया।

4. मध्यमार्गी नेताओं ने ब्रिटिश शासन के विरुद्ध किस प्रकार संघर्ष किया?

उत्तर :
- अखबारों और लेखों के माध्यम से जनता को जागरूक किया।
- भाषणों में ब्रिटिश शासन की आलोचना की।
- जनमत निर्माण के लिए प्रतिनिधियों को विभिन्न क्षेत्रों में भेजा।
- सरकार को भारतीयों की भावनाओं और माँगों से अवगत कराया।
- उन्हें विश्वास था कि अंग्रेज न्यायपूर्ण माँगों को स्वीकार करेंगे।

5. स्वदेशी आंदोलन की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर :
- यह बंगाल विभाजन के विरोध से उत्पन्न हुआ।
- विशाल जनसभाएँ और जुलूस आयोजित किए गए।
- ब्रिटिश संस्थाओं और वस्तुओं के बहिष्कार पर ज़ोर दिया गया।
- स्वदेशी उद्यमों और स्वयं सहायता को बढ़ावा मिला।
- राष्ट्रीय शिक्षा और भारतीय भाषाओं के उपयोग को प्रोत्साहित किया गया।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. बंगाल विभाजन से भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन को गति कैसे प्राप्त हुई? (मॉडल पेपर-2025)

उत्तर :
- 1905 में वायसराय कर्ज़न ने बंगाल का विभाजन कर दिया।
- अंग्रेज़ों ने इसे प्रशासकीय सुविधा के लिए आवश्यक बताया, लेकिन इसका उद्देश्य बंगाली राजनेताओं के प्रभाव को कम करना और बंगाली जनता को बाँटना था।
- विभाजन से पूरे देश में आक्रोश फैल गया और कांग्रेस के मध्यमार्गी तथा आमूल परिवर्तनवादी दोनों धड़ों ने इसका विरोध किया।
- विशाल जनसभाएँ आयोजित हुई, जुलूस निकाले गए और जनप्रतिरोध के नए तरीके अपनाए गए।
- इस संघर्ष को स्वदेशी आंदोलन कहा गया।
- ब्रिटिश वस्तुओं और संस्थाओं का बहिष्कार किया गया तथा स्वदेशी उद्यमों को प्रोत्साहन मिला।
- राष्ट्रीय शिक्षा, भारतीय भाषाओं के प्रयोग और स्वराज के लिए जनता को लामबंद करने पर ज़ोर दिया गया।
- इस प्रकार बंगाल विभाजन ने भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन को व्यापक बनाकर नई गति प्रदान की।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

2. **मध्यमार्गी कौन थे? वे ब्रिटिश शासन के खिलाफ किस तरह का संघर्ष करना चाहते थे?**

उत्तर :
- कांग्रेस के शुरुआती नेताओं को मध्यमार्गी कहा जाता था।
- दादाभाई नौरोजी और फिरोज़शाह मेहता उनके प्रमुख नेताओं में शामिल थे।
- वे निवेदन और शांतिपूर्ण तरीकों में विश्वास करते थे।
- वे सरकार को अपनी माँगों से अवगत कराना चाहते थे।
- अखबारों, लेखों और भाषणों के माध्यम से जनमत तैयार करते थे।
- उन्हें विश्वास था कि अंग्रेज न्याय और स्वतंत्रता के आदर्शों का सम्मान करेंगे।
- वे भारतीयों को शासन में अधिक भागीदारी दिलाने की माँग करते थे।

3. **कांग्रेस में आमूल परिवर्तनवादियों की राजनीति मध्यमार्गियों की राजनीति से किस प्रकार भिन्न थी?**

उत्तर : मध्यमार्गी राजनीतिः
- वे निवेदन और शांतिपूर्ण तरीकों पर विश्वास करते थे।
- उन्हें आशा थी कि अंग्रेज सरकार न्यायपूर्ण माँगों को स्वीकार करेगी।
- वे सुधारों के माध्यम से धीरे–धीरे परिवर्तन चाहते थे।

आमूल परिवर्तनवादी राजनीतिः
- बिपिनचंद्र पाल, बाल गंगाधर तिलक और लाला लाजपत राय जैसे नेता इससे जुड़े थे।
- वे निवेदन की राजनीति के विरोधी थे।
- वे आत्मनिर्भरता और रचनात्मक कार्यों पर ज़ोर देते थे।
- उनका विश्वास था कि स्वराज के लिए लोगों को अपनी शक्ति पर भरोसा करना चाहिए।
- वे ब्रिटिश संस्थानों और वस्तुओं के बहिष्कार का समर्थन करते थे।

जनराष्ट्रवाद का उदय

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. **महात्मा गांधी दक्षिण अफ्रीका से भारत कब लौटे?**
(अ) 1905 (ब) 1915
(स) 1919 (द) 1920 **(ब)**

2. **रॉलट कानून के विरोध में अहिंसक विरोध दिवस कब मनाया गया?**
(अ) 6 अप्रैल 1919 (ब) 13 अप्रैल 1919
(स) 26 जनवरी 1930 (द) 8 अप्रैल 1929 **(अ)**

3. **जलियाँवाला बाग हत्याकांड के विरोध में किसने नाइटहुड की उपाधि लौटा दी?**
(अ) मोहम्मद अली जिन्ना
(ब) मोतीलाल नेहरू
(स) रवीन्द्रनाथ टैगोर
(द) चितरंजन दास **(स)**

4. **गांधीजी ने असहयोग आंदोलन किस घटना के बाद वापस लिया?**
(अ) साइमन कमीशन का आगमन
(ब) चौरी–चौरा की हिंसक घटना
(स) जलियाँवाला बाग हत्याकांड
(द) बंगाल विभाजन **(ब)**

5. **हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन की स्थापना कब हुई?**
(अ) 1919 (ब) 1922
(स) 1928 (द) 1930 **(स)**

रिक्तस्थान –

1. 1917 में ———————— में क्रांति हुई थी।

उत्तर : रूस

2. गांधीजी ने 1918 में अहमदाबाद के ———————— की हड़ताल का नेतृत्व किया।

उत्तर : मिल मज़दूरों

3. जलियाँवाला बाग हत्याकांड ———————— अप्रैल 1919 को हुआ था।

उत्तर : 13

4. ख़िलाफ़त आंदोलन के प्रमुख नेताओं में मोहम्मद अली और ———————— अली शामिल थे।

उत्तर : शौकत

5. साइमन कमीशन के विरोध में "साइमन ———————— जाओ" का नारा लगाया गया।

उत्तर : वापस

6. **निम्न को सुमेलित कीजिए–**

स्तंभ - I	स्तंभ - II
1. रॉलट कानून	A. गुरुद्वारों से भ्रष्ट महंतों को हटाना
2. ख़िलाफ़त आंदोलन	B. मूलभूत अधिकारों पर अंकुश
3. अकाली आंदोलन	C. भारी लगान का विरोध
4. खेड़ा के पाटीदार किसान	D. पवित्र मुस्लिम स्थानों पर ख़लीफ़ा का नियंत्रण

उत्तर : 1-B, 2-D, 3-A, 4-C

7. **निम्न को सुमेलित कीजिए–**

स्तंभ - I	स्तंभ - II
1. साइमन कमीशन	A. केंद्रीय विधान परिषद में बम
2. भगत सिंह और बी.के. दत्त	B. असहयोग आंदोलन की समाप्ति
3. चौरी–चौरा	C. कोई भारतीय सदस्य नहीं
4. जवाहरलाल नेहरू	D. पूर्ण स्वराज प्रस्ताव की अध्यक्षता

उत्तर : 1-C, 2-A, 3-B, 4-D

सत्य/असत्य प्रश्न –

1. **रॉलट सत्याग्रह ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध पहला अखिल भारतीय संघर्ष था।**

उत्तर : सत्य

2. **गांधीजी हिंसक आंदोलनों को स्वतंत्रता प्राप्ति का उचित साधन मानते थे।**

उत्तर : असत्य

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. **रॉलट कानून किस वर्ष पारित किया गया?**

उत्तर : 1919 में।

2. **जलियाँवाला बाग में गोली चलाने वाला अधिकारी कौन था?**

उत्तर : जनरल डायर।

3. **ख़िलाफ़त आंदोलन के दो प्रमुख नेताओं के नाम लिखिए।**

उत्तर : मोहम्मद अली और शौकत अली।

4. **असहयोग आंदोलन कब वापस लिया गया?**

उत्तर : फरवरी 1922 में।

5. **भगत सिंह के साथ केंद्रीय विधान परिषद में बम फेंकने वाले क्रांतिकारी कौन थे?**

उत्तर : बी.के. दत्त।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. **प्रथम विश्व युद्ध ने भारत की आर्थिक स्थिति को किस प्रकार प्रभावित किया?**

उत्तर :
- ब्रिटिश सरकार का रक्षा व्यय बढ़ गया।
- निजी आय और व्यावसायिक मुनाफे पर कर बढ़े।
- आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में भारी वृद्धि हुई।
- विदेशी आयात में कमी आई।
- भारतीय उद्योगों का विस्तार हुआ और कुछ व्यावसायिक समूहों ने अत्यधिक लाभ कमाया।

2. **रॉलट सत्याग्रह के प्रमुख कारण और घटनाएँ लिखिए।**

उत्तर :
- रॉलट कानून ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाया।
- पुलिस को अधिक अधिकार दिए गए।
- गांधीजी ने इसे निरंकुशवादी बताया।
- 6 अप्रैल 1919 को हड़तालें और अहिंसक विरोध हुए।
- सरकारी दमन के दौरान जलियाँवाला बाग हत्याकांड हुआ।

3. **असहयोग आंदोलन के दौरान लोगों ने किन गतिविधियों में भाग लिया?**

उत्तर :
- विद्यार्थियों ने सरकारी स्कूल और कॉलेज छोड़े।
- वकीलों ने वकालत छोड़ दी।
- अंग्रेज़ों की दी गई उपाधियाँ वापस की गईं।
- विधान मंडलों का बहिष्कार किया गया।
- विदेशी कपड़ों की होली जलाई गई।

4. **विभिन्न क्षेत्रों में असहयोग आंदोलन ने कौन–कौन से स्थानीय रूप ग्रहण किए?**

उत्तर :
- खेड़ा में किसानों ने भारी लगान का विरोध किया।
- आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में शराब की दुकानों की घेराबंदी हुई।
- गुंटूर में वन सत्याग्रह किए गए।
- पंजाब में अकाली आंदोलन ने भ्रष्ट महंतों का विरोध किया।
- असम के चाय बागान मज़दूरों ने वेतन बढ़ाने की माँग की।

5. **गांधीजी ने असहयोग आंदोलन वापस क्यों लिया?**

उत्तर :
- गांधीजी हिंसक संघर्ष के विरोधी थे।
- चौरी–चौरा में भीड़ ने पुलिस थाने पर हमला किया।
- पुलिस थाने को जला दिया गया।
- घटना में 22 पुलिसकर्मी मारे गए।
- इसलिए फरवरी 1922 में आंदोलन वापस लिया गया।

6. **1920 के ख़िलाफ़त आंदोलन पर टिप्पणी लिखिए।**

उत्तर :
- अंग्रेज़ों ने तुर्की के सुल्तान पर कठोर संधि थोप दी।
- भारतीय मुसलमान ख़लीफ़ा का नियंत्रण बनाए रखना चाहते थे।
- आंदोलन का नेतृत्व मोहम्मद अली और शौकत अली ने किया।

मिशन ज्ञान
पढ़ो जब चाहो, जहाँ चाहो, जैसे चाहो!

- महात्मा गांधी ने ख़िलाफ़त आंदोलन का समर्थन किया।
- इसे असहयोग आंदोलन और स्वराज की माँग से जोड़ा गया।

7. रॉलट सत्याग्रह पर टिप्पणी लिखिए।

उत्तर :
- 1919 में रॉलट कानून पारित किया गया।
- इसने मूलभूत अधिकारों पर अंकुश लगाया।
- पुलिस को अधिक अधिकार दिए गए।
- गांधीजी ने 6 अप्रैल 1919 को अहिंसक विरोध और हड़ताल का आह्वान किया।
- यह ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध पहला अखिल भारतीय संघर्ष था।

8. भारत की आज़ादी में महात्मा गांधी के योगदान पर लिखिए।

उत्तर :
- गांधीजी ने चंपारण, खेड़ा और अहमदाबाद के स्थानीय आंदोलनों का नेतृत्व किया।
- उन्होंने रॉलट सत्याग्रह और असहयोग आंदोलन चलाया।
- ख़िलाफ़त आंदोलन का समर्थन कर हिंदू–मुस्लिम एकता को मज़बूत किया।
- दांडी यात्रा द्वारा नमक कानून तोड़ा और सविनय अवज्ञा आंदोलन चलाया।
- भारत छोड़ो आंदोलन में "करो या मरो" का संदेश देकर राष्ट्रीय आंदोलन को जनांदोलन बनाया।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. जनराष्ट्रवाद से आप क्या समझते हैं? (मॉडल पेपर-2023)

उत्तर :
- 1919 के बाद अंग्रेज़ों के विरुद्ध संघर्ष धीरे–धीरे व्यापक जनांदोलन में बदल गया।
- जब राष्ट्रीय आंदोलन में शिक्षित नेताओं के साथ किसान, आदिवासी, विद्यार्थी, महिलाएँ, मज़दूर और व्यावसायिक समूह भी बड़ी संख्या में शामिल हुए, तो इसे जनराष्ट्रवाद का उदय कहा गया।
- प्रथम विश्व युद्ध के कारण रक्षा खर्च बढ़ा और निजी आय तथा व्यावसायिक लाभ पर कर बढ़ाए गए।
- आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि से सामान्य जनता का जीवन कठिन हो गया।
- गाँवों में सैनिक भर्ती का दबाव बढ़ा और लौटे सैनिकों में औपनिवेशिक शासन के प्रति विरोध उत्पन्न हुआ।
- विदेशी आयात घटने से भारतीय उद्योगों का विस्तार हुआ और व्यापारिक समूहों ने विकास के अधिक अवसर माँगे।
- 1917 की रूसी क्रांति से किसान–मज़दूर संघर्षों और समाजवादी विचारों को प्रेरणा मिली।
- महात्मा गांधी ने रॉलट सत्याग्रह, ख़िलाफ़त–असहयोग आंदोलन और नमक सत्याग्रह के माध्यम से जनता को राष्ट्रीय आंदोलन से जोड़ा।
- खेड़ा में किसानों, आंध्र प्रदेश व तमिलनाडु में शराब–विरोधी आंदोलनकारियों, गुंटूर के आदिवासियों, पंजाब के अकालियों और असम के चाय बागान मज़दूरों ने अपने स्थानीय मुद्दों को स्वराज से जोड़ा।
- इस प्रकार राष्ट्रीय आंदोलन समाज के विभिन्न वर्गों का साझा आंदोलन बन गया।

2. भारत के स्वतंत्रता संग्राम में महात्मा गांधी की भूमिका की विवेचना कीजिए।

उत्तर :
- महात्मा गांधी 1915 में दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटे। वहाँ वे नस्लीय भेदभाव के विरुद्ध अहिंसक आंदोलन चला चुके थे।
- भारत आने के बाद उन्होंने पूरे देश का दौरा कर लोगों की समस्याओं और परिस्थितियों को समझा।
- उनके शुरुआती प्रयास चंपारण, खेड़ा और अहमदाबाद के स्थानीय आंदोलनों के रूप में सामने आए।
- 1919 में रॉलट कानून के विरुद्ध सत्याग्रह प्रारंभ किया और 6 अप्रैल को अहिंसक विरोध दिवस तथा हड़ताल का आह्वान किया।
- ख़िलाफ़त आंदोलन का समर्थन कर हिंदू–मुस्लिम एकता मज़बूत करने का प्रयास किया।
- असहयोग आंदोलन के दौरान विद्यार्थियों ने सरकारी संस्थाएँ छोड़ीं, वकीलों ने वकालत छोड़ी, उपाधियाँ लौटाईं और विदेशी कपड़ों का बहिष्कार किया।
- चौरी–चौरा में हिंसा होने पर उन्होंने अहिंसा के सिद्धांत के कारण आंदोलन वापस ले लिया।
- 1930 में साबरमती से दांडी तक पैदल यात्रा कर नमक कानून तोड़ा।
- उनके आंदोलनों में किसान, आदिवासी, विद्यार्थी, महिलाएँ, मज़दूर और व्यावसायिक समूह बड़ी संख्या में शामिल हुए।
- 1942 में उन्होंने अंग्रेज़ों से तुरंत भारत छोड़ने की माँग की और "करो या मरो" का संदेश दिया।
- इस प्रकार गांधीजी ने अहिंसा, सत्याग्रह और जनभागीदारी के माध्यम से स्वतंत्रता संघर्ष को व्यापक बनाया।

RECORDED VIDEOS | LIVE CLASSES | PDF NOTES | e-BOOKS | QUIZ | TEST SERIES

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

3. भारत के विभिन्न भागों में असहयोग आंदोलन ने किस–किस तरह के रूप ग्रहण किए? लोग गांधीजी के बारे में क्या समझते थे?

उत्तर : असहयोग आंदोलन के विभिन्न रूप :

- गुजरात के खेड़ा में किसानों ने भारी लगान के विरुद्ध अहिंसक अभियान चलाया।
- आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में शराब की दुकानों की घेराबंदी की गई।
- गुंटूर में आदिवासियों और गरीब किसानों ने वन सत्याग्रह किए।
- सिंध में मुस्लिम व्यापारी और किसान ख़िलाफ़त आंदोलन से जुड़े।
- पंजाब में अकाली आंदोलन ने गुरुद्वारों से भ्रष्ट महंतों को हटाने के लिए संघर्ष किया।
- असम के चाय बागान मज़दूरों ने नौकरी छोड़ी और वेतन वृद्धि की माँग की।

लोगों की गांधीजी के बारे में धारणाः

- लोग गांधीजी को मसीहा और दैवी शक्ति के रूप में देखते थे।
- उन्हें विश्वास था कि गांधीजी उन्हें मुसीबतों और गरीबी से छुटकारा दिलाएँगे।
- किसान मानते थे कि गांधीजी उनके संघर्षो में सहायता करेंगे।
- कई लोग अपनी सफलताओं का श्रेय गांधीजी को देते थे।

दांडी मार्च

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. साबरमती से दांडी तट की दूरी कितनी थी?

(अ) 120 किलोमीटर
(ब) 180 किलोमीटर
(स) 240 किलोमीटर
(द) 300 किलोमीटर **(स)**

2. गांधीजी ने दांडी में नमक कानून का उल्लंघन कब किया?

(अ) 6 अप्रैल 1930 (ब) 26 जनवरी 1930
(स) 8 अप्रैल 1929 (द) 13 अप्रैल 1919 **(अ)**

3. गांधीजी को महिलाओं को नमक सत्याग्रह में शामिल करने के लिए किसने तैयार किया?

(अ) अम्बाबाई (ब) सरोजिनी नायडू
(स) मौलाना आज़ाद (द) बाजी मुहम्मद **(ब)**

4. गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट, 1935 में किसका प्रावधान किया गया?

(अ) पूर्ण स्वतंत्रता (ब) पृथक पाकिस्तान
(स) प्रांतीय स्वायत्तता (द) नमक कर की समाप्ति **(स)**

5. 1937 के चुनावों के बाद कितने प्रांतों में कांग्रेस की सरकार बनी?

(अ) 5 प्रांतों में (ब) 7 प्रांतों में
(स) 9 प्रांतों में (द) 11 प्रांतों में **(ब)**

रिक्तस्थान –

1. नमक के उत्पादन और बिक्री पर ––––––––––– का एकाधिकार था।

उत्तर : सरकार

2. गांधीजी ने दांडी तट पर प्राकृतिक ––––––––––– एकत्र करके कानून तोड़ा।

उत्तर : नमक

3. अम्बाबाई ने उडीपी में विदेशी कपड़ों और ––––––––––– की दुकानों की घेराबंदी की।

उत्तर : शराब

4. सरोजिनी नायडू भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की अध्यक्ष बनने वाली पहली ––––––––––– थीं।

उत्तर : महिला

5. सितंबर 1939 में ––––––––––– विश्व युद्ध आरंभ हुआ।

उत्तर : दूसरा

1. निम्न को सुमेलित कीजिए–

स्तंभ - I	स्तंभ - II
1. साबरमती	A. 6 अप्रैल 1930
2. दांडी	B. यात्रा का आरंभिक स्थान
3. नमक कानून का उल्लंघन	C. यात्रा का अंतिम स्थान
4. नमक सत्याग्रह	D. अमीर और गरीब को जोड़ने वाला मुद्दा

उत्तर : 1-B, 2-C, 3-A, 4-D

2. निम्न को सुमेलित कीजिए–

स्तंभ - I	स्तंभ - II
1. अम्बाबाई	A. कांग्रेस की पहली महिला अध्यक्ष
2. सरोजिनी नायडू	B. प्रांतीय स्वायत्तता
3. गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट, 1935	C. विदेशी कपड़ों और शराब की दुकानों की घेराबंदी
4. 1937 के चुनाव	D. सात प्रांतों में कांग्रेस सरकार

उत्तर : 1-C, 2-A, 3-B, 4-D

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

सत्य/असत्य प्रश्न –

1. नमक सत्याग्रह में केवल पुरूषों और शहरी लोगों ने भाग लिया।

उत्तर : असत्य

2. 1937 के चुनावों के बद 11 में से 7 प्रांतों में कांग्रेस की सरकारी बनी।

उत्तर : सत्य

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. गांधीजी ने 1930 में कौन–सा कानून तोड़ने की घोषणा की?

उत्तर : नमक कानून।

2. दांडी यात्रा कहाँ से आरंभ हुई?

उत्तर : साबरमती से।

3. अम्बाबाई किस राज्य की थीं?

उत्तर : कर्नाटक की।

4. सरोजिनी नायडू कांग्रेस की अध्यक्ष कब बनीं?

उत्तर : 1925 में।

5. कांग्रेसी सरकारों ने 1939 में इस्तीफा क्यों दिया?

उत्तर : अंग्रेज़ों ने युद्ध के बाद भारत को स्वतंत्र करने की माँग स्वीकार नहीं की।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. गांधीजी ने नमक कानून तोड़ने का निर्णय क्यों लिया?

उत्तर :
- नमक भोजन का बुनियादी हिस्सा था।
- सरकार का नमक उत्पादन और बिक्री पर एकाधिकार था।
- नमक सत्याग्रह ने अमीर–गरीब को एकजुट किया।
- राष्ट्रवादियों ने नमक कर को पाप माना।
- नमक का मुद्दा स्वतंत्रता की माँग से जुड़ गया।

2. दांडी मार्च की प्रमुख घटनाएँ लिखिए।

उत्तर :
- गांधीजी ने 1930 में नमक कानून तोड़ने की घोषणा की।
- साबरमती से दांडी तक यात्रा शुरू की।
- उन्होंने 240 किलोमीटर पैदल यात्रा की।
- दांडी तट पर नमक एकत्र किया।
- पानी उबालकर भी नमक बनाया।

3. राष्ट्रीय आंदोलन में महिलाओं की भागीदारी का क्या महत्त्व था?

उत्तर :
- विभिन्न आयु और पृष्ठभूमि की महिलाएँ आंदोलन में शामिल हुईं।
- उनकी भागीदारी से राष्ट्रीय संघर्ष को शक्ति मिली।
- महिलाएँ सार्वजनिक जीवन में आईं।
- व्यवसायों और शासन में स्थान मिलने का मार्ग खुला।
- पुरुषों के साथ समानता की दिशा में प्रगति हुई।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. स्वतंत्रता आंदोलन में अम्बाबाई के योगदान का वर्णन कीजिए।

उत्तर :
- उनका विवाह 12 वर्ष की आयु में हुआ।
- 16 वर्ष की आयु में वे विधवा हो गईं।
- उन्होंने विदेशी कपड़ों और शराब की दुकानों की घेराबंदी की।
- उन्हें कई बार गिरफ़्तार किया गया।
- उन्होंने सभाओं में भाषण दिए।
- उन्होंने बुनाई–कताई सिखाई और प्रभातफेरियाँ आयोजित कीं।

2. 1935 से 1939 तक की प्रमुख राजनीतिक घटनाएँ लिखिए।

उत्तर :
- गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट, 1935 में प्रांतीय स्वायत्तता का प्रावधान किया गया।
- 1937 में प्रांतीय विधानसभाओं के चुनाव हुए।
- 11 में से 7 प्रांतों में कांग्रेस की सरकार बनी।
- सितंबर 1939 में दूसरा विश्व युद्ध शुरू हुआ।
- कांग्रेस ने युद्ध के बाद भारत की स्वतंत्रता की माँग की।
- अंग्रेज़ों के इनकार पर कांग्रेसी सरकारों ने इस्तीफा दे दिया।

3. दांडी मार्च (नमक सत्याग्रह) पर टिप्पणी लिखिए। **(मॉडल पेपर-2026)**

उत्तर :
- 1930 में महात्मा गांधी ने नमक कानून तोड़ने के लिए दांडी मार्च निकाला।
- उस समय नमक के उत्पादन और बिक्री पर सरकार का एकाधिकार था। नमक भोजन का बुनियादी हिस्सा था, इसलिए नमक पर कर लगाना अनुचित माना गया।
- गांधीजी अपने अनुयायियों के साथ साबरमती से लगभग 240 किलोमीटर दूर दांडी तट तक पैदल गए।
- वहाँ उन्होंने समुद्र तट पर बिखरा प्राकृतिक नमक इकट्ठा करके और पानी उबालकर नमक बनाया।
- इस प्रकार उन्होंने नमक कानून का सार्वजनिक रूप से उल्लंघन किया।
- आंदोलन में किसानों, आदिवासियों और महिलाओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

मिशन ज्ञान
पढ़ो जब चाहें, जहाँ चाहें जैसे चाहें

भारत छोड़ो और उसके बाद

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. भारत छोड़ो आंदोलन के समय गांधीजी ने कौन–सा नारा दिया?
(अ) इंक़लाब जिंदाबाद
(ब) साइमन वापस जाओ
(स) करो या मरो
(द) स्वतंत्रता मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है **(स)**

2. 1943 के अंत तक भारत छोड़ो आंदोलन में कितने से अधिक लोग गिरफ़्तार किए गए थे?
(अ) 20,000 (ब) 50,000
(स) 70,000 (द) 90,000 **(द)**

3. 1940 में मुस्लिम लीग ने किसकी माँग करते हुए प्रस्ताव पारित किया?
(अ) तत्काल पूर्ण स्वराज
(ब) मुसलमानों के लिए स्वतंत्र राज्यों की व्यवस्था
(स) नमक कर की समाप्ति
(द) प्रांतीय चुनावों का बहिष्कार **(ब)**

4. सुभाषचंद्र बोस ने आज़ाद हिंद फौज़ का गठन कहाँ किया?
(अ) लंदन
(ब) बम्बई
(स) सिंगापुर
(द) ढाका **(स)**

5. मुस्लिम लीग ने प्रत्यक्ष कार्रवाई दिवस कब मनाने का आह्वान किया?
(अ) 16 अगस्त 1946
(ब) 26 जनवरी 1930
(स) 6 अप्रैल 1919
(द) 8 अप्रैल 1929 **(अ)**

रिक्तस्थान –

1. भारत छोड़ो आंदोलन में किसान और ———————— बड़ी संख्या में शामिल हुए।

उत्तर : युवा

2. 1943 के अंत तक लगभग ———————— लोग पुलिस की गोली से मारे गए थे।

उत्तर : 1,000

3. दूसरा विश्व युद्ध ———————— में समाप्त हुआ।

उत्तर : 1945

4. भारत के लिए राजनीतिक व्यवस्था सुझाने हेतु भेजे गए कैबिनेट मिशन में ———————— सदस्य थे।

उत्तर : तीन

5. भारत के विभाजन के बाद ———————— नामक एक नए देश का जन्म हुआ।

उत्तर : पाकिस्तान

1. निम्न को सुमेलित कीजिए–

स्तंभ - I	स्तंभ - II
1. 1940	A. प्रत्यक्ष कार्रवाई दिवस
2. जनवरी 1941	B. मुस्लिम लीग का स्वतंत्र राज्यों का प्रस्ताव
3. 1944	C. सुभाषचंद्र बोस का कलकत्ता से प्रस्थान
4. 16 अगस्त 1946	D. आज़ाद हिंद फौज़ का भारत में प्रवेश का प्रयास

उत्तर : 1-B, 2-C, 3-D, 4-A

2. निम्न को सुमेलित कीजिए–

स्तंभ - I	स्तंभ - II
1. मौलाना आजाद	A. खुदाई खिदमतगार के संस्थापक
2. सी. राजगोपालाचारी	B. आज़ादी की वार्ताओं में महत्त्वपूर्ण भूमिका
3. वल्लभ भाई पटेल	C. दो–राष्ट्र सिद्धांत के विरोधी
4. खान अब्दुल ग़फ़्फ़ार खान	D. स्वतंत्र भारत के पहले भारतीय गवर्नर–जनरल

उत्तर : 1-C, 2-D, 3-B, 4-A

सत्य/असत्य प्रश्न –

1. गांधीजी और अन्य नेताओं की गिरफ़्तारी के बाद भारत छोड़ो आंदोलन समाप्त हो गया था।

उत्तर : असत्य

2. कैबिनेट मिशन ने भारत को अविभाजित रखते हुए ढीले–ढाले महासंघ का सुझाव दिया था।

उत्तर : सत्य

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. भारत छोड़ो आंदोलन में विद्यार्थियों ने क्या किया?

उत्तर : उन्होंने पढ़ाई छोड़कर आंदोलन में भाग लिया।

2. भारत छोड़ो आंदोलन में लोगों ने किन प्रतीकों पर हमले किए?

उत्तर : संचार और राजसत्ता के प्रतीकों पर।

3. 1945 की कांग्रेस और मुस्लिम लीग की वार्ता क्यों विफल हुई?

उत्तर : लीग स्वयं को भारतीय मुसलमानों का एकमात्र प्रतिनिधि मानने की माँग कर रही थी।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

4. 1946 के चुनावों में मुस्लिम लीग को कहाँ बड़ी सफलता मिली?

उत्तर : मुसलमानों के लिए आरक्षित सीटों पर।

5. प्रत्यक्ष कार्रवाई दिवस पर सबसे पहले कहाँ दंगे भड़के?

उत्तर : कलकत्ता में।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. भारत छोड़ो आंदोलन की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर :
- गांधीजी ने अंग्रेज़ों से तुरंत भारत छोड़ने को कहा।
- जनता को "करो या मरो" का संदेश दिया गया।
- गांधीजी ने अहिंसक संघर्ष का आह्वान किया।
- किसान, युवा और विद्यार्थी बड़ी संख्या में शामिल हुए।
- कई स्थानों पर लोगों ने अपनी सरकारें स्थापित कीं।

2. ब्रिटिश सरकार ने भारत छोड़ो आंदोलन का दमन किस प्रकार किया?

उत्तर :
- गांधीजी और अन्य नेताओं को तुरंत गिरफ़्तार किया गया।
- हजारों आंदोलनकारियों को जेल में डाला गया।
- 90,000 से अधिक लोग गिरफ़्तार हुए।
- लगभग 1,000 लोग पुलिस की गोली से मारे गए।
- सरकार ने बर्बर दमन की नीति अपनाई।

3. मुस्लिम लीग ने मुसलमानों के लिए स्वायत्त व्यवस्था की माँग क्यों की?

उत्तर :
- लीग हिंदुओं और मुसलमानों को अलग–अलग राष्ट्र मानने लगी थी।
- उसे मुसलमानों के अल्पसंख्यक होने का भय था।
- लोकतांत्रिक व्यवस्था में गौण भूमिका मिलने की आशंका थी।
- मुसलमानों को पर्याप्त प्रतिनिधित्व न मिलने का डर था।
- कांग्रेस मुस्लिम जनता को व्यापक रूप से संगठित नहीं कर सकी।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. 1945–1946 की घटनाओं ने विभाजन का मार्ग कैसे तैयार किया?

उत्तर :
- 1945 में कांग्रेस और मुस्लिम लीग के साथ ब्रिटिश वार्ता विफल हुई।
- लीग ने स्वयं को मुसलमानों का एकमात्र प्रतिनिधि मानने की माँग की।
- 1946 के चुनावों में मुस्लिम सीटों पर लीग को बड़ी सफलता मिली।
- लीग पाकिस्तान की माँग पर कायम रही।
- कैबिनेट मिशन के प्रस्ताव पर कांग्रेस और लीग में सहमति नहीं बनी।
- लीग ने प्रत्यक्ष कार्रवाई दिवस का आह्वान किया।
- इसके बाद विभिन्न क्षेत्रों में साम्प्रदायिक हिंसा फैल गई।

2. भारत विभाजन के प्रमुख मानवीय परिणाम लिखिए।

उत्तर :
- लाखों लोग हिंसा में मारे गए।
- असंख्य महिलाओं को गंभीर अत्याचारों का सामना करना पड़ा।
- करोड़ों लोगों को अपने घर छोड़ने पड़े।
- बड़ी संख्या में लोग शरणार्थी बन गए।
- शहरों का माहौल बदल गया।
- पाकिस्तान नामक नए देश का जन्म हुआ।
- स्वतंत्रता का आनंद विभाजन की पीड़ा और हिंसा से जुड़ गया।

3. 1937 से 1947 तक की उन घटनाओं पर चर्चा कीजिए जिनके फलस्वरूप पाकिस्तान का जन्म हुआ।

उत्तर :
- 1937 के प्रांतीय चुनावों के बाद मुस्लिम लीग को लगा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में मुसलमानों की भूमिका कमज़ोर रह सकती है और कांग्रेस तथा लीग के बीच दूरी बढ़ी।
- 1940 में मुस्लिम लीग ने पश्चिमोत्तर और पूर्वी क्षेत्रों में मुसलमानों के लिए स्वतंत्र राज्यों की माँग करते हुए प्रस्ताव पारित किया।
- 1945 के बाद अंग्रेज़ों ने कांग्रेस और मुस्लिम लीग से स्वतंत्रता के प्रश्न पर बातचीत शुरू की। लीग ने स्वयं को भारतीय मुसलमानों का एकमात्र प्रतिनिधि बताया।
- 1946 के चुनावों में मुस्लिम आरक्षित सीटों पर लीग को बड़ी सफलता मिली और वह पाकिस्तान की माँग पर कायम रही।
- कैबिनेट मिशन ने भारत को अविभाजित रखते हुए एक ढीले–ढाले महासंघ का सुझाव दिया, परंतु कांग्रेस और लीग कुछ प्रावधानों पर सहमत नहीं हो सके।
- 16 अगस्त 1946 को लीग ने प्रत्यक्ष कार्रवाई दिवस मनाने का आह्वान किया। कलकत्ता से शुरू हुई साम्प्रदायिक हिंसा बाद में कई क्षेत्रों में फैल गई।
- अंततः भारत का विभाजन हुआ, भारी हिंसा और विस्थापन हुआ तथा पाकिस्तान नामक नए देश का जन्म हुआ।

संसाधन

एवं

विकास

1 संसाधन एवं विकास

संसाधन की अवधारणा, उपयोगिता एवं मूल्य

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. किसी वस्तु के संसाधन बनने के लिए उसका क्या होना आवश्यक है?
(अ) मूल्य होना
(ब) दुर्लभ होना
(स) भारी होना
(द) प्राकृतिक होना **(अ)**

2. निम्नलिखित में से किसका आर्थिक मूल्य हो सकता है?
(अ) धातु
(ब) मनोरम भूदृश्य
(स) दोनों
(द) इनमें से कोई नहीं **(स)**

3. कथन : "सभी संसाधन मूल्यवान होते हैं।" इसका आधार क्या है?
(अ) उनका रंग
(ब) उनका उपयोग या उपयोगिता
(स) उनका आकार
(द) उनका स्थान **(ब)**

रिक्तस्थान –

1. प्रत्येक वस्तु जिसका उपयोग आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए किया जा सकता है, ------- कहलाती है।
उत्तर : संसाधन।

2. वस्तु की उपयोगिता अथवा प्रयोज्यता उसे ------- बनाती है।
उत्तर : संसाधन।

3. मूल्य का अर्थ ------- होता है।
उत्तर : महत्त्व।

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. संसाधन किसे कहते हैं?महत्त्व।
उत्तर : प्रत्येक वस्तु जिसका उपयोग आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए किया जा सकता है, संसाधन कहलाती है।

2. आर्थिक मूल्य से क्या आशय है?
उत्तर : किसी संसाधन का वह मूल्य जो आर्थिक रूप से निर्धारित किया जा सकता है, आर्थिक मूल्य कहलाता है।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. उपयोगिता किसी वस्तु को संसाधन बनाने में किस प्रकार सहायक होती है?
उत्तर :
- किसी वस्तु की उपयोगिता या प्रयोज्यता उसे संसाधन बनाती है।
- जल, विद्युत, रिक्शा और पाठ्यपुस्तक इसलिए संसाधन हैं क्योंकि उनका उपयोग मनुष्य की आवश्यकताओं को पूरा करने में होता है।
- उपयोगिता के कारण वस्तु को महत्त्व प्राप्त होता है।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. संसाधन की अवधारणा को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।
उत्तर :
- संसाधन वह प्रत्येक वस्तु है जिसका उपयोग आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए किया जा सकता है।
- मनुष्य के दैनिक जीवन में जल, विद्युत, रिक्शा, सब्जियाँ तथा पाठ्यपुस्तक जैसी वस्तुएँ उपयोगी हैं, इसलिए वे संसाधन हैं।
- किसी वस्तु की उपयोगिता अथवा प्रयोज्यता उसे संसाधन बनाती है।
- संसाधनों का मूल्य भी होता है।
- कुछ संसाधनों का आर्थिक मूल्य होता है, जबकि कुछ का आर्थिक मूल्य नहीं होता।
- धातुओं का आर्थिक मूल्य होता है, जबकि मनोरम भूदृश्य का आर्थिक मूल्य नहीं होता, फिर भी दोनों महत्त्वपूर्ण संसाधन हैं।

समय, प्रौद्योगिकी एवं संसाधनों के प्रकार

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. पदार्थों को संसाधन में परिवर्तित करने वाले दो महत्त्वपूर्ण कारक कौन–से हैं?
(अ) समय और प्रौद्योगिकी
(ब) जल और मृदा
(स) वन और खनिज
(द) कृषि और उद्योग **(अ)**

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

2. **संसाधनों का सामान्यतः कितने प्रकारों में वर्गीकरण किया गया है?**
   (अ) दो
   (ब) तीन
   (स) चार
   (द) पाँच **(ब)**

3. **निम्नलिखित में से कौन–सा संसाधन का प्रकार है? इसका आधार क्या है?**
   (अ) प्राकृतिक
   (ब) मानव निर्मित
   (स) मानव
   (द) ये सभी **(द)**

रिक्तस्थान –

1. **आग की खोज से खाना पकाने की ––––––– का प्रचलन हुआ।**

उत्तर : पद्धति।

2. **पहिए के आविष्कार से परिवहन की नवीन ––––––– का विकास हुआ।**

उत्तर : विधियों।

3. **जलविद्युत बनाने की प्रौद्योगिकी ने बहते जल से ––––––– उत्पन्न करना संभव बनाया।**

उत्तर : ऊर्जा।

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. **कथन : "मनुष्य स्वयं सबसे महत्त्वपूर्ण संसाधन हैं।" इसका कारण क्या है?**

उत्तर : मनुष्य के विचार, ज्ञान, आविष्कार और खोज अन्य संसाधनों की रचना करते हैं।

2. **प्रौद्योगिकी क्या है?**

उत्तर : किसी कौशल को करने अथवा वस्तु बनाने में नवीनतम ज्ञान का अनुप्रयोग प्रौद्योगिकी है।

3. **समय संसाधनों से किस प्रकार संबंधित है?**

उत्तर : समय के साथ किसी पदार्थ की उपयोगिता और मूल्य में परिवर्तन हो सकता है।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. **मनुष्य नए संसाधनों की रचना किस प्रकार करते हैं?**

उत्तर :

- मनुष्य अपने विचार, ज्ञान, आविष्कार और खोज के माध्यम से नए संसाधनों की रचना करते हैं।
- एक खोज या आविष्कार आगे अनेक अन्य खोजों और आविष्कारों का आधार बन सकता है।
- इस प्रकार मानव ज्ञान और कौशल संसाधन निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. **संसाधनों के वर्गीकरण को स्पष्ट कीजिए।**

उत्तर : संसाधनों को सामान्यतः तीन वर्गों में बाँटा गया है–
1. प्राकृतिक संसाधन
2. मानव निर्मित संसाधन
3. मानव संसाधन

1. **प्राकृतिक संसाधन** प्रकृति से प्राप्त होते हैं और सामान्यतः कम संशोधन के बाद उपयोग किए जाते हैं।
2. **मानव निर्मित संसाधन** प्राकृतिक पदार्थों को परिवर्तित करके बनाए जाते हैं।
   - पुल, सड़क, मशीन और वाहन इसके उदाहरण हैं।
3. **मानव संसाधन** से लोगों की संख्या तथा उनकी मानसिक और शारीरिक योग्यताओं का आशय है।
   - मनुष्य अपने ज्ञान, शिक्षा और कौशल के माध्यम से प्राकृतिक पदार्थों को मूल्यवान संसाधनों में परिवर्तित करने में सहायता करता है।

प्राकृतिक संसाधन एवं उनका वितरण

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. **निम्नलिखित में से प्राकृतिक संसाधन कौन–सा है?**
   (अ) सड़क (ब) मशीन
   (स) मृदा (द) वाहन **(स)**

2. **प्राकृतिक संसाधन किससे प्राप्त होते हैं?**
   (अ) कारखानों से (ब) प्रकृति से
   (स) बाजार से (द) विद्यालय से **(ब)**

3. **निम्नलिखित में से नवीकरणीय संसाधन कौन–सा है?**
   (अ) कोयला (ब) पेट्रोलियम
   (स) सौर ऊर्जा (द) प्राकृतिक गैस **(स)**

4. **निम्नलिखित में से अनवीकरणीय संसाधन कौन–सा है?**
   (अ) पवन ऊर्जा (ब) सौर ऊर्जा
   (स) कोयला (द) इनमें से कोई नही **(स)**

रिक्तस्थान –

1. **वायु, जल, मृदा और खनिज ––––––– संसाधनों के उदाहरण हैं।**

उत्तर : प्राकृतिक।

2. **जो संसाधन शीघ्रता से पुनः निर्मित या पुनः पूरित हो जाते हैं, वे ––––––– संसाधन कहलाते हैं।**

उत्तर : नवीकरणीय।

3. **कोयला, पेट्रोलियम तथा प्राकृतिक गैस ––––––– संसाधनों के उदाहरण हैं।**

उत्तर : अनवीकरणीय।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. कथन : "जल नवीकरणीय संसाधन है, फिर भी उसकी कमी एक बड़ी समस्या बन सकती है।" क्यों ?

उत्तर : क्योंकि जल का लापरवाही से उपयोग उसके भंडार को प्रभावित कर सकता है और प्राकृतिक जल स्रोत सूख सकते हैं।

2. नवीकरणीय संसाधन किसे कहते हैं?

उत्तर : वे संसाधन जो शीघ्रता से नवीकृत या पुनः पूरित हो जाते हैं, नवीकरणीय संसाधन कहलाते हैं।

3. अनवीकरणीय संसाधन किसे कहते हैं?

उत्तर : जिन संसाधनों का भंडार सीमित होता है और समाप्त होने के बाद पुनः पूरित होने में हजारों वर्ष लग सकते हैं, वे अनवीकरणीय संसाधन हैं।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. नवीकरणीय और अनवीकरणीय संसाधनों में अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :

1. **नवीकरणीय संसाधन** अपेक्षाकृत शीघ्र नवीकृत या पुनः पूरित हो सकते हैं।
   - सौर और पवन ऊर्जा इसके उदाहरण हैं।
2. **अनवीकरणीय संसाधनों** का भंडार सीमित होता है और इनके पुनः पूरित होने में हजारों वर्ष लग सकते हैं।
   - कोयला, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस इसके उदाहरण हैं।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. प्राकृतिक संसाधनों के वितरण को प्रभावित करने वाले कारकों की व्याख्या कीजिए।

उत्तर :

- प्राकृतिक संसाधनों का वितरण पृथ्वी पर समान नहीं है।
- इसका वितरण भूभाग, जलवायु और ऊँचाई जैसे अनेक भौतिक कारकों पर निर्भर करता है।
- पृथ्वी के विभिन्न भागों में इन भौतिक कारकों में भिन्नता पाई जाती है।
- इसी कारण संसाधनों का वितरण भी असमान रहता है।
- प्राकृतिक संसाधनों में वायु, नदियों और झीलों का जल, मृदा तथा खनिज आदि शामिल हैं।
- कुछ प्राकृतिक संसाधन प्रकृति के निःशुल्क उपहार हैं और सीधे उपयोग किए जा सकते हैं, जबकि कुछ के बेहतर उपयोग के लिए औजारों और प्रौद्योगिकी की आवश्यकता होती है।

मानव निर्मित एवं मानव संसाधन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. लौह–अयस्क संसाधन कब बना?

(अ) जब वह प्रकृति में पाया गया
(ब) जब लोगों ने उससे लोहा बनाना सीखा
(स) जब उसे जमीन में दबाया गया
(द) जब उसका रंग बदला **(ब)**

2. निम्नलिखित में से मानव निर्मित संसाधन कौन–सा है?

(अ) झरने का जल
(ब) उष्णकटिबंधीय वन
(स) कैंसर उपचार की औषधियाँ
(द) मृदा **(स)**

3. मानव संसाधन विकास में कौन सहायता करता है?

(अ) शिक्षा और स्वास्थ्य
(ब) केवल सड़क
(स) केवल मशीन
(द) केवल खनिज **(अ)**

रिक्तस्थान –

1. पुल, सड़क, मशीन और वाहन ——————— संसाधन हैं।

उत्तर : मानव निर्मित।

2. प्रौद्योगिकी भी एक ——————— संसाधन है।

उत्तर : मानव निर्मित।

3. मानव संसाधन से लोगों की संख्या और उनकी ——————— का आशय है।

उत्तर : योग्यताओं।

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. मानव निर्मित संसाधन क्या हैं?

उत्तर : प्राकृतिक पदार्थों के मूल रूप में परिवर्तन करके बनाए गए संसाधन मानव निर्मित संसाधन कहलाते हैं।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. मनुष्य को एक विशिष्ट प्रकार का संसाधन क्यों माना गया है?

उत्तर :

- मनुष्य अपने ज्ञान, कौशल और प्रौद्योगिकी के माध्यम से प्राकृतिक संसाधनों का बेहतर उपयोग करता है तथा नए संसाधनों का निर्माण करता है।
- शिक्षा और स्वास्थ्य लोगों को बहुमूल्य संसाधन बनने में सहायता करते हैं।
- इसलिए मनुष्य को एक विशिष्ट प्रकार का संसाधन माना गया है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

संसाधन संरक्षण एवं सतत् पोषणीय विकास

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. संसाधन संरक्षण का मुख्य आधार क्या है?

(अ) संसाधनों का लापरवाही से उपयोग
(ब) संसाधनों का सावधानीपूर्वक उपयोग
(स) संसाधनों का पूर्ण निषेध
(द) केवल आर्थिक उपयोग **(ब)**

2. संसाधन संरक्षण में व्यक्ति किस प्रकार योगदान दे सकता है?

(अ) उपभोग कम करके
(ब) पुनर्चक्रण द्वारा
(स) पुनः उपयोग द्वारा
(द) ये सभी **(द)**

रिक्तस्थान –

1. संसाधनों का सावधानीपूर्वक उपयोग करना और उन्हें ––––––– के लिए समय देना संसाधन संरक्षण कहलाता है।

उत्तर : नवीकरण।

2. वस्तुओं के ––––––– और पुनः उपयोग द्वारा व्यक्ति संसाधन संरक्षण में योगदान दे सकता है।

उत्तर : पुनर्चक्रण।

3. वर्तमान और भविष्य की आवश्यकताओं के बीच संतुलन बनाए रखना ––––––– विकास कहलाता है।

उत्तर : सतत् पोषणीय

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. सतत् पोषणीय विकास क्या है?

उत्तर : संसाधनों के उपयोग और भविष्य के लिए उनके संरक्षण के बीच संतुलन बनाए रखना सतत् पोषणीय विकास है।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. व्यक्तिगत स्तर पर संसाधन संरक्षण कैसे किया जा सकता है?

उत्तर :

- प्रत्येक व्यक्ति अपने उपभोग को कम करके, वस्तुओं के पुनर्चक्रण और पुनः उपयोग द्वारा संसाधन संरक्षण में योगदान दे सकता है।
- इस प्रकार संसाधनों के अनावश्यक उपभोग को कम किया जा सकता है और पृथ्वी को जीवंत बनाए रखने में सहायता मिलती है।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. संसाधन संरक्षण की आवश्यकता एवं प्रमुख उपायों को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :

- यदि नवीकरणीय संसाधनों का सावधानीपूर्वक उपयोग नहीं किया जाता है तो वे अत्यंत दुर्लभ हो सकते हैं।
- अनवीकरणीय संसाधन निश्चित रूप से समाप्त हो सकते हैं।
- इसलिए संसाधनों का संरक्षण आवश्यक है।
- संसाधनों का सावधानीपूर्वक उपयोग करना तथा उन्हें नवीकरण का समय देना संरक्षण कहलाता है।
- व्यक्ति उपभोग को कम करके, वस्तुओं के पुनर्चक्रण और पुनः उपयोग द्वारा योगदान दे सकता है।
- वर्तमान आवश्यकताओं और भविष्य की आवश्यकताओं के बीच संतुलन बनाए रखना भी आवश्यक है।

सतत् पोषणीय विकास के सिद्धांत एवं गतिविधियाँ

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. सतत् पोषणीय विकास के सिद्धांतों में कौन–सा शामिल है?

(अ) जीवन के सभी रूपों का आदर और देखभाल
(ब) प्राकृतिक संसाधनों का अधिकतम दोहन
(स) पर्यावरण की उपेक्षा
(द) केवल आर्थिक विकास **(अ)**

2. सतत् पोषणीय विकास का एक उद्देश्य क्या है?

(अ) मानव जीवन की गुणवत्ता बढ़ाना
(ब) संसाधनों की बर्बादी बढ़ाना
(स) प्राकृतिक संसाधनों का क्षय बढ़ाना
(द) पर्यावरणीय हानि बढ़ाना **(अ)**

3. समुदायों को किसके योग्य बनाना सतत् पोषणीय विकास का सिद्धांत है?

(अ) अपने पर्यावरण की देखभाल करने के
(ब) संसाधनों का अत्यधिक दोहन करने के
(स) केवल वस्तुओं का उत्पादन करने के
(द) प्राकृतिक संसाधनों को समाप्त करने के **(अ)**

रिक्तस्थान –

1. पृथ्वी की जीवन शक्ति और ––––––– का संरक्षण करना

पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

सतत् पोषणीय विकास का सिद्धांत है।

उत्तर : विविधता।

2. प्राकृतिक संसाधनों के ——— को कम–से–कम करना चाहिए।

उत्तर : क्षय।

3. पर्यावरण के प्रति व्यक्तिगत ——— और अभ्यास में परिवर्तन आवश्यक है।

उत्तर : व्यवहार।

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न —

1. सतत् पोषणीय विकास का एक सिद्धांत बताइए।

उत्तर : जीवन के सभी रूपों का आदर और देखभाल करना।

1. समुदायों को किस योग्य बनाया जाना चाहिए?

उत्तर : अपने पर्यावरण की देखभाल करने योग्य।

लघुत्तरात्मक प्रश्न —

1. सतत् पोषणीय विकास के कोई चार सिद्धांत लिखिए।

उत्तर :

- जीवन के सभी रूपों का आदर और देखभाल।
- मानव जीवन की गुणवत्ता बढ़ाना।
- पृथ्वी की जीवन शक्ति और विविधता का संरक्षण।
- प्राकृतिक संसाधनों के क्षय को कम–से–कम करना।

निबंधात्मक प्रश्न —

1. सतत्पोषणीय विकास के प्रमुख सिद्धांतों को विस्तार से समझाइए।

उत्तर :

- सतत् पोषणीय विकास का उद्देश्य वर्तमान आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ भविष्य की आवश्यकताओं को सुरक्षित रखना है।
- इसके प्रमुख सिद्धांतों में जीवन के सभी रूपों का आदर और देखभाल, मानव जीवन की गुणवत्ता बढ़ाना, पृथ्वी की जीवन शक्ति एवं विविधता का संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के क्षय को कम–से–कम करना शामिल हैं।
- इसके साथ पर्यावरण के प्रति व्यक्ति के व्यवहार और अभ्यास में परिवर्तन तथा समुदायों को अपने पर्यावरण की देखभाल करने योग्य बनाना भी आवश्यक है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

2 भूमि, मृदा, जल, प्राकृतिक वनस्पति और वन्य जीवन संसाधन

भूमि एवं भूमि उपयोग

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. **विश्व की लगभग कितनी प्रतिशत जनसंख्या भूमि क्षेत्र के कितने प्रतिशत भाग पर रहती है?**
   (अ) 70% जनसंख्या, 30% भूमि
   (ब) 90% जनसंख्या, 30% भूमि
   (स) 30% जनसंख्या, 90% भूमि
   (द) 50% जनसंख्या, 50% भूमि **(ब)**
2. **निम्न में से कौन–सा भूमि उपयोग का उदाहरण है?**
   (अ) कृषि
   (ब) वानिकी
   (स) खनन
   (द) उपर्युक्त सभी **(द)**

रिक्तस्थान –

1. **भूपृष्ठ के कुल क्षेत्रफल का लगभग ––––––– प्रतिशत भाग भूमि है।**

उत्तर : 30।

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. **भूमि उपयोग किसे कहते हैं?**

उत्तर : भूमि का उपयोग कृषि, वानिकी, खनन, सड़कों और उद्योगों की स्थापना जैसे विभिन्न कार्यो के लिए करना भूमि उपयोग कहलाता है।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. **भूमि उपयोग को निर्धारित करने वाले भौतिक एवं मानवीय कारक कौन–से हैं?**

उत्तर :

- भूमि उपयोग भौतिक कारकों जैसे स्थलाकृति, मृदा, जलवायु, खनिज तथा जल की उपलब्धता से निर्धारित होता है।
- जनसंख्या और प्रौद्योगिकी जैसे मानवीय कारक भी भूमि उपयोग प्रतिरूप के महत्वपूर्ण निर्धारक हैं।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. **भूमि के विभिन्न उपयोगों तथा भूमि उपयोग में परिवर्तन से उत्पन्न समस्याओं का वर्णन कीजिए।**

उत्तर :

- भूमि का उपयोग कृषि, वानिकी, खनन, सड़कों और उद्योगों की स्थापना के लिए किया जाता है।
- भूमि का उपयोग उसके भौतिक तथा मानवीय कारकों से प्रभावित होता है।
- बढ़ती जनसंख्या और उसकी बढ़ती माँग के कारण वन भूमि तथा कृषि योग्य भूमि का बड़े पैमाने पर विनाश हुआ है।
- कृषि और निर्माण संबंधी गतिविधियों के विस्तार के कारण निम्नीकरण, भूस्खलन, मृदा अपरदन तथा मरुस्थलीकरण जैसी समस्याएँ पर्यावरण के लिए प्रमुख खतरा बन गई हैं।

मृदा एवं मृदा निर्माण

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. **पृथ्वी की सतह पर दानेदार कणों के आवरण की पतली परत को क्या कहते हैं?**
   (अ) भूमि
   (ब) मृदा
   (स) जल
   (द) चट्टान **(ब)**
2. **मृदा का निर्माण किस प्रक्रिया से होता है?**
   (अ) निक्षेपण
   (ब) अपक्षय
   (स) वाष्पीकरण
   (द) सिंचाई **(ब)**

रिक्तस्थान –

1. **मृदा का निर्माण चट्टानों से प्राप्त खनिजों और ––––––– पदार्थ से होता है।**

उत्तर : जैव।

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. **मृदा की उर्वरता किससे प्रभावित होती है?**

उत्तर : खनिजों और जैव पदार्थो के सही मिश्रण से मृदा उर्वर बनती है।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. **मृदा निर्माण के प्रमुख कारक कौन–से हैं?**

मिशन ज्ञान
पढ़ो जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

उत्तर : इसके अतिरिक्त स्थलाकृति, जैव पदार्थो की भूमिका तथा मृदा निर्माण में लगा समय भी मृदा निर्माण को प्रभावित करते हैं।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. मृदा परिच्छेदिका की संरचना का वर्णन कीजिए।

उत्तर :

- मृदा परिच्छेदिका में सबसे ऊपर ह्यूमस और वनस्पति से युक्त ऊपरी मृदा होती है।
- इसके नीचे बालू, गाद और क्ले से युक्त उपमृदा होती है।
- इसके नीचे अपक्षयित चट्टानी पदार्थ तथा सबसे नीचे जनक चट्टान पाई जाती है।
- मृदा का रंग, गठन, रासायनिक गुणधर्म, खनिज, मात्रा और पारगम्यता उसके विभिन्न घटकों से निर्धारित होते हैं।

मृदा निम्नीकरण एवं संरक्षण

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. निम्न में से मृदा निम्नीकरण का प्रमुख कारण कौन–सा है?

(अ) वनोन्मूलन
(ब) अतिचारण
(स) मृदा अपरदन
(द) उपर्युक्त सभी **(द)**

2. तीव्र ढालों पर मृदा अपरदन रोकने के लिए कौन–सी विधि उपयोगी है?

(अ) वेदिका कृषि
(ब) रक्षक मेखला
(स) मल्चिंग
(द) चट्टान बाँध **(अ)**

रिक्तस्थान –

1. पौधों के बीच अनावृत भूमि को जैव पदार्थ जैसे घास–फूस से ढकना ——— कहलाता है।

उत्तर : मल्चिंग।

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. रक्षक मेखलाएँ कहाँ लगाई जाती हैं?

उत्तर : तटीय और शुष्क प्रदेशों में पवन गति रोकने के लिए वृक्ष कतारों में रक्षक मेखलाएँ लगाई जाती हैं।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. समोच्चरेखीय जुताई मृदा संरक्षण में किस प्रकार सहायक है?

उत्तर :

- पहाड़ी ढाल पर समोच्च रेखाओं के समानांतर जुताई ढाल से नीचे बहने वाले जल के लिए प्राकृतिक अवरोध बनाती है।
- इससे जल के बहाव को नियंत्रित करने और मृदा अपरदन को कम करने में सहायता मिलती है।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. मृदा संरक्षण की विभिन्न विधियों का वर्णन कीजिए।

उत्तर :

- मृदा संरक्षण के लिए मल्चिंग, वेदिका फार्म, समोच्चरेखीय जुताई, रक्षक मेखलाएँ, समोच्चरेखीय रोधिकाएँ, चट्टान बाँध और बीच की फसल उगाने जैसी विधियाँ अपनाई जाती हैं।
- मल्चिंग से मृदा की आर्द्रता बनी रहती है।
- वेदिका फार्म तीव्र ढालों पर बनाए जाते हैं, जिससे पृष्ठीय प्रवाह और मृदा अपरदन कम होता है।
- रक्षक मेखलाएँ पवन गति को रोकती हैं।
- चट्टान बाँध जल के प्रवाह को कम करते हैं और नालियों की रक्षा करते हैं।

भूस्खलन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. भूस्खलन सामान्यतः किस प्रकार की प्राकृतिक घटना है?

(अ) मिट्टी का वाष्पीकरण
(ब) शैल, मलबा या ढाल से मिट्टी का बृहत संचलन
(स) जल का संचयन
(द) वनस्पति वृद्धि **(ब)**

रिक्तस्थान –

1. लंबे समय तक भारी वर्षा होने से ——— हो सकता है।

उत्तर : भूस्खलन।

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. भूस्खलन नदी के प्रवाह को कैसे प्रभावित कर सकता है?

उत्तर : भूस्खलन नदी के प्रवाह को कुछ समय के लिए अवरुद्ध कर सकता है।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. भूस्खलन को रोकने की दो विधियाँ लिखिए।

उत्तर :

- भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों का मानचित्र बनाकर प्रभावित स्थानों को चिन्हित करना तथा भूमि को खिसकने से बचाने के लिए प्रतिधारी दीवार का निर्माण करना इसकी रोकथाम की विधियाँ हैं।
- वनस्पति आवरण में वृद्धि भी प्रभावी उपाय है।

पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

निबंधात्मक प्रश्न –

1. भूस्खलन की घटना तथा इसके प्रभावों का वर्णन कीजिए।

उत्तर :

- भूस्खलन शैल, मलबे या ढाल से गिरने वाली मिट्टी के बृहत संचलन के रूप में परिभाषित किया जाता है।
- यह प्रायः भूकंप, बाढ़ और ज्वालामुखी के साथ घटित होता है तथा लंबे समय तक भारी वर्षा होने से भी हो सकता है।
- भूस्खलन नदी के प्रवाह को कुछ समय के लिए अवरुद्ध कर सकता है।
- नदी की अवरुद्धता अचानक टूटने पर निचली घाटियों में स्थित आवासों में विनाश हो सकता है।
- पहाड़ी भू–भाग में यह एक प्रमुख और विस्तृत प्राकृतिक आपदा है।

जल संसाधन एवं जल उपलब्धता

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. भूपृष्ठ का लगभग कितना भाग जल से ढका है?

(अ) एक–चौथाई
(ब) आधा
(स) तीन–चौथाई
(द) एक–तिहाई **(स)**

2. मानव उपयोग के लिए उपयुक्त जल लगभग कितना है?

(अ) 1%
(ब) 27%
(स) 70%
(द) 75% **(अ)**

रिक्तस्थान –

1. पृथ्वी पर जल की कुल मात्रा ––––––– रहती है।

उत्तर : स्थिर।

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. जल चक्र क्या है?

उत्तर : महासागरों, वायु, भूमि और पुनः महासागरों के बीच वाष्पीकरण, वर्षण और वाह की प्रक्रियाओं द्वारा जल का निरंतर चक्रण जल चक्र कहलाता है।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. जल की उपलब्धता में कमी के प्रमुख कारण कौन–से हैं?

उत्तर :

- जल स्रोतों के सूखने अथवा जल प्रदूषण के कारण अलवणीय जल की आपूर्ति में कमी होती है।
- बढ़ती जनसंख्या, भोजन और नकदी फसलों की बढ़ती माँग, बढ़ता नगरीकरण तथा बेहतर होता जीवन स्तर भी जल की माँग बढ़ाते हैं।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. विश्व में जल की उपलब्धता की समस्या का वर्णन कीजिए।

उत्तर :

- विश्व के कई प्रदेशों में जल की कमी है।
- अधिकांश अफ्रीका, पश्चिमी एशिया, दक्षिणी एशिया, पश्चिमी संयुक्त राज्य अमेरिका के भाग, उत्तर–पश्चिमी मैक्सिको, दक्षिण अमेरिका के भाग और संपूर्ण ऑस्ट्रेलिया अलवणीय जल की आपूर्ति में कमी का सामना कर रहे हैं।
- ये क्षेत्र ऐसे जलवायु प्रदेशों में स्थित हैं जहाँ अक्सर सूखा पड़ता है।
- जलाभाव मौसमी अथवा वार्षिक वर्षण में विविधता के परिणामस्वरूप हो सकता है तथा अति उपयोग और जल स्रोतों के संदूषण के कारण भी उत्पन्न हो सकता है।

जल संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. औसतन एक भारतीय नागरिक प्रतिदिन लगभग कितना जल उपयोग करता है?

(अ) 100 लीटर
(ब) 120 लीटर
(स) 150 लीटर
(द) 200 लीटर **(स)**

रिक्तस्थान –

1. औसतन एक भारतीय नागरिक प्रतिदिन ––––––– लीटर जल का उपयोग करता है।

उत्तर : 150।

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. जल प्रदूषण के प्रमुख संदूषक कौन–से हैं?

उत्तर : अशोधित या आंशिक रूप से शोधित वाहित मल, कृषि रसायनों का विसर्जन तथा जल निकायों में औद्योगिक बहिःस्राव प्रमुख संदूषक हैं।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. जल संरक्षण के लिए सिंचाई की कौन–सी विधियाँ उपयोगी हैं?

उत्तर :

- शुष्क प्रदेशों में सिंचाई की ड्रिप अथवा टपक विधि उपयोगी होती है।
- सिंचाई की इन विधियों को अपनाकर बहुमूल्य जल संसाधन को संरक्षित किया जा सकता है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

निबंधात्मक प्रश्न –

1. जल संरक्षण के प्रमुख उपायों का वर्णन कीजिए।

उत्तर :

- जल संरक्षण के लिए जल स्रोतों के संरक्षण तथा जल प्रदूषण को नियंत्रित करना आवश्यक है।
- बहिःस्राव को जल निकायों में छोड़ने से पहले उचित विधि से शोधित करना चाहिए।
- वन और अन्य वनस्पति आवरण धरातलीय प्रवाह को मंद करते तथा भूमिगत जल को पुनः पूरित करते हैं।
- जल संग्रहण भी पृष्ठीय प्रवाह को बचाने की विधि है।
- सिंचाई नहरों को ठीक प्रकार से पक्का करना चाहिए।
- रिसाव और वाष्पीकरण से होने वाली जल क्षति को रोकने के लिए स्प्रिंकलर तथा शुष्क प्रदेशों में ड्रिप या टपक सिंचाई उपयोगी है।

प्राकृतिक वनस्पति एवं वन्य जीवन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. प्राकृतिक वनस्पति की वृद्धि मुख्य रूप से किन कारकों पर निर्भर करती है?

(अ) तापमान और आर्द्रता
(ब) खनिज और सड़कें
(स) जनसंख्या और उद्योग
(द) केवल वर्षा **(अ)**

2. विश्व की वनस्पति के मुख्य प्रकारों को कितने वर्गों में रखा जा सकता है?

(अ) दो (ब) तीन
(स) चार (द) पाँच **(स)**

रिक्तस्थान –

1. वनस्पति के चार प्रमुख प्रकार वन, -------, गुल्म और टुंड्रा हैं।

उत्तर : घास स्थल।

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. जैवमंडल किसे कहते हैं?

उत्तर : स्थलमंडल, जलमंडल और वायुमंडल के बीच जुड़े हुए संकरे क्षेत्र को जैवमंडल कहते हैं।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. पौधे मानव जीवन के लिए किस प्रकार उपयोगी हैं?

उत्तर :

- पौधे इमारती लकड़ी प्रदान करते हैं, प्राणियों को आश्रय देते हैं, ऑक्सीजन उत्पन्न करते हैं और फसलों के लिए आवश्यक मृदा की सुरक्षा करते हैं।
- वे फल, लेटेक्स, तारपीन का तेल, गोंद, औषधीय पौधे तथा कागज भी प्रदान करते हैं।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. वन्य जीवन के पारितंत्र में महत्व का वर्णन कीजिए।

उत्तर :

- वन्य जीवन में जंतु, पक्षी, कीट एवं जलीय जीव शामिल हैं।
- इनसे दूध, मांस, खाल और ऊन प्राप्त होते हैं।
- मधुमक्खी शहद प्रदान करने के साथ फूलों के परागण में सहायता करती है तथा पारितंत्र में अपघटक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
- चिड़ियाँ भोजन के लिए कीटों पर निर्भर रहती हैं और अपघटकों के रूप में कार्य करती हैं।
- गिद्ध मृत जीव–जंतुओं को खाने के कारण एक अपमार्जक और पर्यावरण का महत्वपूर्ण शोधक माना जाता है।
- सभी प्राणी पारितंत्र के संतुलन को बनाए रखने के लिए आवश्यक हैं।

वन एवं वन्य जीवन का संरक्षण

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. वनों के विनाश का एक प्रमुख कारण क्या है?

(अ) बढ़ती जनसंख्या के पोषण के लिए फसलें उगाना
(ब) वन संरक्षण
(स) वर्षा जल संग्रहण
(द) वन महोत्सव **(अ)**

2. निम्न में से कौन वन्य जीवन संरक्षण के लिए बनाया जाता है?

(अ) राष्ट्रीय उद्यान
(ब) वन्य जीव अभयारण्य
(स) जैवमंडल निचय
(द) उपर्युक्त सभी **(द)**

रिक्तस्थान –

1. वन हमारी ------- हैं।

उत्तर : संपदा।

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. जैवमंडल निचय क्या है?

उत्तर : यह वैश्विक नेटवर्क द्वारा जुड़े रक्षित क्षेत्रों की एक श्रृंखला है, जिसे संरक्षण और विकास के बीच संबंध को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से बनाया गया है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें अब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. अवैध शिकार से वन्य जीवन को किस प्रकार हानि पहुँचती है?

उत्तर :

- पशुओं की खाल, चमड़ा, नाखून, दाँत और पंखों के साथ–साथ सींगों के एकत्रीकरण और गैर–कानूनी व्यापार के लिए उनका अवैध शिकार किया जाता है।
- इससे कुछ पशुओं की संख्या तेजी से कम हुई है और कई प्रजातियाँ संकटग्रस्त हो गई हैं।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. प्राकृतिक वनस्पति एवं वन्य जीवन के संरक्षण की आवश्यकता और उपायों का वर्णन कीजिए।

उत्तर :

- वन पौधों और जंतुओं को आश्रय प्रदान करते हैं तथा पारितंत्र को बनाए रखते हैं।
- जलवायु परिवर्तन और मानवीय हस्तक्षेप के कारण उनके प्राकृतिक आवास नष्ट हो सकते हैं।
- वनोन्मूलन, मृदा अपरदन, निर्माण कार्य, दावानल और भूस्खलन प्राकृतिक संसाधनों के लुप्त होने की प्रक्रिया को बढ़ाते हैं।
- वन्य जीवन के संरक्षण के लिए राष्ट्रीय उद्यान, वन्य जीव अभयारण्य और जैवमंडल निचय बनाए जाते हैं।
- जागरूकता बढ़ाना भी आवश्यक है।
- सामाजिक वानिकी, वन महोत्सव तथा विद्यार्थियों को पक्षी देखने और प्राकृतिक कैंपों में जाने के लिए प्रोत्साहित करना संरक्षण में सहायक है।

दावानल एवं वन्यजीव व्यापार नियंत्रण

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. दावानल मुख्यतः कितने कारणों से घटित होता है?

(अ) दो (ब) तीन

(स) चार (द) पाँच **(ब)**

2. निम्न में से दावानल का प्राकृतिक कारण कौन–सा है?

(अ) तड़ित झंझा

(ब) वन महोत्सव

(स) सामाजिक वानिकी

(द) सिंचाई **(अ)**

रिक्तस्थान –

1. दावानल को रोकने के लिए शिक्षण द्वारा आग लगने से ––––––– आवश्यक है।

उत्तर : रोकना।

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. CITES का उद्देश्य क्या है?

उत्तर : इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि वन्य प्राणियों एवं पौधों के नमूनों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से उनके जीवन को कोई खतरा न हो।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. दावानल के तीन प्रमुख कारण बताइए।

उत्तर :

- दावानल के प्रमुख कारण हैं–

1. तड़ित झंझा के कारण प्राकृतिक अग्नि लगना
2. लोगों की लापरवाही से घास–फूस में उत्पन्न ऊष्मा के कारण आग लगना
3. स्थानीय लोगों, उन्मादी एवं शरारती लोगों द्वारा किसी उद्देश्य से आग लगाना।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. दावानल के नियंत्रण के उपायों तथा वन्यजीव व्यापार नियंत्रण की आवश्यकता का वर्णन कीजिए।

उत्तर :

- दावानल वनस्पति और प्राणिजात के संपूर्ण क्षेत्र के लिए खतरा है।
- इसके नियंत्रण के लिए शिक्षण द्वारा आग लगने से रोकना तथा परीक्षण बिंदुओं, निपुण भूमि चौकसी और संचार तंत्र के समन्वित नेटवर्क द्वारा आग लगने का शीघ्र पता लगाना आवश्यक है।
- वन्यजीवों के गैर–कानूनी व्यापार को नियंत्रित करने के लिए CITES की स्थापना की गई है।
- इसका उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से वन्य प्राणियों और पौधों के नमूनों के जीवन को होने वाले खतरे को रोकना हैं।

3 कृषि

कृषि एवं आर्थिक क्रियाएँ

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. पौधे से परिष्कृत उत्पाद तक के रूपांतरण में कितने प्रकार की आर्थिक क्रियाएँ सम्मिलित हैं?
(अ) दो
(ब) तीन
(स) चार
(द) पाँच **(ब)**

2. प्राकृतिक संसाधनों के उत्पादन और निष्कर्षण से संबंधित क्रियाएँ कहलाती हैं–
(अ) प्राथमिक क्रियाएँ
(ब) द्वितीयक क्रियाएँ
(स) तृतीयक क्रियाएँ
(द) वाणिज्यिक क्रियाएँ **(अ)**

3. निम्न में से कौन–सी तृतीयक क्रिया है?
(अ) कृषि
(ब) मत्स्यन
(स) बैंकिंग
(द) इस्पात विनिर्माण **(स)**

रिक्तस्थान –

1. कृषि एक ––––––––– क्रिया है।
उत्तर : प्राथमिक

2. इस्पात – विनिर्माण ––––––––– क्रिया का उदाहरण है।
उत्तर : द्वितीयक

3. यातायात, व्यापार और बैंकिंग ––––––––– क्रियाओं के उदाहरण हैं।
उत्तर : तृतीयक

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. प्राथमिक क्रियाओं में किन क्रियाओं को शामिल किया जाता है?
उत्तर : प्राकृतिक संसाधनों के उत्पादन और निष्कर्षण से संबंधित क्रियाओं को प्राथमिक क्रियाओं में शामिल किया जाता है।

2. द्वितीयक क्रियाएँ किससे संबंधित हैं?
उत्तर : द्वितीयक क्रियाएँ प्राकृतिक संसाधनों के प्रसंस्करण से संबंधित हैं।

3. तृतीयक क्रियाएँ क्या हैं?
उत्तर : तृतीयक क्रियाएँ, प्राथमिक और द्वितीयक क्षेत्रों को सेवा कार्यों द्वारा सहयोग प्रदान करती हैं।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्रियाओं में अंतर स्पष्ट कीजिए।
उत्तर : प्राथमिक क्रियाएँ प्राकृतिक संसाधनों के उत्पादन एवं निष्कर्षण से संबंधित हैं, जैसे कृषि और मत्स्यन। द्वितीयक क्रियाएँ संसाधनों के प्रसंस्करण से संबंधित हैं, जैसे इस्पात निर्माण। तृतीयक क्रियाएँ प्राथमिक और द्वितीयक क्षेत्रों को सेवाएँ प्रदान करती हैं, जैसे यातायात, व्यापार, बैंकिंग, बीमा और विज्ञापन।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. आर्थिक क्रियाओं के तीन प्रमुख प्रकारों का वर्णन कीजिए।
उत्तर : आर्थिक क्रियाएँ तीन प्रमुख प्रकार की होती हैं–
1. प्राथमिक
2. द्वितीयक
3. तृतीयक

1. प्राथमिक क्रियाओं में प्राकृतिक संसाधनों के उत्पादन और निष्कर्षण से संबंधित कार्य आते हैं।
- कृषि, मत्स्यन और संग्रहण इनके उदाहरण हैं।

2. द्वितीयक क्रियाएँ प्राकृतिक संसाधनों के प्रसंस्करण से संबंधित होती हैं, जिनमें इस्पात निर्माण, डबलरोटी पकाना और कपड़ा बुनना शामिल हैं।

3. तृतीयक क्रियाएँ प्राथमिक और द्वितीयक क्षेत्रों को सेवाओं के माध्यम से सहयोग देती हैं।
- यातायात, व्यापार, बैंकिंग, बीमा और विज्ञापन इनके उदाहरण हैं।

कृषि तंत्र एवं कृषि के प्रकार

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. कृषि में प्रमुख निवेशों में कौन शामिल है?
(अ) बीज (ब) उर्वरक
(स) मशीनरी (द) उपर्युक्त सभी **(द)**

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

2. **कृषि के दो मुख्य प्रकार हैं–**
   (अ) प्राथमिक और द्वितीयक
   (ब) निर्वाह और वाणिज्यिक
   (स) गहन और आदिम
   (द) मिश्रित और रोपण **(ब)**

रिक्तस्थान –

1. **कृषि को एक ––––––– के रूप में देखा जा सकता है।**

उत्तर : तंत्र

2. **फसल, ऊन, डेयरी और कुक्कुट उत्पाद कृषि तंत्र के ––––––––– हैं।**

उत्तर : निर्गत

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. **कृषि तंत्र के दो प्रकार के घटक कौन से हैं?**

उत्तर : निवेश और निर्गत।

2. **कृषि को किन आधारों पर विभिन्न प्रकारों में वर्गीकृत किया जाता है?**

उत्तर : भौगोलिक दशाओं, उत्पाद की माँग, श्रम और प्रौद्योगिकी के स्तर के आधार पर।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. **कृषि तंत्र को स्पष्ट कीजिए।**

उत्तर :

- कृषि या खेती को एक तंत्र के रूप में देखा जा सकता है।
- इसमें बीज, उर्वरक, मशीनरी और श्रमिक प्रमुख निवेश हैं।
- जुताई, बुवाई, सिंचाई, निराई और कटाई जैसी प्रक्रियाएँ इसमें शामिल हैं।
- फसल, ऊन, डेयरी और कुक्कुट उत्पाद इसके निर्गत हैं।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. **कृषि के प्रमुख प्रकारों का आधार स्पष्ट करते हुए उनका वर्गीकरण कीजिए।**

उत्तर :

- विश्व में कृषि विभिन्न तरीकों से की जाती है। कृषि के प्रकार भौगोलिक दशाओं, उत्पाद की माँग, श्रम और प्रौद्योगिकी के स्तर के आधार पर निर्धारित किए जाते हैं।
- कृषि को दो मुख्य प्रकारों में वर्गीकृत किया जा सकता है–

1. निर्वाह कृषि
2. वाणिज्यिक कृषि

- निर्वाह कृषि किसान परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए की जाती है।
- वाणिज्यिक कृषि में फसल उत्पादन और पशुपालन बाजार में बिक्री के लिए किया जाता है।

निर्वाह कृषि

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. **निर्वाह कृषि मुख्यत: किसके लिए की जाती है?**
   (अ) निर्यात के लिए
   (ब) किसान परिवार की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए
   (स) उद्योगों के लिए
   (द) बाजार के लिए **(ब)**
2. **गहन निर्वाह कृषि में किसका अधिक उपयोग किया जाता है?**
   (अ) मशीनों का (ब) श्रम का
   (स) पूँजी का (द) परिवहन का **(ब)**
3. **गहन निर्वाह कृषि की मुख्य फसल है–**
   (अ) गेहूँ (ब) चावल
   (स) कपास (द) जूट **(ब)**

रिक्तस्थान –

1. **गहन निर्वाह कृषि में किसान छोटे ––––––––– पर खेती करता है।**

उत्तर : भूखंड

2. **गहन निर्वाह कृषि दक्षिणी, दक्षिण–पूर्वी और पूर्वी ––––––––– के मानसूनी प्रदेशों में प्रचलित है।**

उत्तर : एशिया

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. **निर्वाह कृषि क्या है?**

उत्तर : किसान परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए की जाने वाली कृषि निर्वाह कृषि कहलाती है।

2. **गहन निर्वाह कृषि में अन्य प्रमुख फसलें कौन–सी हैं?**

उत्तर : गेहूँ, मक्का, दलहन और तिलहन।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. **गहन निर्वाह कृषि की प्रमुख विशेषताएँ बताइए।**

उत्तर :

- इसमें किसान छोटे भूखंड पर साधारण औजारों और अधिक श्रम से खेती करता है।
- अधिक धूप वाले दिनों और उपजाऊ मिट्टी वाले खेतों में एक वर्ष में एक से अधिक फसलें उगाई जा सकती हैं।
- चावल इसकी मुख्य फसल है तथा गेहूँ, मक्का, दलहन और तिलहन भी उगाए जाते हैं।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

निबंधात्मक प्रश्न –

1. निर्वाह कृषि का वर्णन कीजिए।

उत्तर :

- **निर्वाह कृषि**

1. निर्वाह कृषि किसान परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए की जाती है।
2. इसमें परंपरागत रूप से कम उपज प्राप्त करने के लिए निम्न स्तरीय प्रौद्योगिकी और पारिवारिक श्रम का उपयोग किया जाता है।
3. निर्वाह कृषि को पुनः गहन निर्वाह कृषि और आदिम निर्वाह कृषि में वर्गीकृत किया जाता है।

- **गहन निर्वाह कृषि**

1. गहन निर्वाह कृषि में छोटे भूखंड पर अधिक श्रम और साधारण औजारों का उपयोग किया जाता है।
2. यह दक्षिणी, दक्षिण–पूर्वी और पूर्वी एशिया के सघन जनसंख्या वाले मानसूनी प्रदेशों में प्रचलित है।

- **आदिम निर्वाह कृषि**

1. आदिम निर्वाह कृषि में स्थानांतरी कृषि और चलवासी पशुचारण शामिल हैं।

स्थानांतरी कृषि एवं चलवासी पशुचारण

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. स्थानांतरी कृषि में भूमि को साफ करने के लिए क्या किया जाता है?

(अ) सिंचाई
(ब) वृक्षों को काटकर जलाया जाता है
(स) मशीनों से जुताई
(द) खाद डाली जाती है **(ब)**

2. स्थानांतरी कृषि को अन्य किस नाम से जाना जाता है?

(अ) मिश्रित कृषि (ब) कर्तन एवं दहन कृषि
(स) रोपण कृषि (द) गहन कृषि **(ब)**

3. चलवासी पशुचारण में मुख्यतः कौन–से पशु पाले जाते हैं?

(अ) भेड़, ऊँट और मवेशी
(ब) केवल गाय
(स) केवल घोड़े
(द) केवल भैंस **(अ)**

रिक्तस्थान –

1. स्थानांतरी कृषि भारी ———————— वाले क्षेत्रों में प्रचलित है।

उत्तर : वर्षा

2. भूमि की उर्वरता समाप्त होने के बाद किसान नया ———————— चुनता है।

उत्तर : भूखंड

3. चलवासी पशुचारण में पशुचारक चारे और ———————— के लिए एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते हैं।

उत्तर : पानी

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. स्थानांतरी कृषि क्या है?

उत्तर : ऐसी कृषि जिसमें वन क्षेत्र को साफ करके फसलें उगाई जाती हैं और भूमि की उर्वरता समाप्त होने पर किसान नए भूखंड पर चला जाता है, स्थानांतरी कृषि कहलाती है।

2. स्थानांतरी कृषि की दो फसलें बताइए।

उत्तर : मक्का और शकरकंद।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. स्थानांतरी कृषि की प्रक्रिया समझाइए।

उत्तर :

- स्थानांतरी कृषि में वृक्षों को काटकर और जलाकर भूखंड को साफ किया जाता है।
- राख को मिट्टी में मिलाया जाता है तथा मक्का, शकरकंद, आलू और कसावा जैसी फसलें उगाई जाती हैं।
- भूमि की उर्वरता समाप्त होने के बाद उसे छोड़ दिया जाता है और किसान नए भूखंड पर चला जाता है।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. चलवासी पशुचारण की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर : निर्वाह कृषि

- चलवासी पशुचारण सहारा के अर्धशुष्क और शुष्क प्रदेशों, मध्य एशिया तथा भारत के कुछ भागों जैसे राजस्थान और जम्मू–कश्मीर में प्रचलित है।
- इसमें पशुचारक अपने पशुओं के साथ चारे और पानी के लिए एक स्थान से दूसरे स्थान पर निश्चित मार्गों से घूमते हैं।
- यह गतिविधि जलवायविक बाधाओं और भूभाग की प्रतिक्रिया के रूप में उत्पन्न होती है।
- पशुचारक मुख्यतः भेड़, ऊँट, मवेशी, याक और बकरियाँ पालते हैं।
- ये पशुचारकों और उनके परिवारों के लिए दूध, मांस, ऊन, खाल और अन्य उत्पाद उपलब्ध कराते हैं।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

वाणिज्यिक कृषि

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. वाणिज्यिक कृषि में उत्पादन किस उद्देश्य से किया जाता है?

(अ) केवल परिवार के लिए
(ब) बाजार में बिक्री के लिए
(स) केवल पशुओं के लिए
(द) केवल स्थानीय उपयोग के लिए **(ब)**

2. वाणिज्यिक कृषि के अंतर्गत कौन–सी कृषि शामिल है?

(अ) वाणिज्यिक अनाज कृषि
(ब) मिश्रित कृषि
(स) रोपण कृषि
(द) उपर्युक्त सभी **(द)**

3. मिश्रित कृषि में भूमि का उपयोग किसके लिए किया जाता है?

(अ) केवल अनाज के लिए
(ब) भोजन एवं चारे की फसल तथा पशुधन पालन के लिए
(स) केवल पेय फसलों के लिए
(द) केवल रेशेदार फसलों के लिए **(ब)**

रिक्तस्थान –

1. वाणिज्यिक कृषि में अधिक ––––––––– का उपयोग किया जाता है।

उत्तर : पूँजी

2. वाणिज्यिक कृषि में अधिकांश कार्य ––––––––– द्वारा किए जाते हैं।

उत्तर : मशीनों

3. गेहूँ और मक्का वाणिज्यिक ––––––––– कृषि की सामान्य फसलें हैं।

उत्तर : अनाज

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. वाणिज्यिक कृषि क्या है?

उत्तर : बाजार में बिक्री के लिए फसल उत्पादन और पशुपालन करने वाली कृषि वाणिज्यिक कृषि कहलाती है।

2. वाणिज्यिक कृषि के तीन प्रकार कौन–से हैं?

उत्तर :

- वाणिज्यिक अनाज कृषि
- मिश्रित कृषि
- रोपण कृषि

3. मिश्रित कृषि कहाँ प्रचलित है?

उत्तर : यूरोप, पूर्वी संयुक्त राज्य अमेरिका, अर्जेंटीना, दक्षिण–पूर्वी ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका में।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. वाणिज्यिक अनाज कृषि की विशेषताएँ बताइए।

उत्तर :

- वाणिज्यिक अनाज कृषि में फसलें वाणिज्यिक उद्देश्य से उगाई जाती हैं।
- गेहूँ और मक्का सामान्य फसलें हैं।
- उत्तरी अमेरिका, यूरोप और एशिया के शीतोष्ण घास के मैदान इसके प्रमुख क्षेत्र हैं।
- ये क्षेत्र सैकड़ों हेक्टेयर के बड़े फार्मों से युक्त और विरल आबादी वाले होते हैं।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. वाणिज्यिक कृषि के विभिन्न प्रकारों का वर्णन कीजिए।

उत्तर :

- **वाणिज्यिक कृषि**

1. वाणिज्यिक कृषि में फसल उत्पादन और पशुपालन बाजार में बिक्री के लिए किया जाता है।
2. इसमें विस्तृत क्षेत्र और अधिक पूँजी का उपयोग होता है तथा अधिकांश कार्य मशीनों द्वारा किए जाते हैं।

वाणिज्यिक कृषि के तीन प्रमुख प्रकार –

1. वाणिज्यिक अनाज कृषि
2. मिश्रित कृषि
3. रोपण कृषि

1. **वाणिज्यिक अनाज कृषि :** वाणिज्यिक अनाज कृषि में गेहूँ और मक्का प्रमुख हैं।
2. **मिश्रित कृषि :** मिश्रित कृषि में भोजन एवं चारे की फसलें उगाने के साथ पशुधन पालन किया जाता है।
3. **रोपण कृषि :** रोपण कृषि में चाय, कहवा, काजू, रबर, केला अथवा कपास जैसी एकल फसल बड़े पैमाने पर उगाई जाती है।

प्रमुख खाद्य फसलें

(क) चावल

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. चावल के लिए किस प्रकार की मिट्टी सर्वोत्तम है?

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

(अ) जलोढ़ मिट्टी जिसमें जल रोकने की क्षमता हो
(ब) केवल रेतीली मिट्टी
(स) केवल काली मिट्टी
(द) केवल लाल मिट्टी **(अ)**

रिक्तस्थान –

1. चावल के लिए उच्च तापमान, अधिक आर्द्रता और ---------- की आवश्यकता होती है।

उत्तर : वर्षा

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. चावल का प्रमुख उत्पादक देश कौन–सा है?

उत्तर : चीन।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. चावल की कृषि के लिए आवश्यक दशाएँ बताइए।

उत्तर :

- चावल के लिए उच्च तापमान, अधिक आर्द्रता और वर्षा आवश्यक है।
- जलोढ़ मिट्टी, जिसमें जल रोकने की क्षमता हो, में इसका विकास सर्वोत्तम होता है।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. चावल की कृषि एवं उसके वितरण का वर्णन कीजिए।

उत्तर :

- चावल विश्व की मुख्य खाद्य फसल है।
- यह उष्ण कटिबंधीय और उपोष्ण कटिबंधीय प्रदेशों का मुख्य आहार है।
- इसके लिए उच्च तापमान, अधिक आर्द्रता और वर्षा की आवश्यकता होती है।
- जलोढ़ मिट्टी जिसमें जल रोकने की क्षमता हो, चावल के लिए सर्वोत्तम है।
- चीन चावल उत्पादन में अग्रणी है, इसके बाद क्रमशः भारत, जापान, श्रीलंका और मिस्र आते हैं।
- पश्चिमी बंगाल और बांग्लादेश में अनुकूल जलवायविक दशाओं के कारण एक वर्ष में दो से तीन फसलें उगाई जाती हैं।

(ख) गेहूँ

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. गेहूँ के विकास के समय किस प्रकार का तापमान आवश्यक है?

(अ) मध्यम
(ब) अत्यधिक उच्च
(स) केवल निम्न
(द) कोई निश्चित आवश्यकता नहीं **(अ)**

रिक्तस्थान –

1. भारत में गेहूँ ---------- ऋतु में उगाया जाता है।

उत्तर : शीत

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. गेहूँ के विकास के लिए कैसी मिट्टी उपयुक्त है?

उत्तर : सुव्यवस्थित जल–निकास वाली दुमट मिट्टी।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. गेहूँ के लिए आवश्यक जलवायविक दशाएँ बताइए।

उत्तर :

- गेहूँ के वर्धनकाल में मध्यम तापमान और वर्षा तथा फसल की कटाई के समय तेज धूप आवश्यक होती है।
- इसका विकास सुव्यवस्थित जल–निकास वाली दुमट मिट्टी में सर्वोत्तम होता है।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. गेहूँ के उत्पादन एवं वितरण का वर्णन कीजिए।

उत्तर :

- गेहूँ के वर्धनकाल में मध्यम तापमान और वर्षा तथा फसल की कटाई के समय तेज धूप की आवश्यकता होती है।
- इसका विकास सुव्यवस्थित जल–निकास वाली दुमट मिट्टी में सर्वोत्तम होता है।
- गेहूँ संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, अर्जेंटीना, रूस, यूक्रेन, ऑस्ट्रेलिया और भारत में विस्तृत रूप से उगाया जाता है।
- भारत में यह शीत ऋतु में उगाया जाता है।

(ग) मिलेट और मक्का

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. मोटे अनाजों को किस नाम से भी जाना जाता है?

(अ) मिलेट
(ब) रेशा
(स) पेय फसल
(द) रोपण फसल **(अ)**

रिक्तस्थान –

1. ज्वार, बाजरा और रागी भारत में उगाए जाने वाले प्रमुख ---------- हैं।

उत्तर : मिलेट

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. मक्का के लिए कैसी जलवायु आवश्यक है?

उत्तर : मध्यम तापमान, वर्षा और अधिक धूप।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. मिलेट की विशेषताएँ बताइए।

उत्तर :

- मिलेट मोटे अनाज के रूप में जाने जाते हैं।
- इन्हें कम उपजाऊ तथा बलुई मिट्टी में भी उगाया जा सकता है।
- इनके लिए कम वर्षा, उच्च से मध्यम तापमान तथा पर्याप्त सूर्य प्रकाश आवश्यक होता है।
- ज्वार, बाजरा और रागी भारत में उगाए जाते हैं।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. मक्का की कृषि का वर्णन कीजिए।

उत्तर :

- मक्का के लिए मध्यम तापमान, वर्षा और अधिक धूप की आवश्यकता होती है।
- इसे सुव्यवस्थित जल–निकास वाली उपजाऊ मिट्टी की आवश्यकता होती है।
- मक्का उत्तर अमेरिका, ब्राजील, चीन, रूस, कनाडा, भारत और मैक्सिको में उगाई जाती है।

रेशेदार एवं पेय फसलें

(क) कपास

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. कपास किस उद्योग के लिए महत्वपूर्ण कच्चा माल है?

(अ) सूती वस्त्र उद्योग
(ब) इस्पात उद्योग
(स) कागज उद्योग
(द) सीमेंट उद्योग **(अ)**

रिक्तस्थान –

1. कपास की वृद्धि के लिए ———————— से 220 पालारहित दिनों की आवश्यकता होती है।

उत्तर : 2000

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. कपास की सर्वोत्तम वृद्धि किस मिट्टी में होती है?

उत्तर : काली और जलोढ़ मिट्टी में।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. कपास की कृषि के लिए आवश्यक दशाएँ बताइए।

उत्तर :

- कपास के लिए उच्च तापमान, हल्की वर्षा, 200 से 210 पालारहित दिन और तेज चमकीली धूप आवश्यक है।
- यह काली और जलोढ़ मिट्टी में सर्वोत्तम उगती है।

2. कपास के उत्पादन एवं महत्व का वर्णन कीजिए।

उत्तर :

- कपास की वृद्धि के लिए उच्च तापमान, हल्की वर्षा, 200 से 210 पालारहित दिन और तेज चमकीली धूप आवश्यक होती है।
- यह काली और जलोढ़ मिट्टी में सर्वोत्तम उगती है।
- चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका, भारत, पाकिस्तान, ब्राजील और मिस्र कपास के अग्रणी उत्पादक हैं।
- कपास सूती वस्त्र उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण कच्चा माल है।

(ख) जूट

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. जूट को किस नाम से जाना जाता है?

(अ) सफेद रेशा
(ब) सुनहरा रेशा
(स) मोटा अनाज
(द) पेय फसल **(ब)**

रिक्तस्थान –

1. जूट के लिए उच्च तापमान, भारी वर्षा और ———————— जलवायु आवश्यक है।

उत्तर : आर्द्र

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. जूट के अग्रणी उत्पादक कौन हैं?

उत्तर : भारत और बांग्लादेश।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. जूट की कृषि की आवश्यक दशाएँ बताइए।

उत्तर :

- जूट जलोढ़ मिट्टी में अच्छी तरह विकसित होता है।
- इसके लिए उच्च तापमान, भारी वर्षा और आर्द्र जलवायु आवश्यक होती है।
- यह उष्ण कटिबंधीय क्षेत्रों में उगाया जाता है।

2. जूट का वर्णन कीजिए।

उत्तर :

- जूट को 'सुनहरा रेशा' भी कहा जाता है।
- यह जलोढ़ मिट्टी में अच्छे ढंग से विकसित होता है और इसके लिए उच्च तापमान, भारी वर्षा तथा आर्द्र जलवायु आवश्यक है।
- यह फसल उष्ण कटिबंधीय क्षेत्रों में उगाई जाती है।
- भारत और बांग्लादेश इसके अग्रणी उत्पादक हैं।

पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

(ग) कॉफी

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. कॉफी का अग्रणी उत्पादक कौन है?

(अ) ब्राजील

(ब) भारत

(स) मिस्र

(द) रूस **(अ)**

रिक्तस्थान –

1. कॉफी के लिए गर्म एवं ———————— जलवायु आवश्यक है।

उत्तर : आर्द्र

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. कॉफी की वृद्धि के लिए कौन–सी मिट्टी आवश्यक है?

उत्तर : सुव्यवस्थित जल–निकास वाली दोमट मिट्टी।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. कॉफी के उत्पादन एवं आवश्यक दशाओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर :

- कॉफी के लिए गर्म एवं आर्द्र जलवायु और सुव्यवस्थित जल–निकास वाली दोमट मिट्टी आवश्यक होती है।
- इसकी वृद्धि के लिए पर्वतीय ढाल अधिक उपयुक्त होती है।
- ब्राजील कॉफी का अग्रणी उत्पादक है।
- इसके पश्चात कोलंबिया और भारत आते हैं।

(घ) चाय

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. चाय किस प्रकार की फसल है?

(अ) खाद्य फसल

(ब) पेय फसल

(स) रेशेदार फसल

(द) अनाज फसल **(ब)**

रिक्तस्थान –

1. चाय की कोमल पत्तियों की वृद्धि के लिए ———————— जलवायु आवश्यक है।

उत्तर : ठंडी

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. चाय के लिए कैसी मिट्टी आवश्यक है?

उत्तर : सुव्यवस्थित जल–निकास वाली दुमट मिट्टी।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. चाय की कृषि की विशेषताएँ बताइए।

उत्तर :

- चाय बागानों में उगाई जाने वाली पेय फसल है।
- कोमल पत्तियों की वृद्धि के लिए ठंडी जलवायु और वर्ष भर समवितरित उच्च वर्षा आवश्यक है।
- इसके लिए सुव्यवस्थित जल–निकास वाली दुमट मिट्टी और मंद ढाल चाहिए।
- पत्तियाँ चुनने के लिए अधिक श्रमिकों की आवश्यकता होती है।

कृषि विकास एवं भारत– अमेरिका के फार्म

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. कृषि विकास का चरम लक्ष्य क्या है?

(अ) कृषि क्षेत्र बढ़ाना

(ब) खाद्य सुरक्षा को बढ़ाना

(स) मशीनों की संख्या बढ़ाना

(द) केवल निर्यात बढ़ाना **(ब)**

2. संयुक्त राज्य अमेरिका के एक प्रारूपिक फार्म का आकार लगभग कितना बताया गया है?

(अ) 25 हेक्टेयर

(ब) 50 हेक्टेयर

(स) 250हेक्टेयर

(द) 500 हेक्टेयर **(अ)**

रिक्तस्थान –

1. संयुक्त राज्य अमेरिका के फार्म में कंप्यूटर ———————— से जुड़ा हुआ है।

उत्तर : उपग्रह

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. कृषि विकास से क्या तात्पर्य है?

उत्तर : बढ़ती जनसंख्या की बढ़ती माँग को पूरा करने के लिए कृषि उत्पादन बढ़ाने की दिशा में किए जाने वाले प्रयास कृषि विकास कहलाते हैं।

2. कृषि विकास किन उपायों से किया जा सकता है?

उत्तर :

- बोए गए क्षेत्र में विस्तार, फसलों की संख्या बढ़ाने, सिंचाई सुविधाओं में सुधार, उर्वरकों तथा उच्च उपज देने वाले बीजों के प्रयोग से।

पढ़ः जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

4 उद्योग

उद्योग का अर्थ एवं उद्योगों का वर्गीकरण

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. उद्योगों का वर्गीकरण किन आधारों पर किया जा सकता है?

(अ) कच्चा माल, आकार और स्वामित्व
(ब) जलवायु, वर्षा और तापमान
(स) जनसंख्या और क्षेत्रफल
(द) केवल बाजार (अ)

रिक्तस्थान –

1. उद्योग में कच्चे माल को अधिक मूल्य के उत्पादों में ——— किया जाता है।

उत्तर : परिवर्तित।

2. लौह और इस्पात उद्योग वस्तुओं के ——— से संबंधित है।

उत्तर : उत्पादन।

3. पर्यटन ——— देने से संबंधित उद्योग है।

उत्तर : सेवा।

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. द्वितीयक क्रियाकलाप का क्या अर्थ है?

उत्तर : द्वितीयक क्रियाकलाप में कच्चे माल को लोगों के लिए अधिक मूल्य वाले उत्पादों में परिवर्तित किया जाता है।

2. उद्योग का संबंध किस प्रकार की आर्थिक गतिविधि से है?

उत्तर : वस्तुओं के उत्पादन, खनिजों के निष्कर्षण तथा सेवाओं की व्यवस्था।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. उद्योग को उदाहरण सहित समझाइए।

उत्तर :

- उद्योग का संबंध वस्तुओं के उत्पादन, खनिजों के निष्कर्षण अथवा सेवाओं की व्यवस्था से है।
- लौह एवं इस्पात उद्योग वस्तुओं के उत्पादन से, कोयला खनन उद्योग धरती से कोयला निकालने से तथा पर्यटन उद्योग सेवा देने से संबंधित है।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. उद्योगों के वर्गीकरण के आधारों का वर्णन कीजिए।

उत्तर :

- उद्योगों का वर्गीकरण कच्चे माल, आकार और स्वामित्व के आधार पर किया जा सकता है।
- कच्चे माल के आधार पर उद्योग
- कृषि–आधारित, खनिज–आधारित, समुद्र–आधारित तथा वन–आधारित होते हैं।
- आकार के आधार पर उद्योग
- लघु आकार तथा बृहत आकार के होते हैं।
- स्वामित्व के आधार पर उद्योग
- निजी, सार्वजनिक, संयुक्त तथा सहकारी क्षेत्र के उद्योगों

कच्चे माल एवं आकार के आधार पर उद्योग

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. निम्न में से कौन कृषि–आधारित उद्योग का उदाहरण है?

(अ) डेयरी
(ब) लौह–इस्पात
(स) मछली तेल
(द) कागज (अ)

रिक्तस्थान –

1. वन–आधारित उद्योग वनों से प्राप्त ——— का उपयोग करते हैं।

उत्तर : उत्पाद।

2. टोकरी बुनाई और मिट्टी के बर्तन ——— उद्योगों के उदाहरण हैं।

उत्तर : कुटीर।

3. बड़े पैमाने के उद्योगों में पूँजी का निवेश ——— होता है।

उत्तर : अधिक।

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. दो कृषि–आधारित उद्योगों के उदाहरण दीजिए।

उत्तर :

- सूती वस्त्र उद्योग
- डेयरी उद्योग

2. दो वन–आधारित उद्योग कौन–से हैं?

उत्तर :

- लुगदी एवं कागज उद्योग
- फर्नीचर उद्योग

3. लघु पैमाने के उद्योगों की एक विशेषता बताइए।

उत्तर :

- इनमें बड़े पैमाने के उद्योगों की तुलना में कम पूँजी और प्रौद्योगिकी का उपयोग होता है।

4. समुद्र–आधारित उद्योग किससे प्राप्त उत्पादों का उपयोग करते हैं?

उत्तर : सागरों और महासागरों से प्राप्त उत्पादों का।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. खनिज–आधारित उद्योगों की विशेषता बताइए।

उत्तर :

- खनिज–आधारित उद्योग खनिज अयस्कों का कच्चे माल के रूप में उपयोग करते हैं।
- इनके उत्पाद अन्य उद्योगों को कच्चे माल के रूप में उपलब्ध कराते हैं।
- लौह अयस्क से निर्मित लोहा इसका उदाहरण है, जिसका उपयोग भारी मशीनों, भवन निर्माण सामग्री तथा रेल के डिब्बे बनाने में किया जाता है।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. कच्चे माल के आधार पर उद्योगों का वर्गीकरण समझाइए।

उत्तर : कच्चे माल के उपयोग के आधार पर उद्योग चार प्रकार के होते हैं।

1. **कृषि–आधारित उद्योग :** वनस्पति और जंतु–आधारित उत्पादों का उपयोग करते हैं, जैसे खाद्य संसाधन, वनस्पति तेल, सूती वस्त्र, डेयरी और चमड़ा उद्योग।
2. **खनिज–आधारित उद्योग :** खनिज अयस्कों को कच्चे माल के रूप में प्रयोग करते हैं।
3. **समुद्र–आधारित उद्योग :** सागर एवं महासागर से प्राप्त उत्पादों का उपयोग करते हैं, जैसे समुद्री खाद्य प्रसंस्करण और मछली तेल निर्माण।
4. **वन–आधारित उद्योग :** वनों से प्राप्त उत्पादों पर निर्भर होते हैं, जैसे लुगदी एवं कागज तथा फर्नीचर उद्योग।

स्वामित्व के आधार पर उद्योग

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योगों का स्वामित्व किसके पास होता है?

(अ) व्यक्तियों के पास (ब) सरकार के पास
(स) श्रमिकों के पास (द) उत्पादकों के पास **(ब)**

रिक्तस्थान –

1. निजी क्षेत्र के उद्योगों का स्वामित्व एवं संचालन एक व्यक्ति या व्यक्तियों के ––––––– द्वारा किया जाता है।

उत्तर : समूह।

2. सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योगों का संचालन ––––––– द्वारा किया जाता है।

उत्तर : सरकार।

3. सहकारी क्षेत्र के उद्योगों का संचालन कच्चे माल के उत्पादकों, आपूर्तिकर्ताओं, कामगारों अथवा ––––––– द्वारा होता है।

उत्तर : दोनों।

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. स्वामित्व के आधार पर उद्योग कितने प्रकार के हैं?

उत्तर : चार – निजी, सार्वजनिक, संयुक्त और सहकारी।

2. सार्वजनिक क्षेत्र के दो उदाहरण दीजिए।

उत्तर : हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड और स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड।

3. मारुति उद्योग लिमिटेड किस क्षेत्र का उदाहरण है?

उत्तर : संयुक्त क्षेत्र।

4. आनंद मिल्क यूनियन लिमिटेड किस क्षेत्र का उदाहरण है?

उत्तर : सहकारी क्षेत्र।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योगों में अंतर बताइए।

उत्तर :

- निजी क्षेत्र के उद्योगों का स्वामित्व और संचालन एक व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह द्वारा किया जाता है, जबकि सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योगों का स्वामित्व एवं संचालन सरकार द्वारा किया जाता है।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. स्वामित्व के आधार पर उद्योगों का वर्गीकरण कीजिए।

उत्तर :

- स्वामित्व के आधार पर उद्योग चार वर्गों में बाँटे जाते हैं।
- निजी क्षेत्र में उद्योग का स्वामित्व एवं संचालन व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह द्वारा किया जाता है।
- सार्वजनिक क्षेत्र में स्वामित्व और संचालन सरकार के हाथ में होता है।
- संयुक्त क्षेत्र में स्वामित्व एवं संचालन राज्य और व्यक्तियों अथवा व्यक्तियों के समूह द्वारा होता है।
- मारुति उद्योग लिमिटेड इसका उदाहरण है।
- सहकारी क्षेत्र में कच्चे माल के उत्पादक या आपूर्तिकर्ता, कामगार अथवा दोनों उद्योग का स्वामित्व एवं संचालन करते हैं।
- आनंद मिल्क यूनियन लिमिटेड तथा सुधा डेयरी इसके उदाहरण हैं।

उद्योगों की अवस्थिति को प्रभावित करने वाले कारक एवं औद्योगिक तंत्र

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. निम्न में से कौन उद्योगों की अवस्थिति को प्रभावित करने वाला कारक है?

(अ) कच्चे माल की उपलब्धता
(ब) भूमि
(स) परिवहन
(द) उपर्युक्त सभी **(द)**

रिक्तस्थान –

1. उद्योगों की अवस्थिति को प्रभावित करने वाले कारकों में कच्चा माल, भूमि, जल, श्रम, शक्ति, पूँजी, परिवहन और ——— शामिल हैं।

उत्तर : बाजार।

2. औद्योगिक तंत्र में ———, प्रक्रम और निर्गत शामिल हैं।

उत्तर : निवेश।

3. निर्गत में अंतिम उत्पाद और उससे अर्जित ——— शामिल होती है।

उत्तर : आय।

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. औद्योगिक तंत्र में कौन–से तीन घटक शामिल हैं?

उत्तर : निवेश प्रक्रम और निर्गत।

2. औद्योगिक तंत्र में निवेश से क्या तात्पर्य है?

उत्तर : निवेश में कच्चा माल, श्रम एवं भूमि की लागत, जल की उपलब्धता, परिवहन, विद्युत तथा अन्य अवसंरचना शामिल हैं।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. सरकार पिछड़े क्षेत्रों में उद्योग स्थापित करने के लिए किस प्रकार प्रोत्साहन दे सकती है?

उत्तर : सरकार कम दर पर विद्युत उपलब्ध कराकर, परिवहन लागत कम करके तथा अन्य अवसंरचना उपलब्ध कराकर पिछड़े क्षेत्रों में उद्योग स्थापित करने को प्रोत्साहित कर सकती है।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. औद्योगिक तंत्र के तीन प्रमुख घटकों को समझाइए।

उत्तर :

- औद्योगिक तंत्र में निवेश, प्रक्रम और निर्गत शामिल होते हैं।
- निवेश में कच्चा माल, श्रम एवं भूमि की लागत, जल की उपलब्धता, परिवहन, विद्युत और अन्य अवसंरचना शामिल होती है।
- प्रक्रम में विभिन्न क्रियाकलापों द्वारा कच्चे माल को परिष्कृत माल में परिवर्तित किया जाता है।
- निर्गत में अंतिम उत्पाद तथा उससे अर्जित आय शामिल होती है।
- सूती वस्त्र उद्योग में कपास, मानव श्रम, कारखाना और परिवहन लागत निवेश के उदाहरण हैं, जबकि ओटाई, कटाई, बुनाई, रंगाई और छपाई प्रक्रम का हिस्सा हैं।

औद्योगिक प्रदेश एवं औद्योगिक विपदा

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. औद्योगिक प्रदेश का विकास कब होता है?

(अ) जब उद्योग एक–दूसरे से बहुत दूर हों
(ब) जब अनेक उद्योग एक–दूसरे के निकट स्थित हों
(स) जब बाजार अनुपस्थित हो
(द) जब परिवहन न हो **(ब)**

रिक्तस्थान –

1. प्रमुख औद्योगिक प्रदेशों में पूर्वोत्तर ———, पश्चिमी एवं मध्य यूरोप, पूर्वी यूरोप और पूर्वी एशिया शामिल हैं।

उत्तर : अमेरिका।

2. भोपाल दुर्घटना ——— कार्बाइड के कीटनाशक कारखाने से संबंधित थी।

उत्तर : यूनियन।

3. औद्योगिक क्षेत्रों के पास विषैले पदार्थों के ——— की क्षमता सीमित होनी चाहिए।

उत्तर : भंडारण।

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. भारत के कोई दो औद्योगिक प्रदेश लिखिए।

उत्तर : मुंबई–पुणे समूह और बेंगलूर।

2. भोपाल औद्योगिक दुर्घटना किस प्रकार की दुर्घटना थी?

उत्तर : यह एक प्रौद्योगिकीय दुर्घटना थी।

3. भोपाल की औद्योगिक दुर्घटना किस तारीख को हुई थी?

उत्तर : 3 दिसंबर 1984।

4. भोपाल दुर्घटना में किस गैस का रिसाव हुआ था?

उत्तर : मिथाइल आइसोसाइनेट (एम.आई.सी.) गैस।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. औद्योगिक विपदा के मुख्य कारण क्या बताए गए हैं?

उत्तर : उद्योगों में दुर्घटना या विपदा मुख्य रूप से तकनीकी विफलता अथवा संकट उत्पन्न करने वाले पदार्थों के बेतरतीब उपयोग के कारण घटित होती है।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. औद्योगिक विपदाओं से जोखिम कम करने के उपायों का वर्णन कीजिए।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

उत्तर :

- घने बसे आवासीय क्षेत्रों को औद्योगिक क्षेत्रों से बहुत दूर रखा जाना चाहिए।
- उद्योगों के पास रहने वाले लोगों को विषैले या खतरनाक पदार्थों के संग्रहण तथा उनके संभावित प्रभावों की जानकारी होनी चाहिए।
- आग की चेतावनी और अग्निशमन की व्यवस्था को उन्नत किया जाना चाहिए।
- विषैले पदार्थों के भंडारण की क्षमता सीमित रखनी चाहिए तथा उद्योगों में प्रदूषण नियंत्रण के उपायों को उन्नत किया जाना चाहिए।

प्रमुख उद्योगों का वितरण एवं लौह–इस्पात उद्योग

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. विश्व के प्रमुख उद्योगों में कौन–सा अपेक्षाकृत नया उभरता उद्योग है?

(अ) सूती वस्त् (ब) लौह–इस्पात
(स) सूचना प्रौद्योगिकी
(द) इनमें से कोई नहीं **(स)**

रिक्तस्थान –

1. लौह–इस्पात उद्योग एक ––––––– उद्योग है।

उत्तर : पोषक।

2. लौह–अयस्क को ––––––– भट्टी में रखा जाता है।

उत्तर : झोंका।

3. प्रगलन के बाद प्राप्त उत्पाद ––––––– होता है।

उत्तर : इस्पात।

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. लौह–इस्पात उद्योग के प्रमुख कच्चे माल कौन–से हैं?

उत्तर : लौह–अयस्क, कोयला और चूना–पत्थर।

2. सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग के दो प्रमुख केंद्र कौन–से बताए गए हैं?

उत्तर : मध्यवर्ती कैलिफोर्निया की सिलिकॉन घाटी और भारत का बेंगलूर प्रदेश।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. लौह–इस्पात उद्योग को पोषक उद्योग क्यों कहा जाता है?

उत्तर :

- लौह–इस्पात उद्योग के उत्पाद अन्य उद्योगों के लिए कच्चे माल के रूप में प्रयुक्त होते हैं।
- इसलिए यह अन्य उद्योगों को आधार प्रदान करता है और पोषक उद्योग कहलाता है।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. लौह–इस्पात निर्माण की प्रक्रिया समझाइए।

उत्तर :

- लौह–इस्पात उद्योग में लौह–अयस्क, कोयला और चूना–पत्थर सहित श्रम, पूँजी, स्थान तथा अन्य अवसंरचना निवेश के रूप में शामिल होते हैं।
- लौह–अयस्क को झोंका भट्टी में रखा जाता है, जहाँ वह प्रगलित होता है।
- इसके बाद उसका परिशोधन किया जाता है।
- प्राप्त उत्पाद इस्पात होता है।
- इस्पात को काटकर और आकार देकर विभिन्न वस्तुओं के निर्माण में प्रयोग किया जा सकता है तथा इससे तार भी बनाए जा सकते हैं।

भारत का लौह–इस्पात उद्योग एवं जमशेदपुर

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. भारत के प्रमुख लौह–इस्पात केंद्रों का एक समूह किन राज्यों में फैला है?

(अ) पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा और छत्तीसगढ़
(ब) पंजाब, हरियाणा, गुजरात और राजस्थान
(स) केरल, तमिलनाडु, गोवा और महाराष्ट्र
(द) बिहार, पंजाब, असम और गुजरात **(अ)**

रिक्तस्थान –

1. जमशेदपुर में टिस्को की शुरुआत ––––––– में की गई थी।

उत्तर : 1907

2. टिस्को को झरिया कोयला क्षेत्रों से ––––––– प्राप्त होता है।

उत्तर : कोयला।

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. 1947 से पहले भारत में कितने लौह–इस्पात कारखाने थे?

उत्तर : केवल एक।

2. उस कारखाने का नाम क्या था?

उत्तर : टाटा आयरन एंड स्टील कंपनी लिमिटेड (टिस्को)।

3. टिस्को की स्थापना कहाँ हुई थी?

उत्तर : साकची में।

4. टिस्को की शुरुआत किस वर्ष की गई थी?

उत्तर : 1907।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. जमशेदपुर में लौह–इस्पात उद्योग की अवस्थिति के कारणों का वर्णन कीजिए।

उत्तर :

- साकची को कई कारणों से इस्पात संयंत्र की स्थापना के लिए चुना गया।
- यह बंगाल–नागपुर रेलमार्ग पर कालीमाटी स्टेशन से लगभग 32 किमी की दूरी पर था।
- यह लौह–अयस्क, कोयला और मैंगनीज निक्षेपों के साथ–साथ कोलकाता के निकट था, जहाँ विशाल बाजार उपलब्ध था।
- टिस्को को झरिया कोयला क्षेत्रों से कोयला तथा ओडिशा एवं छत्तीसगढ़ से लौह–अयस्क, चूना–पत्थर, डोलोमाइट और मैंगनीज प्राप्त होता था।
- खड़कई और स्वर्णरेखा नदियों से पर्याप्त जल की आपूर्ति होती थी तथा सरकारी प्रोत्साहनों से पर्याप्त पूँजी उपलब्ध हुई।

पिट्सबर्ग लौह–इस्पात प्रदेश

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. पिट्सबर्ग किस देश का प्रमुख इस्पात नगर है?

(अ) भारत
(ब) चीन
(स) संयुक्त राज्य अमेरिका
(द) जापान **(स)**

रिक्तस्थान –

1. पिट्सबर्ग में ––––––– स्थानीय रूप से उपलब्ध है।

उत्तर : कोयला।

2. लौह–अयस्क पिट्सबर्ग से लगभग ––––––– किमी दूर स्थित मिनेसोटा की खानों से प्राप्त होता है।

उत्तर : 1500।

3. पिट्सबर्ग क्षेत्र में ओहियो, मोनोंगहेला और ––––––– नदियों से पर्याप्त जल प्राप्त होता है।

उत्तर : एलेघेनी।

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. पिट्सबर्ग को लौह–अयस्क किस क्षेत्र से प्राप्त होता है?

उत्तर : मिनेसोटा की लौह खानों से।

2. पिट्सबर्ग के लिए लौह–अयस्क के परिवहन का सस्ता मार्ग कौन–सा है?

उत्तर : ग्रेट लेक्स जलमार्ग।

3. पिट्सबर्ग में वर्तमान में बड़े इस्पात मिलों की स्थिति कैसी है?

उत्तर : वर्तमान में पिट्सबर्ग में बहुत कम बड़ी इस्पात मिलें हैं।

4. पिट्सबर्ग की इस्पात मिलें किन घाटियों/नदी क्षेत्र में स्थित हैं?

उत्तर : मोनोंगहेला और एलेघेनी नदी की घाटियों तथा पिट्सबर्ग के नीचे ओहियो नदी के सहारे।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. पिट्सबर्ग लौह–इस्पात प्रदेश की अवस्थिति एवं संबंधित उद्योगों का वर्णन कीजिए।

उत्तर :

- पिट्सबर्ग संयुक्त राज्य अमेरिका का एक महत्वपूर्ण इस्पात नगर है।
- यहाँ कोयला स्थानीय रूप से उपलब्ध है, जबकि लौह–अयस्क लगभग 1500 किमी दूर मिनेसोटा की लौह खानों से प्राप्त होता है।
- इन खानों और पिट्सबर्ग के बीच ग्रेट लेक्स जलमार्ग अयस्क के परिवहन का सस्ता मार्ग है।
- ग्रेट लेक्स से लौह–अयस्क रेलगाड़ियों द्वारा पिट्सबर्ग क्षेत्र तक लाया जाता है।
- ओहियो, मोनोंगहेला और एलेघेनी नदियों से पर्याप्त जल मिलता है।
- वर्तमान में यहाँ बहुत कम बड़ी इस्पात मिलें हैं।
- इस्पात के अतिरिक्त अनेक कारखाने रेल, रेल–पटरी उपकरण और भारी मशीनों के उत्पादन में इस्पात का कच्चे माल के रूप में उपयोग करते हैं।

5 मानव संसाधन

मानव संसाधन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. प्राकृतिक संसाधन लोगों के लिए कब महत्वपूर्ण बनते हैं?
(अ) जब वे बहुत अधिक मात्रा में हों
(ब) जब वे लोगों के लिए उपयोगी हों
(स) जब वे केवल शहरों में पाए जाएँ
(द) जब उनका वितरण समान हो **(ब)**

2. अंतिम संसाधन किसे कहा गया है?
(अ) जल संसाधन (ब) खनिज संसाधन
(स) मानव संसाधन (द) वन संसाधन **(स)**

रिक्तस्थान –

1. प्रकृति की देन तभी महत्वपूर्ण होती है जब वह लोगों के लिए ——— होती है।
उत्तर : उपयोगी।

2. मानव ——— ही अंतिम संसाधन है।
उत्तर : संसाधन।

3. लोग अपनी आवश्यकताओं और योग्यताओं से प्रकृति की देन को ——— में परिवर्तित करते हैं।
उत्तर : संसाधन।

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. मानव संसाधन से क्या तात्पर्य है?
उत्तर : लोगों को उनकी आवश्यकताओं और योग्यताओं के संदर्भ में संसाधन के रूप में देखा जाता है।

2. मानव संसाधन के विकास में किन लोगों की भूमिका बताई गई है?
उत्तर : स्वस्थ, शिक्षित और अभिप्रेरित लोगों की।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. मानव को अंतिम संसाधन क्यों कहा गया है?
उत्तर :
- मनुष्य अपनी आवश्यकताओं और योग्यताओं के माध्यम से प्रकृति की वस्तुओं को उपयोगी संसाधनों में परिवर्तित करता है।
- स्वस्थ, शिक्षित और अभिप्रेरित लोग अपनी आवश्यकताओं के अनुसार संसाधनों का विकास करते हैं।
- इसलिए मानव को अंतिम संसाधन कहा गया है।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. मानव संसाधन के रूप में मनुष्य की भूमिका स्पष्ट कीजिए।
उत्तर :
- प्रकृति की देन अपने आप में तब तक महत्वपूर्ण नहीं होती जब तक वह लोगों के लिए उपयोगी न हो।
- मनुष्य अपनी आवश्यकताओं और योग्यताओं के आधार पर प्रकृति की वस्तुओं को संसाधन में परिवर्तित करता है।
- इस प्रकार मानव स्वयं एक संसाधन है तथा अन्य संसाधनों के विकास में भी उसकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है।
- स्वस्थ, शिक्षित और अभिप्रेरित लोग अपनी आवश्यकताओं के अनुरूप संसाधनों का विकास करते हैं।
- इसलिए मानव संसाधन को अंतिम संसाधन माना गया है।

जनसंख्या वितरण

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. विश्व की 90 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या लगभग कितने प्रतिशत भू–भाग पर निवास करती है?
(अ) 10 प्रतिशत
(ब) 20 प्रतिशत
(स) 30 प्रतिशत
(द) 50 प्रतिशत **(स)**

2. निम्न में से कौन–सा घनी आबादी वाला क्षेत्र है?
(अ) सहारा मरुस्थल
(ब) हिमालय
(स) दक्षिण एवं दक्षिण–पूर्वी एशिया
(द) अंटार्कटिका **(स)**

रिक्तस्थान –

1. विश्व की जनसंख्या का वितरण अत्यंत ——— है।
उत्तर : असमान।

2. यूरोप एक ——— बसा हुआ क्षेत्र है।
उत्तर : घना।

3. उच्च अक्षांशीय क्षेत्रों में बहुत ——— लोग रहते हैं।
उत्तर : कम।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. जनसंख्या वितरण से क्या तात्पर्य है?

उत्तर : पृथ्वी की सतह पर जिस प्रकार लोग फैले हुए हैं, उसे जनसंख्या वितरण कहते हैं।

2. विश्व के विरल बसे क्षेत्रों के कोई दो उदाहरण दीजिए।

उत्तर : उच्च अक्षांशीय क्षेत्र और उष्णकटिबंधीय मरुस्थल।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. विश्व में जनसंख्या वितरण के प्रतिरूप का वर्णन कीजिए।

उत्तर :

- पृथ्वी की सतह पर लोगों के फैलाव को जनसंख्या वितरण कहा जाता है।
- विश्व में जनसंख्या का वितरण अत्यंत असमान है।
- विश्व की 90 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या पृथ्वी के लगभग 30 प्रतिशत भाग पर निवास करती है।
- दक्षिण और दक्षिण–पूर्वी एशिया, यूरोप तथा उत्तर–पूर्वी उत्तरी अमेरिका घने बसे क्षेत्र हैं।
- इसके विपरीत उच्च अक्षांशीय क्षेत्र, उष्णकटिबंधीय मरुस्थल, ऊँचे पर्वत तथा विषुवतीय वन बहुत कम आबादी वाले हैं।
- विश्व की कुल जनसंख्या का लगभग तीन–चौथाई भाग एशिया और अफ्रीका में निवास करता है।

जनसंख्या घनत्व

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. जनसंख्या घनत्व सामान्यतः किस इकाई में व्यक्त किया जाता है?

(अ) प्रति हेक्टेयर (ब) प्रति वर्ग किलोमीटर
(स) प्रति मीटर (द) प्रति वर्ग मीटर **(ब)**

रिक्तस्थान –

1. विश्व का औसत जनसंख्या घनत्व ––––––– व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है।

उत्तर : 51

2. सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व दक्षिण ––––––– एशिया में है।

उत्तर : मध्य।

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. जनसंख्या घनत्व का क्या अर्थ है?

उत्तर : पृथ्वी की सतह के एक इकाई क्षेत्र में रहने वाले लोगों की संख्या को जनसंख्या घनत्व कहते हैं।

2. भारत का औसत जनसंख्या घनत्व कितना दिया गया है?

उत्तर : 382 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. विश्व में जनसंख्या घनत्व के वितरण की स्थिति बताइए।

उत्तर :

- विश्व में जनसंख्या घनत्व समान नहीं है।
- सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व दक्षिण मध्य एशिया में है।
- इसके बाद पूर्वी एशिया तथा दक्षिण–पूर्वी एशिया का स्थान है।

जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले कारक

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. लोग सामान्यतः पर्वतों और पठारों की अपेक्षा कहाँ रहना पसंद करते हैं?

(अ) मरुस्थल में (ब) मैदानी भागों में
(स) ऊँचे पर्वतों पर (द) ध्रुवीय क्षेत्रों में **(ब)**

2. निम्न में से कौन–सा भौगोलिक कारक है?

(अ) धर्म (ब) शिक्षा
(स) मृदा (द) रोजगार **(स)**

3. औद्योगिक क्षेत्र लोगों को क्यों आकर्षित करते हैं?

(अ) धार्मिक कारणों से
(ब) रोजगार के अवसरों के कारण
(स) कम तापमान के कारण
(द) कम जनसंख्या के कारण **(ब)**

रिक्तस्थान –

1. लोग सामान्यतः मैदानी भागों में रहना पसंद करते हैं क्योंकि वे ––––––– के लिए उपयुक्त होते हैं।

उत्तर : खेती, विनिर्माण और सेवा क्रियाओं

2. गंगा का मैदान विश्व के सबसे अधिक ––––––– बसे क्षेत्रों में है।

उत्तर : घने।

3. अच्छे आवास, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं वाले क्षेत्र अत्यधिक ––––––– बसे होते हैं।

उत्तर : घने।

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले दो भौगोलिक कारक लिखिए।

उत्तर : स्थलाकृति और जलवायु।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. स्थलाकृति जनसंख्या वितरण को किस प्रकार प्रभावित करती है?

मिशन ज्ञान
पढ़ें अब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

उत्तर :

- लोग सामान्यतः पर्वतों और पठारों की तुलना में मैदानी क्षेत्रों में रहना पसंद करते हैं।
- मैदानी क्षेत्र खेती, विनिर्माण और सेवा क्रियाओं के लिए अधिक उपयुक्त होते हैं।
- इसलिए गंगा का मैदान घनी आबादी वाला है, जबकि एंडीज, आल्प्स और हिमालय जैसे पर्वतीय क्षेत्र विरल बसे हुए हैं।

निबंधात्मक प्रश्न–

1. जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले भौगोलिक तथा सामाजिक–सांस्कृतिक–आर्थिक कारकों की व्याख्या कीजिए।

उत्तर :

- जनसंख्या वितरण को अनेक कारक प्रभावित करते हैं।
- भौगोलिक कारकों में स्थलाकृति, जलवायु, मृदा, जल और खनिज शामिल हैं।
- मैदानी क्षेत्र खेती, विनिर्माण और सेवाओं के लिए उपयुक्त होने के कारण अधिक आबादी वाले होते हैं।
- अत्यधिक गर्म या ठंडे क्षेत्रों में लोग कम रहते हैं।
- उपजाऊ मृदा तथा आसानी से उपलब्ध जल भी लोगों को आकर्षित करते हैं।
- खनिज निक्षेप वाले क्षेत्र भी अधिक आबादी वाले हो सकते हैं।
- **सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक कारकों में** औद्योगिक क्षेत्र, धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व वाले स्थान तथा आवास, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएँ शामिल हैं। औद्योगिक क्षेत्र रोजगार के अवसर प्रदान करते हैं, जबकि धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व वाले स्थान लोगों को आकर्षित करते हैं।

जनसंख्या परिवर्तन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. जनसंख्या परिवर्तन से क्या तात्पर्य है?

(अ) जनसंख्या के वितरण में अंतर
(ब) निश्चित अवधि में लोगों की संख्या में परिवर्तन
(स) जनसंख्या का घनत्व
(द) जनसंख्या का आयु–वर्ग **(ब)**

2. 1804 में विश्व की जनसंख्या कितनी हो गई थी?

(अ) 1 अरब (ब) 2 अरब
(स) 3 अरब (द) 6 अरब **(अ)**

रिक्तस्थान –

1. जन्म और मृत्यु जनसंख्या परिवर्तन के ––––––– कारण हैं।

उत्तर : प्राकृतिक।

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. जन्म दर क्या है?

उत्तर : प्रति 1000 व्यक्तियों पर जीवित जन्मों की संख्या को जन्म दर कहते हैं।

2. मृत्यु दर क्या है?

उत्तर : प्रति 1000 व्यक्तियों पर मृतकों की संख्या को मृत्यु दर कहते हैं।

3. प्रवास किसे कहते हैं?

उत्तर : किसी विशेष क्षेत्र में लोगों के आने–जाने को प्रवास कहते हैं।

4. 1959 में विश्व की जनसंख्या कितनी हो गई?

उत्तर : 3 अरब।

5. 1999 में विश्व की जनसंख्या कितनी हो गई?

उत्तर : 6 अरब।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. 1800 तक विश्व की जनसंख्या की वृद्धि धीमी क्यों थी?

उत्तर :

- 1800 तक बड़ी संख्या में बच्चे जन्म लेते थे, लेकिन उनकी मृत्यु भी शीघ्र हो जाती थी।
- उचित स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध नहीं थीं और सभी लोगों के लिए पर्याप्त भोजन उपलब्ध नहीं था।
- किसान सभी लोगों की भोजन संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त उत्पादन करने में सक्षम नहीं थे।
- इसलिए जनसंख्या वृद्धि बहुत कम थी।

निबंधात्मक प्रश्न–

1. विश्व में जनसंख्या वृद्धि के ऐतिहासिक परिवर्तन को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :

- मानव इतिहास की लंबी अवधि में 1800 तक विश्व की जनसंख्या धीरे–धीरे बढ़ी।
- उस समय बड़ी संख्या में बच्चे जन्म लेते थे, लेकिन स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी तथा पर्याप्त भोजन उपलब्ध न होने के कारण मृत्यु भी अधिक होती थी।
- 1804 में विश्व की जनसंख्या 1 अरब हुई।
- 150 वर्ष बाद 1959 में यह 3 अरब हो गई।
- 1999 में केवल 40 वर्ष की अवधि में यह दोगुनी होकर 6 अरब हो गई।
- इस वृद्धि का मुख्य कारण खाद्य आपूर्ति और औषधियों के कारण मृत्यु दर का कम होना था, जबकि जन्म दर अभी भी अधिक थी।

जनसंख्या परिवर्तन के प्रतिरूप एवं प्रवास

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. **जनसंख्या के आकार में परिवर्तन का कारण क्या है?**
   (अ) स्थलाकृति (ब) प्रवास
   (स) मृदा (द) खनिज **(ब)**
2. **देश छोड़ने वाले लोगों को क्या कहा जाता है?**
   (अ) आप्रवासी (ब) उत्प्रवासी
   (स) निवासी (द) आश्रित **(ब)**
3. **किसी देश में आने वाले लोगों को क्या कहा जाता है?**
   (अ) उत्प्रवासी (ब) आप्रवासी
   (स) प्रवासी नहीं (द) आश्रित **(ब)**

रिक्तस्थान –

1. **संयुक्त राज्य अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में ——— प्रवास या आप्रवास द्वारा जनसंख्या बढ़ी है।**

उत्तर : आंतरिक।

2. **अंतरराष्ट्रीय प्रवास की सामान्य प्रवृत्ति में लोग कम विकसित राष्ट्रों से अधिक ——— राष्ट्रों की ओर जाते हैं।**

उत्तर : विकसित।

3. **ग्रामीण क्षेत्रों से लोग रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं की खोज में ——— क्षेत्रों की ओर जाते हैं।**

उत्तर : नगरीय।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. **अंतरराष्ट्रीय प्रवास की सामान्य प्रवृत्ति क्या है?**

उत्तर :

- लोग सामान्यतः बेहतर आर्थिक अवसरों की खोज में कम विकसित राष्ट्रों से अधिक विकसित राष्ट्रों की ओर जाते हैं।
- देशों के भीतर भी बड़ी संख्या में लोग रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं की खोज में ग्रामीण क्षेत्रों से नगरीय क्षेत्रों की ओर जाते हैं।

निबंधात्मक प्रश्न–

1. **जनसंख्या परिवर्तन में प्रवास की भूमिका स्पष्ट कीजिए।**

उत्तर :

- प्रवास जनसंख्या के आकार में परिवर्तन करने वाला एक महत्वपूर्ण कारण है।
- लोग एक देश के भीतर अथवा देशों के बीच एक स्थान से दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।
- संयुक्त राज्य अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में आंतरिक प्रवास अथवा आप्रवास द्वारा जनसंख्या बढ़ी है।
- इसके विपरीत सूडान में लोगों के बाहर जाने अथवा उत्प्रवास के कारण जनसंख्या में कमी देखी गई है।
- अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोग बेहतर आर्थिक अवसरों की खोज में कम विकसित राष्ट्रों से अधिक विकसित राष्ट्रों की ओर जाते हैं।
- देशों के भीतर रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए ग्रामीण से नगरीय क्षेत्रों की ओर प्रवास होता है।

जनसंख्या संघटन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. **निम्न में से कौन–सी जनसंख्या संघटन की विशेषता है?**
   (अ) आयु (ब) स्थलाकृति
   (स) जलवायु (द) मृदा **(अ)**

रिक्तस्थान –

1. **लोग अपनी ———, लिंग, साक्षरता स्तर, स्वास्थ्य दशाओं, व्यवसाय और आय के स्तर में एक–दूसरे से भिन्न होते हैं।**

उत्तर : आयु

2. **जनसंख्या संघटन जनसंख्या की ——— को दर्शाता है।**

उत्तर : संरचना

3. **बांग्लादेश और जापान दोनों अति ——— बसे देश हैं।**

उत्तर : घने

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. **जनसंख्या संघटन से क्या तात्पर्य है?**

उत्तर : जनसंख्या की संरचना को जनसंख्या संघटन कहा जाता है।

2. **जनसंख्या संघटन के कोई चार आधार लिखिए।**

उत्तर : आयु, लिंग, साक्षरता स्तर और स्वास्थ्य दशाएँ।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. **केवल जनसंख्या का आकार किसी देश के आर्थिक विकास को क्यों नहीं दर्शाता?**

उत्तर :

- किसी देश की जनसंख्या कितनी भी अधिक हो, उसके आर्थिक विकास का स्तर केवल जनसंख्या के आकार पर निर्भर नहीं करता।
- उदाहरण के लिए बांग्लादेश और जापान दोनों अति घने बसे देश हैं, लेकिन जापान आर्थिक रूप से बांग्लादेश से अधिक विकसित देश है।

निबंधात्मक प्रश्न–

1. **जनसंख्या संघटन के अध्ययन की आवश्यकता स्पष्ट कीजिए।**

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

उत्तर :

- किसी संसाधन के रूप में लोगों की भूमिका समझने के लिए उनकी विशेषताओं को जानना आवश्यक है।
- लोग आयु, लिंग, साक्षरता स्तर, स्वास्थ्य दशाओं, व्यवसाय और आय के स्तर में एक–दूसरे से भिन्न होते हैं।
- इन विशेषताओं के अध्ययन से जनसंख्या की संरचना समझी जाती है।
- जनसंख्या संघटन इसी संरचना को दर्शाता है।
- इसके माध्यम से यह जाना जा सकता है कि किसी देश में किस आयु के कितने लोग हैं, पुरुषों और महिलाओं की स्थिति क्या है, लोग कितने शिक्षित हैं, उनका स्वास्थ्य कैसा है तथा वे किस प्रकार के व्यवसायों में लगे हैं।

जनसंख्या पिरामिड

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. जनसंख्या पिरामिड को अन्य किस नाम से जाना जाता है?
(अ) संसाधन पिरामिड
(ब) आयु–लिंग पिरामिड
(स) आर्थिक पिरामिड
(द) घनत्व पिरामिड **(ब)**

2. जनसंख्या पिरामिड में पुरुषों और महिलाओं को किस आधार पर दिखाया जाता है?
(अ) आयु वर्ग (ब) केवल आय
(स) केवल व्यवसाय (द) केवल शिक्षा **(अ)**

3. 15 वर्ष से कम आयु के लोगों को किस वर्ग में रखा गया है?
(अ) वृद्ध आश्रित (ब) युवा आश्रित
(स) कार्यरत (द) वृद्ध कार्यरत **(ब)**

रिक्तस्थान –

1. जनसंख्या पिरामिड किसी देश की ——— संरचना को दर्शाता है।
उत्तर : आयु–लिंग

2. 65 वर्ष से अधिक आयु के लोग ——— आश्रित वर्ग में आते हैं।
उत्तर : वृद्ध

3. 15–65 वर्ष आयु वर्ग के लोगों को आर्थिक रूप से ——— वर्ग में रखा गया है।
उत्तर : सक्रिय

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. जनसंख्या पिरामिड क्या है?
उत्तर : जनसंख्या पिरामिड किसी देश की आयु–लिंग संरचना का आलेखीय निरूपण है।

2. जनसंख्या पिरामिड किन दो प्रमुख बातों को दर्शाता है?
उत्तर : विभिन्न आयु वर्गों में कुल जनसंख्या तथा पुरुषों और महिलाओं का उप–विभाजन।

3. कार्यरत आयु वर्ग कौन–सा है?
उत्तर : 15–65 वर्ष आयु वर्ग।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. जनसंख्या पिरामिड किसी देश की जनसंख्या को समझने में किस प्रकार सहायता करता है?
उत्तर :

- जनसंख्या पिरामिड विभिन्न आयु वर्गों में जनसंख्या के विभाजन को दिखाता है।
- प्रत्येक आयु वर्ग में पुरुषों और महिलाओं का उप–विभाजन भी प्रदर्शित होता है।
- इससे युवा, वृद्ध तथा कार्यरत आयु वर्गों की स्थिति और आश्रित जनसंख्या का पता लगाया जा सकता है।

निबंधात्मक प्रश्न–

1. जनसंख्या पिरामिड की संरचना एवं उपयोगिता का वर्णन कीजिए।
उत्तर :

- जनसंख्या पिरामिड किसी देश की आयु–लिंग संरचना का आलेखीय निरूपण है।
- इसमें कुल जनसंख्या को विभिन्न आयु वर्गों में विभाजित किया जाता है और प्रत्येक आयु वर्ग में पुरुषों तथा महिलाओं को अलग–अलग दिखाया जाता है।
- उदाहरण के रूप में 5–9 वर्ष तथा 10–14 वर्ष जैसे आयु वर्ग लिए जा सकते हैं।
- पिरामिड के निचले भाग में 15 वर्ष से कम आयु के बच्चों की संख्या दिखाई जाती है और यह जन्म स्तर को दर्शाती है।
- ऊपरी भाग में 65 वर्ष से अधिक आयु के वृद्ध लोगों की संख्या दिखाई जाती है।
- 15–65 वर्ष आयु के लोगों को आर्थिक रूप से सक्रिय वर्ग माना गया है।
- जिस देश में जन्म दर और मृत्यु दर दोनों अधिक हों, वहाँ पिरामिड का आधार चौड़ा और ऊपर की ओर तेजी से संकरा होता है।
- केन्या का पिरामिड इस स्थिति को दर्शाता है।
- जिन देशों में मृत्यु दर कम हो रही है, वहाँ युवा आयु वर्ग का पिरामिड चौड़ा होता है।
- भारत के पिरामिड में यह स्थिति दिखाई देती है।
- कम जन्म दर वाले जापान जैसे देशों में पिरामिड का आधार संकरा होता है और अधिक लोग वृद्ध आयु तक पहुँचते हैं।

मिशन ज्ञान
पढ़ो जहाँ चाहें, जब चाहें!

सामाजिक और राजनीतिक जीवन–3

1 भारतीय संविधान

किसी देश को संविधान की ज़रूरत क्यों पड़ती है?

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. संविधान का पहला प्रमुख उद्देश्य क्या है?
(अ) केवल चुनाव करवाना
(ब) सेना का गठन करना
(स) देश के आदर्शों और मूलभूत स्वरूप को निर्धारित करना
(द) राजनीतिक दलों की संख्या तय करना **(स)**

2. नेपाल के लोगों को नए संविधान की आवश्यकता क्यों पड़ी?
(अ) वे राजतंत्र के स्थान पर लोकतांत्रिक शासन चाहते थे।
(ब) वे देश की सीमाएँ बदलना चाहते थे।
(स) वे चुनाव समाप्त करना चाहते थे।
(द) वे राजा की शक्तियाँ बढ़ाना चाहते थे। **(अ)**

3. लोकतांत्रिक समाज में संविधान राजनेताओं की सत्ता के दुरुपयोग को किस प्रकार रोकता है?
(अ) राजनेताओं को असीमित अधिकार देकर
(ब) जनता के अधिकार समाप्त करके
(स) नियमों और मौलिक अधिकारों का निर्धारण करके
(द) न्यायालयों को समाप्त करके **(स)**

रिक्तस्थान –

1. जब एक देश पर दूसरे देश का दबदबा होता है तो उसे .... कहा जाता है।
उत्तर : 2006

2. धर्म, नस्ल, जाति, लिंग और जन्मस्थान के आधार पर भेदभाव न करना .... के अधिकार का भाग है।
उत्तर : समानता

3. बहुसंख्यकों द्वारा अल्पसंख्यकों को दबाने की स्थिति को बहुमत की .... कहा जाता है।
उत्तर : निरंकुशता

1. निम्न को सुमेलित कीजिए–

कॉलम 'अ'	कॉलम 'ब'
1. 1990	A. नेपाल में राजतंत्र समाप्त हुआ
2. 2006	B. नेपाल का नया संविधान अपनाया गया
3. 2008	C. नेपाल का पुराना संविधान बना
4. 2015	D. जनआंदोलन के कारण राजा की सत्ता समाप्त हुई

उत्तर : 1–C, 2–D, 3–A, 4–B

सत्य/असत्य प्रश्न –

1. जिन सभी देशों के पास संविधान होता है, वे सभी लोकतांत्रिक देश होते हैं।
उत्तर : असत्य

2. संविधान का एक महत्त्वपूर्ण कार्य अल्पसंख्यकों को बहुसंख्यकों की निरंकुशता से बचाना है।
उत्तर : सत्य

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. संविधान क्या है?
उत्तर : संविधान उन नियमों का लिखित दस्तावेज़ है जिन्हें किसी देश के लोग देश को चलाने की पद्धति के रूप में अपनाते हैं।

2. नेपाल का पुराना संविधान किस सिद्धांत पर आधारित था?
उत्तर : नेपाल का पुराना संविधान इस सिद्धांत पर आधारित था कि शासन की सर्वोच्च सत्ता राजा के पास रहेगी।

3. अंतर–सामुदायिक वर्चस्व से क्या आशय है?
उत्तर : जब एक समुदाय दूसरे समुदाय पर अपना दबदबा स्थापित करता है, तो उसे अंतर–सामुदायिक वर्चस्व कहते हैं।

4. **अंतःसामुदायिक वर्चस्व क्या है?**

उत्तर : जब एक ही समुदाय के कुछ लोग उसी समुदाय के दूसरे लोगों को दबाते हैं, तो उसे अंतःसामुदायिक वर्चस्व कहते हैं।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. **किसी लोकतांत्रिक देश को संविधान की आवश्यकता क्यों पड़ती है?**

उत्तर : 1. संविधान देश के आदर्श और मूलभूत स्वरूप तय करता है।
2. यह देश चलाने के नियम प्रदान करता है।
3. यह राजनीतिक व्यवस्था और सरकार का स्वरूप निर्धारित करता है।

2. **नेपाल की जनता नया संविधान क्यों चाहती थी?**

उत्तर : 1. पुराना संविधान राजतंत्र पर आधारित था।
2. सर्वोच्च सत्ता राजा के पास थी।
3. जनता लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था चाहती थी।
4. संविधान में लोकतांत्रिक आदर्शों का अभाव था।
5. नेपाल ने 2015 में नया संविधान अपनाया।

3. **बहुमत की निरंकुशता से क्या आशय है? संविधान इसे कैसे रोकता है?**

उत्तर : 1. बहुसंख्यक समूह संख्या के बल पर निर्णय लागू करता है।
2. इससे अल्पसंख्यकों की सहमति और इच्छाओं की उपेक्षा होती है।
3. संविधान अल्पसंख्यकों के अधिकारों और सुविधाओं की रक्षा करता है।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. **संविधान क्या है? इसकी आवश्यकता के कारण स्पष्ट कीजिए।** *(RBSE – 2024)*

उत्तर : संविधान–

1. देश को चलाने वाले लिखित नियमों के दस्तावेज़ को संविधान कहते हैं।

आवश्यकता–

1. यह देश के आदर्शों और मूलभूत स्वरूप को निर्धारित करता है।
2. यह राजनीतिक व्यवस्था और सरकार का स्वरूप तय करता है।
3. यह शासन चलाने और निर्णय लेने के नियम निर्धारित करता है।
4. यह सत्ता के दुरुपयोग को रोकता है।
5. यह अल्पसंख्यकों को बहुसंख्यकों के दबदबे से बचाता है।
6. यह नागरिकों के अधिकारों और स्वतंत्रता की रक्षा करता है।

Trick — नियम भी, नियंत्रण भी, संरक्षण भी

2. **किसी लोकतांत्रिक देश को संविधान की जरूरत क्यों पड़ती है?**

उत्तर : 1. देश के आदर्शों और मूलभूत स्वरूप को निर्धारित करने के लिए।
2. सरकार और राजनीतिक व्यवस्था का स्वरूप तय करने के लिए।
3. सरकार की निर्णय–प्रक्रिया के नियम निर्धारित करने के लिए।
4. निर्वाचित प्रतिनिधियों द्वारा सत्ता का दुरुपयोग रोकने के लिए।
5. अल्पसंख्यकों को बहुसंख्यकों के दबदबे से बचाने के लिए।

3. **निर्वाचित प्रतिनिधियों की शक्ति पर अंकुश न होता तो क्या होता?**

उत्तर : 1. निर्वाचित प्रतिनिधि सत्ता का मनमाना और निरंकुश प्रयोग कर सकते थे।
2. वे अपनी शक्तियों का दुरुपयोग कर सकते थे।
3. नागरिकों के साथ अन्याय और भेदभाव हो सकता था।
4. लोगों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन हो सकता था।
5. नागरिकों को अपनी स्वतंत्रता और अधिकारों से वंचित किया जा सकता था।

भारतीय संविधान – मुख्य लक्षण

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. **भारत का संविधान मतदान का अधिकार किसे प्रदान करता है?**

(अ) केवल संपन्न नागरिकों को
(ब) केवल शिक्षित नागरिकों को
(स) सभी वयस्क नागरिकों को
(द) केवल सरकारी कर्मचारियों को **(स)**

2. **कानूनों को लागू करने और शासन चलाने का कार्य कौन करता है?**

(अ) विधायिका (ब) न्यायपालिका
(स) कार्यपालिका (द) निर्वाचन आयोग **(स)**

3. भारतीय संविधान की 'अंतरात्मा' किसे कहा गया है?
(अ) नीति–निर्देशक तत्त्वों को
(ब) संघवाद को
(स) मौलिक अधिकारों के खंड को
(द) संसदीय शासन पद्धति को **(स)**

4. मौलिक अधिकारों को साकार करने में अहम भूमिका किसकी है? *(RBSE – 2026)*
(अ) विधायिका (ब) कार्यपालिका
(स) निर्वाचन आयोग (द) न्यायपालिका **(द)**

रिक्तस्थान –

1. संविधान सभा का गठन .... में किया गया था।
उत्तर : 1946

2. पंचायती राज व्यवस्था शासन का .... स्तर है।
उत्तर : तीसरा

3. सरकार के तीन अंग विधायिका, कार्यपालिका और .... हैं।
उत्तर : न्यायपालिका

4. मौलिक अधिकार नागरिकों को राज्य की सत्ता के ———————— और निरंकुश प्रयोग से बचाते हैं।
उत्तर : मनमाने।

5. संविधान के अनुसार सरकार के अंग विधायिका, ———————— एवं ———————— हैं।(वर्ष 2023)
उत्तर : कार्यपालिका एवं न्यायपालिका

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. संघवाद क्या है?
उत्तर : देश में एक से अधिक स्तरों की सरकारों की व्यवस्था को संघवाद कहते हैं। भारत में केंद्र, राज्य और पंचायती राज के स्तर पर सरकारें हैं।

2. सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार का क्या अर्थ है?
उत्तर : देश के सभी वयस्क नागरिकों को अपने प्रतिनिधियों के चुनाव में मतदान का अधिकार होना सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार कहलाता है।

3. विधायिका में कौन होते हैं?
उत्तर : विधायिका में जनता द्वारा निर्वाचित प्रतिनिधि होते हैं।

4. तेरह साल के बच्चे से कारखाने में मजदूरी करवाना किस अधिकार का उल्लंघन है? (वर्ष 2026)
उत्तर : शोषण के विरुद्ध अधिकार।
1. संविधान के अनुसार 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों को मज़दूरी पर रखना अपराध है।
2. इसलिए 13 वर्षीय बच्चे से कारखाने में मज़दूरी करवाना शोषण के विरुद्ध अधिकार का उल्लंघन है।

5. धर्मनिरपेक्षता से आप क्या समझते हैं? (वर्ष 2023)
उत्तर : धर्मनिरपेक्ष राज्य किसी भी धर्म को राजकीय धर्म के रूप में बढ़ावा नहीं देता।

7. निम्न को सुमेलित कीजिए–

कॉलम 'अ'	कॉलम 'ब'
1. संघवाद	A. राज्य द्वारा किसी धर्म को बढ़ावा न देना
2. संसदीय शासन पद्धति	B. नागरिकों को सत्ता के दुरुपयोग से सुरक्षा
3. मौलिक अधिकार	C. एक से अधिक स्तरों की सरकार
4. धर्मनिरपेक्षता	D. जनता द्वारा प्रतिनिधियों का चुनाव

उत्तर : 1–C, 2–D, 3–B, 4–A

8. निम्न को सुमेलित कीजिए–

कॉलम 'अ'	कॉलम 'ब'
1. समानता का अधिकार	A. 14 वर्ष से कम आयु के बच्चे से मज़दूरी न कराना
2. शोषण के विरुद्ध अधिकार	B. अपनी भाषा के विद्यालय खोलना
3. धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार	C. धर्म या लिंग के आधार पर भेदभाव न होना
4. सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक अधिकार	D. अपनी इच्छा का धर्म अपनाना

उत्तर : 1–C, 2–A, 3–D, 4–B

सत्य/असत्य प्रश्न –

1. संघीय व्यवस्था में राज्य सरकारों को अपनी शक्तियाँ केवल केंद्र सरकार से प्राप्त होती हैं।
उत्तर : असत्य।

2. मौलिक अधिकार नागरिकों को राज्य की सत्ता के मनमाने प्रयोग से सुरक्षा प्रदान करते हैं।
उत्तर : सत्य।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. स्वतंत्र न्यायपालिका से क्या तात्पर्य है? (वर्ष 2023)

उत्तर : 1. न्यायपालिका की शक्तियाँ विधायिका और कार्यपालिका से अलग होती हैं।
2. यह सरकार के अन्य अंगों पर अंकुश रखती है।
3. इससे सत्ता का संतुलन बना रहता है।
4. यह नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करती है।

Trick "न्याय रहे स्वतंत्र और साफ, सत्ता पर अंकुश, अधिकारों का बचाव।"

2. भारतीय संविधान में संघीय व्यवस्था की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर : 1. संघवाद में एक से अधिक स्तरों की सरकारें होती हैं।
2. भारत में केंद्र, राज्य और पंचायती राज–तीन स्तर हैं।
3. राज्यों को कुछ विषयों पर स्वायत्त अधिकार प्राप्त हैं।
4. राष्ट्रीय महत्त्व के विषयों पर केंद्र के कानून मानने पड़ते हैं।
5. सरकारों की शक्तियाँ संविधान से मिलती हैं।

3. संसदीय शासन पद्धति की प्रमुख विशेषताएँ बताइए।

उत्तर : 1. प्रतिनिधियों का चुनाव जनता करती है।
2. सभी वयस्क नागरिकों को मतदान का अधिकार है।
3. लोगों की चुनाव में सीधी भूमिका होती है।
4. प्रत्येक व्यक्ति चुनाव लड़ सकता है।
5. निर्वाचित प्रतिनिधि जनता के प्रति जवाबदेह होते हैं।

Trick "चु–म–भा–ल–ज"

चु = जनता द्वारा चुनाव
म = वयस्कों को मतदान
भा = चुनाव में भागीदारी
ल = चुनाव लड़ने का अधिकार
ज = जनता के प्रति जवाबदेही

4. शक्तियों के बँटवारे से क्या आशय है? इसका महत्त्व बताइए।

उत्तर : सरकार के तीन अंग–
विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका हैं।
1. विधायिका कानून बनाती है।
2. कार्यपालिका कानून लागू करती है।
3. न्यायपालिका न्यायालयों की व्यवस्था है।
4. शक्तियों के बँटवारे से सत्ता का दुरुपयोग रुकता और संतुलन बना रहता है।

5. मौलिक अधिकारों का महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : 1. मौलिक अधिकार संविधान की 'अंतरात्मा' कहलाते हैं।
2. ये नागरिकों को राज्य की मनमानी और निरंकुश सत्ता से बचाते हैं।
3. ये अल्पसंख्यकों को बहुसंख्यकों के दबदबे से सुरक्षा देते हैं।
4. ये सभी संस्थाओं के लिए बाध्यकारी हैं।
5. उल्लंघन होने पर नागरिक अदालत में जा सकता है

6. भारतीय संविधान में धर्मनिरपेक्षता का क्या अर्थ है?

उत्तर : 1. राज्य किसी धर्म को राजकीय धर्म के रूप में बढ़ावा नहीं देता।
2. सभी नागरिकों को धार्मिक स्वतंत्रता प्राप्त है।
3. प्रत्येक व्यक्ति अपनी इच्छा का धर्म अपना सकता है।
4. व्यक्ति अपने धर्म का प्रचार–प्रसार कर सकता है।
5. धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं किया जा सकता।

7. "लोकतंत्र के लिए न्यायपालिका का स्वतंत्र होना आवश्यक है।" तर्क दीजिए। (मॉडल पेपर 2026)

उत्तर : 1. न्यायपालिका की शक्तियाँ विधायिका और कार्यपालिका से अलग होती हैं।
2. यह सरकार के दूसरे अंगों पर अंकुश रखती है।
3. यह सत्ता के दुरुपयोग को रोकती है।
4. इससे सत्ता का संतुलन बना रहता है।
5. यह नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करती है।

8. "मौलिक अधिकारों वाला खंड भारतीय संविधान की अंतरात्मा है।" स्पष्ट कीजिए। (मॉड्ल पेपर 2026)

उत्तर : 1. मौलिक अधिकार नागरिकों को मनमानी और निरंकुश सत्ता से बचाते हैं।
2. ये नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करते हैं।
3. ये अल्पसंख्यकों को बहुसंख्यकों के दबदबे से सुरक्षा देते हैं।
4. ये सभी संस्थाओं के लिए बाध्यकारी हैं।
5. उल्लंघन होने पर नागरिक अदालत में जा सकता है।

9. धर्मनिरपेक्षता क्या है? लोकतांत्रिक देश के लिए यह क्यों आवश्यक है? (मॉड्ल पेपर 2026)

उत्तर : अर्थ–
1. धर्मनिरपेक्ष राज्य किसी धर्म को राजकीय धर्म के रूप में बढ़ावा नहीं देता।

आवश्यकता–
1..सभी नागरिकों को धार्मिक स्वतंत्रता प्राप्त होती है।
2. प्रत्येक व्यक्ति अपनी इच्छा का धर्म अपना और प्रचार–प्रसार कर सकता है।
3. धार्मिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा होती है।

मिशन ज्ञान
पढ़ो जब चाहो, जहाँ चाहो, जैसे चाहो!

4. धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं किया जा सकता।

9. धर्म को राज्य से अलग रखना महत्त्वपूर्ण क्यों है? (वर्ष 2026)

उत्तर : 1. राज्य किसी धर्म को राजकीय धर्म के रूप में बढ़ावा नहीं देता।
2. सभी नागरिकों को धार्मिक स्वतंत्रता मिलती है।
3. व्यक्ति अपनी इच्छा का धर्म अपना और प्रचार–प्रसार कर सकता है।
4. धार्मिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा होती है।
5. धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं किया जा सकता।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. समानता के अधिकार की व्याख्या कीजिए। (मॉड्ल पेपर 2025)

उत्तर : 1. कानून की नज़र में सभी लोग समान हैं।
2. देश का कानून सभी लोगों को समान सुरक्षा प्रदान करता है।
3. धर्म, जाति या लिंग के आधार पर किसी नागरिक के साथ भेदभाव नहीं किया जा सकता।
4. खेल के मैदान, होटल और दुकान जैसे सार्वजनिक स्थानों पर सभी को समान पहुँच का अधिकार है।
5. रोज़गार के मामले में राज्य किसी के साथ भेदभाव नहीं कर सकता।
6. छुआछूत की प्रथा का उन्मूलन कर दिया गया है।

2. भारतीय संविधान में धर्मनिरपेक्षता को किस प्रकार समझाया गया है? (मॉड्ल पेपर 2025)

उत्तर : 1. धर्मनिरपेक्ष राज्य किसी भी धर्म को राजकीय धर्म के रूप में बढ़ावा नहीं देता।
2. सभी नागरिकों को धार्मिक स्वतंत्रता प्राप्त है।
3. प्रत्येक व्यक्ति को अपनी इच्छा का धर्म अपनाने और उसका प्रचार–प्रसार करने का अधिकार है।

3. प्रतिष्ठा एवं समतापरक व्यवहार के लिए प्रयोग किए जाने वाले दो मौलिक अधिकार बताइए। (मॉड्ल पेपर 2024)

उत्तर : समानता का अधिकार–
1. कानून की नज़र में सभी लोग समान हैं।
2. धर्म, जाति या लिंग के आधार पर किसी नागरिक के साथ भेदभाव नहीं किया जा सकता।
3. सभी लोगों को कानून का समान संरक्षण प्राप्त है।

स्वतंत्रता का अधिकार–
1. नागरिकों को अभिव्यक्ति और भाषण की स्वतंत्रता प्राप्त है।
2. नागरिकों को देश के किसी भी भाग में आने–जाने और रहने की स्वतंत्रता है।
3. नागरिकों को कोई भी व्यवसाय, पेशा या कारोबार करने का अधिकार है।

2 धर्मनिरपेक्षता की समझ

धर्मनिरपेक्षता क्या है और धर्म को राज्य से अलग रखना महत्वपूर्ण क्यों है?

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. लोकतांत्रिक देश में धर्म को राज्य से अलग रखना क्यों आवश्यक है?

(अ) धार्मिक अल्पसंख्यकों को दबाने से रोकने के लिए
(ब) सभी धार्मिक गतिविधियों को बंद करने के लिए
(स) केवल बहुसंख्यक समुदाय को अधिकार देने के लिए
(द) सरकारी संस्थानों को निजी बनाने के लिए

(अ)

2. बहुमत की निरंकुशता का सबसे अधिक प्रभाव किस पर पड़ सकता है?

(अ) सरकारी अधिकारियों पर
(ब) बहुसंख्यक धार्मिक समुदाय पर
(स) धार्मिक अल्पसंख्यकों पर
(द) निजी विद्यालयों पर **(स)**

3. धार्मिक चुनाव की स्वतंत्रता में क्या शामिल है?

(अ) केवल जन्म से प्राप्त धर्म को मानना
(ब) किसी धर्म की केवल एक व्याख्या स्वीकार करना
(स) धर्म बदलना या धार्मिक उपदेशों की अलग व्याख्या करना
(द) दूसरे धर्म के लोगों को रोकना

(स)

4. धर्म के आधार पर किया गया भेदभाव किसका उल्लंघन है?

(अ) आर्थिक संसाधनों का (ब) नागरिकों के मौलिक अधिकारों का
(स) धार्मिक बहुमत का (द) सरकारी छुट्टियों का **(ब)**

रिक्त स्थान–

1. लोकतांत्रिक समाज में लोगों के धार्मिक ———————— के अधिकार की रक्षा करना आवश्यक है।

उत्तर : चुनाव

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. बहुमत की निरंकुशता से क्या अभिप्राय है?

उत्तर : बहुसंख्यक समुदाय द्वारा राज्य की सत्ता और आर्थिक संसाधनों से अल्पसंख्यकों को दबाना या भेदभाव करना बहुमत की निरंकुशता कहलाता है।

2. धार्मिक चुनाव का अधिकार क्या है?

उत्तर : एक धर्म छोड़कर दूसरा धर्म अपनाने या धार्मिक उपदेशों की अलग व्याख्या करने की स्वतंत्रता धार्मिक चुनाव का अधिकार है।

3. व्याख्या की स्वतंत्रता से क्या आशय है?

उत्तर : अपने धर्म की समझ और अर्थ स्वयं तय करने की छूट व्याख्या की स्वतंत्रता कहलाती है।

4. धर्मनिरपेक्षता से आप क्या समझते हैं? (मॉडल पेपर 2023)

उत्तर : धर्म और राज्य की शक्ति को अलग रखने की अवधारणा धर्मनिरपेक्षता कहलाती है।

निम्न को सुमेलित कीजिए–

1.

स्तंभ - अ	स्तंभ - ब
1. धर्मनिरपेक्षता	A. धार्मिक अल्पसंख्यकों का दमन
2. बहुमत की निरंकुशता	B. धार्मिक अल्पसंख्यकों का दमन
3. धार्मिक चुनाव	C. धर्म बदलने की स्वतंत्रता
4. मौलिक अधिकार	D. नागरिकों की स्वतंत्रता और सुरक्षा

उत्तर : 1-B,2-A,3-C,4-D

2.

स्तंभ - अ	स्तंभ - ब
1. धार्मिक भेदभाव	A. अपने धर्म का अर्थ स्वयं तय करना
2. व्याख्या की स्वतंत्रता	B. मौलिक अधिकारों का उल्लंघन
3. लोकतांत्रिक समाज	C. अनेक धर्मों के लोगों का साथ रहना
4. राज्य और धर्म का पृथक्करण	D. धार्मिक वर्चस्व को रोकना

उत्तर : 1-B,2-A,3-C,4-D

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

सत्य/असत्य प्रश्न –

1. धर्मनिरपेक्षता का अर्थ किसी एक धर्म को राज्य का धर्म बनाना है।

उत्तर : असत्य।

2. धर्म को राज्य से अलग रखने से लोगों के धार्मिक चुनाव के अधिकार की रक्षा होती है।

उत्तर : सत्य।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. धर्म को राज्य से अलग रखना क्यों आवश्यक है?

उत्तर : 1. प्रत्येक देश में अनेक धर्मों के लोग रहते हैं।
2. बहुसंख्यक समुदाय राज्य की सत्ता का दुरुपयोग कर सकता है।
3. धार्मिक अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव और जोर–जबरदस्ती हो सकती है।
4. उन्हें अपने धर्म के अनुसार जीवन जीने से रोका जा सकता है।
5. पृथक्करण मौलिक अधिकारों और धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा करता है

2. बहुमत की निरंकुशता के क्या परिणाम हो सकते हैं?

उत्तर : 1. धार्मिक अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव हो सकता है।
2. राज्य की सत्ता और आर्थिक संसाधनों का दुरुपयोग हो सकता है।
3. अल्पसंख्यकों के साथ जोर–जबरदस्ती की जा सकती है।
4. उन्हें अपने धर्म के अनुसार जीवन जीने से रोका जा सकता है।
5. उनके मौलिक अधिकारों का हनन हो सकता है

3. धार्मिक चुनाव के अधिकार का क्या महत्त्व है?

उत्तर : 1. व्यक्ति अपनी पसंद का धर्म मान सकता है।
2. वह एक धर्म छोड़कर दूसरा धर्म अपना सकता है।
3. वह धार्मिक उपदेशों की अलग व्याख्या कर सकता है।
4. वह अनुचित धार्मिक प्रथाओं को बदल सकता है।
5. इससे धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा होती है।

Trick धर्म चुनो, धर्म बदलो; गलत व्याख्या और प्रथा को बदलो।"

4. छुआछूत के उदाहरण से धार्मिक चुनाव और व्याख्या की स्वतंत्रता की आवश्यकता कैसे स्पष्ट होती है?

उत्तर : 1. कुछ लोग छुआछूत को उचित मान सकते हैं।
2. दूसरे लोग इस प्रथा को बदलना चाह सकते हैं।
3. प्रभुत्वशाली धार्मिक समुदाय परिवर्तन का विरोध कर सकता है।
4. वह केवल एक व्याख्या को सही ठहरा सकता है।
5. इसलिए अलग व्याख्या और अनुचित प्रथाओं को बदलने की स्वतंत्रता आवश्यक है।

5. धर्मनिरपेक्षता से आप क्या समझते हैं? लोकतांत्रिक देश के लिए यह क्यों आवश्यक है? (मॉडल पेपर 2026)

उत्तर : 1 धर्म और राज्य की शक्ति को अलग रखना धर्मनिरपेक्षता कहलाती है।
2 प्रत्येक नागरिक को धार्मिक विश्वासों की स्वतंत्रता होती है।
3 यह बहुसंख्यक धार्मिक समुदाय की निरंकुशता को रोकती है।
4 यह धार्मिक अल्पसंख्यकों और मौलिक अधिकारों की रक्षा करती है।
5 यह धर्म बदलने और धार्मिक उपदेशों की अलग व्याख्या की स्वतंत्रता देती है।

6. धर्म को राज्य से अलग रखना महत्त्वपूर्ण क्यों है? (मॉडल पेपर 2026)

उत्तर : 1 बहुसंख्यक समुदाय राज्य की सत्ता का दुरुपयोग कर सकता है।
2 धार्मिक अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव हो सकता है।
3 धर्म के आधार पर भेदभाव मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है।
4 इससे धार्मिक चुनाव के अधिकार की रक्षा होती है।
5 धार्मिक उपदेशों की अलग व्याख्या का अधिकार सुरक्षित रहता है।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. धर्मनिरपेक्षता की अवधारणा का अर्थ एवं वर्तमान में इसकी प्रासंगिकता लिखिए। (मॉड्ल पेपर 2024)

उत्तर : **1.** धर्म और राज्य की शक्ति को अलग रखना धर्मनिरपेक्षता कहलाती है।
2. राज्य किसी धर्म को विशेष प्राथमिकता नहीं देता।
3. वर्तमान में इसकी प्रासंगिकता
4. यह धार्मिक वर्चस्व और बहुमत की निरंकुशता को रोकती है।
5. यह अल्पसंख्यकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करती है।
6. यह धार्मिक सहिष्णुता और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देती है।
7. यह छुआछूत जैसी भेदभावपूर्ण प्रथाओं को समाप्त करने में सहायता करती है।
8. यह धार्मिक सहिष्णुता और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देती है।

पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

भारतीय धर्मनिरपेक्षता क्या है?

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. भारतीय संविधान के अनुसार भारतीय राज्य कैसा रहेगा?
(अ) धार्मिक राज्य (ब) राजतांत्रिक राज्य
(स) धर्मनिरपेक्ष राज्य (द) किसी एक समुदाय का राज्य **(स)**

2. भारतीय धर्मनिरपेक्ष राज्य का प्रमुख उद्देश्य क्या है?
(अ) किसी एक धर्म को बढ़ावा देना
(ब) धार्मिक वर्चस्व को रोकना
(स) निजी विद्यालयों को नियंत्रित करना
(द) सभी धार्मिक समुदायों को समाप्त करना **(ब)**

3. सरकारी विद्यालय में किसी एक धर्म का त्योहार आयोजित क्यों नहीं किया जाता?
(अ) त्योहारों पर सरकारी छुट्टी नहीं होती
(ब) विद्यार्थियों को त्योहार पसंद नहीं होते
(स) सरकारी संस्था किसी एक धर्म को विशेष महत्त्व नहीं दे सकती
(द) केवल निजी विद्यालय त्योहार मनाते हैं **(स)**

4. पगड़ी पहनने वाले सिख व्यक्ति को हेलमेट पहनने से छूट देना किस नीति
(अ) हस्तक्षेप की नीति
(ब) अहस्तक्षेप की नीति
(स) धार्मिक वर्चस्व की नीति
(द) आर्थिक सहायता की नीति **(ब)**

5. छुआछूत पर प्रतिबंध लगाना भारतीय राज्य के किस तरीके का उदाहरण है?
(अ) धर्म से दूरी (ब) सहायता
(स) हस्तक्षेप (द) धार्मिक समर्थन **(स)**

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. भारतीय धर्मनिरपेक्ष राज्य का एक प्रमुख उद्देश्य बताइए।
उत्तर : कोई धार्मिक समुदाय दूसरे धार्मिक समुदाय को न दबाए।

2. सरकारी संस्थाएँ किसी एक धर्म को बढ़ावा क्यों नहीं देतीं?
उत्तर : क्योंकि भारतीय राज्य सभी धर्मों के साथ समान व्यवहार करता है।

3. अहस्तक्षेप की नीति क्या है?
उत्तर : धार्मिक क्रियाकलापों में दखल न देने की नीति अहस्तक्षेप कहलाती है।

4. राज्य धर्म में कब हस्तक्षेप करता है?
उत्तर : जब धार्मिक प्रथा भेदभाव या मौलिक अधिकारों का हनन

5. संविधान ने छुआछूत के संबंध में क्या व्यवस्था की है? (मॉडल पेपर 2025)
उत्तर : संविधान ने छुआछूत पर पाबंदी लगाई है।

रिक्तस्थान –

1. भारतीय राज्य न तो किसी खास धर्म को थोपता है और न ही लोगों की धार्मिक ———————— छीनता है।
उत्तर : स्वतंत्रता

2. भारतीय राज्य की बागडोर किसी एक धार्मिक ———————— के हाथों में नहीं है।
उत्तर : समूह

3. छुआछूत को समाप्त करने के लिए राज्य ने धार्मिक मामलों में ———————— किया।
उत्तर : हस्तक्षेप

4. भारतीय धर्मनिरपेक्षता में राज्य धर्म से ———————— दूरी रखता है।
उत्तर : सैद्धांतिक

निम्न को सुमेलित कीजिए–

1. उचित विकल्पों का मिलान कीजिए।

स्तंभ - अ	स्तंभ - ब
1. धर्म से दूरी	A. पगड़ी पहनने वाले सिख को हेलमेट से छूट
2. अहस्तक्षेप	B. किसी एक धर्म का समर्थन न करना
3. हस्तक्षेप	C. धार्मिक समुदायों को सीमित आर्थिक सहायता
4. सहायता	D. छुआछूत पर प्रतिबंध

उत्तर : 1-B, 2-A, 3-D,4-C

2. उचित विकल्पों का मिलान कीजिए।

स्तंभ - अ	स्तंभ - ब
1. सरकारी विद्यालय	A. धार्मिक मामलों में स्पष्ट अलगाव
2. भारतीय धर्मनिरपेक्षता	B. किसी एक धर्म का उत्सव आयोजित नहीं करता
3. अमेरिकी धर्मनिरपेक्षता	C. धर्म से सैद्धांतिक दूरी
4. छुआछूत	D. मौलिक अधिकारों का हनन करने वाली प्रथ

उत्तर : 1-B, 2-C, 3-A,4-D

सत्य/असत्य प्रश्न –

1. भारतीय राज्य किसी एक विशेष धर्म को राजकीय समर्थन देता है।
उत्तर : असत्य।

2. भारतीय धर्मनिरपेक्षता में संविधान के आदर्शों की रक्षा के लिए राज्य धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप कर सकता है।

उत्तर : सत्य।

3. भारतीय संविधान ने अस्पृश्यता अथवा छुआछूत पर पाबंदी लगाई है। (मॉड़ल पेपर 2026)

उत्तर : सत्य।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. भारतीय धर्मनिरपेक्ष राज्य के तीन प्रमुख उद्देश्यों को लिखिए।

उत्तर : 1. कोई धार्मिक समुदाय दूसरे धार्मिक समुदाय को न दबाए।
2. एक ही धर्म के लोग अपने धर्म के अन्य सदस्यों को न दबाएँ।
3. एक ही धर्म के लोग अपने धर्म के अन्य सदस्यों को न दबाएँ।

2. भारतीय राज्य धार्मिक वर्चस्व को रोकने के लिए किन तरीकों से काम करता है?

उत्तर : 1. राज्य किसी एक धर्म का समर्थन या प्रचार नहीं करता।
2. वह अहस्तक्षेप की नीति अपनाता है।
3. मौलिक अधिकारों का हनन करने वाली प्रथाओं में हस्तक्षेप करता है।
4. धार्मिक समुदायों को स्कूल और कॉलेज खोलने का अधिकार देता है।
5. उन्हें गैर–प्राथमिकता के आधार पर आर्थिक सहायता दी जा सकती है।

Trick "स–अ –ह –शि –आ"

3. सरकारी विद्यालयों को किसी एक धर्म को बढ़ावा क्यों नहीं देना चाहिए?

उत्तर : 1. सरकारी विद्यालयों में अनेक धर्मों के विद्यार्थी पढ़ते हैं।
2. सरकारी संस्था किसी धर्म को विशेष महत्त्व नहीं दे सकती।
3. धार्मिक उत्सव का आयोजन किसी एक धर्म को बढ़ावा दे सकता है।
4. यह सभी धर्मों के साथ समान व्यवहार की नीति के विरुद्ध है।

Trick "अ –नि –उ –स"

4. अहस्तक्षेप और हस्तक्षेप की नीतियों को उदाहरण सहित समझाइए।

उत्तर : 1. अहस्तक्षेप में राज्य धार्मिक क्रियाकलापों में दखल नहीं देता।
2. सिख व्यक्ति को हेलमेट से छूट इसका उदाहरण है।
3. हस्तक्षेप में राज्य अलगाव और भेदभाव को रोकता है।
4. राज्य मौलिक अधिकारों का हनन करने वाली प्रथाओं को रोकता है।
5. छुआछूत पर प्रतिबंध इसका उदाहरण है।

5. भारतीय और अमेरिकी धर्मनिरपेक्षता में क्या अंतर है?

उत्तर : 1. अमेरिका में राज्य और धर्म के बीच स्पष्ट पृथक्करण है।
2. वहाँ दोनों एक–दूसरे के मामलों में हस्तक्षेप नहीं करते।
3. भारत में राज्य धर्म से सैद्धांतिक दूरी रखता है।
4. संविधान के आदर्शों की रक्षा के लिए राज्य हस्तक्षेप कर सकता है।
5. छुआछूत पर प्रतिबंध इसका उदाहरण है।

6. भारतीय संविधान में धर्मनिरपेक्षता को किस प्रकार समझाया गया है? (मॉड़ल पेपर 2025)

उत्तर : 1. भारतीय संविधान के अनुसार भारतीय राज्य धर्मनिरपेक्ष रहेगा। धर्मनिरपेक्ष राज्य के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं–
- कोई एक धार्मिक समुदाय दूसरे धार्मिक समुदाय पर वर्चस्व न रखे।
- एक ही धर्म के कुछ लोग अपने धर्म के अन्य सदस्यों को न दबाएँ।
- राज्य किसी विशेष धर्म को नागरिकों पर न थोपे।
- राज्य लोगों की धार्मिक स्वतंत्रता न छीने।
- राज्य किसी एक धर्म का समर्थन या प्रचार न करे।
- संविधान में दिए गए आदर्शों और मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए आवश्यकता पड़ने पर राज्य धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप करे।

2. भारतीय राज्य धार्मिक वर्चस्व को रोकने के लिए निम्नलिखित तरीके अपनाता है–
- धर्म से दूरी
- अहस्तक्षेप की नीति
- संविधान के सिद्धांतों के आधार पर हस्तक्षेप
- धार्मिक समुदायों को सीमित आर्थिक सहायता

Trick **"न धर्म का वर्चस्व, न राज्य का दबाव; दूरी और स्वतंत्रता रहे, अन्याय पर हस्तक्षेप हो।"**

मिशन ज्ञान
पढ़ें मन चाहे, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

3 संसद तथा कानूनों का निमार्ण

लोगों को फ़ैसला क्यों लेना चाहिए? तथा लोग और उनके प्रतिनिधि

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने 1885 में क्या माँग की थी?
(अ) निर्वाचित सदस्य न हों
(ब) निर्वाचित सदस्यों को बजट पर चर्चा और प्रश्न पूछने का अधिकार मिले
(स) सभी वयस्कों को मतदान का अधिकार मिले
(द) आम लोगों को निर्णय प्रक्रिया से रोका जाए **(ब)**

2. गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट किस वर्ष बनाया गया था?
(अ) 1947 (ब) 1885
(स) 1909 (द) 2004 **(स)**

3. सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार का क्या अर्थ है?
(अ) केवल निर्वाचित प्रतिनिधियों को मतदान का अधिकार
(ब) केवल विधायिका के सदस्यों को मतदान का अधिकार
(स) देश के सभी वयस्क नागरिकों को मतदान का अधिकार
(द) केवल संसद के सदस्यों को मतदान का अधिकार **(स)**

4. जनता द्वारा चुने गए सभी प्रतिनिधियों के समूह को क्या कहा जाता है?
(अ) सरकार (ब) संसद
(स) कार्यपालिका (द) राज्य सभा **(ब)**

5. लोकतंत्र का प्रस्थानबिंदु किस विचार को माना गया है?
(अ) स्वीकृति (ब) गठबंधन
(स) सहमति (द) आलोचना **(स)**

रिक्तस्थान –

1. स्वतंत्र भारत में सरकार को लोगों की आवश्यकताओं और माँगों के प्रति ––––––––––– रहना आवश्यक है।
उत्तर : संवेदनशील

2. जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों का समूह सरकार को नियंत्रित करता है और उसका ––––––––––– करता है।
उत्तर : मार्गदर्शन

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. औपनिवेशिक शासन में लोग सरकार के निर्णयों की खुलकर आलोचना क्यों नहीं कर पाते थे?
उत्तर : सरकार की आलोचना करने पर उन्हें भारी खतरों का सामना करना पड़ता था।

2. नागरिक सरकार को अपनी स्वीकृति किस प्रकार देते हैं?
उत्तर : नागरिक चुनाव में मतदान करके अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करते हैं।

3. प्रतिनिधिमूलक लोकतंत्र में लोग निर्णय प्रक्रिया में किस प्रकार भाग लेते हैं?
उत्तर : लोग प्रत्यक्ष रूप से भाग न लेकर अपने निर्वाचित प्रतिनिधियों के माध्यम से निर्णय प्रक्रिया में भाग लेते हैं।

निम्न को सुमेलित कीजिए–

1.

स्तंभ -अ	स्तंभ - ब
1. 15 अगस्त 1947	A. निर्वाचित प्रतिनिधियों का समूह
2. सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार	B. भारत की स्वतंत्रता
3. संसद	C. चाह, स्वीकृति और हिस्सेदारी
4. सहमति	D. सभी वयस्क नागरिकों को मतदान का अधिकार

2.

स्तंभ -अ	स्तंभ - ब
1. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की माँ	A.1909
2. गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट	B. सरकार का गठन
3. निर्वाचित प्रतिनिधि	C. बजट पर चर्चा और प्रश्न पूछने का अधिकार
4. जनता का निर्णय	D. संसद के लिए चुने गए सदस्य

उत्तर : 1-C, 2-A, 3-D, 4-B

सत्य/असत्य प्रश्न –

1. ब्रिटिश शासन के अंतर्गत बनी शुरुआती विधायिकाओं में सभी वयस्कों को मतदान का अधिकार प्राप्त था।
उत्तर : असत्य

2. निर्वाचित प्रतिनिधियों के माध्यम से लोग सरकार बनाते हैं और उस पर नियंत्रण रखते हैं।
उत्तर : सत्य

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. स्वतंत्रता आंदोलन ने निर्णय प्रक्रिया में लोगों की भूमिका को किस प्रकार बदला?

उत्तर : 1. औपनिवेशिक शासन में लोग सरकार से भयभीत रहते थे।
2. राष्ट्रवादी खुलकर ब्रिटिश सरकार की आलोचना करने लगे।
3. उन्होंने अपनी माँगें सरकार के सामने रखीं।
4. जनता की निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी का विचार मजबूत हुआ।

Trick "भा–आ–माँ–भा"

2. स्वतंत्र भारत में लोगों को निर्णय प्रक्रिया में भाग लेने का अधिकार क्यों दिया गया?

उत्तर : 1. स्वतंत्रता संघर्ष में समाज के विभिन्न वर्गों ने भाग लिया।
2. लोग स्वतंत्रता, समानता और हिस्सेदारी से प्रेरित थे।
3. सभी लोग अपने जीवन से जुड़े निर्णय लेने में सक्षम हैं।
4. इसलिए सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार अपनाया गया।

3. लोकतंत्र में सहमति का क्या महत्त्व है?

उत्तर : 1. सहमति लोकतंत्र का प्रस्थानबिंदु है।
2. इसका अर्थ चाह, स्वीकृति और भागीदारी है।
3. लोगों का निर्णय लोकतांत्रिक सरकार का गठन करता है।
4. इससे सार्वजनिक संस्थाओं में विश्वास बना रहता है।

Trick "चा–स्वी–भा–सर–वि"

4. लोगों और उनके प्रतिनिधियों के बीच संबंध स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : 1. लोग चुनाव द्वारा अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करते हैं।
2. निर्वाचित प्रतिनिधियों का एक समूह सरकार बनाता है।
3. सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों के समूह को संसद कहते हैं।
4. संसद सरकार को नियंत्रित और मार्गदर्शन करती है।

5. प्रतिनिधिमूलक लोकतंत्र की मुख्य विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर : 1. लोग सभी निर्णयों में प्रत्यक्ष भाग नहीं लेते।
2. वे चुनाव से अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करते हैं।
3. प्रतिनिधि पूरी जनता के लिए निर्णय लेते हैं।
4. सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार इसका आवश्यक आधार है।

Trick "प्र–चु–नि–म"

निबंधात्मक प्रश्न –

1. सरकार की कार्यवाहियों पर अपनी सहमति एवं असहमति व्यक्त करने के लिए चुनाव के अतिरिक्त आप किन–किन तरीकों का उपयोग करेंगे? समझाइए। (मॉड्ल पेपर 2026)

उत्तर : 1 चुनाव के अतिरिक्त नागरिक निम्नलिखित तरीकों से अपनी सहमति या असहमति व्यक्त कर सकते हैं–

- **जनसभाएँ एवं प्रदर्शन**– सरकारी नीतियों के संबंध में अपनी राय व्यक्त करने के लिए जनसभाएँ, विरोध मार्च और प्रदर्शन आयोजित करना।
- **समाचार–पत्र** – लेख और संपादकीय के माध्यम से अपनी राय प्रकट करना।
- **टेलीविजन एवं रेडियो** – समाचार रिपोर्टों और रेडियो प्रसारणों के माध्यम से जनमत सामने लाना।
- **संवाददाता सम्मेलन**– किसी सरकारी निर्णय या विधेयक से संबंधित सुझाव और आपत्तियाँ सार्वजनिक करना।
- **याचिका एवं ऑनलाइन अभियान**– ऑनलाइन याचिका चलाकर संसद पर दबाव बनाना।
- **न्यायालय की शरण**– किसी कानून को संविधान–विरोधी मानने पर अदालत में चुनौती देना।
- इस प्रकार लोकतंत्र में नागरिकों की भूमिका केवल मतदान तक सीमित नहीं रहती।

संसद की भूमिका

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. भारतीय संसद के दो सदन कौन–से हैं?
(अ) विधानसभा और विधान परिषद
(ब) लोक सभा और राज्य सभा
(स) न्यायपालिका और कार्यपालिका
(द) पंचायत और नगरपालिका **(ब)**

2. लोक सभा में निर्वाचित सदस्यों की कुल संख्या कितनी है?

मिशन ज्ञान
पढ़ो जब चाहो, जहाँ चाहो, जैसे चाहो!

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

(अ) 250 (ब) 233

(स) 543 (द) 272 **(स)**

3. लोक सभा में सरकार बनाने के लिए किसी दल या गठबंधन को कम–से–कम कितने सदस्यों का समर्थन चाहिए?

(अ) 250 (ब) 272

(स) 233 (द) 543 **(ब)**

4. राज्य सभा के सभापति कौन होते हैं?

(अ) भारत के राष्ट्रपति

(ब) लोक सभा अध्यक्ष

(स) भारत के उपराष्ट्रपति

¼n½ çèkkueah **(स)**

5. संसद में प्रश्नकाल का मुख्य उद्देश्य क्या है?

(अ) राष्ट्रीय सरकार का चुनाव करना

(ब) कानून बनाना

(स) सरकार के कामकाज की जानकारी प्राप्त करना

(द) गठबंधन बनाना **(स)**

6. लोक सभा में सत्ताधारी दल का मुखिया होता है– (मॉड्ल पेपर 2024)

(अ) राष्ट्रपति (ब) प्रधानमंत्री

(स) राज्यपाल (द) मुख्यमंत्री **(ब)**

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. संसद क्या है?

उत्तर : भारतीय संसद देश की सर्वोच्च कानून निर्मात्री संस्था है। इसमें राष्ट्रपति तथा दो सदन–राज्य सभा और लोक सभा–होते हैं।

2. गठबंधन सरकार कब बनती है?

उत्तर : जब किसी एक राजनीतिक दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलता, तब कई दल मिलकर गठबंधन सरकार बनाते हैं।

3. कार्यपालिका किसे कहा जाता है?

उत्तर : संसद द्वारा बनाए गए कानूनों को लागू करने वाले लोगों के समूह को कार्यपालिका कहा जाता है।

4. राज्य सभा मुख्य रूप से किसका प्रतिनिधित्व करती है?

उत्तर : राज्य सभा मुख्य रूप से देश के राज्यों का प्रतिनिधित्व करती है।

5. प्रश्नकाल क्या है?

उत्तर : संसद की वह व्यवस्था जिसमें सांसद सरकार के कामकाज से संबंधित प्रश्न पूछते हैं, प्रश्नकाल कहलाती है।

रिक्तस्थान –

1. सामान्यतः लोक सभा के चुनाव प्रत्येक ———————— वर्ष में कराए जाते हैं।

उत्तर : पाँच

2. संसद के लिए चुने गए प्रतिनिधि ———————— कहलाते हैं।

उत्तर : सांसद

3. भारत का प्रधानमंत्री लोक सभा में ———————— दल का मुखिया होता है।

उत्तर : सत्ताधारी

4. राज्य सभा में ———————— निर्वाचित और 12 मनोनीत सदस्य होते हैं।

उत्तर : 233

5. बहुमत प्राप्त दल या गठबंधन में शामिल न होने वाले दल ———————— दल कहलाते हैं।

उत्तर : विपक्षी

निम्न को सुमेलित कीजिए–

1.

स्तंभ - अ	स्तंभ - ब
1. लोक सभा	A. राज्यों का प्रतिनिधित्व
2. राज्य सभा	B. 543 निर्वाचित सदस्य
3. उपराष्ट्रपति	C. लोक सभा में सत्ताधारी दल का मुखिया
4. प्रधानमंत्री	D. राज्य सभा के सभापति

उत्तर : 1-B, 2-A, 3-D,4-C

सत्य/असत्य प्रश्न –

1. राज्य सभा लोक सभा द्वारा पारित कानूनों की समीक्षा कर सकती है और उनमें संशोधन सुझा सकती है।

उत्तर : सत्य

2. लोकतंत्र के स्वस्थ संचालन में विपक्षी दलों की कोई भूमिका नहीं होती।

उत्तर : असत्य

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. संसद राष्ट्रीय सरकार का चुनाव किस प्रकार करती है?

उत्तर : 1. लोक सभा चुनाव के बाद निर्वाचित सांसदों की संख्या ज्ञात होती है।

2. सरकार बनाने के लिए बहुमत आवश्यक होता है।

3. 543 सदस्यों वाली लोक सभा में 272 सदस्यों का समर्थन चाहिए।

4. बहुमत प्राप्त दल या गठबंधन सरकार बनाता है।

मिशन ज्ञान
पढ़ो जब चाहो, जहाँ चाहो, जैसे चाहो!

> **Trick** संसद गिने, बहुमत मिले;272 का साथ हो तो सरकार बनो।"

2. संसद सरकार को किस प्रकार नियंत्रित करती है?

उत्तर : 1. सांसद सरकार से प्रश्न पूछते हैं।
2. प्रश्नकाल में सरकारी कार्यो की जानकारी ली जाती है।
3. संसद सरकार को कमियों के प्रति सचेत करती है।
4. वित्तीय मामलों में संसद की मंजूरी आवश्यक होती है।
5. सांसद जनता की राय सरकार तक पहुँचाते हैं।

3. विपक्षी दलों की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : 1. विपक्ष सरकार की कमियाँ सामने लाता है।
2. वह सरकार से प्रश्न पूछता है।
3. सरकारी निर्णयों की समीक्षा और आलोचना करता है।
4. अपनी नीतियों के लिए जनता का समर्थन जुटाता है।
5. सरकार को चुस्त रखने में सहायता करता है।

4. राज्य सभा की प्रमुख भूमिकाएँ लिखिए।

उत्तर : 1. राज्य सभा राज्यों का प्रतिनिधित्व करती है।
2. यह कानून बनाने का प्रस्ताव रख सकती है।
3. विधेयक के लिए इसकी मंजूरी आवश्यक होती है।
4. यह लोक सभा द्वारा पारित कानूनों की समीक्षा करती है।
5. आवश्यकता पर कानून में संशोधन करती है।

5. प्रधानमंत्री और मंत्रियों की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : 1. प्रधानमंत्री सत्ताधारी दल का मुखिया होता है।
2. वह सांसदों में से मंत्रियों का चयन करता है।
3. मंत्री निर्णयों को लागू करते हैं।
4. मंत्री अलग–अलग सरकारी कार्य सँभालते हैं।
5. इनमें स्वास्थ्य, शिक्षा और वित्त शामिल हैं।

> **Trick** "मु–च–न–वि–वि"

निबंधात्मक प्रश्न –

1. संसद कार्यपालिका को किस प्रकार नियंत्रित करती है? समझाइए। (मॉड्ल पेपर 2025)

उत्तर : 1. संसद निम्नलिखित तरीकों से कार्यपालिका को नियंत्रित करती है–

- **प्रश्नकाल** – सांसद मंत्रियों से सरकार के कामकाज पर प्रश्न पूछते हैं।
- **जानकारी प्राप्त करना** – प्रश्नों द्वारा सरकारी योजनाओं एवं नीतियों की जानकारी ली जाती है।
- **कमियों को उजागर करना** – सांसद सरकार को उसकी नीतियों और कार्यक्रमों की खामियों से अवगत कराते हैं।
- **जनता की राय पहुँचाना** – सांसद जनता की समस्याएँ और सुझाव सरकार तक पहुँचाते हैं।
- **विपक्ष की भूमिका** – विपक्ष सरकारी नीतियों की आलोचना करता है और कमियों को सामने लाता है।
- **वित्तीय नियंत्रण** – सरकार को वित्त से संबंधित मामलों में संसद की मंजूरी लेनी पड़ती है।
- **फीडबैक देना** – सांसदों के प्रश्नों और सुझावों से सरकार को महत्त्वपूर्ण प्रतिक्रिया मिलती है

2. लोकतंत्र में संसद की भूमिका का विश्लेषण कीजिए। (मॉड्ल पेपर 2023)

उत्तर : लोकतंत्र में संसद की भूमिका

1. जनता का प्रतिनिधित्व
- संसद जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों से बनती है।
- यह निर्णय–प्रक्रिया में लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करती है।

2. राष्ट्रीय सरकार का गठन
- लोक सभा में बहुमत प्राप्त दल या गठबंधन सरकार बनाता है।
- सत्ताधारी दल का नेता प्रधानमंत्री बनता है।

3. कानून निर्माण
- संसद देश के लिए नए कानून बनाती है।
- विधेयक को कानून बनने के लिए दोनों सदनों की स्वीकृति आवश्यक होती है।

4. कार्यपालिका पर नियंत्रण
- सांसद प्रश्नकाल के माध्यम से सरकार से प्रश्न पूछते हैं।
- संसद सरकारी नीतियों और कार्यक्रमों की समीक्षा करती है।

5. वित्तीय नियंत्रण
- सरकार को वित्तीय मामलों में संसद की स्वीकृति लेनी पड़ती है।

6. विपक्ष को मंच
- विपक्ष सरकारी नीतियों की कमियाँ उजागर करता है।
- वह अपनी नीतियों के लिए जनसमर्थन जुटाता है।

7. राज्यों का प्रतिनिधित्व
- राज्य सभा विभिन्न राज्यों का प्रतिनिधित्व करती है।
- यह लोक सभा द्वारा पारित कानूनों की समीक्षा और संशोधन करती है।

मिशन ज्ञान
पढ़ो जब चाहो, जहाँ चाहो, जैसे चाहो!

नए कानून किस तरह बनते हैं?

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. सामान्यतः किसी नए कानून की माँग सबसे पहले कौन उठाता है?

(अ) केवल संसद (ब) समाज के विभिन्न समूह

(स) केवल राष्ट्रपति (द) केवल न्यायालय **(ब)**

2. घरेलू हिंसा विधेयक का प्रारंभिक मसौदा किस संगठन ने तैयार किया था?

(अ) राष्ट्रीय महिला आयो

(ब) संसदीय स्थायी समिति

(स) लॉयर्स कलेक्टिव

(द) राज्य सभा **(स)**

3. घरेलू हिंसा से संबंधित विधेयक पहली बार संसद में कब प्रस्तुत किया गया?

(अ) 1991 (ब) 1999

(स) 2002 (द) 2006 **(स)**

4. किसी विधेयक को दोनों सदनों से मंजूरी मिलने के बाद स्वीकृति के लिए किसके पास भेजा जाता है?

(अ) प्रधानमंत्री (ब) राष्ट्रपति

(स) संसद (द) लोक सभा अध्यक्ष **(ब)**

5. घरेलू हिंसा से महिलाओं की सुरक्षा का कानून किस वर्ष से लागू हुआ?

(अ) 2006 (ब) 1999

(स) 2002 (द) 2005 **(अ)**

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. घरेलू हिंसा से क्या आशय है?

उत्तर : घर में किसी महिला के साथ शारीरिक, आर्थिक, यौन, मौखिक या भावनात्मक दुर्व्यवहार घरेलू हिंसा कहलाता है।

2. घरेलू हिंसा पर नया कानून बनाने की आवश्यकता क्यों पड़ी?

उत्तर : मौजूदा फौजदारी कानून महिलाओं को घर में रहने और केवल हिंसा रुकवाने जैसी आवश्यक राहत नहीं देता था।

3. महिला संगठनों ने संसद पर दबाव बनाने के लिए कौन–सा एक तरीका अपनाया?

उत्तर : महिला संगठनों ने संवाददाता सम्मेलन आयोजित किया।

4. नए कानून से महिलाओं को कौन–सा आवास संबंधी अधिकार मिला?

उत्तर : महिलाओं को साझा मकान में रहने और वहाँ से बेदखल न किए जाने का अधिकार मिला।

रिक्तस्थान –

1. घरेलू हिंसा पर नए कानून की माँग ———————— के दशक में विभिन्न मंचों से उठी।

उत्तर : 1990

2. महिला संगठनों ने घरेलू हिंसा से निपटने के लिए एक नए ———————— कानून की माँग की।

उत्तर : दीवानी

सत्य/असत्य प्रश्न –

1. घरेलू हिंसा में केवल शारीरिक मारपीट को शामिल किया गया है।

उत्तर : असत्य

2. यदि कोई कानून संविधान के विरुद्ध हो तो न्यायालय उसमें संशोधन कर सकता है या उसे रद्द कर सकता है।

उत्तर : सत्य

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. घरेलू हिंसा कानून के निर्माण में महिला संगठनों की भूमिका लिखिए।

उत्तर : 1. महिलाओं की समस्याओं को सामने रखा।
2. जनसुनवाई और राष्ट्रव्यापी चर्चाएँ आयोजित कीं।
3. विधेयक की कमियों का विरोध किया।
4. संसदीय स्थायी समिति को सुझाव दिए।
5. निवास, सुरक्षा और आर्थिक सहायता के अधिकार पर बल दिया।

2. कानून निर्माण में नागरिकों की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : 1. नागरिक सामाजिक समस्याओं को सामने लाते हैं।
2. नए कानून के पक्ष में जनमत तैयार करते हैं।
3. संसद और समितियों को सुझाव देते हैं।
4. जनसभाओं, याचिकाओं और संवाददाता सम्मेलनों का आयोजन करते हैं।
5. संचार माध्यमों से अपनी आवाज उठाते हैं।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

Trick “स–ज–सु–अ–मी”

3. संसद में कानून बनाने की प्रक्रिया को समझाइए। (मॉड़ल पेपर 2025)

उत्तर : 1. सामाजिक समस्या के आधार पर कानून की माँग और विधेयक का मसौदा तैयार होता है।

2. जन–विचार–विमर्श के बाद विधेयक संसद में प्रस्तुत किया जाता है।

3. संसदीय स्थायी समिति समीक्षा करके सिफारिशें देती है।

4. संशोधित विधेयक लोक सभा और राज्य सभा से पारित होता है।

5. राष्ट्रपति की स्वीकृति के बाद विधेयक कानून बनकर लागू होता है।

Trick “जनता बोले–समिति जाँचे–संसद माने– कानून बने।”

4. अलोकप्रिय कानूनों के संदर्भ में जनता सरकार पर किस प्रकार दबाव बना सकती है? (मॉड़ल पेपर 2023)

उत्तर : 1. कानून की सार्वजनिक आलोचना कर सकती है।

2. जनसभाएँ, विरोध–प्रदर्शन और विरोध मार्च आयोजित कर सकती है।

3. समाचार–पत्र, रेडियो और टेलीविजन से जनमत बना सकती है।

4. याचिका और ऑनलाइन अभियान चला सकती है।

5. संविधान–विरोधी कानून के विरुद्ध न्यायालय जा सकती है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

4 न्यायपालिका

न्यायपालिका की भूमिका एवं स्वतंत्र न्यायपालिका

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. संसद द्वारा पारित किसी संविधान–विरोधी कानून को रद्द करने की शक्ति क्या कहलाती है?

(अ) जनहित याचिका (ब) अपील
(स) न्यायिक समीक्षा (द) न्यायिक नियुक्ति **(स)**

2. मौलिक अधिकारों के उल्लंघन की स्थिति में नागरिक कहाँ जा सकता है?

(अ) केवल जिला अदालत
(ब) केवल संसद
(स) सर्वोच्च न्यायालय या उच्च न्यायालय
(द) केवल पुलिस थाने **(स)**

3. स्वतंत्र न्यायपालिका का प्रमुख आधार क्या है?

(अ) शक्तियों का बँटवारा
(ब) न्यायाधीशों का चुनाव
(स) कार्यपालिका का नियंत्रण
(द) विधायिका का हस्तक्षेप **(अ)**

4. न्यायपालिका की स्वतंत्रता का क्या परिणाम होता है?

(अ) न्यायपालिका सरकार के अधीन हो जाती है।
(ब) न्यायपालिका केवल नेताओं के पक्ष में निर्णय देती है।
(स) न्यायपालिका शक्तियों के दुरुपयोग को रोक सकती है।
(द) न्यायपालिका कानून बनाना शुरू कर देती है। **(द)**

5. न्यायपालिका का प्रमुख कार्य है– (मॉड़ल पेपर 2024)

(अ) विवादों का निपटारा
(ब) न्यायिक समीक्षा
(स) मौलिक अधिकारों का संरक्षण
(द) उपर्युक्त सभी **(द)**

रिक्तस्थान –

1. न्यायपालिका नागरिकों के ––––––––––– अधिकारों की रक्षा करती है।

उत्तर : मौलिक

2. विधायिका और कार्यपालिका न्यायपालिका के कार्यों में ––––––––––– नहीं दे सकतीं।

उत्तर : दखल

3. मौलिक अधिकारों को साकार करने में अहम भूमिका ––––––––––– की है। (मॉड़ल पेपर 2026)

उत्तर : न्यायपालिका

4. संविधान के अनुसार सरकार के अंग विधायिका, ––––––––––– एवं ––––––––––– हैं। (मॉड़ल पेपर 2023)

उत्तर : कार्यपालिका एवं न्यायपालिका

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. न्यायपालिका का एक प्रमुख कार्य लिखिए।

उत्तर : नागरिकों और सरकारों के बीच विवादों का निपटारा करना।

2. स्वतंत्र न्यायपालिका से क्या आशय है?

उत्तर : विधायिका और कार्यपालिका के हस्तक्षेप से मुक्त न्यायपालिका।

3. न्यायपालिका मौलिक अधिकारों की रक्षा कैसे करती है?

उत्तर : नागरिक सर्वोच्च न्यायालय या उच्च न्यायालय में न्याय माँग सकता है।

4. स्वतंत्र न्यायपालिका से क्या तात्पर्य है? (मॉड़ल पेपर 2023)

उत्तर : 1. इसके कार्यों में विधायिका और कार्यपालिका हस्तक्षेप नहीं कर सकतीं।
2. अदालतें सरकार के अधीन काम नहीं करतीं।
3. यह नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करती है

निम्न को सुमेलित कीजिए–

1.

स्तम्भ 'अ'	स्तम्भ 'ब'
1. विवादों का निपटारा	A. संविधान–विरोधी कानून को रद्द करना
2. न्यायिक समीक्षा	B. अधिकारों के उल्लंघन पर न्याय देना
3. मौलिक अधिकारों का क्रियान्वयन	C. विभिन्न पक्षों के विवादों को हल करना
4. स्वतंत्र न्यायपालिका	D. हस्तक्षेप से मुक्त न्याय व्यवस्था

उत्तर : 1-C, 2-A, 3-B,4-D

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

2.

स्तम्भ 'अ'	स्तम्भ 'ब'
1. न्यायपालिका	A. सरकार की अन्य शाखाएँ
2. विधायिका एवं कार्यपालिका	B. सरकार के अधीन नहीं होतीं
3. अदालतें	C. नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा
4. शक्तियों का बँटवारा	D. न्यायपालिका के काम में दखल का निषेध

उत्तर : 1-C, 2-A, 3-B,4-D

सत्य/असत्य प्रश्न –

1. विधायिका और कार्यपालिका न्यायपालिका के काम में हस्तक्षेप कर सकती हैं।

उत्तर : असत्य।

2. न्यायपालिका विधायिका और कार्यपालिका द्वारा शक्तियों के दुरुपयोग को रोक सकती है।

उत्तर : सत्य।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. न्यायपालिका के प्रमुख कार्यों का वर्णन कीजिए।

उत्तर : 1. नागरिकों और सरकारों के बीच विवादों का निपटारा करती है।
2. कानूनों की न्यायिक समीक्षा करती है।
3. संविधान–विरोधी कानून को रद्द कर सकती है।
4. मौलिक अधिकारों की रक्षा और क्रियान्वयन करती है।

Trick " वि–स–र–अ"

2. स्वतंत्र न्यायपालिका की आवश्यकता क्यों होती है?

उत्तर : 1. न्यायाधीश बिना दबाव के निर्णय लेते हैं।
2. शक्तिशाली लोगों का प्रभाव रोका जाता है।
3. शक्तियों के दुरुपयोग पर अंकुश लगता है।
4. मौलिक अधिकारों की रक्षा होती है।
5. अदालतें सरकार के अधीन नहीं होतीं।

3. शक्तियों का बँटवारा न्यायपालिका की स्वतंत्रता में कैसे सहायक है?

उत्तर : 1. विधायिका और कार्यपालिका दखल नहीं दे सकतीं।
2. अदालतें सरकार के अधीन नहीं होतीं।
3. न्यायाधीश स्वतंत्र निर्णय लेते हैं।
4. नागरिकों के अधिकारों की रक्षा होती है।

4. न्यायिक समीक्षा से क्या अभिप्राय है?

उत्तर : 1. न्यायपालिका संविधान की व्याख्या करती है।
2. संसद द्वारा पारित कानूनों की जाँच करती है।
3. संविधान के आधारभूत ढाँचे का उल्लंघन करने वाला कानून रद्द करती है।
4. इस शक्ति को न्यायिक समीक्षा कहते हैं।

5. मौलिक अधिकारों की रक्षा में न्यायपालिका की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : 1. न्यायपालिका मौलिक अधिकारों की रक्षा करती है।
2. उल्लंघन पर नागरिक अदालत जा सकते हैं।
3. नागरिक सर्वोच्च न्यायालय या उच्च न्यायालय में न्याय माँग सकते हैं।
4. न्यायपालिका सरकार को आवश्यक आदेश दे सकती है।

Trick "र"आ–उ–अ–

निबंधात्मक प्रश्न –

1. "लोकतंत्र के लिए न्यायपालिका का स्वतंत्र होना आवश्यक है।" कथन के पक्ष में तर्क दीजिए। (मॉड़ल पेपर 2026)

उत्तर : 1. यह विधायिका एवं कार्यपालिका के शक्ति–दुरुपयोग पर अंकुश लगाती है।
2. यह नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करती है।
3. स्वतंत्र न्यायपालिका बिना दबाव के निर्णय लेती है।
4. यह संविधान के आधारभूत ढाँचे का उल्लंघन करने वाले कानून को न्यायिक समीक्षा द्वारा रद्द कर सकती है।

2. स्वतंत्र न्यायपालिका की विशेषताएँ समझाइए। (मॉड़ल पेपर 2025)

उत्तर : 1. न्यायपालिका सरकार के नियंत्रण से स्वतंत्र होती है।
2. विधायिका एवं कार्यपालिका इसके कार्यों में हस्तक्षेप नहीं कर सकती।
3. अदालतें सरकार के अधीन या उसकी ओर से कार्य नहीं करतीं।
4. न्यायाधीश स्वतंत्र रूप से निर्णय ले सकते हैं।
5. नियुक्ति के बाद न्यायाधीशों को पद से हटाना बहुत मुश्किल होता है।
6. यह सरकार की शक्तियों के दुरुपयोग पर अंकुश लगाती है।
7. यह नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करती है।

भारत में अदालतों की संरचना

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. भारत की न्यायिक व्यवस्था में अदालतों के कितने प्रमुख स्तर हैं?

(अ) दो (ब) चार
(स) तीन (द) पाँच **(स)**

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

2. राज्य की सबसे ऊँची अदालत कौन–सी होती है?

(अ) जिला न्यायालय (ब) उच्च न्यायालय
(स) सर्वोच्च न्यायालय
(द) तहसील न्यायालय **(ब)**

3. भारत का सर्वोच्च न्यायालय कहाँ स्थित है?

(अ) मुंबई (ब) कोलकाता
(स) चेन्नई (द) नई दिल्ली **(द)**

4. सर्वोच्च न्यायालय का मुखिया कौन होता है?

(अ) राज्यपाल (ब) देश का मुख्य न्यायाधीश
(स) प्रधानमंत्री (द) कानून मंत्री **(ब)**

5. निचली अदालत के निर्णय से असंतुष्ट व्यक्ति क्या कर सकता है?

(अ) कानून रद्द कर सकता है।
¼c½ Åijhvnkyr eavihy djldrkgSA
¼l½ lanHkZ djldrkgSA
¼n½ U;k;kèkh'k dksgVkldrkgSA **(ब)**

रिक्तस्थान –

1. जिले या तहसील के स्तर की अदालतों को ———————— न्यायालय कहा जाता है।

उत्तर : अधीनस्थ

2. प्रत्येक राज्य की सबसे ऊँची अदालत ——— होती है।

उत्तर : उच्च न्यायालय

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. भारत में अदालतों के तीन स्तर कौन–कौन से हैं?

उत्तर : 1. अधीनस्थ या जिला न्यायालय
2. उच्च न्यायालय
3. सर्वोच्च न्यायालय

2. अधीनस्थ न्यायालय कहाँ स्थापित होते हैं?

उत्तर : अधीनस्थ न्यायालय जिले, तहसील या शहर के स्तर पर स्थित होते हैं।

3. उच्च न्यायालय का कार्यक्षेत्र क्या होता है?

उत्तर : उच्च न्यायालय अपने राज्य की सबसे ऊँची अदालत होता है।

4. अपील करना किसे कहते हैं?

उत्तर : निचली अदालत के फैसले के विरुद्ध पुनर्विचार के लिए ऊपरी न्यायालय में जाना अपील करना कहलाता है।

निम्न को सुमेलित कीजिए–

1.

स्तम्भ 'अ'	स्तम्भ 'ब'
1. सर्वोच्च न्यायालय	A. जिले की अदालत
2. उच्च न्यायालय	B. देश की सबसे बड़ी अदालत
3. अधीनस्थ न्यायालय	C. न्यायिक निर्णय पर पुनर्विचार
4. अपील	D. राज्य की सबसे ऊँची अदालत

उत्तर : 1-B, 2-D, 3-A, 4-C

1.

स्तम्भ 'अ'	स्तम्भ 'ब'
1. निचली अदालत	A. लक्ष्मण और उसकी माँ कोउम्रकैद
2. उच्च न्यायालय	B. तीनों आरोपियों को बरी किया
3. सर्वोच्च न्यायालय	C. तीनों आरोपियों को दोषी ठहराकर मौत की सजा दी
4. सुभाष चन्द्र	D. पर्याप्त सबूत न होने पर बरी

उत्तर : 1-C, 2-B, 3-A, 4-D

सत्य/असत्य प्रश्न –

1. सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयों को देश की अन्य अदालतों को मानना होता है।

उत्तर : सत्य।

2. निचली अदालत के निर्णय के विरुद्ध उसी से नीचे की अदालत में अपील की जाती है।

उत्तर : असत्य।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. भारत में अदालतों की संरचना का वर्णन कीजिए।

उत्तर : 1. भारत में अदालतों के तीन स्तर हैं।
2. सबसे नीचे अधीनस्थ या जिला न्यायालय होते हैं।
3. इनके ऊपर उच्च न्यायालय होते हैं।
4. सबसे ऊपर नई दिल्ली में सर्वोच्च न्यायालय है।
5. यह संरचना पिरामिड के समान है।

Trick "जि"पि–स–उ–

2. अधीनस्थ न्यायालयों की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर : 1. ये जिले, तहसील या शहर स्तर पर होते हैं।
2. लोगों का सबसे अधिक संबंध इन्हीं से होता है।
3. प्रत्येक जिले में जिला न्यायाधीश होता है।
4. ये विभिन्न मामलों की सुनवाई करते हैं।
5. इन्हें ट्रायल कोर्ट या जिला न्यायालय कहते हैं।

3. एकीकृत न्यायिक व्यवस्था से क्या अभिप्राय है?

उत्तर : 1. सभी स्तरों की अदालतें एक–दूसरे से जुड़ी होती हैं।
2. सर्वोच्च न्यायालय सबसे ऊपर होता है।
3. उच्च न्यायालय अधीनस्थ न्यायालयों से ऊपर होते हैं।
4. ऊपरी अदालतों के निर्णय नीचे की अदालतें मानती हैं।
5. अपील की व्यवस्था सभी स्तरों को जोड़ती है।

4. अपील की व्यवस्था को समझाइए।

उत्तर : 1. असंतुष्ट व्यक्ति ऊपरी अदालत में जा सकता है।
2. फैसले पर पुनर्विचार के लिए जाना अपील कहलाता है।

3. उच्च न्यायालय के विरुद्ध सर्वोच्च न्यायालय में अपील होती है।
4. मामला निचली अदालत से सर्वोच्च न्यायालय तक पहुँच सकता है।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. सुधा गोयल मामले में तीनों स्तरों की अदालतों के निर्णय लिखिए।

उत्तर : 1. निचली अदालतः लक्ष्मण, शकुंतला और सुभाष चन्द्र को दोषी ठहराकर मौत की सजा दी।
2. उच्च न्यायालयः सुधा की मृत्यु को दुर्घटना मानते हुए तीनों आरोपियों को बरी कर दिया।
3. सर्वोच्च न्यायालयः लक्ष्मण और उसकी माँ को दोषी पाया।
4. लक्ष्मण और उसकी माँ को उम्रकैद की सजा दी गई।
5. पर्याप्त सबूत न होने के कारण सुभाष चन्द्र को बरी कर दिया गया।

2. भारत में अदालतों की संरचना को समझाइए। (मॉड़ल पेपर 2025)

उत्तर : 1. भारत में न्यायालयों की त्रिस्तरीय संरचना है।
2. निचली या अधीनस्थ अदालतें जिला, तहसील अथवा शहर स्तर पर होती हैं।
3. अधीनस्थ अदालतें विभिन्न प्रकार के मामलों की सुनवाई करती हैं।
4. प्रत्येक राज्य का उच्च न्यायालय उस राज्य की सबसे ऊँची अदालत होता है।
5. सर्वोच्च न्यायालय देश की सबसे बड़ी अदालत है और नई दिल्ली में स्थित है।
6. सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय देश की अन्य सभी अदालतों को मानने होते हैं।
7. भारत में एकीकृत न्यायिक व्यवस्था है।

विधि व्यवस्था की शाखाएँ एवं अदालत तक लोगों की पहुँच

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. चोरी और हत्या जैसे कार्य किस कानून के अंतर्गत आते हैं?
(अ) दीवानी कानून (ब) फौजदारी कानून
(स) किराया कानून (द) संपत्ति समझौता **(ब)**

2. जमीन, किराया और तलाक से संबंधित विवाद किस कानून के अंतर्गत आते हैं?
(अ) फौजदारी कानून (ब) चुनाव कानून
(स) दीवानी कानून (द) न्यायिक समीक्षा **(स)**

3. फौजदारी मामले में सामान्यतः सबसे पहले क्या दर्ज कराया जाता है?
(अ) जनहित याचिका (ब) प्राथमिकी
(स) अपील (द) मुआवजा **(ब)**

4. जनहित याचिका की व्यवस्था किस दशक में विकसित की गई?
(अ) 1950 के दशक में
(ब) 1960 के दशक में
(स) 1970 के दशक में
(द) 1980 के दशक में **(द)**

5. जनहित याचिका कहाँ दायर की जा सकती है?
(अ) केवल जिला न्यायालय में
(ब) केवल पुलिस थाने में
(स) उच्च न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय में
(द) केवल संसद में **(स)**

रिक्तस्थान –

1. हमारी विधि व्यवस्था की दो प्रमुख शाखाएँ फौजदारी और ———————— कानून हैं।

उत्तर : दीवानी

2. जनहित याचिका का संक्षिप्त रूप ———————— है।

उत्तर : पी.आई.एल.

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. दीवानी कानून किससे संबंधित होता है?

उत्तर : दीवानी कानून व्यक्ति विशेष के अधिकारों के उल्लंघन या अवहेलना से संबंधित होता है।

2. फौजदारी मामले में पुलिस की क्या भूमिका होती है?

उत्तर : पुलिस अपराध की जाँच करती है और अदालत में मामला दायर करती है।

निम्न को सुमेलित कीजिए–

1.

स्तम्भ 'अ'	स्तम्भ 'ब'
1. चोरी	A. दीवानी कानून
2. हत्या	B. फौजदारी कानून
3. किराये का विवाद	C. फौजदारी कानून
4. तलाक	D. दीवानी कानून

उत्तर : 1-B, 2-C, 3-A, 4-D

2.

स्तम्भ 'अ'	स्तम्भ 'ब'
1. प्राथमिकी	A. प्रभावित पक्ष द्वारा दायर की जाने वाली याचिका
2. याचिका	B. अधिकारों के उल्लंघन से प्रभावित लोगों के लिए न्यायिक उपाय
3. जनहित याचिका	C. अपराध की प्रथम सूचना
4. मुआवजा	D. नुकसान या क्षति की भरपाई के लिए धन

उत्तर : 1-C, 2-A, 3-B, 4-D

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

सत्य/असत्य प्रश्न –

1. दीवानी मामले में दोषी व्यक्ति को हमेशा जेल भेजा जाता है।

उत्तर : असत्य।

2. किसी व्यक्ति या संस्था को दूसरे लोगों की ओर से जनहित याचिका दायर करने का अधिकार है।

उत्तर : सत्य।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. फौजदारी और दीवानी कानून में अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :

आधार	फौजदारी कानुन	छीवानी कानुन
विषय	ऐसे व्यवहार या क्रियाएँ जिन्हें कानून में अपराध माना गया है	व्यक्ति विशेष के अधिकारों का उल्लंघन या अवहेलना
उदाहरण	चोरी, हत्या और दहेज के लिए महिला को तंग करना	जमीन की बिक्री, वस्तुओं की खरीदारी, किराया और तलाक
प्रक्रिया	प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस जाँच करती है और अदालत में मामला दायर करती है	प्रभावित पक्ष न्यायालय में याचिका दायर करता है
परिणाम	दोषी व्यक्ति को जेल भेजा जा सकता है या उस पर जुर्माना लगाया जा सकता है	अदालत प्रभावित पक्ष के लिए राहत की व्यवस्था करती है

2. फौजदारी मामले में अपनाई जाने वाली प्रक्रिया लिखिए।

उत्तर : 1. सबसे पहले सामान्यतः प्रथम सूचना रिपोर्ट या प्राथमिकी दर्ज कराई जाती है।
2. इसके बाद पुलिस अपराध की जाँच करती है।
3. पुलिस अदालत में मामला दायर करती है।
4. अदालत मामले की सुनवाई करती है।
5. दोषी पाए जाने पर व्यक्ति को जेल भेजा जा सकता है या उस पर जुर्माना लगाया जा सकता है।

3. क्या भारत का प्रत्येक व्यक्ति अदालत की शरण में जा सकता है?

उत्तर : 1. सिद्धांततः भारत का प्रत्येक नागरिक अदालत की शरण में जा सकता है।
2. प्रत्येक नागरिक को अदालत के माध्यम से न्याय माँगने का अधिकार है।
3. मौलिक अधिकारों के उल्लंघन पर नागरिक अदालत जा सकता है।
4. अदालत की सेवाएँ सभी नागरिकों के लिए उपलब्ध हैं।
5. व्यवहार में गरीब लोगों के लिए अदालत तक पहुँचना कठिन हो सकता है।

4. गरीब लोगों के लिए अदालत तक पहुँचना कठिन क्यों होता है?

उत्तर : 1. कानूनी प्रक्रिया में काफी पैसा खर्च होता है।
2. बहुत अधिक कागजी कार्यवाही करनी पड़ती है।
3. कानूनी प्रक्रिया में बहुत समय लगता है।
4. पढ़ना–लिखना न जानने वाले व्यक्ति के लिए प्रक्रिया कठिन होती है।
5. दिहाड़ी मजदूर के लिए काम छोड़कर अदालत जाना कठिन होता है।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. जनहित याचिका की व्यवस्था का महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : 1. जनहित याचिका की व्यवस्था 1980 के दशक में विकसित की गई।
2. इससे न्याय तक अधिक लोगों की पहुँच स्थापित हुई।
3. कोई व्यक्ति या संस्था उन लोगों की ओर से याचिका दायर कर सकती है जिनके अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है।
4. इसे उच्च न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय में दायर किया जा सकता है।
5. उच्च न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय के नाम भेजे गए पत्र या तार को भी जनहित याचिका माना जा सकता था।
6. इसके माध्यम से बंधुआ मजदूरों को अमानवीय श्रम से मुक्ति दिलाई गई।
7. सजा पूरी करने के बाद भी रिहा न किए गए कैदियों को रिहा कराने में इसका प्रयोग किया गया।
8. भोजन के अधिकार तथा विद्यालयों में दोपहर के भोजन की व्यवस्था लागू कराने में भी यह सहायक रही।

5 हाशियाकरण की समझ

आदिवासी और हाशियाकरण व आदिवासी कौन लोग हैं?

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. 'आदिवासी' शब्द का क्या अर्थ है?

(अ) नगर निवासी (ब) मूल निवासी
(स) विदेशी निवासी (द) अस्थायी निवासी **(ब)**

2. भारत की कुल आबादी में आदिवासियों की जनसंख्या लगभग कितनी है?

(अ) 5 प्रतिशत (ब) 12 प्रतिशत
(स) 8 प्रतिशत (द) 18 प्रतिशत **(स)**

3. अकेले उड़ीसा में कितने से अधिक जनजातीय समूह रहते हैं?

(अ) 60 (ब) 30
(स) 40 (द) 50 **(अ)**

4. निम्नलिखित में से किस आदिवासी भाषा को बोलने वालों की संख्या सबसे अधिक है?

(अ) हिंदी (ब) बांग्ला
(स) संथाली (द) संस्कृत **(स)**

5. आदिवासी समुदाय आजीविका के लिए किस पर निर्भर थे? (मॉड्ल पेपर 2025)

(अ) जंगल पर
(ब) शिकार पर
(स) 'अ' और 'ब' दोनों पर
(द) उपर्युक्त में से कोई नहीं **(स)**

रिक्तस्थान –

1. आदिवासी समाज में ऊँच–नीच का भेद बहुत ———————— होता है।

उत्तर : कम

2. आदिवासी शब्द का अर्थ ———————— है, ये ———————— में निवास करते हैं। (मॉड्ल पेपर 2023)

उत्तर : आदिवासी शब्द का अर्थ 'मूल निवासी' है, ये जंगलों में निवास करते हैं।

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. हाशियाकरण से क्या आशय है?

उत्तर : जब किसी समुदाय को समाज में अलग–थलग कर दिया जाता है और वह संसाधनों तथा अवसरों का लाभ नहीं उठा पाता, तो इस स्थिति को हाशियाकरण कहते हैं।

2. आदिवासियों को जनजाति के अतिरिक्त किस सरकारी नाम से जाना जाता है?

उत्तर : अनुसूचित जनजाति।

3. आदिवासी मुख्य रूप से किसके साथ जीवन बिताते आए हैं?

उत्तर : आदिवासी जंगलों के साथ जीवन बिताते आए हैं।

4. आदिवासी ग्राम–आत्माओं की पूजा कहाँ करते हैं?

उत्तर : गाँव की सीमा के भीतर निर्धारित पवित्र लता–कुंजों में।

निम्न को सुमेलित कीजिए–

1.

स्तम्भ 'अ'	स्तम्भ 'ब'
1. आदिवासी	A. सबसे अधिक बोली जाने वाली आदिवासी भाषा
2. अनुसूचित जनजाति	B. मूल निवासी
3. संथाली	C. सरकारी दस्तावेजों में प्रयुक्त नाम
4. पुरखों की उपासना	D. घर में की जाती है

उत्तर : 1-B, 2-C, 3-A,4-D

1.

स्तम्भ 'अ'	स्तम्भ 'ब'
1. भारत में आदिवासी आबादी	A. 500 से अधिक
2. भारत में आदिवासी समूह	B. 60से अधिक
3. उड़ीसा में जनजाती समूह	C. लगभग 8 प्रतिशत
4. ग्राम–आत्माओं की पूजा	D. पवित्र लता–कुंजों में

उत्तर : 1-C, 2-A, 3-B,4-D

सत्य/असत्य प्रश्न –

1. आदिवासियों की भाषाओं ने बांग्ला जैसी मुख्यधारा की भाषाओं को प्रभावित किया है।

उत्तर : सत्य।

2. जो व्यक्ति या समूह पुरजोर तरीके से अपनी बात रखता है, उसे बहिष्कृत कहा जाता है।(मॉड्ल पेपर 2026)

उत्तर : असत्य।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. विभिन्न समुदाय हाशिये पर क्यों चले जाते हैं?

उत्तर : 1. उनकी भाषा, रीति–रिवाज और धार्मिक विश्वास अलग हो सकते हैं।
2. गरीबी के कारण उन्हें सामाजिक रूप से कमतर माना जाता है।
3. उनके पास जमीन, धन–दौलत और शिक्षा के साधन कम होते हैं।
4. वे राजनीतिक रूप से शक्तिहीन महसूस करते हैं।

Trick "भा–ग–सं–रा"

2. हाशियाकरण को बहुआयामी प्रक्रिया क्यों कहा गया है?

उत्तर : 1. हाशियाकरण केवल गरीबी तक सीमित नहीं है।
2. यह सामाजिक भेदभाव और कमतर सामाजिक हैसियत से जुड़ा है।
3. संसाधनों और अवसरों की कमी से आर्थिक कमजोरी आती है।
4. राजनीतिक शक्ति की कमी से समुदाय आवाज नहीं उठा पाते।
5. आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक दायरे परस्पर जुड़े होते हैं।

Trick "सा–आ–रा–जु"

3. आदिवासी कौन लोग हैं?

उत्तर : 1. आदिवासी का अर्थ 'मूल निवासी' है।
2. वे लंबे समय से जंगलों के साथ जीवन बिताते आए हैं।
3. उनकी आजीविका प्राकृतिक संसाधनों से जुड़ी है।
4. भारत की लगभग 8 प्रतिशत आबादी आदिवासी है।
5. भारत में 500 से अधिक आदिवासी समूह हैं।

Trick "मूल निवासी–जंगल–प्रकृति8%–500+।

4. आदिवासी समाज की प्रमुख विशेषताएँ बताइए।

उत्तर : 1. आदिवासी समाज में ऊँच–नीच का भेद बहुत कम होता है।
2. उनकी अपनी जनजातीय और धार्मिक मान्यताएँ होती हैं।
3. वे प्रकृति, पुरखों और ग्राम–आत्माओं की उपासना करते हैं।
4. उनकी अपनी प्राचीन भाषाएँ हैं।
5. उनका जीवन जंगलों और प्राकृतिक संसाधनों से गहराई से जुड़ा है।

5. ऐसे किन्हीं दो क्षेत्रों का वर्णन कीजिए जिनसे हाशियाई समुदाय की पहचान प्रदर्शित होती है। (मॉडल पेपर 2024)

उत्तर : 1. आर्थिक क्षेत्र
- हाशियाई समुदायों के पास जमीन, धन और रोजगार के साधन कम होते हैं।
- वे गरीबी तथा संसाधनों के अभाव से प्रभावित रहते हैं

2. सामाजिक क्षेत्र
- उन्हें सामाजिक हैसियत में कमतर माना जाता है।
- उनके साथ भेदभाव किया जाता है और उन्हें समाज से अलग–थलग रखा जाता है।

आदिवासी और प्रचलित छवियाँ अथवा आदिवासी और विकास

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. आदिवासियों को रोजगार के लिए बागानों, निर्माण स्थलों और उद्योगों की ओर मुख्यत: किस कारण धकेला गया?
(अ) खेल प्रतियोगिताओं के कारण
(ब) आर्थिक बदलावों, वन नीतियों और राजनीतिक दबाव के कारण
(स) अधिक शिक्षा प्राप्त करने के कारण
(द) प्राकृतिक संसाधनों की कमी के कारण **(ब)**

2. खनन और खनन परियोजनाओं के कारण विस्थापित लोगों में आदिवासियों की संख्या कितनी से अधिक रही है?
(अ) 25 प्रतिशत (ब) 40 प्रतिशत
(स) 50 प्रतिशत (द) 75 प्रतिशत **(स)**

3. आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, उड़ीसा और झारखंड में विस्थापित लोगों में कितने प्रतिशत आदिवासी थे?
(अ) 69 प्रतिशत (ब) 79 प्रतिशत
(स) 89 प्रतिशत (द) 59 प्रतिशत **(ब)**

4. न्यामगिरी पहाड़ी किस आदिवासी समुदाय का क्षेत्र है?
(अ) संथाल (ब) डोंगरिया कोंड
(स) भील (द) गोंड़ **(ब)**

मिशन ज्ञान
पढ़ो जब चाहो, जहाँ चाहो, जैसे चाहो!

रिक्तस्थान –

1. आज अकेले असम में लगभग ———————— लाख आदिवासी हैं।

उत्तर : 70

2. उन्नीसवीं सदी के पलायनों के कारण लगभग ———————— लाख आदिवासियों की मृत्यु हुई।

उत्तर : 5

3. ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग ———————— प्रतिशत आदिवासी गरीबी रेखा के नीचे जीवन बिताते हैं।

उत्तर : 45

4. शहरी क्षेत्रों में लगभग ———————— प्रतिशत आदिवासी गरीबी रेखा के नीचे जीवन बिताते हैं।

उत्तर : 35

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. असम का चाय उद्योग किनके श्रम के आधार पर विकसित हुआ?

उत्तर : आदिवासियों के श्रम के आधार पर।

2. न्यामगिरी किस आदिवासी समुदाय का पवित्र पर्वत है?

उत्तर : डोंगरिया कोंड समुदाय का।

3. जंगल आदिवासियों के लिए क्यों महत्त्वपूर्ण हैं?

उत्तर : जंगल उनकी आजीविका, भोजन, संस्कृति और परंपराओ का प्रमुख आधार हैं।

4. जंगलों में रहने का प्रयास करने वाले आदिवासियों को कई बार क्या कहा जाता है?

उत्तर : घुसपैठिया।

निम्न को सुमेलित कीजिए–

1.

स्तम्भ 'अ'	स्तम्भ 'ब'
1. मोम, लाख और शहद	A. 79 प्रतिशत
2. असम का चाय उद्योग	B. वन उत्पाद
3. चार राज्यों में विस्थापित आदिवासी	C. आदिवासी श्रम
4. न्यामगिरी पहाड़ी	D. डोंगरिया कोंड

उत्तर : 1-B, 2-C, 3-A,4-D

2.

स्तम्भ 'अ'	स्तम्भ 'ब'
1. औषधि के रूप में प्रयुक्त पौधे	A. 3,500 प्रजातिया
2. भोजन के रूप में प्रयुक्त पौधे	B. 325 प्रजातिया
3. कीटनाशक के रूप में प्रयुक्त पौधे	C. 8,000 प्रजातिया
4. रेशों के लिए प्रयुक्त पौधे	D. 550 प्रजातियाँ

उत्तर : 1-C, 2-A, 3-B,4-D

सत्य/असत्य प्रश्न –

1. औपनिवेशिक शासन से पहले आदिवासियों का जंगलों पर कोई नियंत्रण नहीं था।

उत्तर : असत्य।

2. जमीन और जंगलों से अलग होने पर आदिवासी अपनी आजीविका के साथ अपनी संस्कृति भी खो देते हैं।

उत्तर : सत्य।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. आदिवासियों की प्रचलित छवि किस प्रकार भेदभाव को जन्म देती है?

उत्तर : 1 उन्हें केवल रंग–बिरंगे कपड़ों में नाचते–गाते दिखाया जाता है।
2. उनकी वास्तविक समस्याओं और जीवन–संघर्षों की उपेक्षा होती है।
3. उन्हें पुराने किस्म का और पिछड़ा हुआ माना जाता है।
4. ऐसी बनी–बनाई छवियाँ भेदभाव का आधार बनती हैं।

Trick "न–स–पि–भे"

2. औपनिवेशिक शासन से पहले जंगलों में आदिवासियों की स्थिति कैसी थी?

उत्तर : 1 उन्हें वन क्षेत्रों का गहरा ज्ञान था।
2. वन संसाधनों पर उनका नियंत्रण था।
3. वे शिकार, वस्तुएँ एकत्र करने और खेती से आजीविका चलाते थे।
4. कई राज्य वन संसाधनों के लिए उन पर निर्भर थे।

Trick "ज्ञा–नि–श–सं–खे–रा"

3. आदिवासियों के विस्थापन के प्रमुख कारण बताइए।

उत्तर : 1 खनन और विशाल औद्योगिक परियोजनाएँ।
2. बाँधों और जलाशयों का निर्माण।
3. खेती और उद्योगों के लिए जंगलों की कटाई।
4. राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभयारण्यों के लिए भूमि आरक्षित करना।
5. जनजातीय जमीन पर जबरन कब्जा।

4. विस्थापन का आदिवासी समुदायों पर क्या प्रभाव पड़ता है?

उत्तर : 1 वे जमीन, जंगल और आजीविका से वंचित हो जाते हैं।
2. काम की तलाश में शहरों की ओर पलायन करते हैं।
3. उन्हें कम वेतन वाले छोटे–मोटे काम करने पड़ते हैं।
4. उनकी परंपराएँ, धार्मिक स्थल और रीति–रिवाज नष्ट होते हैं।
5. वे गरीबी, कुपोषण और कम साक्षरता से प्रभावित होते हैं।

Trick "ज–प–म–सं–ग"

5. वन भूमि का अधिकार समाप्त होने पर आदिवासियों की ज्ञान–संपदा कैसे प्रभावित होती है?

उत्तर : 1 औषधीय पौधों का ज्ञान समाप्त होने लगता है।
2. भोजन में उपयोग होने वाले पौधों की जानकारी नष्ट होती है।
3. कीटनाशकों के रूप में प्रयोग होने वाले पौधों का ज्ञान खो जाता है।
4. गोंद, रेजिन, रंग और रेशों वाले पौधों की जानकारी समाप्त होती है।
5. उनकी वन–आधारित ज्ञान–संपदा नष्ट होने लगती है।

6. 19वीं सदी से पूर्व आदिवासी समूहों में प्रचलित आर्थिक गतिविधियाँ कौन–कौन सी थीं? (मॉडल पेपर 2023)

उत्तर : 1 शिकार करना।
2. जंगलों से वस्तुएँ एकत्र करना।
3. स्थानांतरित खेती करना।
4. एक ही स्थान पर खेती करना।
5. वन संसाधनों से आजीविका चलाना।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. वनों से क्या लाभ हैं? विस्तारपूर्वक समझाइए। (मॉड़ल पेपर 2023)

उत्तर : 1 वनों से लोहा, ताँबा, सोना, चाँदी, कोयला और हीरे जैसे खनिज पदार्थ मिलते हैं।
2. वनों से कीमती इमारती लकड़ी प्राप्त होती है।
3. वनों से जड़ी–बूटियाँ और औषधीय पौधे मिलते हैं।
4. मोम, लाख और शहद जैसे वन तथा पशु उत्पाद प्राप्त होते हैं।
5. वन अनेक पशुओं का प्राकृतिक निवास स्थान हैं।
6. वनों से बहुत–सी नदियों को लगातार पानी मिलता है।
7. वन हवा और पानी की उपलब्धता तथा गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं।
8. वन आदिवासियों के भोजन, आजीविका और सांस्कृतिक जीवन का आधार हैं।

2. आदिवासी लगातार हाशिये पर क्यों खिसकते जा रहे हैं? दो कारण बताइए।

उत्तर : 1. जमीन और जंगलों से विस्थापन
- खनन, बाँध और औद्योगिक परियोजनाओं के कारण उनकी जमीनें छीनी गईं।
- इससे वे आजीविका और भोजन के स्रोतों से वंचित हो गए।

2. वनों पर नियंत्रण समाप्त होना
- वन नीतियों के कारण जंगलों पर उनका नियंत्रण और सीधी पहुँच समाप्त हो गई।
- उन्हें कम वेतन वाले कामों के लिए शहरों तथा अन्य क्षेत्रों में जाना पड़ा।

अल्पसंख्यक और हाशियाकरण

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. संविधान अल्पसंख्यक समुदायों को सुरक्षा क्यों प्रदान करता है?

(अ) उन्हें बहुसंख्यक संस्कृति के वर्चस्व और भेदभाव से बचाने के लिए
(ब) उन्हें अन्य समुदायों से पूरी तरह अलग रखने के लिए
(स) उन्हें सरकारी नौकरियों से दूर रखने के लिए
(द) उनकी संख्या कम करने के लिए **(अ)**

2. मुसलमानों की सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक स्थिति का अध्ययन करने वाली समिति के अध्यक्ष कौन थे?

(अ) गोविंद मारन (ब) न्यायमूर्ति राजिन्दर सच्चर
(स) जादूराम (द) डॉ. भीमराव आंबेडकर
(ब)

3. मौलिक अधिकारों को साकार करने में अहम भूमिका ---------- की है। (मॉडल पेपर 2026)

(अ) विधायिका (ब) कार्यपालिका
(स) नगरपालिका (द) न्यायपालिका **(द)**

रिक्तस्थान –

1. भारतीय संविधान धार्मिक और ---------- अल्पसंख्यकों को सुरक्षा प्रदान करता है।

उत्तर : भाषायी

2. वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार मुस्लिम आबादी भारत की कुल जनसंख्या का ———————— प्रतिशत थी।

उत्तर : 14.2

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न —

1. अल्पसंख्यक समुदाय से क्या आशय है?

उत्तर : अल्पसंख्यक ऐसा समुदाय है जो संख्या की दृष्टि से शेष आबादी की तुलना में कम होता है। इसका संबंध सत्ता, संसाधनों तथा सामाजिक और सांस्कृतिक स्थिति से भी होता है।

2. मौलिक अधिकारों के हनन पर कोई नागरिक कहाँ जा सकता है?

उत्तर : न्यायालय में।

3. घेटोआइजेशन से क्या आशय है?

उत्तर : सामाजिक भेदभाव और असुरक्षा के कारण किसी समुदाय का अलग क्षेत्रों में सिमटते जाना घेटोआइजेशन कहलाता है।

4. मुस्लिम समुदाय की स्थिति का अध्ययन करने वाली समिति का नाम क्या था?

उत्तर : सच्चर समिति।

निम्न को सुमेलित कीजिए–

1.

स्तम्भ 'अ'	स्तम्भ 'ब'
1. मुस्लिम आबादी	A. 57 प्रतिशत
2. मुस्लिम साक्षरता दर	B. 14.2 प्रतिशत
3. मदरसों में पढ़ने वाले मुस्लिम बच्चे	C. 25 प्रतिशत
4. स्कूल न जाने वाले या स्कूल छोड़ चुके बच्चे	D. 4 प्रतिशत

उत्तर : 1-B, 2-A, 3-D,4-C

2.

स्तम्भ 'अ'	स्तम्भ 'ब'
1. सच्चर समिति का गठन	A. मौलिक अधिकारों की रक्षा
2. न्यायपालिका	B. 2005
3. राजिन्दर सच्चर	C. समिति के अध्यक्ष
4. संवैधानिक सुरक्षा	D. भेदभाव से संरक्षण

उत्तर : 1-B, 2-A, 3-C,4-D

सत्य/असत्य प्रश्न —

1. अल्पसंख्यक की अवधारणा केवल समुदाय की संख्या तक सीमित है।

उत्तर : असत्य।

2. आँकड़ों के अनुसार अधिकांश मुस्लिम बच्चे केवल मदरसों में पढ़ते हैं।

उत्तर : असत्य।

लघुत्तरात्मक प्रश्न —

1. अल्पसंख्यक समुदायों के लिए संवैधानिक सुरक्षा क्यों आवश्यक है?

उत्तर : 1 छोटे समुदाय सांस्कृतिक वर्चस्व के दबाव में आ सकते हैं।
2. उन्हें भेदभाव और नुकसान की आशंका रहती है।
3. वे जीवन, संपत्ति और कुशलक्षेम के प्रति असुरक्षित हो सकते हैं।
4. संवैधानिक सुरक्षा समानता, न्याय और सांस्कृतिक विविधता की रक्षा करती है।

2. मुसलमानों को हाशियाई समुदाय मानने के पक्ष में तर्क दीजिए।

उत्तर : 1 मुस्लिम समुदाय की साक्षरता दर 57 प्रतिशत है।
2. मूलभूत सुविधाओं तक उनकी पहुँच कम है।
3. सरकारी नौकरियों में उनका प्रतिनिधित्व बहुत कम है।
4. 25 प्रतिशत मुस्लिम बच्चे कभी स्कूल नहीं गए या स्कूल छोड़ चुके हैं।
5. उन्हें भेदभाव, अलगाव और असुरक्षा का सामना करना पड़ता है।

Trick "सा–नु–नौ–शि–भे

3. सच्चर समिति की प्रमुख जानकारियाँ लिखिए।

उत्तर : 1 समिति का गठन वर्ष 2005 में हुआ।
2. इसकी अध्यक्षता न्यायमूर्ति राजिन्दर सच्चर ने की।
3. इसने मुस्लिम समुदाय की सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक स्थिति का अध्ययन किया।
4. उनकी स्थिति कई संकेतकों पर अन्य हाशियाई समुदायों जैसी पाई गई।
5. मुस्लिम बच्चे औसतन कम वर्षों तक स्कूली शिक्षा प्राप्त करते हैं।

4. बनी–बनाई छवियाँ मुसलमानों के सामाजिक हाशियाकरण को कैसे बढ़ाती हैं?

उत्तर : 1 मुसलमानों को कुछ निशानियों से पहचानने का प्रयास होता है।
2. उन्हें अन्य लोगों से अलग मान लिया जाता है।
3. उनके साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार किया जाता है।
4. सामाजिक भेदभाव के कारण वे पुराने निवास क्षेत्रों से निकलने लगते हैं।
5. पूर्वाग्रह घृणा, अलगाव और हिंसा को जन्म देता है।

मिशन ज्ञान
पढ़ो जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

5. आर्थिक और सामाजिक हाशियाकरण के बीच क्या संबंध है?

उत्तर : 1 मूलभूत सुविधाओं, साक्षरता और सरकारी नौकरियों तक कम पहुँच आर्थिक हाशियाकरण दिखाती है।

2. बनी–बनाई छवियों के कारण सामाजिक भेदभाव होता है।
3. सामाजिक भेदभाव से शिक्षा और संसाधनों तक पहुँच प्रभावित होती है।
4. आर्थिक कमजोरी असुरक्षा और शक्तिहीनता बढ़ाती है।
5. आर्थिक और सामाजिक हाशियाकरण गहराई से जुड़े होते हैं।

Trick "सु–भे–शि–आ–अ"

निबंधात्मक प्रश्न –

1. आप अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा के लिए संवैधानिक सुरक्षाओं को क्यों महत्त्वपूर्ण मानते हैं? इसका एक कारण बताइए।

उत्तर : 1 संवैधानिक सुरक्षाएँ अल्पसंख्यक समुदायों को बहुसंख्यक समुदाय के सांस्कृतिक वर्चस्व, भेदभाव और नुकसान से बचाती हैं।

2. ये देश की सांस्कृतिक विविधता, समानता और न्याय की रक्षा करती हैं।

2. अल्पसंख्यक और हाशियाकरण वाले हिस्से को दोबारा पढ़िए। 'अल्पसंख्यक' शब्द से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : 1 अल्पसंख्यक ऐसे समुदाय होते हैं जिनकी संख्या कुल आबादी की तुलना में कम होती है।

2. यह अवधारणा केवल संख्या तक सीमित नहीं है।
3. इसका संबंध सत्ता, संसाधनों, सामाजिक स्थिति और सांस्कृतिक सुरक्षा तक पहुँच से भी है।
4. छोटे समुदाय बहुसंख्यक समुदाय के सांस्कृतिक प्रभाव के कारण हाशिये पर जा सकते हैं।

6 हाशियाकरण से निपटना

मौलिक अधिकारों का उपयोग एवं हाशियाई तबकों के लिए कानून

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. संविधान के किस अनुच्छेद द्वारा अस्पृश्यता का उन्मूलन किया गया है?
(अ) अनुच्छेद 14 (ब) अनुच्छेद 15
(स) अनुच्छेद 17 (द) अनुच्छेद 21 **(स)**

2. संविधान का अनुच्छेद 15 किस आधार पर भेदभाव का निषेध करता है?
(अ) केवल जाति के आधार पर
(ब) केवल धर्म और लिंग के आधार पर
(स) धर्म, नस्ल, जाति, लिंग या जन्मस्थान के आधार पर
(द) केवल आर्थिक स्थिति के आधार पर **(स)**

3. हाशियाई समुदायों ने मौलिक अधिकारों का उपयोग मुख्य रूप से किस उद्देश्य से किया?
(अ) सरकार को समाप्त करने के लिए
(ब) अन्य समुदायों पर नियंत्रण स्थापित करने के लिए
(स) अपने साथ हुए अन्याय की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिए
(द) सरकारी नौकरियों को समाप्त करने के लिए **(स)**

4. आरक्षण की व्यवस्था मुख्य रूप से कहाँ लागू की गई है?
(अ) निजी व्यापार और कृषि में
(ब) शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी नौकरियों में
(स) धार्मिक संस्थानों में
(द) केवल ग्राम पंचायतों में **(ब)**

5. आरक्षण का लाभ प्राप्त करने के लिए उम्मीदवार को क्या प्रस्तुत करना होता है?
(अ) जन्म प्रमाणपत्र
(ब) आय प्रमाणपत्र
(स) जाति या जनजाति प्रमाणपत्र
(द) निवास प्रमाणपत्र **(स)**

6. मौलिक अधिकारों को साकार करने में अहम भूमिका .... की है। (मॉड्ल पेपर 2026)
(अ) विधायिका (ब) कार्यपालिका
(स) नगरपालिका (द) न्यायपालिका **(द)**

7. सामाजिक न्याय को प्रोत्साहन देने के लिए आवश्यक है– (मॉड्ल पेपर 2023)
(अ) कानून बनाना
(ब) कानूनों को लागू करना
(स) लोगों द्वारा निरंतर प्रयास करना
(द) उपरोक्त सभी **(द)**

रिक्तस्थान –

1. अस्पृश्यता अब एक ——————————— अपराध है।
उत्तर : दंडनीय।

2. सरकार दलित और आदिवासी विद्यार्थियों को विशेष ——————————— भी प्रदान करती है।
उत्तर : छात्रवृत्ति

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. मौलिक अधिकार किसे समान रूप से उपलब्ध होते हैं?
उत्तर : मौलिक अधिकार सभी भारतीयों को समान रूप से उपलब्ध होते हैं।

2. छुआछूत समाप्त होने का क्या अर्थ है?
उत्तर : किसी दलित को पढ़ने, मंदिर में प्रवेश करने या सार्वजनिक सुविधाओं का उपयोग करने से नहीं रोका जा सकता।

3. सांस्कृतिक अधिकारों का प्रमुख उद्देश्य क्या है?
उत्तर : अल्पसंख्यक समुदायों की संस्कृति की रक्षा करना।

4. आरक्षण का लाभ किसे मिलता है?
उत्तर : सरकारी सूची में सम्मिलित अनुसूचित जातियों, अनुसूचि जनजातियों तथा पिछड़ी एवं अतिपिछड़ी जातियों के उम्मीदवारों को।

5. 'कट–ऑफ' का क्या अर्थ है?
उत्तर : शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश के लिए निर्धारित न्यूनतम अंक–सीमा।

निम्न को सुमेलित कीजिए

1.

स्तम्भ 'अ'	स्तम्भ 'ब'
1. अनुच्छेद 17	A. संस्कृति की सुरक्षा
2. अनुच्छेद 15	B. अस्पृश्यता का उन्मूलन
3. आरक्षण	C. भेदभाव का निषेध
4. सांस्कृतिक अधिकार	D. शिक्षा और सरकारी नौकरियों में से संबंधित

उत्तर : 1-B, 2-C, 3-D,4-A

2. **स्तम्भ 'अ'** **स्तम्भ 'ब'**

स्तम्भ 'अ'	स्तम्भ 'ब'
1. जाति प्रमाणपत्र	A. न्यूनतम अंक–सीमा
2. छात्रावास सुविधा	B. आर्थिक सहायता
3. छात्रवृत्ति	C. आरक्षण के लिए जाति का प्रमाण
4. कट–ऑफ	D. शिक्षा प्राप्त करने के लिए निवास सुविधा

उत्तर : 1-C, 2-D, 3-B,4-A

सत्य/असत्य प्रश्न –

1. मौलिक अधिकार केवल बहुसंख्यक समुदाय के नागरिकों को प्राप्त हैं।

उत्तर : असत्य।

2. आरक्षण की व्यवस्था उन समुदायों की सहायता के लिए की गई है जिन्हें लंबे समय तक शिक्षा के अवसरों से वंचित रखा गया था।

उत्तर : सत्य।

3. संविधान के अनुच्छेद 17 के अनुसार अस्पृश्यता अथवा छुआछूत का उन्मूलन कर दिया गया है। (मॉड्ल पेपर2026)

उत्तर : सत्य।

4. जो व्यक्ति या समूह पुरजोर तरीके से अपनी बात रखता है, उसे बहिष्कृत कहा जाता है। (मॉडल पेपर 2026)

उत्तर : असत्य।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. हाशियाई समुदाय मौलिक अधिकारों का उपयोग किन दो तरीकों से करते हैं?

उत्तर : 1. अपने मौलिक अधिकारों पर जोर देकर वे अपने साथ हुए अन्याय की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करते हैं।

2. वे सरकार पर मौलिक अधिकारों से संबंधित कानूनों को लागू करने का दबाव डालते हैं।

2. अनुच्छेद 17 का दलित समुदाय के लिए क्या महत्त्व है?

उत्तर : 1 यह अस्पृश्यता अथवा छुआछूत का उन्मूलन करता है।

2. दलितों को पढ़ने और मंदिरों में प्रवेश करने से नहीं रोका जा सकता।

3. उन्हें सार्वजनिक सुविधाओं का उपयोग करने से वंचित नहीं किया जा सकता।

4. छुआछूत को दंडनीय अपराध घोषित किया गया है।

Trick "छु"द–सा–प–

3. अल्पसंख्यक समुदाय सांस्कृतिक और शैक्षणिक अधिकारों का उपयोग क्यों करते हैं?

उत्तर : 1. अपनी संस्कृति की सुरक्षा के लिए।

2. अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान बनाए रखने के लिए।

3. बहुसंख्यक समुदाय की संस्कृति के वर्चस्व से बचने के लिए।

4. अपनी संस्कृति को नष्ट होने से बचाने के लिए।

5. सांस्कृतिक न्याय प्राप्त करने के लिए।

Trick "सु"न्या–न–व–प–

4. आरक्षण की व्यवस्था क्यों आवश्यक मानी गई है?

उत्तर : 1 कुछ समुदायों को सदियों तक पढ़ने–लिखने के अवसरों से वंचित रखा गया था।

2. उन्हें नई निपुणताएँ प्राप्त करने के पर्याप्त अवसर नहीं मिले थे।

3. आरक्षण उन्हें शिक्षा और सरकारी नौकरियों में उचित अवसर प्रदान करता है।

4. यह व्यवस्था में निहित असमानता को कम करने में सहायता करता है।

5. इससे सामाजिक न्याय को प्रोत्साहन मिलता है।

5. आरक्षण की नीति किस प्रकार कार्य करती है?

उत्तर : 1. केंद्र और राज्य सरकारें अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा पिछड़ी एवं अतिपिछड़ी जातियों की सूचियाँ तैयार करती हैं।

2. आवेदन करने वाले उम्मीदवार जाति या जनजाति प्रमाणपत्र प्रस्तुत करते हैं।

3. सरकारी सूची में शामिल समुदायों के उम्मीदवार आरक्षण का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

4. पेशेवर संस्थानों में प्रवेश के लिए निर्धारित न्यूनतम अंक–सीमा से अधिक अंक प्राप्त करना आवश्यक होता है।

5. पात्र विद्यार्थियों को विशेष छात्रवृत्ति भी प्रदान की जाती है।

6. समानता के अधिकार की व्याख्या कीजिए। (मॉड्ल पेपर 2025)

उत्तर : 1. मौलिक अधिकार सभी भारतीयों को समान रूप से उपलब्ध होते हैं।

2. धर्म, नस्ल, जाति, लिंग या जन्मस्थान के आधार पर भेदभाव नहीं किया जा सकता।

मिशन ज्ञान
पढ़ो जब चाहो, जहाँ चाहो, जैसे चाहो

3. अस्पृश्यता अथवा छुआछूत का उन्मूलन किया गया है।
4. दलितों को पढ़ने, मंदिरों में प्रवेश करने और सार्वजनिक सुविधाओं का उपयोग करने से नहीं रोका जा सकता।

Trick "ध–न–जा–लिं–ज"

7. ऐसे दो मौलिक अधिकार बताइए जिनका कोई व्यक्ति अपनी प्रतिष्ठा एवं समतापरक व्यवहार पर जोर देने के लिए प्रयोग करे। (मॉड्ल पेपर2024)

उत्तर : 1. समानता का अधिकार।
2. शोषण के विरुद्ध अधिकार।

8. ऐसे किन्हीं दो क्षेत्रों का वर्णन कीजिए जिनसे हाशियाई समुदाय की पहचान प्रदर्शित होती है। (मॉड्ल पेपर 2024)

उत्तर : 1. सांस्कृतिक क्षेत्र– समुदाय को अपनी संस्कृति की सुरक्षा करने का अधिकार प्राप्त है।
2. धार्मिक क्षेत्र– समुदाय को अपनी धार्मिक मान्यताओं का पालन करने की स्वतंत्रता प्राप्त है।

9. सरकार किस प्रकार सामाजिक न्याय को प्रोत्साहन देती है? कोई दो उदाहरण दीजिए। (वर्ष 2023)

उत्तर : 1. दलित और आदिवासी विद्यार्थियों को मुफ्त अथवा रियायती दरों पर छात्रावास तथा विशेष छात्रवृत्ति प्रदान करके।
2. शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी नौकरियों में आरक्षण देकर।

10. दो ऐसे मौलिक अधिकार बताइए जिनका दलित समुदाय प्रतिष्ठापूर्ण और समतापरक व्यवहार पर जोर देने के लिए इस्तेमाल कर सकता है।

उत्तर : 1. समानता का अधिकार।
2. शोषण के विरुद्ध अधिकार।

11. "मौलिक अधिकारों वाला खण्ड भारतीय संविधान की अंतरात्मा भी है।" स्पष्ट कीजिए। (मॉड्ल पेपर2026)

उत्तर : 1. संविधान में दिए गए सिद्धांत समाज और राज्य व्यवस्था को लोकतांत्रिक बनाते हैं।
2. मौलिक अधिकार सभी भारतीयों को समान रूप से उपलब्ध होते हैं।
3. ये धर्म, नस्ल, जाति, लिंग और जन्मस्थान के आधार पर होने वाले भेदभाव का निषेध करते हैं।
4. हाशियाई समुदाय इन अधिकारों के माध्यम से अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाते हैं।
5. इसलिए मौलिक अधिकार संविधान की लोकतांत्रिक और समानतापूर्ण व्यवस्था का महत्त्वपूर्ण आधार हैं।

मौलिक अधिकारों का उपयोग एवं हाशियाई तबकों के लिए कानून

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. 1989 का अधिनियम बनाने का प्रमुख उद्देश्य क्या था?
(अ) धार्मिक त्योहारों को नियंत्रित करना
(ब) दलितों और आदिवासियों पर होने वाले अत्याचारों को रोकना
(स) सरकारी नौकरियों को समाप्त करना
(द) नई जातीय सूचियाँ तैयार करना **(ब)**

2. हाथ से मैला उठाने वालों को काम पर रखने और सूखे शौचालयों के निर्माण पर रोक लगाने वाला कानून किस वर्ष पारित हुआ?
(अ) 1989 (ब) 1991
(स) 1993 (द) 2003 **(स)**

रिक्तस्थान –

1. हाथ से मैला उठाने का काम सामान्यतः दलित ―――――――― और लड़कियों के हिस्से में आता है।

उत्तर : औरतों

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. हाथ से मैला उठाने का क्या अर्थ है?

उत्तर : सूखे शौचालयों से मनुष्यों का मल हाथ से उठाकर दूर के स्थान पर ले जाकर फेंकना।

2. हाथ से मैला उठाने वालों के स्वास्थ्य पर क्या प्रभाव पड़ता है?

उत्तर : उनकी आँखों, त्वचा, श्वसन तंत्र और पाचन तंत्र में संक्रमण होने का गंभीर खतरा रहता है।

निम्न को सुमेलित कीजिए–

1.

स्तम्भ 'अ'	स्तम्भ 'ब'
1. रत्नम	A. भय के कारण समर्थन में आगे नहीं आए
2. ताकतवर जातिया	B. परंपरागत रस्म का विरोध किया
3. स्थानीय मीडिया	C. रत्नम को प्रतिरोध का प्रतीक बताया
4. दलित परिवार	D. रत्नम के परिवार का बहिष्कार कराया

उत्तर : 1-B, 2-D, 3-C,4-A

पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

2.

स्तम्भ 'अ'	स्तम्भ 'ब'
1. अत्याचार निवारण अधिनियम	A. जनहित याचिका दायर की
2. सफाई कर्मचारी आंदोलन	B. हाथ से मैला उठाने वालों को काम पर रखने और सूखे शौचालयों के निर्माण पर रोक
3. वर्ष 1993 का कानून	C. जाँच तथा मुक्ति और पुनर्वास कार्यक्रम बनाने का आदेश
4. सर्वोच्च न्यायालय	D. दलितों और आदिवासियों पर होने वाले अत्याचारों की रोकथाम

उत्तर : 1-D, 2-A, 3-B,4-C

सत्य/असत्य प्रश्न –

1. वर्ष 1989 के अधिनियम में दलित एवं आदिवासी महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों के लिए दंड की व्यवस्था की गई है।

उत्तर : सत्य।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. दलित परिवार ताकतवर जातियों के गुस्से से क्यों डरते थे?

उत्तर : 1 बहुत से दलित सवर्णों के खेत–खलिहानों में दिहाड़ी मजदूरी करते थे
2. उन्हें काम मिलना बंद हो जाने का भय था।
3. उनकी आजीविका प्रभुत्वशाली जातियों पर निर्भर थी।
4. उन्हें सामाजिक बहिष्कार और हिंसा का सामना करने की आशंका थी।

2. रत्नम ने 1989 के अधिनियम के तहत शिकायत क्यों दर्ज कराई?

उत्तर : 1 उसे दलित होने के कारण परंपरागत रस्म निभाने के लिए मजबूर किया जा रहा था।
2. इनकार करने पर उसके परिवार का सामाजिक बहिष्कार कराया गया।
3. कुछ लोगों ने उसकी झोंपड़ी में आग लगा दी।
4. उसके साथ जाति के आधार पर भेदभाव और हिंसा की गई।
5. 1989 का अधिनियम दलितों को ऐसे अत्याचारों से सुरक्षा प्रदान करता है।

Trick "रुस"–जा–आ–ब

3. सफाई कर्मचारी आंदोलन ने सर्वोच्च न्यायालय में जनहित याचिका क्यों दायर की?

उत्तर : 1 हाथ से मैला उठाने की प्रथा अब भी जारी थी।
2. यह प्रथा रेलवे जैसे सरकारी उपक्रमों में भी बड़े पैमाने पर प्रचलित थी।
3. वर्ष 1993 में बने कानून के बाद भी इस प्रथा पर रोक नहीं लगाई गई थी।
4. याचिकाकर्ताओं ने अपने मौलिक अधिकारों को लागू करवाने का आग्रह किया था।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. 1989 के अत्याचार निवारण अधिनियम के प्रमुख प्रावधान लिखिए।

उत्तर : 1. अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के व्यक्ति को अखाद्य अथवा गंदा पदार्थ खाने–पीने के लिए मजबूर करना अपराध है।
2. किसी व्यक्ति को नंगा करना, नंगा घुमाना या उसकी मानवीय प्रतिष्ठा के विरुद्ध व्यवहार करना दंडनीय है।
3. दलित या आदिवासी व्यक्ति की जमीन पर अवैध कब्जा करना अथवा उसे अपने नाम पर स्थानांतरित करवाना अपराध है।
4. अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति की महिला को अपमानित करने के उद्देश्य से उस पर हमला करना या उसके साथ जोर–जबरदस्ती करना दंडनीय है।

Trick "गंगदा = म–जं–न–,नंगा, जमीन, महिला।"

2. रत्नम की कहानी और 1989 के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के प्रावधानों को दोबारा पढ़िए। एक कारण बताइए कि रत्नम ने इसी कानून के तहत शिकायत क्यों दर्ज कराई।

उत्तर : 1. रत्नम को दलित होने के कारण अपमानजनक रस्म निभाने के लिए मजबूर किया जा रहा था।
2. इनकार करने पर उसके परिवार का सामाजिक बहिष्कार किया गया और उसकी झोंपड़ी जला दी गई।
3. ये कृत्य दलित व्यक्ति के विरुद्ध भेदभाव, अपमान और हिंसा से संबंधित अपराध थे।
4. इसलिए उसने 1989 के अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत शिकायत दर्ज कराई।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

आदिवासियों की माँगें और 1989 का अधिनियम

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. आदिवासी कार्यकर्ता 1989 के अधिनियम का उपयोग मुख्य रूप से किसके लिए करते हैं?

(अ) धार्मिक संस्थान स्थापित करने के लिए
(ब) परंपरागत जमीन पर अपना कब्जा वापस पाने के लिए
(स) सरकारी नौकरियाँ समाप्त करने के लिए
(द) नई जनजातियाँ घोषित करने के लिए **(ब)**

2. संवैधानिक रूप से आदिवासियों की जमीन किसे नहीं बेची जा सकती?

(अ) किसी आदिवासी परिवार को
(ब) ग्राम पंचायत को
(स) गैर–आदिवासी व्यक्ति को
(द) जनजातीय समुदाय को **(स)**

3. आदिवासी कार्यकर्ता सी.के. जानू ने किस पर आदिवासियों से संबंधित संवैधानिक कानूनों के उल्लंघन का आरोप लगाया?

(अ) केवल ग्राम पंचायतों पर
(ब) विभिन्न प्रदेशों की सरकारों पर
(स) केवल आदिवासी समुदायों पर
(द) शैक्षणिक संस्थानों पर **(ब)**

4. बेदखल होकर वापस न लौट सकने वाले आदिवासियों के लिए क्या माँग की गई?

(अ) जुर्माना
(ब) मुआवजा और पुनर्वास
(स) नई कर–व्यवस्था
(द) धार्मिक सहायता **(ब)**

5. अनुसूचित जनजाति एवं अन्य परंपरागत वनवासी (वन अधिकार मान्यता) अधिनियम किस वर्ष पारित हुआ?

(अ) 1989 (ब) 1993
(स) 2003 (द) 2006 **(द)**

रिक्तस्थान –

1. आदिवासी कार्यकर्ता अपनी परंपरागत ———————— पर कब्जे की बहाली की माँग करते हैं।

उत्तर : जमीन।

2. आदिवासियों की जमीन किसी ———————— व्यक्ति को नहीं बेची जा सकती।

उत्तर : गैर–आदिवासी।

3. आदिवासियों को अपनी जमीन और परंपरागत जंगलों से जबरन हटाने की प्रक्रिया को ———————— कहा जाता है।

उत्तर : विस्थापन

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. आदिवासी कार्यकर्ता 1989 के कानून का सहारा क्यों लेते हैं?

उत्तर : अपनी परंपरागत जमीन पर अपना कब्जा वापस पाने के लिए।

2. आदिवासियों की जमीन पर कब्जा करने वालों के लिए क्या माँग की गई?

उत्तर : उन्हें 1989 के अधिनियम के अंतर्गत सजा देने की माँग की गई।

निम्न को सुमेलित कीजिए–

1.

स्तम्भ 'अ'	स्तम्भ 'ब'
1. आदिवासी कार्यकर्ता	A. मुआवजे और पुनर्वास की आवश्यकता
2. गैर–आदिवासी घुसपैठिए	B. जमीन और संसाधनों का दोहन
3. सी.के. जानू	C. परंपरागत जमीन की बहाली की माँग
4. विस्थापित आदिवासी	D. सरकारों पर कानून के उल्लंघन का आरोप?

उत्तर : 1-C, 2-B, 3-D,4-A

2.

स्तम्भ 'अ'	स्तम्भ 'ब'
1. परंपरागत जमीन	A. नए स्थान पर रहने और काम करने की व्यवस्था
2. पुनर्वास	B. आदिवासियों के कब्जे की बहाली की माँग
3. वन अधिकार अधिनियम, 2006	C. वन समुदायों के अधिकारों की मान्यता
4. आरक्षित वन या अभयारण्य	D. वनवासियों की बेदखली का एक कारण

उत्तर : 1-B, 2-A, 3-C,4-D

सत्य/असत्य प्रश्न –

1. आदिवासी कार्यकर्ताओं के अनुसार आदिवासियों की जमीन गैर–आदिवासी व्यक्तियों को बेची जा सकती है।

उत्तर : असत्य।

RECORDED VIDEOS | LIVE CLASSES | PDF NOTES | e-BOOKS | QUIZ | TEST SERIES

DOWNLOAD MISSION GYAN APP!

2. वन अधिकार अधिनियम, 2006 में वन एवं जैवविविधता संरक्षण को भी वनवासियों के अधिकारों में माना गया है

उत्तर : सत्य।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. आदिवासी कार्यकर्ता 1989 के अधिनियम का प्रयोग किस प्रकार करते हैं?

उत्तर : 1. अपनी परंपरागत जमीन पर अपना कब्जा वापस पाने के लिए।
2. जबरन जमीन पर कब्जा करने वालों के विरुद्ध शिकायत करने के लिए।
3. जमीन और संसाधनों से वंचित किए जाने का विरोध करने के लिए।
4. संविधान में दिए गए अधिकारों को लागू करवाने के लिए।
5. अवैध कब्जा करने वालों को दंडित करवाने के लिए।

Trick “ज–शि–व–अ–द”

2. आदिवासियों के लिए परंपरागत जमीन का क्या महत्त्व है?

उत्तर : 1. उनकी जमीन उनके परंपरागत संसाधनों से जुड़ी हुई है।
2. जमीन छिनने से उन्हें जबरन विस्थापन और भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।
3. वे अपने परंपरागत जंगलों और संसाधनों से अलग हो जाते हैं।
4. जमीन की वापसी से संविधान द्वारा दिए गए उनके अधिकारों की रक्षा होती है।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. सी.के. जानू ने प्रदेश सरकारों पर क्या आरोप लगाए?

उत्तर : 1. प्रदेश सरकारें आदिवासियों से संबंधित संवैधानिक कानूनों का उल्लंघन करती हैं।
2. वे गैर–आदिवासी घुसपैठियों को जनजातीय जमीन का दोहन करने की अनुमति देती हैं।
3. वे लकड़ी व्यापारियों और पेपर मिलों को आदिवासियों की जमीन और संसाधनों के उपयोग की छूट देती हैं।
4. जंगलों को आरक्षित वन या अभयारण्य घोषित करके आदिवासियों को वहाँ से बेदखल किया जाता है।
5. आदिवासियों को उनके परंपरागत जंगलों से उजाड़ा जाता है।

2. विस्थापित आदिवासियों के पुनर्वास के लिए क्या किया जाना चाहिए?

उत्तर : 1. उन्हें उचित मुआवजा दिया जाना चाहिए।
2. उनके लिए नए स्थानों पर रहने की व्यवस्था की जानी चाहिए।
3. उनके लिए काम करने के अवसर उपलब्ध कराए जाने चाहिए।
4. उनके पुनर्वास के लिए विशेष योजनाएँ बनाई जानी चाहिए।

3. वन अधिकार मान्यता अधिनियम, 2006 की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर : 1. यह वन समुदायों के साथ हुए ऐतिहासिक अन्याय को स्वीकार करता है।
2. यह घर के आसपास की जमीन पर वन समुदायों के अधिकार को मान्यता देता है।
3. यह खेती और चराई योग्य जमीन पर उनके अधिकार को मान्यता देता है।
4. यह गैर–लकड़ी वन उत्पादों पर उनके अधिकार को स्वीकार करता है।
5. यह वन एवं जैवविविधता संरक्षण को भी वनवासियों के अधिकारों में शामिल करता है।

Trick “अ”स।–उ–ख–घ–

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें

7 जनसुविधाएँ

चेन्नई के लोग और पानी एवं जीवन के अधिकार के रूप में पानी

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत पानी के अधिकार को जीवन के अधिकार का हिस्सा माना गया है?

(अ) अनुच्छेद 21 (ब) अनुच्छेद 17

(स) अनुच्छेद 14 (द) अनुच्छेद 19 **(अ)**

रिक्तस्थान –

1. पानी से संबंधित बीमारियों के कारण मरने वालों में अधिकांश बच्चे ———————— वर्ष से कम आयु के होते हैं।

उत्तर : पाँच।

2. प्रत्येक व्यक्ति को पर्याप्त और सस्ती दर पर पानी मिलने की स्थिति को पानी तक ———————— पहुँच कहा जाता है।

उत्तर : सार्वभौमिक।

सत्य/असत्य प्रश्न –

1. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के अन्तर्गत पानी का अधिकार जीवन के अधिकार का हिस्सा है। सत्य/असत्य लिखिए। (मॉड़ल पेपर 2025 ,2026)

उत्तर : सत्य।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. महबूब नगर के दूषित पानी से संबंधित मामले का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

उत्तर : 1. एक किसान ने जलधारा में विषैले रसायन छोड़े जाने की शिकायत की।

2. रसायनों के कारण भूमिगत पानी दूषित हो गया था।

3. यह पानी सिंचाई और पीने के लिए उपयोग किया जाता था।

4. आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने मामले की सुनवाई की।

5. जिला कलेक्टर को प्रत्येक व्यक्ति को प्रतिदिन 25 लीटर पानी देने का आदेश दिया गया।

जनसुविधाएँ एवं सरकार की भूमिका

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. निम्नलिखित में से कौन–सी एक जनसुविधा है?

(अ) निजी आभूषण

(ब) सार्वजनिक परिवहन

(स) मनोरंजन का निजी साधन

(द) महँगा मोबाइल फोन **(ब)**

2. सभी लोगों को जनसुविधाएँ उपलब्ध कराने की मुख्य जिम्मेदारी किसकी है?

(अ) सरकार की

(ब) केवल व्यापारियों की

(स) केवल संपन्न लोगों की

(द) विदेशी कंपनियों की **(अ)**

3. सरकार की आमदनी का मुख्य स्रोत क्या है?

(अ) निजी ऋण

(ब) पानी की बिक्री

(स) विद्यालयों की फीस

(द) जनता से प्राप्त कर **(द)**

4. निजी कंपनियों द्वारा उपलब्ध कराई गई जनसुविधाओं की प्रमुख समस्या क्या होती है?

(अ) सुविधाएँ बिल्कुल मुफ्त होती हैं।

(ब) सुविधाओं की कीमत अधिक होती है।

(स) सुविधाएँ केवल सरकार को मिलती हैं।

(द) उनमें किसी प्रकार का खर्च नहीं होता। **(स)**

रिक्तस्थान –

1. बिजली, सार्वजनिक परिवहन, विद्यालय और कॉलेज को ———————— कहा जाता है।

उत्तर : जनसुविधाएँ।

2. भारतीय संविधान 6 से ———————— वर्ष की आयु के बच्चों को शिक्षा के अधिकार की गारंटी देता है।

उत्तर : 14।

3. जनता से प्राप्त ———————— सरकार की आमदनी का मुख्य साधन होता है।

उत्तर : कर।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. जनसुविधाएँ क्या होती हैं?

उत्तर : 1. ऐसी आवश्यक सुविधाएँ जिनका उपयोग समाज के बहुत सारे लोग करते हैं।

2. जैसे–पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली और सार्वजनिक परिवहन

2. बजट में सरकार किन बातों का विवरण देती है?

उत्तर : 1. पिछले वर्ष के खर्चों का विवरण।

2. अगले वर्ष के खर्चों और योजनाओं का विवरण।

3. अगले वर्ष की योजनाओं के लिए धन की व्यवस्था कहाँ से होगी, इसका विवरण।

3. पानी की आपूर्ति पर सरकार को किन्हीं दो कार्यों के लिए खर्च करना पड़ता है?

उत्तर : 1. पानी को निकालने और साफ करने के लिए।

2. पाइप बिछाने और पानी पहुँचाने के लिए।

4. सरकार द्वारा नागरिकों को दी जाने वाली कोई दो जनसुविधाएँ बताइए। (मॉड़ल पेपर 2023)

उत्तर : 1. जलापूर्ति।

2. शिक्षा।

निम्न को सुमेलित कीजिए–

1. स्तम्भ 'अ'	स्तम्भ 'ब'
1. बजट	A. सरकार की आय का मुख्य स्रोत
2. कर	B. लाभ कमाने के उद्देश्य से कार्य
3. निजी कंपनी	C. आय और व्यय का विवरण
4. सरकार	D. सभी को जनसुविधाएँ उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी

उत्तर : 1-C, 2-A, 3-B,4-D

सत्य/असत्य प्रश्न –

1. जनसुविधाओं का उपयोग केवल वही लोग कर सकते हैं जो प्रत्यक्ष रूप से कर चुकाते हैं।

उत्तर : असत्य।

2. सरकार करों से प्राप्त धन को सार्वजनिक कार्यक्रमों और जनसुविधाओं पर खर्च करती है।

उत्तर : सत्य।

3. शुद्ध जल एवं स्वच्छता सतत विकास लक्ष्य है। सत्य/असत्य लिखिए। (वर्ष 2026)

उत्तर : सत्य।

4. भारतीय संविधान 6–14 वर्ष की आयु के सभी बच्चों को शिक्षा के अधिकार की गारंटी देता है। (मॉड़ल पेपर 2025)

उत्तर : सत्य।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. जनसुविधाएँ उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी सरकार पर क्यों होनी चाहिए?

उत्तर : 1. जनसुविधाएँ लोगों की मूलभूत आवश्यकताओं से जुड़ी होती हैं।

2. प्रत्येक नागरिक को सम्मानजनक जीवन जीने का अधिकार है।

3. निजी कंपनियाँ मुख्य रूप से मुनाफ़े के लिए काम करती हैं।

4. अनेक जनसुविधाओं में लाभ कमाने की संभावना नहीं होती।

2. जनसुविधाओं की प्रमुख विशेषताएँ बताइए।

उत्तर : 1. इनका संबंध मूलभूत आवश्यकताओं से होता है।

2. एक बार व्यवस्था हो जाने पर बहुत सारे लोग इनका उपयोग कर सकते हैं।

3. इनसे पूरे समाज को लाभ मिलता है।

4. इनका लाभ केवल किसी एक व्यक्ति तक सीमित नहीं होता।

5. इनका उद्देश्य सम्मानजनक जीवन को संभव बनाना है।

3. निजी कंपनियों पर जनसुविधाओं की पूरी जिम्मेदारी क्यों नहीं छोड़ी जा सकती?

उत्तर : 1. निजी कंपनियाँ मुनाफ़ा कमाने के उद्देश्य से काम करती हैं।

2. वे लाभरहित जनसुविधाओं में रुचि नहीं लेतीं।

3. उनकी सेवाओं की कीमत अधिक हो सकती है।

4. गरीब लोग महँगी सेवाओं का खर्च नहीं उठा सकते।

5. इससे सुविधाओं के वितरण में असमानता बढ़ सकती है।

4. सरकार जनसुविधाओं के लिए धन की व्यवस्था कैसे करती है?

उत्तर : 1. सरकार जनता से विभिन्न प्रकार के कर प्राप्त करती है।

2. कर सरकार की आय का मुख्य स्रोत है।

3. सरकार बजट में आय और खर्च की योजना प्रस्तुत करती है।

4. कुछ सेवाओं के लिए निर्धारित शुल्क भी लिया जाता है।

5. पानी की आपूर्ति का खर्च कर और जल शुल्क से पूरा किया जाता है।

5. आपकी ग्राम पंचायत में स्वच्छता अभियान को सफल बनाने के लिए आप किस प्रकार सहयोग करेंगे? (मॉड़ल पेपर 2026)

मिशन ज्ञान
पढ़ः जब चाहे, जहाँ चाहे, जैसे चाहे

उत्तर : 1. लोगों को शौचालयों के उपयोग के लिए जागरूक करेंगे।
2. मानव मल–मूत्र के सुरक्षित निपटान का महत्त्व बताएँगे।
3. गंदे पानी की सफ़ाई और निकासी के लिए पाइपों की उचित व्यवस्था पर ध्यान दिलाएँगे।
4. सामुदायिक शौचालयों के रख–रखाव में सहयोग करेंगे।
5. पानी से फैलने वाली बीमारियों को रोकने के लिए स्वच्छता बनाए रखने हेतु प्रेरित करेंगे।

6. सामुदायिक स्वच्छता में विद्यार्थी क्या–क्या भूमिका निभा सकते हैं? (मॉड्ल पेपर 2024)

उत्तर : 1. अपने आसपास स्वच्छता बनाए रख सकते हैं।
2. लोगों को शौचालयों के उपयोग के लिए प्रेरित कर सकते हैं।
3. मानव मल–मूत्र के सुरक्षित निपटान का महत्त्व समझा सकते हैं।
4. गंदे पानी की सफ़ाई और सुरक्षित निकासी के प्रति जागरूकता फैला सकते हैं।
5. सामुदायिक शौचालयों के रख–रखाव में सहयोग कर सकते हैं।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. ऐसा क्यों है कि ज्यादातर निजी अस्पताल और निजी स्कूल कस्बों या ग्रामीण इलाकों की बजाय बड़े शहरों में ही हैं?

उत्तर : 1. निजी कंपनियाँ और संस्थाएँ मुनाफ़े के उद्देश्य से काम करती हैं।
2. निजी स्कूलों और अस्पतालों की सेवाओं की कीमत अधिक होती है।
3. बड़े शहरों में ऐसे लोगों की संख्या अधिक होती है जो इन महँगी सेवाओं का खर्च उठा सकते हैं।
4. इसी कारण निजी अस्पताल और निजी स्कूल मुख्यत: बड़े शहरों में स्थापित किए जाते हैं।

2. क्या आपको लगता है कि हमारे देश में जनसुविधाओं का वितरण पर्याप्त और निष्पक्ष है? अपनी बात के समर्थन में एक उदाहरण दें।

उत्तर : 1. नहीं, जनसुविधाओं का वितरण पर्याप्त और निष्पक्ष नहीं है।
2. शहरों की तुलना में गाँवों और कस्बों में सुविधाओं की स्थिति कमजोर है।
3. संपन्न बस्तियों में गरीब बस्तियों की अपेक्षा बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध हैं।
4. सुविधाओं की आपूर्ति में कमी और वितरण में भारी असमानता है।

उदाहरण:
1. चेन्नई के अन्ना नगर में नलों से चौबीस घंटे पानी मिलता है।
2. दूसरी ओर झुग्गी बस्ती की 30 झुग्गियों के लिए केवल एक नल है।
3. उस नल से भी प्रतिदिन केवल 20 मिनट पानी मिलता है।

चेन्नई में पानी की आपूर्ति–क्या सबको पानी मिल रहा है? एवं विकल्पों की तलाश

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. शहरी जल आयोग के अनुसार शहरी क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति प्रतिदिन कितना पानी मिलना चाहिए?
(अ) 20 लीटर (ब) 160 लीटर
(स) 100 लीटर (द) 135 लीटर **(द)**

रिक्तस्थान –

1. चेन्नई की नगरपालिका जलापूर्ति से शहर की लगभग ———————— आवश्यकता पूरी होती है।

उत्तर : आधी।

2. शहरी क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति प्रतिदिन लगभग ———————— लीटर पानी मिलना चाहिए।

उत्तर : 135।

3. शहरी क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति प्रतिदिन लगभग ———————— लीटर पानी मिलना चाहिए।

उत्तर : 20।

4. चेन्नई के जल विभाग ने भूमिगत जलस्तर सुधारने के लिए ———————— जल संचय की योजनाएँ शुरू की हैं।

उत्तर : वर्षा।

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. चेन्नई में जलापूर्ति की कमी का सबसे अधिक बोझ किस वर्ग पर पड़ता है?

उत्तर : जलापूर्ति की कमी का सबसे अधिक बोझ गरीब वर्ग पर पड़ता है।

2. मध्यम और संपन्न वर्ग पानी की कमी का समाधान किन साधनों से करते हैं?

उत्तर : 1. बोरवेल खोदकर।
2. टैंकर या बोतलबंद पानी खरीदकर।
3. जलशोधन उपकरण लगाकर।

3. किसानों द्वारा जल व्यापारियों को पानी बेचने से भूमिगत जल पर क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर : भूमिगत जलस्तर बहुत बुरी तरह गिर चुका है।

4. अनुबंधित पानी के टैंकर किसे कहा जाता है?

उत्तर : ऐसे निजी टैंकर जिनकी दर सरकारी जलापूर्ति विभाग तय करता है और जिन्हें वही काम करने की अनुमति देता है, अनुबंधित टैंकर कहलाते हैं।

5. पोर्तो एलेग्रे में शिशु मृत्यु दर कम होने का प्रमुख कारण क्या है?

उत्तर : सभी लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाना।

निम्न को सुमेलित कीजिए–

1.

स्तम्भ 'अ'	स्तम्भ 'ब'
1. पोर्तो एलेग्रे	A. पर्याप्त जल शुल्क से खर्च पूरा करना
2. मुंबई जल विभाग	B. भूमिगत जलस्तर सुधारने की योजना
3. हैदराबाद जल विभाग	C. गरीबों से आधी कीमत
4. चेन्नई जल विभाग	D. दायरे और आमदनी में वृद्धि

उत्तर : 1-C, 2-A, 3-D,4-B

सत्य/असत्य प्रश्न –

1. चेन्नई में संपन्न और गरीब सभी लोगों को समान मात्रा में सुरक्षित पेयजल मिलता है।

उत्तर : असत्य।

2. चेन्नई में निजी टैंकरों की दर सरकारी जलापूर्ति विभाग द्वारा तय की जाती है।

उत्तर : सत्य।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. चेन्नई में जलापूर्ति का वितरण असमान क्यों है?

उत्तर : 1. नगरपालिका शहर की केवल लगभग आधी आवश्यकता पूरी करती है।
2. जल भंडारण के पास वाले क्षेत्रों को अधिक पानी मिलता है।
3. दूर की बस्तियों में पानी की आपूर्ति कम होती है।
4. संपन्न लोग निजी साधनों से पानी खरीद सकते हैं।
5. गरीब लोगों के पास पानी प्राप्त करने के सीमित विकल्प होते हैं।

2. किसानों द्वारा जल व्यापारियों को पानी बेचने के क्या परिणाम होते हैं?

उत्तर : 1. किसानों की जमीन से बड़ी मात्रा में पानी निकाला जाता है।
2. खेती के लिए उपलब्ध पानी कम हो जाता है।
3. गाँवों के पीने के पानी की आपूर्ति प्रभावित होती है।
4. मनुष्यों और मवेशियों के लिए जल संकट बढ़ता है।
5. भूमिगत जलस्तर तेजी से नीचे गिरता है।

3. जलापूर्ति का निजीकरण उचित विकल्प क्यों नहीं माना गया है?

उत्तर : 1. निजी कंपनियाँ मुनाफ़े के लिए पानी बेचती हैं।
2. पानी की कीमत में भारी वृद्धि हो सकती है।
3. गरीब लोग महँगा पानी नहीं खरीद सकते।
4. जलापूर्ति में गैर–बराबरी बढ़ सकती है।
5. कुछ देशों में विरोध के बाद सरकार को जलापूर्ति व्यवस्था दोबारा अपने हाथों में लेनी पड़ी।

4. पोर्तो एलेग्रे की सार्वजनिक जलापूर्ति व्यवस्था की विशेषताएँ बताइए।

उत्तर : 1. नगर जल विभाग सभी लोगों को स्वच्छ पेयजल देता है।
2. पानी की औसत कीमत कम रखी गई है।
3. गरीबों से केवल आधी कीमत ली जाती है।
4. लाभ का उपयोग जलापूर्ति सुधारने में किया जाता है।
5. जनता जल विभाग की प्राथमिकताएँ तय करने में भाग लेती है।
6. विभाग का काम पारदर्शी ढंग से चलता है।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. जलापूर्ति में सुधार के लिए अपनाए गए सरकारी विकल्पों का वर्णन कीजिए।

उत्तर : 1. चेन्नई में वर्षा जल संचय की योजनाएँ शुरू की गई हैं।
2. इन योजनाओं के माध्यम से भूमिगत जलस्तर में सुधार लाने का प्रयास किया जा रहा है।
3. पानी की ढुलाई और वितरण के लिए निजी कंपनियों की सेवाएँ ली जाती हैं।
4. टैंकरों की दर और उन्हें काम करने की अनुमति सरकारी जलापूर्ति विभाग तय करता है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें अब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

5. मुंबई का जल विभाग जल शुल्क से अपने खर्च पूरे करता है।

6. हैदराबाद में जल विभाग का दायरा और आमदनी बढ़ी है।

2. आपको ऐसा क्यों लगता है कि दुनिया में निजी जलापूर्ति के उदाहरण कम हैं?

उत्तर : 1. जलापूर्ति लोगों की मूलभूत आवश्यकता है।

2. प्रत्येक व्यक्ति को सस्ती दर पर पानी उपलब्ध कराना आवश्यक है।

3. निजी कंपनियाँ मुख्यतः मुनाफ़े के लिए काम करती हैं।

4. निजी जलापूर्ति में पानी की कीमत बढ़ सकती है।

5. गरीब लोग महँगा पानी खरीदने में असमर्थ हो सकते हैं।

6. इसलिए जलापूर्ति की मुख्य जिम्मेदारी सरकार के पास रहती है।

3. क्या आपको लगता है कि चेन्नई में सबको पानी की सुविधा उपलब्ध है और वे पानी का खर्च उठा सकते हैं? चर्चा करें।

उत्तर : 1. नहीं, चेन्नई में जलापूर्ति समान नहीं है।

2. नगरपालिका शहर की लगभग आधी जल–आवश्यकता ही पूरी करती है।

3. कुछ क्षेत्रों में नियमित तथा कुछ में बहुत कम पानी मिलता है।

4. झुग्गी बस्तियों में रहने वालों को बहुत कम पानी मिलता है।

5. संपन्न लोग टैंकर, बोरवेल, बोतलबंद पानी और जलशोधक का उपयोग कर सकते हैं।

6. गरीब परिवार महँगा पानी खरीदने में असमर्थ होते हैं।

7. इसलिए सभी लोगों को पर्याप्त और सस्ता पानी उपलब्ध नहीं है।

4. किसानों द्वारा चेन्नई के जल व्यापारियों को पानी बेचने से स्थानीय लोगों पर क्या असर पड़ रहा है? क्या स्थानीय लोग भूमिगत पानी के इस दोहन का विरोध कर सकते हैं? क्या सरकार इस बारे में कुछ कर सकती है?

उत्तर : **1. स्थानीय लोगों पर प्रभाव:**

- खेती के लिए उपलब्ध पानी कम हो रहा है।
- गाँवों में पीने के पानी की आपूर्ति कम पड़ रही है।
- भूमिगत जलस्तर बहुत बुरी तरह गिर रहा है।
- मनुष्यों और मवेशियों के लिए पानी की कमी बढ़ रही है।

2. स्थानीय लोगों की भूमिका:

- हाँ, स्थानीय लोग भूमिगत जल के अत्यधिक दोहन का विरोध कर सकते हैं।
- अध्याय में निजी जलापूर्ति के विरुद्ध लोगों के विशाल प्रदर्शनों का उल्लेख किया गया है।

3. सरकार की भूमिका:

- सरकार पानी निकालने और बेचने वाली निजी कंपनियों पर नियंत्रण रख सकती है।
- वह टैंकरों की दर तय कर सकती है और उन्हें काम करने की अनुमति दे सकती है।
- वर्षा जल संचय की योजनाएँ लागू करके भूमिगत जलस्तर में सुधार ला सकती है।
- खेती और गाँवों की पेयजल आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर जलापूर्ति की व्यवस्था कर सकती है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

8 कानून और सामाजिक न्याय

भोपाल और गैस त्रासदी

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. भोपाल स्थित यूनियन कार्बाइड कारखाने से जहरीली गैस कब रिसी थी?

(अ) 2 दिसंबर 1984 (ब) 2 दिसंबर 1985
(स) 3 दिसंबर 1989 (द) 24 दिसंबर 1984 **(अ)**

2. यूनियन कार्बाइड के भोपाल संयंत्र से कौन–सी जहरीली गैस रिसी थी?

(अ) कार्बन डाइऑक्साइड
(ब) मिथाइल आइसोसाइनाइड
(स) ऑक्सीजन
(द) नाइट्रोजन **(ब)**

3. भोपाल में कीटनाशक बनाने वाला कारखाना किस कंपनी का था?

(अ) डाओ केमिकल
(ब) यूनियन कार्बाइड
(स) भारतीय पेट्रोलियम
(द) सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट **(ब)**

4. भोपाल गैस त्रासदी के तीन दिनों के भीतर कितने से अधिक लोगों की मृत्यु हुई थी?

(अ) 800 (ब) 4,000
(स) 8,000 (द) 50,000 **(स)**

रिक्तस्थान –

1. वर्ष 1985 में भारत सरकार ने कंपनी से ———————— डॉलर का मुआवजा माँगा था।

उत्तर : 3 अरब

2. यूनियन कार्बाइड का भोपाल संयंत्र अब ———————— नामक कंपनी के कब्जे में है।

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. भोपाल गैस त्रासदी के पीड़ितों की ओर से मुकदमा किसने दायर किया था?

उत्तर : भारत सरकार ने।

2. यूनियन कार्बाइड कारखाने में क्या बनाया जाता था?

उत्तर : कीटनाशक बनाए जाते थे।

निम्न को सुमेलित कीजिए–

1.

स्तंभ - अ	स्तंभ - ब
1. यूनियन कार्बाइड	A. नया स्वामित्व
2. मिथाइल आइसोसाइनाइड	B. 3 अरब डॉलर
3. भारत सरकार की माँग	C. अमेरिकी कंपनी
4. डाओ केमिकल	D. जहरीली गैस

उत्तर : 1-C, 2-D, 3-B,4-A

सत्य/असत्य प्रश्न –

1. यूनियन कार्बाइड ने सुरक्षा उपायों को पूरी तरह लागू किया था।

उत्तर : असत्य।

2. भोपाल गैस त्रासदी के पीड़ितों का न्याय के लिए संघर्ष अभी भी जारी है।

उत्तर : सत्य।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. भोपाल गैस त्रासदी को केवल एक दुर्घटना क्यों नहीं माना गया?

उत्तर : 1. यूनियन कार्बाइड ने सुरक्षा उपायों की जानबूझकर अनदेखी की थी।
2. त्रासदी से पहले भी कारखाने में गैस रिसाव की घटनाएँ हो चुकी थीं।
3. एक मजदूर की मृत्यु और कई मजदूरों के घायल होने के बाद भी सुधार नहीं किया गया।
4. कंपनी ने लागत कम करने को लोगों की सुरक्षा से अधिक महत्त्व दिया।

2. भोपाल गैस त्रासदी का लोगों के स्वास्थ्य पर क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर : 1. लाखों लोग जहरीली गैस से गंभीर रूप से प्रभावित हुए।
2. लगभग 50,000 लोग इतने बीमार हो गए कि वे काम नहीं कर सकते थे।
3. लोगों में श्वास संबंधी विकार और आँखों की बीमारियाँ फैल गईं।
4. बच्चों में अनेक प्रकार की शारीरिक विकृतियाँ देखी गईं।

मिशन ज्ञान पढ़ें, जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE! Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

3. भोपाल गैस त्रासदी के बाद मुआवजे से संबंधित कानूनी संघर्ष का वर्णन कीजिए।

उत्तर : 1. पीड़ितों की ओर से भारत सरकार ने दीवानी मुकदमा दायर किया।
2. वर्ष 1985 में सरकार ने 3 अरब डॉलर का मुआवजा माँगा।
3. पीड़ितों ने सर्वोच्च न्यायालय में अपील की, लेकिन फैसले में बदलाव नहीं हुआ।

3. यूनियन कार्बाइड कारखाने में छोड़े गए रसायनों से क्या समस्या उत्पन्न हुई?

उत्तर : 1. कंपनी ने कारखाना बंद करते समय विषैले रसायन वहीं छोड़ दिए।
2. रसायन धीरे–धीरे जमीन में रिसते रहे।
3. भूमिगत पानी दूषित हो गया।
4. स्थानीय लोगों को साफ पानी न मिलने के कारण दूषित पानी का उपयोग करना पड़ा।

4. भोपाल गैस त्रासदी के पीड़ित आज भी किन माँगों के लिए संघर्ष कर रहे हैं?

उत्तर : 1. पीने के लिए साफ पानी।
2. पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाएँ।
3. गैस प्रभावित लोगों के लिए रोजगार।
4. यूनियन कार्बाइड के जिम्मेदार अधिकारियों को दंड।
5. जहरीले रसायनों की सुरक्षित सफाई।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. भोपाल गैस त्रासदी जैसी औद्योगिक विपदाओं को कम करने के उपाय लिखिए। (मॉड्ल पेपर 2026)

उत्तर : 1. कठोर सुरक्षा कानून बनाए जाएँ।
2. सुरक्षा कानूनों को सही ढंग से लागू किया जाए।
3. कारखानों का नियमित निरीक्षण किया जाए।
4. चेतावनी अलार्म और आपातकालीन द्वार कार्यशील रखे जाएँ।
5. मजदूरों को पर्याप्त सुरक्षा प्रशिक्षण दिया जाए।
6. स्वच्छ और सुरक्षित तकनीकों का उपयोग किया जाए।
7. नियम तोड़ने वाली कंपनियों को दंड दिया जाए।

2. क्या आपको लगता है कि भोपाल गैस त्रासदी के पीड़ितों को सामाजिक न्याय मिला है? चर्चा करें।

उत्तर : 1. नहीं, पीड़ितों को पूर्ण सामाजिक न्याय नहीं मिला।
2. पीड़ितों को माँगी गई राशि से बहुत कम मुआवजा मिला।
3. हजारों लोग आज भी गंभीर बीमारियों से पीड़ित हैं।
4. संयंत्र में विषैले रसायन अब भी पड़े हुए हैं।
5. दूषित पानी की समस्या बनी हुई है।
6. पीड़ित साफ पानी, स्वास्थ्य सुविधाओं और रोजगार की माँग कर रहे हैं।
7. दोषी लोगों को उचित दंड नहीं मिल पाया।
8. न्याय के लिए संघर्ष अभी भी जारी है।

एक मज़दूर की कीमत क्या होती है?

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. विदेशी कंपनियों के भारत आने का प्रमुख कारण क्या बताया गया है?

(अ) महँगी मशीनें (ब) सस्ता श्रम
(स) कम जनसंख्या (द) अधिक सुरक्षा कानून **(ब)**

2. मजदूरों के सुरक्षा प्रशिक्षण की अवधि घटाकर कितनी कर दी गई थी?

(अ) छह महीने (ब) तीन महीने
(स) एक महिना (द) केवल 15 दिन **(द)**

3. पश्चिम वर्जीनिया के संयंत्र में कौन–सी सुरक्षा व्यवस्था मौजूद थी?

(अ) केवल मजदूरों का अनुमान
(ब) कंप्यूटरीकृत चेतावनी और निगरानी व्यवस्था
(स) कोई चेतावनी व्यवस्था नहीं
(द) केवल रात की पाली का मजदूर **(ब)**

4. निम्नलिखित में से उपभोक्ता कहलाता है– (मॉड्ल पेपर2026)

(अ) उपभोग करने वाला
(ब) व्यापार करने वाला
(स) मजदूरी करने वाला
(द) निवेश करने वाला **(अ)**

5. बालश्रम अधिनियम पारित किया गया– (मॉड्ल पेपर 2025)

(अ) 1925 (ब) 1950
(स) 1986 (द) 2001 **(स)**

रिक्तस्थान –

1. मिक संयंत्र के कामगारों के दल की संख्या 12 से घटाकर ———————— कर दी गई थी।

उत्तर : 6

2. अधिक ———————— के कारण लोग असुरक्षित परिस्थितियों में भी काम करने को तैयार हो जाते हैं।

उत्तर : बेरोजगारी।

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. मजदूर असुरक्षित परिस्थितियों में काम करने के लिए क्यों तैयार हो जाते हैं?

उत्तर : बेरोजगारी और काम की आवश्यकता के कारण।

मिशन ज्ञान
पढ़ो जब चाहो, जहाँ चाहो, जैसे चाहो!
100% FREE!
VIDEO COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

2. भोपाल संयंत्र में गैस रिसाव का पता लगाने के लिए किस पर निर्भर रहा जाता था?

उत्तर : मजदूरों के अंदाजे पर।

3. कंपनियाँ सुरक्षा उपायों की अनदेखी क्यों करती हैं?

उत्तर : लागत घटाने और मुनाफा बढ़ाने के लिए।

4. भारतीय मजदूर को आसानी से बदला जा सकने वाला क्यों माना जाता था?

उत्तर : क्योंकि बेरोजगारी के कारण उसकी जगह दूसरा मजदूर तुरंत मिल जाता था

निम्न को सुमेलित कीजिए–

1.

स्तंभ -अ	स्तंभ -ब
1. भारत	A. कंप्यूटरीकृत चेतावनी व्यवस्था
2. पश्चिम वर्जीनिया	B. असुरक्षित काम स्वीकार करना
3. भोपाल संयंत्र	C. सस्ता श्रम
4. बेराजगारी	D. मजदूरों के अंदाजे पर निर्भरता

उत्तर : 1-C, 2-A, 3-D,4-B

2.

स्तंभ -अ	स्तंभ -ब
1. कामगारों का दल	A. छह महीने से 15 दिन
2. सुरक्षा प्रशिक्षण	B. समाप्त किया गया
3. रात की पाली का पद	C. 12 से 6
4. सुरक्षा उपायों में कटौती	D. लागत कम करना

उत्तर : 1-C, 2-A, 3-B,4-D

सत्य/असत्य प्रश्न –

1. भोपाल और पश्चिम वर्जीनिया के संयंत्रों में समान सुरक्षा व्यवस्था थी।

उत्तर : असत्य।

2. बेरोजगारी के कारण मजदूर कम वेतन और असुरक्षित परिस्थितियों में काम करने को तैयार हो जाते हैं।

उत्तर : सत्य।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. विदेशी कंपनियों को भारत में कारखाने खोलने से क्या लाभ होता है?

उत्तर : 1. भारत में मजदूर कम वेतन पर उपलब्ध हो जाते हैं।
2. मजदूर अधिक घंटों तक काम करने को तैयार हो जाते हैं।
3. आवास जैसी सुविधाओं पर कम खर्च करना पड़ता है।
4. उत्पादन लागत कम होने से कंपनियों का मुनाफा बढ़ता है।

2. यूनियन कार्बाइड ने लागत कम करने के लिए कौन–कौन से खतरनाक कदम उठाए?

उत्तर : 1. सुरक्षा उपकरणों की संख्या और देखभाल पर ध्यान नहीं दिया।
2. कामगारों के दल की संख्या 12 से घटाकर 6 कर दी।
3. सुरक्षा प्रशिक्षण छह महीने से घटाकर 15 दिन कर दिया।
4. रात की पाली के मजदूर का पद समाप्त कर दिया।

3. भोपाल और पश्चिम वर्जीनिया के संयंत्रों की सुरक्षा व्यवस्था में क्या अंतर था?

उत्तर : 1. पश्चिम वर्जीनिया में कंप्यूटरीकृत चेतावनी और निगरानी व्यवस्था थी।
2. भोपाल में गैस रिसाव का पता मजदूरों के अंदाजे से लगाया जाता था।
3. पश्चिम वर्जीनिया में लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुँचाने की व्यवस्था थी।
4. भोपाल में ऐसी कोई प्रभावी व्यवस्था नहीं थी।

4. भारतीय मजदूर का मोल कम क्यों माना जाता था?

उत्तर : 1. देश में बेरोजगारी बहुत अधिक थी।
2. कम वेतन पर काम करने के लिए अनेक लोग उपलब्ध थे।
3. मजदूरों की जगह दूसरा मजदूर आसानी से मिल जाता था।
4. मजदूर अपनी कमजोर स्थिति के कारण सुरक्षा और वेतन के लिए प्रभावी दबाव नहीं बना पाते थे।

5. मजदूरों की कमजोरी का मालिक किस प्रकार लाभ उठाते हैं?

उत्तर : 1. मजदूरों से कम वेतन पर काम करवाते हैं।
2. उनसे अधिक घंटों तक काम लिया जाता है।
3. कार्यस्थल की सुरक्षा पर खर्च कम किया जाता है।
4. दुर्घटना की आशंका के बावजूद मजदूरों को असुरक्षित परिस्थितियों में रखा जाता है।

6. 13 साल के एक बच्चे से कारखाने में मजदूरी करवाना, संविधान द्वारा प्रदत्त उसके किस अधिकार का उल्लंघन है? स्पष्ट करें। (मॉड़ल पेपर 2026)

उत्तर : 1. यह शोषण से मुक्ति के अधिकार का उल्लंघन है।
2. 14 वर्ष से कम आयु के बच्चे को कारखाने में काम पर नहीं लगाया जा सकता।
3. बच्चों से मजदूरी करवाना कानूनन प्रतिबंधित है।
4. ऐसा कार्य बच्चे के जीवन, सुरक्षा और विकास को प्रभावित करता है।

7. **न्यूनतम वेतन कानून से क्या अभिप्राय है?** **(मॉड्ल पेपर 2024)**

उत्तर : 1. न्यूनतम वेतन कानून मजदूरों की न्यूनतम मजदूरी निर्धारित करता है।
2. किसी मजदूर को तय न्यूनतम राशि से कम मजदूरी नहीं दी जा सकती।
3. इसका उद्देश्य मजदूरों को आर्थिक शोषण से बचाना है।
4. न्यूनतम वेतन में समय–समय पर वृद्धि की जाती है।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. **विदेशी कंपनियों को भारत में अपने कारखाने खोलने से क्या फायदा है?**

उत्तर : 1. भारत में श्रम सस्ता मिलता है।
2. मजदूर अधिक समय तक काम करने को तैयार हो जाते हैं।
3. मजदूरों के आवास और अन्य सुविधाओं पर कम खर्च होता है।
4. कमजोर सुरक्षा कानूनों के कारण लागत कम रहती है।
5. कंपनियाँ कम लागत में अधिक मुनाफा कमाती हैं।

सुरक्षा कानूनों का क्रियान्वयन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. **सुरक्षा कानूनों को लागू करने की मुख्य जिम्मेदारी किसकी है?**
(अ) केवल मजदूरों की
(ब) निजी कंपनियों की
(स) सरकार की (द) उपभोक्ताओं की **(स)**

2. **संविधान का कौन–सा अनुच्छेद जीवन के अधिकार से संबंधित है?**
(अ) अनुच्छेद 14 (ब) अनुच्छेद 17
(स) अनुच्छेद 21 (द) अनुच्छेद 32 **(स)**

3. **भोपाल संयंत्र में सुरक्षा संबंधी मुख्य समस्या क्या थी?**
(अ) कानून बहुत कठोर थे
(ब) कानून ढीले थे और उनका क्रियान्वयन भी कमजोर था
(स) कारखाना आबादी से दूर था
(द) मजदूर काम नहीं करना चाहते थे **(ब)**

4. **सरकारी अधिकारी यूनियन कार्बाइड के कारखाने को किस श्रेणी में रखने के लिए तैयार नहीं थे?**
(अ) लाभकारी कारखाना
(ब) सार्वजनिक कारखाना
(स) खतरनाक कारखाना
(द) छोटा कारखाना **(स)**

5. **सरकार भोपाल संयंत्र में निवेश जारी रखना क्यों चाहती थी?**
(अ) प्रदूषण बढ़ाने के लिए
(ब) रोजगार उपलब्ध कराने के लिए
(स) कारखाना बंद कराने के लिए
(द) मजदूरों की संख्या घटाने के लिए **(ब)**

6. **मौलिक अधिकारों को साकार करने में अहम भूमिका .... की है। (मॉड्ल पेपर 2026)**
(अ) विधायिका (ब) कार्यपालिका
(स) नगरपालिका (द) न्यायपालिका **(द)**

7. **सामाजिक न्याय हेतु आवश्यक है– (मॉड्ल पेपर 2023)**
(अ) कानून बनाना (ब) कानून लागू करना
(स) जनचेतना (द) उपरोक्त सभी। **(द)**

रिक्तस्थान –

1. **कानून बना देना ही पर्याप्त नहीं है, उसका ——————— भी जरूरी है।**

उत्तर : क्रियान्वयन

2. **प्रत्येक मजदूर को सही वेतन दिलाने के लिए सरकार को कार्यस्थलों का नियमित ——————— करना चाहिए।**

उत्तर : निरीक्षण

3. **सरकारी अधिकारी यूनियन कार्बाइड कारखाने को ——————— कारखानों की श्रेणी में रखने के लिए तैयार नहीं थे।**

उत्तर : खतरनाक।

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. **कानून लागू करने का क्या अर्थ है?**

उत्तर : कानून का पालन सुनिश्चित करना और उल्लंघन करना वाले को दंड देना।

2. **कार्यस्थलों का नियमित निरीक्षण क्यों जरूरी है?**

उत्तर : यह जाँचने के लिए कि सुरक्षा और मजदूरी संबंधी कानूनों का पालन हो रहा है या नहीं।

3. **गरीब मजदूर कम वेतन की शिकायत क्यों नहीं कर पाता?**

उत्तर : आमदनी खोने या बदले की कार्रवाई के डर से।

4. **सरकारी निरीक्षक दोषपूर्ण प्रक्रियाओं के प्रति क्या करते रहे?**

उत्तर : वे उन्हें बार–बार मंजूरी देते रहे।

5. **सुरक्षा कानूनों का पालन न होने से किस अधिकार का उल्लंघन होता है?**

उत्तर : जीवन के अधिकार का।

मिशन ज्ञान पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें!
100% FREE! VIDEO COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES Download Mission Gyan App

निम्न को सुमेलित कीजिए–

1.

स्तंभ -अ	स्तंभ -ब
1. सरकार	A. जीवन का अधिकार
2. अनुच्छेद 21	B. सुरक्षा कानूनों का क्रियान्वयन
3. सरकारी निरीक्षक	C. 1978 में आपत्ति
4. नगर निगम अधिकारी	D. दोषपूर्ण प्रक्रियाओं को मंजूरी

उत्तर : 1-B, 2-A, 3-D,4-C

2.

स्तंभ -अ	स्तंभ -ब
1. कमजोर सुरक्षा कानून	A. दुर्घटनाओं का खतरा
2. नियमित निरीक्षण	B. कानूनों के पालन की जाँच
3. कानून का उल्लंघन	C. दंड
4. घनी आबादी में कारखाना	D. भोपाल संयंत्र की समस्या

उत्तर : 1-A, 2-B, 3-C,4-D

सत्य/असत्य प्रश्न –

1. सुरक्षा कानून बना देने के बाद सरकार की कोई जिम्मेदारी नहीं रहती।

उत्तर : असत्य।

2. सरकारी निरीक्षक बार–बार होने वाले गैस रिसाव के बाद भी दोषपूर्ण प्रक्रियाओं को मंजूरी देते रहे।

उत्तर : सत्य।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. कानूनों का सही क्रियान्वयन क्यों आवश्यक है?

उत्तर : 1. केवल कानून बनाने से लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं होती।
2. निरीक्षण से कानूनों के उल्लंघन का पता चलता है।
3. दोषियों को दंड देने से नियमों का पालन बढ़ता है।
4. कमजोर और गरीब लोगों को शक्तिशाली मालिकों के शोषण से बचाया जा सकता है।

2. भोपाल संयंत्र के संबंध में सरकार की क्या कमियाँ थीं?

उत्तर : 1. भारत के सुरक्षा कानून कमजोर थे।
2. कमजोर कानूनों को भी सही ढंग से लागू नहीं किया गया।
3. कारखाने को खतरनाक श्रेणी में नहीं रखा गया।
4. घनी आबादी वाले क्षेत्र में कारखाना खोलने पर आपत्ति नहीं की गई।
5. सरकारी निरीक्षक दोषपूर्ण प्रक्रियाओं को मंजूरी देते रहे।

3. सुरक्षा कानूनों का अनुच्छेद 21 से क्या संबंध है?

उत्तर : 1. अनुच्छेद 21 प्रत्येक व्यक्ति को जीवन का अधिकार देता है।
2. असुरक्षित कार्यस्थल मजदूरों के जीवन को खतरे में डालते हैं।
3. सरकार का कर्तव्य है कि कार्यस्थल सुरक्षित हों।
4. सुरक्षा कानूनों की अनदेखी जीवन के अधिकार का उल्लंघन बन सकती है।

Trick "जीजीवन = उ–क–ख–,खतरा,कर्तव्य,उल्लंघन।"

4. मजदूरों के अधिकारों के लिए सख्त कानूनों की आवश्यकता क्यों बढ़ गई है?

उत्तर : 1. स्थानीय और विदेशी कंपनियाँ लगातार नए कारखाने खोल रही हैं।
2. कंपनियाँ मुनाफे के लिए सुरक्षा और मजदूरी पर खर्च घटा सकती हैं।
3. गरीब मजदूर मालिकों के सामने कमजोर स्थिति में होते हैं।
4. कार्यस्थल दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सख्त कानून और निगरानी जरूरी हैं

5. सुरक्षा कानूनों के क्रियान्वयन को बेहतर बनाने के लिए क्या किया जाना चाहिए?

उत्तर : 1. कारखानों और कार्यस्थलों का नियमित निरीक्षण किया जाए।
2. दोषपूर्ण प्रक्रियाओं को तुरंत रोका जाए।
3. कानून तोड़ने वाली कंपनियों को दंड दिया जाए।
4. खतरनाक कारखानों की सही पहचान की जाए।
5. कंपनियों से साफ और सुरक्षित तकनीक अपनाने की माँग की जाए।

Trick "नि" –प–द–रो–

6. सरकार किस प्रकार से सामाजिक न्याय को प्रोत्साहन देती है? कोई दो उदाहरण दीजिए। (मॉड्ल पेपर 2023)

उत्तर : 1. सरकार कानून बनाकर, उन्हें लागू करके और निजी कंपनियों की गतिविधियों पर नियंत्रण रखकर सामाजिक न्याय को प्रोत्साहन देती है।
2. न्यूनतम वेतन कानून द्वारा मजदूरों को उचित मजदूरी दिलाई जाती है।
3. बाल मजदूरी पर रोक लगाकर बच्चों को शोषण से बचाया जाता है।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. जब हम कानूनों को लागू करने की बात करते हैं तो इसका क्या मतलब होता है? कानूनों को लागू करने की जिम्मेदारी किसकी है? कानूनों को लागू करना इतना महत्त्वपूर्ण क्यों है?

उत्तर : 1. कानून लागू करने का अर्थ–

- यह सुनिश्चित करना कि सभी व्यक्ति और कंपनियाँ कानून का पालन करें।
- कार्यस्थलों का नियमित निरीक्षण करना।
- कानून तोड़ने वालों को दंड देना।

2. जिम्मेदारी–

- कानूनों को लागू करने की जिम्मेदारी सरकार की है।

3. महत्त्व–

- कमजोर और गरीब लोगों को शोषण से सुरक्षा मिलती है।
- मजदूरों को सही वेतन और सुरक्षित कार्यस्थितियाँ मिलती हैं।
- निजी कंपनियों की मनमानी पर रोक लगती है।
- सामाजिक न्याय और जीवन के अधिकार की रक्षा होती है।
- कानून लागू न होने पर भोपाल जैसी बड़ी त्रासदियाँ हो सकती हैं।

2. कानून के जरिए बाजारों को सही ढंग से काम करने के लिए किस तरह प्रेरित किया जा सकता है? अपने जवाब के साथ दो उदाहरण दें।

उत्तर : 1. सरकार कानूनों द्वारा बाजार की अनुचित गतिविधियों पर रोक लगा सकती है।

2. कानून मजदूरों, उपभोक्ताओं और उत्पादकों को शोषण से सुरक्षा प्रदान करते हैं।

3. नियम तोड़ने वालों पर दंड लगाकर कानूनों का पालन कराया जा सकता है।

- उदाहरण–

1. न्यूनतम वेतन कानून के अनुसार मजदूर को निर्धारित न्यूनतम राशि से कम मजदूरी नहीं दी जा सकती।

2. गुणवत्ता संबंधी कानूनों के अनुसार भोजन, दवाइयाँ और विद्युत उपकरण निर्धारित सुरक्षा मानकों के अनुरूप होने चाहिए।

पर्यावरण की रक्षा के लिए नए कानून

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. पर्यावरण के मुद्दों को प्रमुखता से सामने लाने वाली घटना कौन–सी थी?

(अ) कपड़ा मिलों का बंद होना
(ब) भोपाल गैस त्रासदी
(स) न्यूनतम वेतन कानून
(द) बाल श्रम संशोधन **(ब)**

2. नए पर्यावरण कानूनों के अनुसार पर्यावरण को नुकसान पहुँचाने के लिए किसे जिम्मेदार माना गया?

(अ) केवल मजदूरों को
(ब) स्थानीय नागरिकों को
(स) प्रदूषण फैलाने वालों को
(द) उपभोक्ताओं को **(स)**

3. सुभाष कुमार बनाम बिहार राज्य का फैसला किस वर्ष दिया गया था?

(अ) 1984
(ब) 1989
(स) 1991
(द) 1998 **(स)**

4. सर्वोच्च न्यायालय ने प्रदूषण मुक्त हवा और पानी के अधिकार को किस अधिकार का हिस्सा माना?

(अ) समानता का अधिकार
(ब) जीवन का अधिकार
(स) धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार
(द) संपत्ति का अधिकार **(ब)**

रिक्तस्थान –

1. प्रदूषण मुक्त हवा और पानी का अधिकार ———————— के अधिकार का हिस्सा है।

उत्तर : जीवन।

2. प्रदूषण फैलाने वाले दोषियों पर सरकार को भारी ———————— लगाना चाहिए।

उत्तर : जुर्माना।

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. स्वच्छ वातावरण को किस प्रकार की सुविधा माना गया है?

उत्तर : जनसुविधा।

2. स्वस्थ पर्यावरण के अधिकार में क्या शामिल है?

उत्तर : प्रदूषण मुक्त हवा और पानी।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video Courses | Quiz | PDF | Test Series
Download Mission Gyan App

निम्न को सुमेलित कीजिए–

1.

स्तंभ -अ	स्तंभ -ब
1. सुभाष कुमार बनाम बिहार राज्य	A. जीवन का अधिकार
2. अनुच्छेद 21	B. वर्ष 1991
3. सर्वोच्च न्यायालय	C. सीएनजी के प्रयोग का आदेश
4. दिल्ली के सार्वजनिक वाहन	D. प्रदूषण मुक्त हवा–पानी का अधिकार

उत्तर : 1-B, 2-A, 3-D,4-C

2.

स्तंभ -अ	स्तंभ -ब
1. प्रदूषण फैलाने वाला	A. पर्यावरण पर अधिकार
2. अगली पीढ़ियाँ	B. रोजगार और पर्यावरण की रक्षा
3. स्वच्छ तकनीक	C. नुकसान की जिम्मेदारी
4. सरकार	D. प्रोत्साहन, सहायता और जुर्माना

उत्तर : 1-C, 2-A, 3-B,4-D

सत्य/असत्य प्रश्न –

1. भोपाल गैस त्रासदी से पहले पर्यावरण संरक्षण कानून और उनका क्रियान्वयन बहुत मजबूत था।

उत्तर : असत्य।

2. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के अन्तर्गत पानी का अधिकार जीवन के अधिकार का हिस्सा है। (मॉड़ल पेपर 2026 , 2025)

उत्तर : सत्य।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. पर्यावरण की रक्षा के लिए नए कानूनों की आवश्यकता क्यों पड़ी?

उत्तर : 1. पुराने पर्यावरण कानून बहुत कम और कमजोर थे।
2. औद्योगिक प्रदूषण से आम लोगों के स्वास्थ्य पर असर पड़ रहा था।
3. पुराने कानून औद्योगिक दुर्घटनाओं से प्रभावित आम नागरिकों के अधिकारों की पर्याप्त रक्षा नहीं करते थे

2. भोपाल गैस त्रासदी ने पर्यावरण के प्रति सोच में क्या परिवर्तन किया?

उत्तर : 1. पर्यावरण का प्रश्न प्रमुख सार्वजनिक मुद्दा बन गया।
2. यह स्पष्ट हुआ कि औद्योगिक दुर्घटनाएँ केवल मजदूरों को प्रभावित नहीं करतीं।
3. आसपास रहने वाले आम लोग भी प्रदूषण और दुर्घटनाओं के शिकार हो सकते हैं।
4. प्रदूषण फैलाने वालों को पर्यावरणीय नुकसान के लिए जिम्मेदार माना जाने लगा

3. सुभाष कुमार बनाम बिहार राज्य मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने क्या कहा?

उत्तर : 1. जीवन का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत मौलिक अधिकार है।
2. इसमें प्रदूषण मुक्त हवा और पानी का अधिकार शामिल है।
3. सरकार की जिम्मेदारी है कि वह प्रदूषण पर रोक लगाए।
4. नदियों को साफ रखा जाए और दोषियों पर भारी जुर्माना लगाया जाए।

Trick "21–ह–रो–न–जु"

4. प्रदूषण फैलाने वाले कारखानों को शहर से बाहर भेजने से कौन–सी नई समस्याएँ उत्पन्न हुई?

उत्तर : 1. अनेक मजदूरों के रोजगार समाप्त हो गए।
2. मजदूरों को दूर–दराज के क्षेत्रों में जाना पड़ा।
3. प्रदूषण की समस्या नए क्षेत्रों में पहुँच गई।
4. मजदूरों की सुरक्षा और शोषण की समस्या बनी रही।

5. स्वच्छ पर्यावरण और मजदूरों के रोजगार दोनों की रक्षा कैसे की जा सकती है?

उत्तर : 1. कारखानों में स्वच्छ तकनीकों और सुरक्षित प्रक्रियाओं को अपनाया जाए।
2. सरकार कारखानों को तकनीकी सहायता और प्रोत्साहन दे।
3. प्रदूषण फैलाने वाली कंपनियों पर जुर्माना लगाया जाए।
4. कारखानों को बंद करने के बजाय उन्हें पर्यावरणीय मानकों का पालन करने के लिए बाध्य किया जाए।
5. समुदायों और मजदूरों दोनों के सुरक्षित पर्यावरण के अधिकार की रक्षा की जाए।

6. सरकार द्वारा नागरिकों को दी जाने वाली कोई दो जनसुविधाएँ बताइये। (वर्ष 2023)

उत्तर : 1. स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल।
2. स्वास्थ्य सुविधाएँ।